GOSSNER EVANGELICAL – LUTHERAN CHURCH IN CHOTANAGPUR AND ASSAM

GELC ARCHIVE

Signature: **GELC-A _ 001 _ 0234**

Classification:

Original File No.

Title

Minutes C.C.

Volume:

Running **from year: 13-11-1932** **till year: 27-09-1934**

Content:

- Extract C.C. G.E.L. Church in Chotanagpur & Assam.
- Report, Financial Statement, Gossner Autonomy Rakshak Sabha.

No. 1 Extra Thick Quality.

178

193 .

"M. T. C."

FLAT FILE.

MODERN TYPEWRITER CO.,
7, BENTINCK STREET, CALCUTTA.

File Subject Minutes (Manuscript)

ne 28th Oct 1932 15

n (Months) 27 Sept: 1934

चर्च कौंसिल की कार्यकारक सभा ।

शुक्रवार ता: २८ अक्टोबर १९३२॥

आज के दिन निम्न सभासदगण और पदधारी उपस्थित थे :—

१। पाद्री ~~सभ०~~ ब्रेड्ड ... ... एजांची ।
२। पाद्री योसेफ लकड़ा ।
३। मि० सामुएल पुर्ती
४। मि० पिटर कुल्लु ... ... सेक्रेटरी ।

आज की बैठकी के लिये प्रेसिडेन्ट नहीं थे सो पाद्री योसेफ लकड़ा इस बैठकी के लिये सभापति चुने गये।

प्रार्थना हुई और इसके पीछे कार्यपत्र के अनुसार निम्न लिखे काम सम्पादन किये गये ।

१। मन्तव्य का दृढ़ाना ।

पूर्वी कौंसिल की बैठकी के अन्तिम दिन का मन्तव्य नहीं दृढ़ाया गया था सो पढ़ा गया और कुछ तर्क वितर्क होने पर सुधार हुआ और दृढ़ाया गया ।

२। पाद्री ओल्ड्रियस तोप्पनो, छुट्टी ।

संघानी के पाद्री ओल्ड्रियस तोप्पनो ने एक महीने के लिये छुट्टी पाने की दरखास्त दिई। अपनी स्त्री के विशेष अवस्था के कारण उसको छुट्टी की आवश्यकता हुई। विचार हुआ कि उसको एक महीने की छुट्टी दिई जावे पर अपने इलाके के काम का उचित प्रबन्ध करे ।

३। आसाम के लिये नया पाद्री ।

~~सभा~~ आसाम ~~को~~ से एक अर्जी आई जो पढ़ी गई । पाद्री एदरिक चेयरमैन ने उसे भेजा । अर्जी थी कि प्रचारक योहन तिर्कु को जो चाचरा शान्तिपुर में है पदाभिषेक करें । अभिषिक्त किये जाने के पहिले वह कुछ महीनों तक सेमिनेरी में ट्रेनिंग पावे । आसाम जैसे विस्तृत क्षेत्र है और वहां पाद्रियों की ~~काम करने को~~ मांग बड़ी है इसलिये अधिक योग्य जन मिलें तो पद देना अच्छी बात होगी। सेमिनेरी के नियमों पर तथा मिनिस्टिरियम के नियमों पर बातचीत हुई और पट स्थिर हुआ —

संकल्प: कि प्रेसिडेन्ट सरकुलर के द्वारा मिनिस्टिरियम के अंगों को सूचना देवे कि आसाम के ~~प्रचारक~~ योहन तिर्कु को भविष्यत में ~~पद देने को~~ ~~किसी पाद्री~~ आगामी महासभा तक के लिये सेमिनेरी में ग्रहण नहीं अथवा नहीं क्योंकि नियमानुसार वह महीना तक जो नहीं पढ़ा है और सेमिनेरी का पूरा कोर्स भी नहीं पढ़ सकेगा । प्रेसिडेन्ट की अनुपस्थिति में मिनिस्टिरियम का सेक्रेटरी इस सरकुलर को भेजें ।

४। फेडरेशन ईयर बुक ।

हिन्दी की लूथरान सम्मेलन जब फिर इस बरस १९३३ के लिये ईयर-बुक छापने होवे । अगले बार हमने १०० प्रतियां लिई थीं जो गोस्सनर बुक शोप ने जिनमें से बिक्री के लिये । सेक्रेटरी ने बताया कि इस बार वर्तमान में हम सिर्फ ५० प्रतियां लेवें जिसके लिये सम्मेलन को लिखा जा चुका है।

संकल्प: कि गोस्सनर बुक शोप को कहा जाए कि १९३३ की ईयर-बुक जो लूथरान फेडरेशन से निकलेगी उसकी ५० प्रतियां बेचने के लिये अपने पास रखे और अधिक ५० से अधिक की मांग हो तो पीछे मंगाई जाए । दाम १) या कुछ तक होगा ।

५। प्रार्थना के विशेष दिन ।

सेक्रेटरी ने बताया कि फेडरेशन से ~~मांगा है~~ इस बार फिर अनुरोध हुआ है कि सब लूथरान गिर्जों में एक सन्तों के दिन में "एकता" की प्रार्थना होवे । फिर गुस्तावुस अदोलफुस को लुत्सेन की लड़ाई के ३०० वर्ष का उत्सव ६ नोवेम्बर को होना चाहिये । पर दोनों के लिये सुसमय में तारीख का समाचार देना असंभव होगा इसलिये स्थिर हुआ-

संकल्प: (क) कि लूथरान फेडरेशन द्वारा भेजी हुई प्रार्थना जो एकता के विषय पर है और वैसेही गुस्तावुस अदोलफुस द्वारा लुत्सेन के युद्ध में जय मानने का ३०० वां वर्षीय उत्सव — ये दोनों कार्य्य इस साल पहिले अडवेन्ट के इतवार में योग्य रीति से हमारी सब मंडलियों में ~~मानें~~ मानें जावें ।

2

६। सर्व्वसाधारण जात की प्रार्थना का दिन।

सेक्रेटेरी ने कौंसल को बताया कि सारे जगत में प्रार्थना करने के लिये विशेष पुलाहट स्त्रीस्त्रीयान मण्डलियों के लिये हुई है। १९३३ साल के ३ जनवरी से १० ता: तक अर्थात एक हफ्ते तक विशेषरुप से प्रार्थना करने का अनुरोध है। जगत में अब प्रार्थना द्वारा कार्य्यकारी होने पर जोर दिया जा रहा है सो अवश्य है कि छापे हुए परचे जो भेजे गये हैं सब ओर भेजे जावें। ~~मण्डलियों को फिर~~ बातचीत होकर यह विचार ठहराया गया —

संकल्प: कि हमारे गोस्सनर कलीसा की सब मण्डलियों में जहां जहां पादुरी लोग हैं वे ३-१० जनवरी सप्ताह भर प्रतिदिन छापे हुए पत्र पर के विषयों पर और धर्म्मपुस्तक के दिये स्थलों पर उपदेश देवें और पापांगीकार, प्रार्थना और धन्यवाद करते हुए मण्डली को अगुवाई करें जिसों यह समूचा दफा गम्भीर भाव से और योग्य रीति बितायाजाए।

७। पादुरी शीखे की अर्जी।

कौंसल के पादुरी शीखे ने एक अर्जी यहापुर नीचे चाट की मण्डली के पादुरी के सम्बन्ध पर लिख भेजी जो पढ़ा गया। पादुरियों के सादी लैसेन्स पाने के विषय पर की कठिनता बताई गई। फिर पादुरी शीखे जो कुछ लिखे हैं सो बहुत साधारण रुप से हैं अब तक कौंसल को विशेष रुप से उचित कारण न दिखावे जावें तब तक एक दम सख्त कार्रवाई नहीं किई जा सकती है। बातचीत हुई कि ये बातें पादुरी एम० शीखे को लिख कर जनाई जावें॥

८। खूटीटोली नाप खर्चा।

खूटीटोली के पादुरी धर्म्मदास कुजुर ने एक दरखास्त पादुरी अ० जोन के मारफत भेजी जो पढ़ी गई इसमें नाप खर्चा देने के लिये अर्जी थी कि कौंसल देने की चिन्ता करे। बातचीत होने पर यह विचार ठहराया गया

संकल्प: कि जिसों साब सेट्लमेन्ट सम्बन्धी कागजात कोई आफ ट्रस्टीज आफिस में पहुंचे और सेट्लमेन्ट आफिस को ट्रस्टीज आफिस के संग लिखापढ़ी का उचित उपाय है इसलिये इस दरखास्त ट्रस्टियों के पास भेजी जाए और ट्रस्टी नाप खर्च देने की चिन्ता मे कृपया करेंगे।

९। बुड़जू गिर्जा मरम्मत।

बुड़जू के चेयरमैन ने लिखा है कि वहां गिर्जा की एक तरफ एक दम ~~खराब~~ गई है ~~और उसके~~ धरना का खूंटा झुग गया है जिसका शीघ्र मरम्मत करना बहुत जरुर है। बातचीत होने पर यह निर्णय हुआ

संकल्प: कि बुड़जू इलाका चेयरमैन को लिखा जाए कि मरम्मत का पूरा ब्योरा कौंसल को जनावें तथा जो खर्च होगा उसका भी अन्दाजन एस्टीमेट भेजें जिसों कहां तक खर्च किने का सामर्थ्य हो सो विचार किया जायगा।

१०। तुजुर की जमीन की बटवारा।

कौंसल से बुड़जू इलाके को लिखा गया था कि तुजुर के पादुरी के दरखास्त पर विचार करने के लिये हमें कुछ निश्चित समाचार देवे जिसें जमीन जगह का पूरा हाल मालूम होवे। जो खबर दिई गई है उससे सब कुछ साफ नहीं मालूम होता है। भला होता कि सरजमीन जाके सब कुछ तदारुक किया जाए। सो यों यह विषय निपटारा हुआ —

संकल्प: कि मि० सामुएल पुती और सेक्रेटेरी दोनों जन किसी समय तुजुर जावें और सरजमीन देखके और इलाके के कागजातों को दरयाल करके तथा स्थानीय मण्डली के लोगों के साथ में बातचीत करके अपनी सिफारिश या रिपोर्ट कौंसल को शीघ्र देवें जिसों वहां की जमीन के बटवारा का विषय शीघ्र तय कर दिया जाए॥

११। गुमला के कितने सम्पत्ति।

गुमला इलाके ने लिखा था कि वहां की पुरानी बहियां तथा जितनी चीजें अब तक पुराने पादुरी या चेयरमैन के नहीं जिम्मा दिई गई है। उन सब का फिहरिस्त भी भेजा गया था। पादुरी वाजुब कुजुर से इसके बारे लिख कर पूछा गया। जो जबाब दिया गया है सो पढ़ा गया। इस बात पर थोड़ी बातचीत होकर निपटारा हुआ

संकल्प: कि गुमला इलाके के लिये जो कमीशन स्थापन के सम्बन्ध में ठहराई गई है वही कमीशन पादुरी वाजुब कुजुर का जबाब औ इलाके के कागजातों का औ चीजों की फिहरिस्त पर दरयाल औ जांच कर अपना रिपोर्ट देवें॥

3.11.32

कार्यकारक सभा की बैठकी
तथा रांची के कौंसिल मेम्बरों के साथ
की एकान्तिक बैठकी।
ता: ३ नोवेम्बर [हेमन्त] १९३२।

आज के दिन निम्नलिखित सभासद और पदधारी उपस्थित थे:—

१। पद्री रेव० फ्रेहन ... ... रांची।
२। " एम क्रिश्चन
३। " योहन तिग्गा
४। " बेन्यामीन मुंजनी
५। मि० सामुएल पुर्ती
६। " नर्मदेन साय
७। " पिटर हुरेव ... ... सेक्रेटरी।

मि० थेओदोर सुरिन नहीं आये और प्रेसिडेन्ट योहन तोपनो गैरहाजिर थे इसलिये आज के दिन के लिये पादरी योसेफ तिग्गा सभापति चुने गये। आपने आरम्भ में प्रार्थना किई और यों काम समारोह हुआ अर्थात—

चिकित्सा विभाग का काम।

रांची के अस्पताल को खर्च वर्च, स्याफ को रखने, स्कूलों को लिये डाक्टर के काम तथा सर्वसाधारण लोगों के साथ अस्पताल का सम्बन्ध तथा दवा बीरो का दाम आदाय करने के विषयों पर बहुत देर तक बातचीत हुई और निदान यही विचार स्थिर करने का संकल्प हुआ।—

यह संकल्प कि रांची के एलिसेबेथ अस्पताल को चालू रखने के लिये यत्न किये जाएं और उपाय ग्रहण किये जाते हैं अर्थात— कि रांची के दोनों स्कूल अर्थात हाईस्कूल और बेथेसदा स्कूल होस्टेल महीना महीना प्रति स्कूल के हिसाब से २०) महीना देवे; चर्च कौंसिल महीना २०) देवे; रांची मंडली के सब लोग जो अस्पताल से दवा लेते हैं सो उ प्रतिबार दवा का दाम देवें। तथा एक अपील सर्वसाधारण के लिये तैयार किया जाए और कमीशनर इसको उगाहने के लिये फिरा करें जिसें इसकी आमदनी से अस्पताल के खर्च में सहायता होवे।

4. 11. 32

EXTRACT FROM THE PROCEEDINGS OF THE CHURCH COUNCIL OF THE G.E.L. CHURCH IN CHOTA NAGPUR & ASSAM.

---------oOo---------

11th. November, 1932.

Read an application signed by Babu Manmasih Minz, Jaipur; Babu Daud Minz, Jaipur and Babu Anandmasih Tiga.

Considered the various points raised in the application and decided as follows :-

Item 1. Re: the transfer of Rev:Masihdas Ekka.

RESOLVED: That Rev: Masihdas Ekka be asked to consent to his transfer to the Ranikhatanga Parish, only for restoring peace in Jaipur and Rev: P. Mundu be transferred to the Mandar Parish to take over charge in a month's time.

Item 2. Re:the marriage of Yunas and Mangaldasi.

RESOLVED: That the contracting parties should go to Kuru to get the marriage celebrated and registered by the Padre of Kuru who is also directed to perform the marriage in his church.

Item 3. Re:Recognition of two separate congregations at Jaipur and Raghunathpur.

RESOLVED As there is no church property in Jaipur, the Church Council can not consent to the official service of a pastor at Jaipur. On the other hand the Church Council urges upon the people both of Jaipur and Raghunathpur to sink their quarrels and to have common worship in the Raghunathpur chapel. The Church Council undertakes to bring about a reconciliation between Jaipur and Raghunathpur people at a very early date.

Item 4. Re: marriages of Anandmasih Tiga and Basant Tirkey.

RESOLVED : Of the contracting parties the men belong to the S.P.G Mission and they can apply to that mission for the solemnisation of their marriages; besides this, one of the parties a female is the one excommunicated by our church and as such can not be recommended to another mission for church marriage.

Ranchi.
G.E.L. Church Office
12. November, 1932.

SECRETARY
G.E.L. Church at Ranchi.

~~चर्च कौंसिल के कार्य्यकारक सभा की बैठकी का मन्तव्य।~~
ता: २१ नोवेम्बर १९३२॥

आज के दिन नोवेम्बर महीने की दूसरी नियमित कार्य्यकारक सभा की बैठकी बुलाई गई और निम्न लिखे पदधारी और अंग उपस्थित आये :-

१। पादुी योसफ लकड़ा ... ... चेयरमैन।
२। " ~~रमन~~ प्रेहन ... ... खजांची।
३। मि० सामुएल पुर्ती ... ...
४। मि० पिटर हुरु ... ... सेक्रेटरी।

प्रेसिडेन्ट इस बैठकी में गैरहाजिर रहे।
मि० निर्मल सोय अपने विभाग के काम के लिये बुलाये गये थे उपस्थित आये।
पादुी केन्थामीन मिंज और पादुी मसीहदास एक्का मांडर-जयपुर के सम्बन्ध की बात लेकर हाजिर थे।

आरम्भ में पादुी योसफ लकड़ा ने प्रार्थना किई और सभा के निम्न लिखे काम आज के दिन सम्पादन हुए :-

१। जयपुर विषयक बातचीत।

अगले दिन का मिनिट पढ़ा गया और ~~अ~~ जयपुर विषय का जो फैसला था उस पर बातचीत हुई कि १८ ता: को अदालत में पादुी मसीहदास की बदली के विषय में पूछ पाछ हुई और इसी प्रश्न पर निश्चयता पाने और उसके विषय सुनके फैसला देने के लिये सब-डिवीजनाल आफिसर ने २१ ता: ~~को~~ तदारुक मोकद्दमा को मुलतवी रखा है। मजिष्ट्रेट को इस विषय पर क्या और कैसा जवाब देना चाहिये ~~इसलिये~~ इसके विषय पादुी केन्थामीन मिंज को बताया गया।

~~स्कूल विभाग।~~
२। स्कूल फीस बढ़ाया जाना।

हमारे मिडल और प्रेमरी स्कूलों में हमारे वर्त्तमान आर्थिक घटी में सहाय पहुंचाने के लिये स्कूल फीस की दर बढ़ाने के लिये शिक्षा-विभाग की मंजूरी पाने के लिये डिवीजनाल इन्सपेक्टर को लिखा गया था। सो इन्सपेक्टर की मंजूरी चिठी पढ़ी गई।

संकल्प: कि इन्सपेक्टर की स्कूल फीस बढ़ाने की मंजूरी जारी होवे और अब जनवरी १९३३ से स्कूल फीस लेने की दर यों बढ़ाया जाता है अर्थात :-

~~मिडल इङ्गलिश~~ ~~क्लासों~~ में	I) महीना	वर्त्तमान फीस के ऊपर लिया जाए।
ऊपर प्रेमरी ~~मिडल इङ्गलिश~~ क्लासों में	II) "	
~~प्रेमरी~~ प्रेमरी क्लास I से III तक	I) "	

३। स्कूल डैरेक्टर की चिठी।

स्कूल विभाग के डैरेक्टर की चिठी नं: ९९२२ ता: २४ अक्टोबर, १९३२ जो डिविजनाल इन्सपेक्टर के मेमो नं० ४१९२ / १८.-१२-३२ ता: १० नोवेम्बर १९३२ के संग भेजी गई थी सो पढ़ी गई। उसके मूल विषयों पर ध्यान दिया गया। साथ साथ हेड-सुपरवैजर की सूचना जो इस विषय पर दिई गई थी सो पढ़ी गई और हरेक पर एकैक कर ध्यान दिया गया और निदान यह इस प्रकार निपटारा हुआ - कि वर्त्तमान में लोहरदगा स्कूल का मिडल-इंगलिश विभाग उठा दिया ~~संकल्प: कि अभी~~ जाए क्योंकि देखा जाता है कि और इलाकों की अपेक्षा लोहरदगा इलाके ने स्कूल के खर्च के लिये देने में सब से कम परिश्रम किया है अर्थात केवल महीना में ६) रुके। सो यदि मंडली ऐसी ढीलाई करे तो उससे स्कूल के शिक्षकों को वर्त्तमान भांति घटी पर काम करवाना असम्भव है। इससे अच्छा है स्कूल बन्द कर दिया जाए॥

परन्तु इसके पहिले सलाह है कि ~~कौंसिल~~ इलाको कौंसिल को इस फैसला से जानकार रखें और उसको इस विषय पर सोचने और उपाय करने का थोड़ा सा मौका अवसर देवें इसलिये लोहरदगा इलाके चेयरमैन को और हेड माष्टर को सूचना में यह विषय जनाया जाय। अन्य स्कूलों के लिये अर्थात प्रेमरी स्कूलों को उठा देने के विषय में जो बातचीत हुई और ऐसा संकल्प किया गया —

संकल्प : (क) कि चर्च कौंसिल शीघ्र ही लोहरदगा हेड माष्टर को और इलाका चेयरमैन को लिखे कि वे दोनों ७ दिसम्बर से आगे इलाका पंच को तथा इलाके के भीतर के मुख्य जनों को और माष्टरों को बुलाके एक सभा करें। वह तारिख चर्च कौंसिल को जनाई जाए और तब कौंसिल उस सभा में कौंसिल का विचार स्पष्टरूप से बतावें और यदि इलाके से कोई समुचित-योग्य उपाय की निश्चयता होवे तो उस पर विचार करें अन्यथा जनवरी १९३३ की ~~१~~ ली तारिख से ~~मिडल~~ विभाग बन्द कर दिया जाए और माष्टरों को इसी अनुसार १ महीने ~~को~~ की नोटिश दिई जाए ॥

(ख) कि अन्य प्रेमरी स्टियान स्कूलों को बन्द करने के विषय में हेड-सुपरवेजर ~~की~~ का जो प्रस्ताव है सो अभी मुलतवी रहे जिसमें हम देखें कि बढ़े हुए स्कूल फीस से स्कूलों के खर्च में कहां तक सहायता होती है।

22.11.32

ता: २२ नोवेम्बर की बैठकी । १९३२

आज के दिन भी अगले दिन के समान निम्न सभासदगण उपस्थित थे :—

१। पादरी थोएल लकड़ा ... ... सभापति ।
२। " एम० ब्रेहन ... ... सभांची ।
३। मि० सामुएल पूती ।
४। " पिटर हुल ... ... सेक्रेटरी ।

प्रेसिडेन्ट की अनुपस्थिति के कारण पादरी थोएल लकड़ा सभापति का काम लगातार में करते गये।

मि० निर्मल सोरेन अपने विभाग के काम के कारण उपस्थित थे।

आज के दिन प्रार्थना के पीछे नीचे लिखे काम सम्पादन हुए :—

४। मास्टर विश्राम मिंज की चिट्ठी ।

लोहरदगा के मास्टर विश्राम मिंज का जवाब जो उसने कैफियत मांगने पर लिखा था सो पढ़ा गया। उसने रुपैया पीछे १ पाई काट जाने की सरकारि रजाने में जाने की बात लिखी है सो उहरना योग्य नहीं है इस पर कौंसिल को विचार है कि यह स्कूल मास्टरों का अपना निजी प्रबन्ध है कौंसिल को इस से सम्बन्ध नहीं इसलिये इस पैसे के लिये कौंसिल जवाबदिही नहीं हो सकती।

फिर उसने कैफियत में लिखा है कि २१) जो उसने खर्च किया था ~~से~~ और जो सीट रेन्ट का रुपैया है उसमें से उसने वोर्डिंग के लिये भी खर्च किया है सो वह तब ही उसे मिलेगा जब उसको यह खर्च दिया जायगा। इन सब बातों पर ध्यान कर कार्यकारी सभा ने यों फैसला किया

संकल्प : (क) कि रुपैया पीछे १ पाई काटने का कैफियत उहरानेयोग्य नहीं है यह मास्टरों का अपना निज प्रबन्ध है इसके लिये कौंसिल जवाबदिही नहीं है।

(२) कि लोहरदगा का स्कूल हसीब जांचा जाए और यदि यह पाया जाए कि उक्त सीट रेन्ट में से ही बोर्डिंग के लिये भी खर्च हुआ है, तो यह रुपैया उक्त में से घटाया जाए और बकाया जो होगा सो मास्टर विश्राम मेझ के तलब से महीनार कुछ २ करके काटा जाए।

५। हेड-मास्टर हेंड्रे: को एडवान्स।

लोहरदगा के हेडमास्टर रेव० हेरन हेंड्रे: ने दर्खास्त दिया कि उसको १०० एडवान्स तौर एक साथ दिया जाए उस रुपैये में से जो १९३१ के सप्टेम्बर से पावना बाकी है। हेड सुपरवेजर ने बताया कि अभी मिडल स्कूलों के मास्टरों को कुछ रुपैया भेजा जा चुका है। बातचीत कर ऐसा तय हुआ—

संकल्प: कि यदि खजाने में काफी रुपैये यथेष्ट होवें तो नोवेम्बर और दिसम्बर का तलब पावना हेडमास्टर हेरन हेंड्रे: को दिया जाए।

६। गुमला स्कूल असबाब।

गुमला स्कूल के लिये फर्नीचर बनाने के लिये ३ गाछों को काटने के लिये इलाके से दर्खास्त आया जो पढ़ा गया। मालूम हुआ कि इलाका दरोगे के दो आम गाछों को और होते के एक कदम गाछ को काटना चाहती है। बातचीत कर यह विचार हुआ—

संकल्प: कि पादरी एम० ग्रेड्भी० एम० पुर्ती गुमला हाल में जा रहे हैं सो वे दोनों जन जाके देखें कि गाछों को काटने की अनुमति देने के योग्य है अथवा नहीं और उनके रिपोर्ट पाने पर फिर विचार किया जाए।

७। भूटान जोनहार खीष्टीयान।

गलपाईगुड़ी गये हुए पादरी मसीहदास लकड़ा जो स्काच मिशन में काम कर रहे हैं कौंसिल में एक चिट्ठी लिखी जो पढ़ी गई। लिखा था कि जो लोग इस देश से भूटान जाते हैं यदि वे अपना नाम ठिकाना वहां के स्काच मिशन के कार्यकारियों को जनावें तो उनको आत्मिक चरवाहे वहां भली भांति से ढूंढ़ा सकेंगे क्योंकि कितने लोग उधर जाकर सांसारिक लोगों के प्रधान में पड़कर खीष्टीयान धर्म्म से बिमुख हो जाते हैं। इस विषय पर व्याख्यान दिया गया और यों निपटारा हुआ

संकल्प: कि भविष्यत में छोटानागपुर की हमारी मराडली से जितने लोग आसाम या भूटान जायेंगे उनका फिहरिस्त हरेक पादरीयन और इलाके में पादरी लोग एकठा करें और उसका एक नकल चर्च कौंसिल को देवें जिससे कौंसिल आसाम या भूटान में वहां के पादरियों से उन गये हुए लोगों की चरवाही के लिये लिखापढ़ी कर सके। हरेक इलाका जानेहारों के नाम, बगान का नाम, जिला का नाम इत्यादि लिख कर रखें॥

८। रोमी मंडली में का स्वामी।

चैनपुर के पादरी रेव० जोन ने एक चिट्ठी कौंसिल में लिखी जिसमें बताया गया कि कोंकर एक रोमी खीष्टीयान रोमी मुधरान मराडली में आकर विवाह किया पर पीछे अपनी स्त्री को ५ बरस त्यागकर फिर रोमी मराडली में लौट गया और वहां एक के किसी पादरी ने उसको फिर से सादी दिई। अब स्त्री भी हमारी मराडली के किसी रांडा से सादी पाने चाहती है तो ऐसा बन सकता है अथवा नहीं। इस पर खूब सोच विचार किया गया। बातचीत में ऐसा भला समझा गया—

संकल्प: कि उस रोमी पुरुष का विवाह जो फिर से हुआ सो अनियमित है क्योंकि उसको बिना त्यागपत्र के दूसरी सादी नहीं मिल सकती थी सो यदि हमारी मराडली की स्त्री दूसरी सादी चाहती है तो नियमितरूप से त्यागपत्र लेवे।

९। कंडिदात सामुएल तिर्की।

कैंकेल के कंडिदात सामुएल तिर्की ने चेयरमैन के द्वारा एक दर्खास्त भेजा कि कौंसिल उसको कुछ समय के लिये मध्यायरा काने को छुट्टी देवे, फिर कहीं काम के लिये यदि वह दर्खास्त देवे तो उसका यह दर्खास्त सिफारिश साथ भेजे अथवा कौंसिल उसके लिये कहीं काम प्रबन्ध कर देवे कि उसको यथेष्ट तलब मिलने से सहायता हो। विचार हुआ और यों तय हुआ—

संकल्प: कि कंडिदात सामुएल तिर्की को दिसम्बर से बिना तलब छुट्टी दिई जाए॥

१०। किंकेल के पादरियों की बदलियां।

किंकेल इलाके के चेयरमैन पादरी शीवे की चिट्ठी पढ़ी गई और यशपुर और सिवल क्षेत्र की दशाओं पर तथा सादी लैसेन्सों के पाने के विषय पर ध्यान दिया गया और विचार आचार होकर यों निपटारा हुआ—

संकल्प: (क) कि किंकेल इलाके में के पादरियों की बदली इस प्रकार होवे:—

(१) पादरी इम्मानुएल कुजुर यशपुर हेठघाट से कोचेडेगा जाए में जो पेरिश माना जाए।

(२) " सामुएल बाग्गे अपने स्थान से यशपुर हेठघाट जावें और उसके चार्ज में रहे।

(३) कंडिडात दाउद सोरेंग कोचेडेगा से अन्य स्थान जाए जहां इलाका उसके काम के लिये उचित समझेगी।

(ख) कि जब तक पादरी सामुएल बाग्गे के लिये सादी लैसेन्स न मिले तब तक के लिये कोन्डा के पादरी लोइन्तुएस लकड़ा हेठघाट के लोगों के सादी विवाह का काम काज सम्पादन करें।

११। बाबू बरनाबास हेमरोम।

चिट्ठी के बाबू बरनाबास हेमरोम ने कौंसिल को पिछली फैसला पाकर कौंसिल में एक दरखास्त भेजा कि कौंसिल के बतायें हुए तीनों दोषों को वह मान लेता और सब दोषों से क्षमा मांगता है। परन्तु फैसला अनुसार ५७।।।-।। जिसे कौंसिल ने भरने की आज्ञा दिई है उसे भरने को वह लाचार है। कुछ समय तक इस पर बातचीत हुई क्योंकि इतने बरसों में प्रथम बार बाबू बरनाबास ने अपने दोष को मान लिया सो यह विचार स्थिर हुआ—

संकल्प: कि कौंसिल बाबू बरनाबास को जो क्षमा मांगता है क्षमा देती है परन्तु उसके ५७।।।-।। भरने के विषय अथवा उसको कहीं भी काम देने के विषय की बात को मुलतवी रखती है जिसका विचार आगामी पूर्ण कौंसिल के सामने किया जाए॥

१२। जिलो तीग्गा और नेली खलखो।

नेली खलखो ने एक दरखास्त भेजी जो पढ़ी गई और बातचीत पर यह तय हुआ कि नेली की दरखास्त का नकल पादरी जिलो तीग्गा को भेजी जाए। उसके जवाब आने पर कौंसिल आगे अपनी राय देगी।

१३। मर्चा का खजाना दरखास्त।

मर्चा के कितने भाइयों ने मर्चा पेरिश के खजाने के विषय असन्तोष प्रगट कर सीधा कौंसिल के पास एक दरखास्त भेजी। सेक्रेटरी ने इसको इलाके में राय के लिये भेजा। इलाके ने इस पर अपना विचार प्रगट किया कि मर्चा के पादरी को बदली कोटबो में और कोटबो के पादरी को बदली मर्चा में होवे। इस सिफारिश को कौंसिल में भेजा कि कौंसिल इस निर्णय को चाहे दृढ़ावे चाहे बदले। बातचीत होने पर यह स्थिर हुआ—

संकल्प: (क) कि पादरी दानियेल होरो और पादरी पतरस कुजूलना दोनों की बदली को मर्चा से कोटबो: और कोटबो: से मर्चा को कौंसिल मंजूर करती है परन्तु

(ख) कि बदली के चार्ज देने और लेने के पहिले दोनों पेरिशों के हिसाब किताब और खजाने का जांच पहिले किया जाए और इसलिये दोनों पेरिश के सब प्रचारकगण अपना हिसाब किताब आगामी महीने के इलाके सभा के दिन गोविन्दपुर में लावें जहां खजांची और मि० पुर्ती जाके उनकी जांच करें।

१४। पादरी पुमुसहाय कच्छप।

जारगो के पादरी पुमुसहाय कच्छप ने दरखास्त भेजी जो पढ़ी गई और

उस पर ~~थोड़ा~~ जो विचार हुआ सो यों है:—

संकल्प: (क) कि नाथ की बन्दबस्ती के कारण पादरी कच्छप को ~~उसको~~ अपने घर जाने के लिये छुट्टी दिई जाती है।

(ख) कि पादरी कच्छप अपना अगले महीनों के तलब पाने की जो दावी करते हैं यह दावी इलाके के पास में वे पेश करें।

१५। छेछारी और ऊपर यशपुर को मदद।

छेछारी और यशपुर के प्रचारक जो ३ जन हैं उन्होंने पादरी ~~अ०~~ जोन के मारफत दरखास्त दिया कि उनको प्रति महीना ६०) रुके पहिले के समान तलब दिया जाए इस दरखास्त पर पादरी जोन की सूचना जो पढ़ी गई और वहां की दशा पर ध्यान दिया और यों संकल्प हुआ।

संकल्प: कि मिशनरी काम के लिये जो रुपैया कौंसल के हाथ में आता है उसी रुपैये में से छेछारी और ऊपर यशपुर के लिये जैसा करने और जहां तक सामर्थ्य होए मदद दिया जाए पर तलब कहके कौंसल उन प्रचारकों को नहीं दे सकती है।

१६। सेमनरी विद्यार्थी पिटर खलखो।

सेमनरी के विद्यार्थी ~~बाबू~~ पिटर खलखो ने दरखास्त भेजा कि उसने २५) मेट्रीकुलेशन ~~का~~ इमतिहान में जाने के लिये कहा लिया था सो यह रुपैया वैंचा मरते को उसे दिया जाए और महीना २ उसके स्टैपेन्ड से काट लिया जाए। बिचार हुआ यह दरखास्त सेमनरी के प्रधान पादरी केरशिस को भेज दिया जाए ॥

अन्त में प्रार्थना हुई और आज की बैठकों का अन्त हुआ=

Hurry

Secy:

चर्च कौंसिल की कार्यकारक सभा की बैठकी।

ता: १३ दिसम्बर (मंगलवार) १९३२।

आज के दिन में कार्यकारक सभा बुलाई जाकर बैठी और निम्नलिखे सभासदगण उपस्थित आये —

१। ~~मि~~ पादु योहन तोपनो ... ... प्रेसिडेन्ट।
२। " योसुल लकड़ा
३। मि सामुएल मुर्तो
४। पादु ~~सम०~~ प्रेड्रू ... ... खजांची।
५। मि० ~~पिटर~~ हुरु ... ... सेक्रेटरी।

मि० निर्मल सोय अपने विभाग के काम के कारण बुलाये जाने पर उपस्थित थे।

आरम्भ में प्रेसिडेन्ट जो हाजिर थे आप ही ~~प्रार्थना~~ किये और निम्नलिखे काम आज समाधान हुए :—

१। जयपुर-मांडर में शान्ति-स्थापन।

सेक्रेटरी ने कार्यकारक सभा को याद दिलाया कि वहां शांति स्थापन करने के लिये कौंसिल ने मार लिया है जिसके लिये चिन्ता करना जरूरत है क्योंकि अभी पादु पौलुस मुन्डु जा चुके हैं। इस विषय पर कुछ देर तों बातचीत कर यह स्थिर हुआ—

संकल्प: (क) कि सेक्रेटरी पादु पौलुस मुन्डु को जयपुर रथुनाथपुर में मेल स्थापन करने में चेष्टा करें इसके सम्बन्ध में एक चिट्ठी डाक से भांडर लिख भेजें।

(ख) कि कौंसिल पादु पौलुस मुन्डु से समाचार न पाने तक इस विषय पर उसके रिपोर्ट के आसरे में रहे।

२। पौलुस मुन्डु पादु की दरखास्त।

रांची इलाके के पादु पौलुस मुन्डु ने दरखास्त दिया कि जब उनको बदली अभी किया रानीखटंगा से भांडर हुई है तो उनको इन जगहों में खर्च बर्च की तकलीफ है क्योंकि (१) जो अभी उनको मलेना मिलता जाता है सो यथेष्ट नहीं है। दरखास्त की और बातों पर भी ध्यान दिया ~~की~~ गया और बातचीत होकर उचित समझा गया—

संकल्प: कि पादु पौलुस मुन्डु का तलब सम्बन्धी दरखास्त इलाके में राय के लिये भेज दिई जाय जिससे ~~इलाके~~ पादुओं के तलब के विषय पूरा समाचार मालूम होवे और साथ साथ इलाका चेयरमैन को लिखा जाय कि वे कौंसिल को जनावें कि रांची ~~के~~ इलाके में किस प्रकार से अभी सेन्ट्रलेज किया जाता है।

३। योसुल लकड़ा पादु फेडरेशन डेलीगेट।

सेक्रेटरी ने कार्यकारक सभा को बतलाया कि फेडरेशन के पदधारियों से तिलापट्टी के द्वारा हमारी मंडली के लिये अधिक प्रतिनिधियों के लिये खर्च पाने का परिश्रम किया गया और पादु योसुल लकड़ा के लिये की यात्रा खर्च की प्रतिज्ञा मिली है सो वे गुन्दरी सभा के लिये प्रतिनिधि मान जावें।

संकल्प: कि पादु योसुल लकड़ा गुन्दरी में बैठनेवाली लूथरान फेडरेशन के लिये डेलीगेट नियुक्त होकर जावें।

४। खटीटोली जवान-युवती संघ।

खटीटोली से इलाका ~~चेयरमैन~~ को सही पर वहां से एक पत्री आई जिसमें इलाके का संकल्प था कि वहां हाल में जवानों और युवतियों का एक संघ स्थापित हुआ है जिसको चर्च कौंसिल स्वीकार करे। संघ के लिये उद्देश्यों पर ध्यान दिया गया और यह

पाया गया कि इस संघ का उद्देश्य शेष सभी के उद्देश्यों के समान ही है और इसलिये भला होगा कि सब ऐसे संघ अथवा सभाओं के लिये एकही प्रकार के नियम होवें जो सब इलाकों में जहां ऐसी सभा स्थापित होंगे वहां के जारी होवें जिससे युवा-युवतियों को अपने अपने उद्देश्य की काम में सहायता और उत्साह मिले। विचार हुआ कि ज़िला सभा के साथ ही इस सभा के नियम एकत्रित किये जाकर देखने जावें।

शिक्षा-विभाग।

१। टकमा स्कूल बंगला में खिड़की।

टकमा के हेडमास्टर ने हेडसुपरवेजर के द्वारा लिखकर अनुमति मांगी है कि वहां के बड़े बंगले में जहां स्कूल होता है यथेष्ट उजियाला और हवा नहीं प्रवेश पाता है सो सब कोठरियों में खिड़की खोलने दिये जावें।

संकल्प: कि टकमा में खिड़की बड़े बंगले में खोलने को अनुमति दिई जाती है जिसका खर्च स्थानीय स्कूल के मरम्मत-फंड से लिया जाए।"

२। जिला तीगा का B.D.

हेडमास्टर जिला तीगा ने इन्सपेक्टर आव स्कूल्स से यह समाचार मंगवाया कि उनका B.D जो है से युनिवर्सिटी के B.A. के बराबर है। इन्सपेक्टर ने यह भी जनाया कि यह B.D. कलकत्ता विश्वविद्यालय से B.A के बराबर कह कर स्वीकृत है। ~~कलकत्ता विश्वविद्यालय इसको स्वीकार नहीं कर सकता है।~~ कौंसिल ने यह समाचार नोट कर लिया॥

३। लोहरदगा एम०ई० स्कूल।

जो कमीशन लोहरदगा स्कूल के सम्बन्ध में कि वह रखा जाए कि उठा दिया जाए इसकी जांच के लिये का रिपोर्ट पढ़ा गया और उसके विषय विषयों पर सोच ध्यान दिया गया। इलाके के देने को बढ़ाने की प्रतिज्ञा और माष्टरों के मदद की ली गई तथा अन्य स्कूलों में हमारे इतने लड़कों को स्थान मिल सकता है कि नहीं इस पर भी विचार हुआ और निदान यही ठहराया गया——

संकल्प: कि अभी लोहरदगा का स्कूल M.E. रहे और देखा जाए कि स्कूल फीस बढ़ाने पर, इलाके के देने को बढ़ाने पर और मास्टरों को मदद देने की प्रतिज्ञा पर देखा जाए कि किस प्रकार स्कूल चल सकेगा।

(ख) कि पं० योगल लकड़ा, हेडसुपरवेजर निर्मल सोय और सेक्रेटरी तीनों मिलके डीरेक्टर प्रवर्तित इन्सट्रक्शन को उसकी चिट्ठी का जवाब हमारे स्कूलों के विषय में देवें। मि० सोय इस कमिटी का कानवीनर रहें॥

४। मास्टर शांति प्र० बाखला।

गुमला के मास्टर शांति प्रकाश बाखला ने दरखास्त दिया है कि उसको किसी मिडल स्कूल में बदली दिया जाए लोहरदगा को छोड़ जिसमें उसका प्राविडेन्ट फंड आदि जारी रहे। हेडसुपरवेजर का नोट भी पढ़ा गया और दोनों पर ध्यान दिया जाना ठहराया गया—

संकल्प: कि अभी रिडक्शन के कारण से किसी मिडल स्कूल में जगह नहीं है और इसलिये उसको गुमला ही में रहना पड़ेगा।

५। बुड़मू में नया हेड माष्टर।

बुड़मू के वर्त्तमान हेडमास्टर दूसरे जगह जा रहे हैं सो जगह खाली होने के कारण नये हेडमास्टर की जरूरत हुई है। हेड-सुपरवेजर के मुंहजबानी रिपोर्ट पर भी विचार हुआ और ऐसा ठहराया गया—

संकल्प: कि बुड़मू इलाके का कामकाज कारबार दो छे महीनों तक के लिये उमदारी पर हेडमास्टर ठहराया जाए। छे महीनों के पीछे यदि वह योग्य पाया जाए और विभाग के इन्सपेक्टरों का उस पर अच्छा रिपोर्ट हो तो वह आगे भी काम का रहेगा अन्यथा उसको काम छोड़ देना पड़ेगा॥

रवजाना-विभाग ।

१०। पादरी ओन्द्रयस तोपोनो ।

संचालक ने पादरी ओन्द्रयस तोपोनो की ३ दरखास्त पढ़ी गईं। एक में उसके T.A. के विषय, एक में तलब महीना २ पाने के और एक में उसकी बदली होके जाने में समूचा चीज असबाब ले जाने के खर्च के बारे में लिखा था। विचार यों स्थिर हुआ—

संकल्प: (अ) कि पादरी ओन्द्रयस तोपोनो अपना महीना २ की आमदनी का हिसाब और सफर खर्च का हिसाब कौंसिल में भेजते जांए तब उसको खर्च दिया जायगा।

(ब) कि पादरी बाबू को महीना २ तलब दिया जा रहा है इसलिये इसका फिर उल्लेख करने की आवश्यकता नहीं।

(स) कि बदली के खर्च का हिसाब का रुपैया देना अभी मुलतवी रहे क्योंकि उसकी पूरी बदली का विचार आगामी फुल कौंसिल में होगा।

११। फेडरेशन को देन ।

फेडरेशन को हरेक मिशन या मण्डली से जो चन्दा मिलना चाहिये इसके लिये जो चिट्ठी आई सो पढ़ी गई। किस हिसाब से चन्दा दिया जाय इसका भी ब्यौरा देखा और पढ़ा गया और यों निपटारा हुआ—

संकल्प: कि फेडरेशन को ३०) रुपैया ६ जनों का मेम्बरशिप फीस भेज दिया जाए और कोई भाव प्रकाशित करने के लिये देने की बात के लिये अफसोस बताया जाए कि हमारी मंडली देने में असमर्थ है।

पार्थिव दरखास्त ।

सूचना — मि० सोय काउ रांची गर्ल्स को आमदनी और नेशनल लूथरान कौंसिल के पास स्कूलों की सहायता के लिये अर्जी भेजने के कागज पढ़े गये। पहिले के विषय कहा गया कि कागज पूरा कौंसिल में पेश होवे और दूसरा कि वह गुप्त मीटिंग में बातचीत करने के लिये नोट किया जाए।

१२। सम्पत्ति-विभाग ।

मि० नैमन टोप्पो ने चर्च रोड में एक टुकड़ा जमीन लकड़ी गोदाम या दूकान के लिये मांगने का दरखास्त दिये हैं जो पढ़ी गया। सेक्रेटरी को इस विषय पर बातचीत करने का अधिकार दिया गया—

१३। कौंसिल बैठकें ।

स्थिर हुआ कि आगामी कौंसिल जनवरी १८, १९३३ से बैठे। नोटिश दिया जाए।

१४। विविध प्रसंग पर ।

कौंसिल के मन्तव्यों के छापने की देर पर तथा बंगाली कैटेक्इस के अब तक न छपे जाने के विषय बातचीत हुई और अधिकतावों के सम्बन्ध में भी कुछ विचार हुए और छापाखाने से तदारुक होने का प्रबन्ध ठहराया गया।

कुछ विषय जिनका सम्बन्ध हाई स्कूल से अथवा प्रिन्सिपल से था सो इस तारीख शुरुआ के लिये मुलतवी रखे गये क्योंकि प्रिन्सिपल १० बजे सभा से काम की जरूरी के लिये स्कूल चले गये थे।

अन्त में फिर रवजांचों ने प्रार्थना किई और आज के लिये सभा उठ गई॥

Sammelan
20/12/32
Offg: Chairman.

Sammelan
16.12.32

कार्य्यकारक सभा की बैठकी ।

ता: २० दिसेम्बर १९३२।
[मंगलवार ।]

आज को फिर आवश्यकता हुई कि कार्य्यकारक सभा बैठी क्योंकि अगली बैठकी में पादी योसेफ लकड़ा कुछ कारणों से कितने विषयों में अनुपस्थित थे । सो ऐसे विषयों का विचार करने को जो पहिले के आवपत्र से रह गये थे सभा बैठी ।

आज के दिन निम्न लिखे कार्य्यकारक सभासद उपस्थित थे :—

१। पादी रेम० प्रेहन ।
२। पादी योसेफ लकड़ा ।
३। मि० सामुएल पुर्ती
४ मि० पिटर हुल ।

अगली कार्य्यकारक सभा के मन्तव्य पढ़े गये और दृढ़ाये गये । सर्व्वसम्मति से आज के दिन के लिये मि० सामुएल पुर्ती सभापति चुने गये ।

१। उरांव आराधना ।

आराधना पुस्तक के उरांव में दुहराये जाने की बात निकली और इस विषय पर थोड़ी बातचीत होकर यह निश्चय हुआ—

संकल्प: कि पादी योसेफ लकड़ा उरांव आराधना का सम्पादन करें कि वह शीघ्र ही प्रेस्स में छापा जाकर प्रकाशित होवे ।

२। विश्राम मिंज मास्टर को काम ।

पादी योसेफ लकड़ा जो लोहरदगा स्कूल के सम्बन्ध में कमिटी का अंग होकर गये थे लौट कर अपनी रिपोर्ट कौंसिल को भेजी जिसमें रांका मिशन क्षेत्र में काम करने के लिये विशेष सम्बन्ध में लिखा था और यह भी बताया गया कि रांका में हमारे कार्य्यकारियों का जाने देना भला न होगा। सो इस समय स्कूल से अलग किये जाने पर भी विश्राम मिंज मास्टर को कहीं काम दे देना उचित बूझ पड़ता है । बहुत कुछ वादानुवाद होकर स्थिर हुआ

संकल्प: कि जहां रोमी लोगों के द्वारा से विशेष चढ़ाई हमारी मराडली में लोहरदगा इलाके में हो रही है उसी क्षेत्र के भागों में लोगों को विश्वास में दृढ़ाने के लिये जनवरी से मार्च तक बाबु विश्राम मिंज प्रचारक काम में लगाया जाय जिसको लिये कौंसिल महीना १०) देवे । भत्ता १०) साधारण १०) जो इलाके को दिया जाता है उसके ऊपर से अतिरिक्त दिया जायगा ।

३। हाईस्कूल प्रिन्सिपेल और शिवप्रताप माड़वारी ।

सेक्रेटरी ने शिवप्रताप मांड़वारी का दरखास्त सभा में पेश किया और साथ साथ प्रिंसिपेल के लिखे हुए कागज का नकल भी पेश हुआ जिसमें हरिचरण के बिल से ५०) महीना काट कर मांड़वारी को जो पावना था उसे चुका देने की बातें लिखी थीं । दरखास्त था कि २००) मिल जाने पर और कुछ महीनों का नोवेम्बर १९३२ तक का पावना बाकी है सो दिलाया जाय । प्रिन्सिपेल ने सफाई में बताया कि उसने चार महीनों तक ५०) महीना कट के लिये मोताबिक दिया पर जब हरिचरण राम का कारबार होस्टेल से बच्च हुआ तब उसका बिल नहीं आ सका सो आगे को बाकी मोताबिक नहीं दिया जा सका । अब हरिचरण और माड़वारी अपना तय कर लेवें ।

संकल्प : कि शिवप्रताप माड़वारी को जनाया जाय कि कौंसिल का इस विषय से कोई सम्बन्ध नहीं सो लाला शिवप्रसाद रामप्रताप यदि चाहें तो हरिचरण साहु और रघुनन्दन साहु से जैसा चाहें वैसा करें ।

J. Toppo
18-1-33.

Samuel
21. 12. 32.

पूर्वी वर्ष कौंसिल की बैठकों का कार्य विवरण ।
ता: १८ जनवरी बुधवार से २५ जनवरी तक ॥

ता: १८ ~~जनवरी~~ बुधवार १९३३ ॥

आज १८ ~~जनवरी~~ बुधवार के दिन इस १९३३ की पहली बैठकी कौंसिल की हुई जिसमें सभा के बैठने पर प्रेसिडेन्ट ने प्रार्थना किई और सभा का काम खोला गया ।

निम्न लिखे पदधारी और सभासदगण उपस्थित आये थे :-

१। पादरी योहन तोपोनो ... ... प्रेसिडेन्ट ।
२। " एम० ग्रहम ... ... एक्जांची ।
३। " योसेल लकड़ा ।
४। " क० जोन ।
५। " एम० कोरोशिस ।
६। मि० निर्मल सोय ।
७। मि० पिटर टूडू ... ... सेक्रेटरी ।

पुलिलया से मि० पन्ना ने उपस्थित न हो सकने की चिट्ठी भेजी वैसेही गुमला के पादरी दाउद अन्दुर जी सेटलमेन्ट सम्बन्धी काम के लिये सुसमय में उपस्थित न हो सकेंगे का समाचार भेजा — ये समाचार ग्रहण हुए । मि० सामुएल पूर्वी घर में बिमारी के कारण स्वयं आकी छुट्टी लेकर चले गये । कुल ३ कौंसिल अंगों से कोई भी समाचार अनुपस्थिति का कारण दिखाने का नहीं आया ।

१। मन्तव्यों का दृढ़ाया जाना ।

बीते पूर्वी कौंसिल की बैठकों के अन्तिम दिन अर्थात १९ अक्टोबर १९३२ का मन्तव्य जो पूर्वी कौंसिल से नहीं दृढ़ाया गया था सो आज पढ़ा गया ; वैसेही अगली पूर्वी कौंसिल की बैठकों के पीछे से कार्यकारक सभा की जितनी बैठकियां हुईं उनके मन्तव्य पढ़े और दृढ़ाये गये ।

२। विश्राम मंजी की नियुक्ति ।

२० दिसम्बर की कार्यकारक सभा के मन्तव्य के फैसला अनुसार विश्राम मंजी को जनवरी १९३३ से काम लोहरदगा मराडली में करना था पर कमाण्डर का एक टेलिग्राम से कौंसिल को आज्ञा उसको सुसमय में नहीं भेजी जा सकी । सो इस विषय पर बातचीत हुई कि इलाके के द्वारा उसको अभी ही कौंसिल की आज्ञा जनाई जाए और उसको लोहरदगा इलाके होमें कार्यकारक सभा के फैसला अनुसार काम दिया जाए जिसमें रांका में वह दूसर मिशन के काम में न लग जाए ॥

मराडली विभाग ।

३। आसाम के लिये नया पादरी ।

आसाम छोटा सभा की सिफारिश अनुसार प्रचारक योहन तिड़ को कुछ समय सेमिनेरी में शिक्षा देकर पद देने के सम्बन्ध में मिनिस्टिरियम की राय लिई गई थी । इसमें ~~[illegible]~~ १८ पादरियों ने अपनी सम्मति दिई पर दो जनों ने ~~वर्त्तमान कांडिदातों को~~ वहां के लिये काम करने को पहिला अवसर वर्त्तमान कांडिदातों को देने की राय दिई जो ध्यानयोग्य है और ग्रहणयोग्य है । ~~[illegible]~~ फिर बुड़जु इलाके के कांडिदात मरकास संगा ने आसाम जाने की इच्छा भी प्रगट किई है । समुचे विषय पर ध्यान करते हुए सोचा गया कि जब सिफारिश और मांग आसाम छोटी सभा से आई है तो भला होगा कि वहां की छोटी सभा के सभापति से पूछा जाए कि यदि इधर से कोई वहां पदाभिषिक्त होकर भेजा जाए तो वहां कैसा होगा । सेक्रेटरी को इस विषय पर लिखापढ़ी करने का अधिकार दिया गया ।

४। सोगसोगा-किंकोल का दरखास्त ।

किंकोल इलाके के सोगसोगा गांव के कितने माझियों ने एक पत्र भेजा जिसमें लिखा था कि उन्होंने संथाली मराडली में जाना ठाना है और वे फिर लौटना नहीं चाहते । उनके विषय तथा और लोगों के एक मराडली से दूसरी मराडली में जाने आने के कारणों पर और लेने वा

ग्रहण करनेहारों को जवाबदेही और कर्त्तव्यज्ञान पर बातचीत हुई और यही ठहराया गया

संकल्प: कि सोगसोगा के भाइयों को लिखा जावे कि यद्यपि उन्होंने अब प्रगटरूप से लिखा है कि वे एस० पी० जी० मराडला में जाते हैं तौभी हम लोग अपना कर्त्तव्य करना नहीं छोड़ेंगे अर्थात लूधरान पादुो उनके पास जाके उनको आत्मिक सेवा करेंगे और दूरस्थ सुरव में उनकी सुधि भी लिया करेंगे क्योंकि उनको खीष्टीयान भाई जानके ऐसी सेवा करनी हम अपना कर्तव्य समझते हैं।

५। बिशप केनेडी को कैसर-ई-हिन्द मेडल पर बधाई॥

कौंसल को यह बात बताई गई कि मान्यवर बिशप केनेडी को सरकार से नये साल के उपलक्ष्य में कैसर-ई-हिन्द की प्रथम श्रेणी का सोनेला पदक मिलने का समाचार निकला है। सर्वसम्मति से यह हर्ष समाचार ग्रहण होकर प्रस्ताव हुआ कि बिशप केनेडी को हमारी कौंसिल से इस आदरनीय पद के लिये बधाई दिई जाए अर्थात कौंसिल का यह संकल्प होवे कि:—

The Council of the C. S. I. Church in their first meeting held in 1933 now in session here at Ranchi, have learnt with joy, of the award of the Kaiser-I-Hind Medal to the Right Reverend Dr. K. W. S. Kennedy, Bishop of Chota Nagpur & beg permission to congratulate him upon the honour done him by the Government, an honour which he fittingly deserves for his unstinted devotion to the cause of humanity, not less to the cause of Christians and non Christian aborigines amongst whom he has spent a greater and the most precious part of his life. May he live long to wear this medal as a token of appreciation of his meritorious services, awaiting a greater and worthier medal, the Crown of Life, from Him who is our common Master and Saviour, the Lord Jesus Christ.

done

६। जयपुर रघुनाथपुर पर विचार।

यह विषय पेश हुआ क्योंकि कौंसिल ने जयपुर-रघुनाथपुर में मेल स्थापन करने के लिये उद्योग करने का वचन दिया है। सो इस विषय पर पादुो थोमुस मुन्डू की चिट्ठी में की राय पढ़ी और सुनी गई। जयपुर में गिर्जा करने और सरकमेन्टों के अनुष्ठान करने वा न कर सकने की बातों पर सोचा गया। फिर कौंसिल ने जो फैसला संकल्प करने के द्वारा कि एक जोड़े को सादी कूड़ में दिई जाए उसके अब तक न किये जा सकने की बात भी सुनी। इस सादी के रोकटोक अब तक होने के कारणों पर भी ध्यान दिया गया और बहुत देर लों विषय पर सोचने से अन्त में यही ठहराया गया

संकल्प: कि इस कौंसिल की बैठकों के कुछ पीछे शीघ्र ही एक डिपुटेशन रघुनाथपुर-जयपुर जाए और फिर से जयपुरवालों को मेल करने के विषय समझावें फिर सादी लेने के विषय की आवश्यकता पर भी समझाव न मानने से दाजुव को और अंत सादी पाये हुओं को स्पष्ट बतलाया जाए कि उनको सादी देना और लेना दोनों आईन विरुद्ध बातें हैं और कानूनी कर्रवाई उन पर किई जाएगी॥

७। कोरोंजो इलाके के मन्तव्य।

कोरोंजो इलाके ने १४ दिसम्बर १९३२ के अपने मन्तव्य का नकल भेजा जिसमें कोरया-पन्डरीपानी, बनमाली मराडली तथा लोग्नोए पेरिश के कितने असन्तोषजनक और अनियमित कामों का उल्लेख था कि कोई २ मराडली से अलग रहता है कोई तो सेन्ट्रलैज नहीं करते और अपनेही स्वार्थ पर देखते हैं इत्यादि। सब विषयों पर सोचविचार करने से अन्त में यही भला समझा गया।

2 copies

संकल्प: कि स्वपालन-प्रचार के लिये जो कमीशन ठहराया हुआ है वही कमीशन दखिन के इलाकों की मराडलियों में जो गड़बड़ और कनबन है उनका तदारुक करें और अपनी रिपोर्ट इन विषयों पर आगामी कौंसिल तक में देवें॥

८। पादुो इमानुएल कुजुर का दरखास्त।

किंकेल-उशापुर इलाके के पादुो इमानुएल कुजुर का दरखास्त जो भेजा गया था सो पढ़ा गया और उसके विषयों पर सोचा गया और यही निपटारा हुआ—

संकल्प: कि पादरी बाबू इमानुएल कुजूर का पत्र स्वीकृत होवे जो पढ़ा गया और उसके विषय नोट किये गये। ~~कि~~ कार्यकारक सभा को जैसला जो वहां के पादरियों का बदली पर हुई है सो बहाल रहे॥

९। मरचा-कोटबों की बदलियां।

मरचा के कुछ भाइयों ने पादरी वानियेल होरो की बदली पर उजुर दरखास्त दिये थे जो इलाके की राय के लिये भेजी गई थी। यह दरखास्त पढ़ी गई और उजुर के विषयों पर सोचा गया। उनका जवाब भी बतलाया गया और यही स्थिर हुआ—

संकल्प: कि मरचा और कोटबा: के पादरियों की बदली जो इलाके के विचार और परामर्श पर कौंसिल की मंजूरी से हुई है सो बहाल रहे॥

१०। पादरी सुलेमान कुल्ला को छुट्टी।

टकरमा इलाके के पादरी सुलेमान कुल्ला ने दरखास्त भेजी कि उनको नाम या बदबख्ती के कारण समय समय पर इलाके को छोड़ कर जाना पड़ेगा सो उनको छुट्टी दिई जाए। विचार हुआ—

संकल्प: कि पादरी सुलेमान कुल्ला को समय समय पर आने जाने के लिये सेटलमेन्ट काम के कारण छुट्टी दिई जाए पर वे इस समय में अपने इलाके के काम का सुप्रबन्ध कर जावें।

११। बोआस मुन्डु की दरखास्त।

टकरमावासी बाबू बोआस मुन्डु ने दरखास्त भेजी कि उनका भूतकाल का दोष गुनाह दाम किया जाए और उनको कहीं कुछ काम दिया जाए। टकरमा इलाके की सिफारिश भी पढ़ी गई। बहुत देर तक उसके भूत, वर्तमान और भविष्यत के विषयों पर ध्यान दिया गया। उसके रीत व्यवहार भी विचारे गये। अन्त में उसके लिये यह सला पाया गया

संकल्प: कि अभी वर्त्तमान में बाबू बोआस मुन्डु टकरमा से रांची लाया जाए और फोलपोर्टियर-प्रचारक काम में लगाया जाए जो काम वह सीधे कौंसिल के अधीन में हो करे। पादरी एमण्ड पुडु उसके कामों का देखभाल करे। उसको अभी ३५ मरीना तलब दिया जाए जिसमें से ५ उसके पुराने कर्ज़ा को भरने के लिये महीना काटा जाए॥

१२। सामुएल केरकेटा का त्यागपत्र।

बारिमहो के पादरी ने सामुएल केरकेटा को अदालत से दिये हुए त्यागपत्र का नकल भेजा और पूछा कि क्या इस कागजात पर सामुएल को अभी सादी दिई जा सकती है। कौंसिल ने अदालत के हुक्म के शब्दों पर ध्यान देकर पाया कि यह त्यागपत्र ठीक और विचार स्थिर किया।

संकल्प: कि सामुएल केरकेटा को दिया हुआ कानकल त्यागपत्र, जैसा कौंसिल को भेजा गया है सो ठीक हुक्म बुझाता है सो अभी उसको बिना रोकटोक सादी दिई जा सकती है।

१३। इंडियन क्रिश्चयन मैरेज एक्ट।

सेक्रेटरी ने नेशनल क्रिश्चयन कौंसिल द्वारा प्रस्तुत मैरेज एक्ट के एमेन्डमेन्टों पर कौंसिल का ध्यान आकर्षित किया और बताया कि इसमें जो कुछ थोड़ा सुधाने और जोड़ने की आवश्यकता है सो इसके विचार के लिये एक कमिटी ठहराई जाए जो कि अपनी राय ने० क्रि० कौं० के इस विषय की कमिटी को देवे।

संकल्प: कि सेक्रेटरी इस विषय की सामग्री पर अध्यासरा कर अपनी रिपोर्ट कौंसिल को दिखावे जो पीछे उन पर विचार करने में आगे क्या करना होगा उस पर ध्यान देगी॥

J. Toppno.
19-1-33.

19 January 1933.

17

जनवरी ता: १९ बृहस्पतिवार १९३२ ई०

आज कौंसिल के दूसरे दिन में नीचे लिखे पदधारी और सभासदगण उपस्थित थे अर्थात:-

१। पादरी योहन तोपनो ... ...प्रेसिडेन्ट ।
२। " एम० प्रेहु ... ... एजांचीन
३। " योएल लकड़ा ।
४। " ऋ० जोन ।
५। " एम केरिशस ।
६। मि निर्मल साय ।
७। " पिटर हुल ... ... सेक्रेटरी ।

मि० निर्मल साय ने प्रार्थना किई और सभा का काम आरम्भ हुआ ।
पादरी बेन्यामीन प्रेज ने अस्थित न होने के लिये क्षमा ~~मांग~~ मांगने की चिट्ठी भेजी वैसे ही मि० यौलुस बाबा ने भी काम से फुरसत न पा सकने के कारण अफसोस प्रगट कर क्षमा-पाने की चिट्ठी भेजी जो ग्रहण किये गये ।

१४। जूलियुस तीगा गुमला ।

सेक्रेटरी ने गुमला इलाके से बाबू शांति प्रकाश बालता इलाका सेक्रेटरी की चिट्ठी पढ़ सुनाई जिसमें नथानियेल लकड़ा और कुशल कांसी और बाबू जुलियुस तीगा के मराडली में ग्रहण किये जाने अर्थात उनके ऊपर की मराडली सजा उठाने का समाचार लिखा था । इसके साथ साथ ~~एक दूसरा~~ रिपोर्ट उसी विषय पर का पढ़ा गया । कैएक प्रकार के बातों और नीतियों पर और स्थानीय वर्त्तमान दशा पर बातचीत हुई और निपटारा हुआ कि —

3 copies

संकल्प: कि बाबू नथानियेल लकड़ा, कुशल कांसी और बाबू जुलियुस तीगा के मराडली में भीतर किये जाने का जो समाचार मिला है उसकी यथार्थता पर तथा ~~उनके~~ ग्रहण करने के विधि-विधानों के सम्बन्ध में सेक्रेटरी गुमला के पादरी से पूछपाछ और तदारुक करें जिसें स्पष्ट जाना जाए कि सब काम ~~हुआ~~ नियमित रीति से किया गया है अथवा नहीं ।

१५। काशी खीष्टीय संघ ।

~~बनारस~~ बनारस के खीष्टीय संघ की एक ~~सरकुलर~~ सरकुलर पढ़ी गई । यह संघ एक ऐसी संयुक्त सभा है जिसमें कैएक मिशन के लोग सम्मिलित हैं जिसका उद्देश है कि हिन्दुस्तान के तीर्थ स्थानों में यात्रियों की उचित सेवा करें तथा उनको ~~खीष्टीय~~ ~~धर्म का~~ पुस्तकों से, खीष्टीय चाल व्यवहार से और आत्मीय प्रेम के द्वारा से खीष्टीय धर्म का प्रचार करें । इस काम में सिद्धहस्त होने को विशेष ट्रेनिंग की जो आवश्यकता दिखाई गई है और मिशनों से अनुरोध किया गया है कि अन्य काश्य स्थानों के खीष्टीयान मराडलियां इस कार्य्य में सम्मिलित हों और अपने योग्य जनों को इस काममें सहाय देने और शिक्षा पाने को भेजें तथा अपने स्थान के यात्रियों को इस संघ की सेवा से परिचित रख संघ को सुसमय में हाल देवें । वार्त्तालाप होकर तय हुआ कि यह विषय कार्य्यकारक सभा को सौंपा जाए ॥

Done

१६। इंडिया सन्डे स्कूल यूनियन ।

सेक्रेटरी ने इंडिया सन्डे स्कूल यूनियन के मुख्य मि० ई० ए० स्नेट के संग जो वातचीत नागपुर में हुई सो बताये और उनके हाल में भेजे हुए प्रोसपेक्टस जो ट्रेनिंग के सम्बन्ध में हैं पढ़ सुनाये । हमारी ऐसी बड़ी मराडली में सन्डे स्कूल काम के द्वारा जो आत्मिक लाभ और आशीष मिलेगी यदि कोई योग्य जन इस काम के लिये उचित ट्रेनिंग पावे इस पर खूब वातचीत गम्भीर भाव से हुई और यही स्थिर हुआ —

3 copies

संकल्प: (क) कि कम से कम कोई एक ~~सुयोग्य~~ सुयोग्य पुरुष कुनूर को सण्डे स्कूल सम्बन्धी ट्रेनिंग पाने के लिये भेजा जाए ।

(ख) कि हमारे सण्डे स्कूल के मुख्य कमिटी से अनुरोध किया जाए कि इस भले काम के लिये १००) उगाहने का उपाय करें

(ग) कि ४, ५ जनों के नाम रखे जावें जिनमें से किसी एक को चुन कर ट्रेनिंग के लिये भेजने का हक्क कौंसिल का होवे ॥

~~१७। संगीत विद्या तथा नाच।~~

~~युवा युवतियों के सम्बन्ध में बातचीत करते हुए यह विषय निकल आया कि इन दिनों में~~

१७। युवा युवतियों का गाना बजाना।

युवा युवतियों के सम्बन्ध में बातचीत करते हुए निकल पड़ा कि अब इनके बीच में गाना बजाना और नाचना ऐसा हुआ जाता है कि उससे ~~केवल~~ सुनने और देखने हारे के मन में आनन्द के बदले लाज और शोक आती है। सो इस विषय पर मण्डली को क्या उपाय करना चाहिये इसके लिये सोच विचार करना चाहिये। सो यह संकल्प ठहरा हुआ—

संकल्प: कि ख्रीष्टीयान युवा युवतियों में गाना बजाना इसके सम्बन्ध में क्या और कैसे उपाय ठहराना चाहिये इस विषय को हल करने के लिये एक कमिटी होवे जिसको अंग होवें पादरी योएल लकड़ा, पादरी खिस्तोफर तिर्की मि० पिटर हुरुद, मिस्स सोको, मिस्स प्रफुलित लकड़ा, मि० मार्शल हेंब्रोम और पादरी जिलो तिगाहें पादरी गिल्बर्ट इस कमेटी का कानवीनर रहें और अपनी रिपोर्ट कौंसिल को देवें।

पादरी योएल लकड़ा ने ३) इस काम में चिट्ठीपत्री करने के लिये दान ~~दि~~ देने की प्रतिज्ञा किये जो धन्यवाद साथ ठहराया जाता है॥

~~पादरी योएल लकड़ा ने ३) इस काम की चिट्ठीपत्री के लिये प्रदान किया के धन्यवाद साथ ठहराया हुआ।~~

१८। प्रादेशिक क्रिश्चियन कौंसिल १८३३।

सेक्रेटरी ने कौंसिल को बताया कि इस बरस फिर बिहार क्रिश्चियन कौंसिल की बैठकी रांची में ७-८ मार्च तक होगी सो इसके लिये हमें ५ अंगों को प्रतिनिधी चुनना है। सो निम्न लिखे महाशय चुने जाते हैं अर्थात — पादरी रू० जोन, प्रेसिडेन्ट योएल तोपनो, पादरी एम० पेड्रु, मि० पिटर हुरुद और मिस्स सोको।

१९। कुशल तिर्की की सादी।

एस० पी० जी० मिशन के पादरी जोसेफ दयाल की एक चिट्ठी पढ़ी गई जिसमें कुशल तिर्की की स्त्री सुलामी के सम्बन्ध में लिखा था कि सुलामी अभी अपने पुरुष को छोड़कर इन कस्सों से आसाम में रहती है। कुशल तिर्की एस० पी० जी० मिशन का जन है पर सुलामी हमारी मण्डली की है। पादरी दयाल का अनुरोध है कि यदि कूथरान कालीसा कुशल को सादी दे सकती है तो इस काम में कृपया सहाय करे। बातचीत होकर यह स्थिर हुआ—

संकल्प: कि यदि सुलामी अब तक जीती है तो बिना त्यागपत्र पाने के कोई सादी कुशल तिर्की को कूथरान मण्डली नहीं दे सकती है क्योंकि हमारि कालीसा भी राज्य के कानून और धर्म के नियमों से बन्धी है॥

२०। बाबु बरनाबास हेमरोम।

बाबु बरनाबास हेमरोम जो पहिले पादरी थे उसके बारे कार्यकारक सभा में जो कैसला हुआ था सो फिर से पढ़ा गया। उसके दोष ~~कार्य~~ कौंसिल से दामा किये गये परन्तु उसका ~~४७॥८॥~~ ऋण देने तथा काम देने के विषय फिर से बातचीत हुई। ~~उसके बाद~~ ~~मान व्यवहार तथा मण्डली के नियमों पर चलने के विषयों पर कुछ सुना गया और~~ ~~यही ठहराया गया~~ महासभा के समय में इन अदली बदली का विचार होगा ऐसे समय उसको काम देने के सम्बन्ध में सोचा जायगा—

संकल्प: कि बाबु बरनाबास हेमरोम को फिर से काम में लगाने की बात अभी आगामी महासभा तक फिर मुलतवी रखी जाए॥

२१। जिलो तिगा पादरी का जवाब।

~~मिस्स~~ नेली खलखो के प्रस्ताव का नकल जो पादरी जिलो तीगा को भेज दिया गया था उसका जवाब आया जो पढ़ कर कौंसिल को सुनाया गया और यही तय हुआ—कि

19

कि पादरी जिलों तोगा का जवाब मिस्स नेली ब्लूस्टो के पास भेजा जाए ॥

२२। पादरी ओन्द्रियस तोपोनो ।

पादरी ओन्द्रियस तोपोना की चिट्ठी जो उसने अपनी बदली न किये जाने पर हजारीबाग जिले ही में रहने जाने के विषय लिखी थी सो पढ़ी गई। इस पर यही स्थिर हुआ-

2 copies संकल्प: कि पादरी ओन्द्रियस तोपोना जैसा वह अभी चाहता है हजारीबाग जिले के काम के लिये सिंघानी ही में रहे और अपनी सेवकाई काम में सफलता पाते हुए काम करता जाए ॥

२३। महाजनियों की एकता ।

सेक्रेटरी ने कौंसिल को बताया कि कुछ समय बीते कि रांची ही हमारी महल्ले की एस० पी० जी० महल्ले के चार चार जनों को एक स्टडी-ग्रुप महाजनी की एकता सम्बन्धी विषय को अध्ययन करने के लिये ठहराई गई है। इन ८ जनों की जो चेष्टा और परिश्रम इस विषय पर होगा उसको कौंसिल को जानना लाभदायक होगा इसलिये भला होगा कि कौंसिल इस स्टडी-ग्रुप को स्वीकार करे जिसें यह ग्रुप अपने विचारों को कौंसिल के आगे धर सके। बातचीत होकर स्थिर हुआ- 3 copies

संकल्प: कि महाजनियों की एकता विषयक प्रश्न पर स्टडी-ग्रुप जो ठहराई गई है उसको कौंसिल स्वीकार करती है और चाहती है कि जब जब आवश्यक हो यह ग्रुप अपने विचारों को लेख में कौंसिल में लावे यद्यपि कौंसिल इन विचारों को ठहराने को बन्धा हुआ नहीं है।

२४। बपतिस्मा सर्टीफिकेट ॥

सेक्रेटरी ने बपतिस्मा सर्टीफिकेट फार्म हमारे परिश हेडक्वार्टरों में रखने की आवश्यकता बताई और ऐसे सर्टीफिकेटों को छपवाके परिशों को खरीदवाने की बात भी जताई क्योंकि अब ऐसे सर्टीफिकेटों की मांग बढ़ती जा रही है। यह ठहराया गया कि सेक्रेटरी ऐसे सर्टीफिकेट फार्मों के रजिस्टरों को छपवावें और इलाकों को खरीदने के लिये आज्ञा देवें ॥

शिक्षा-विभाग ।

१। प्रैमरी और मिड्ल स्कूलों को चालू रखना ।

(अ) हेड-सुपरवैजर ने पेश किया कि आर्थिक दुर्गति के कारण यदि कौंसिल स्टैपेंडायरी स्कूलों को फिर अपने हाथ नहीं ले सके तो महासभा से मंजूरी लेके उन्हें डिस्ट्रिक्ट बोर्ड को सौंपे। इस पर बात विचार हुआ कि अभी भी समय है और आवश्यकता हो अथवा यदि सरकार को शिक्षा-विभाग इस के विषय कोई प्रश्न उठावे तो कौंसिल इसका जवाब उस समय देगी। सो प्रैमरी स्कूलों की बात अभी मुलतवी रहे।

2 copies (ब) हेड-सुपरवैजर ने मिड्ल स्कूलों की आर्थिक दशा पर एक नकशा १९३२ का तैयार किया जो पेश हुआ जिसमें असल आमदनी और खर्च जो हो गया सो दिखाया गया। परन्तु किस रीति से वर्त्तमान आर्थिक दशा स्कूलों की सुधारना और भला करना पड़ेगा इस पर उपाय सोचना कौंसिल का कर्त्तव्य है जिसके लिये १९३३ का बजेट तैयार होना चाहिये। सो विषय पर वादानुवाद का यह ठहराया गया —

संकल्प: कि हेड सुपरवैजर सब मिड्ल स्कूलों के विद्यार्थियों की वर्त्तमान संख्या पर ध्यान देकर फीस आदि से तथा इलाकों से क्या आमदनी होगी और क्या खर्च होगा इसका बजेट तैयार करे जिसको कार्यकारिणी सभा में पेश करे जिससे उसीके

उसीके आधार पर कौंसिल अपना विचार शिक्षा-विभाग के डैरेक्टर को भेजे और बतावे कि सब मिडल स्कूल १९३३ में चलाये जायेंगे तथा उनकी आर्थिक दशा का कोई विशेष डर नहीं है ॥

अन्त में पादुी प्रेड्न ने प्रार्थना किई और आज के लिये सभा उठ गई

J. Toppo.
20-1-33.

20 January 1933.

२० जनवरी [शुक्रवार] १९३३ ॥

आज के दिन भी अगले दो दिनों के समान कौंसिल के निम्न ७ सदस्य उपस्थित हुए—

१। पादुी योहन तोप्पोनो ... ... प्रेसिडेन्ट ।
२। " योएल लकड़ा
३। " एम० प्रेड्न ... ... खजांची ।
४। " अ० जोन
५। " एम० केरिास
६। मि० निर्मल सोय
७। मि० पिटर हुरु ... ... सेक्रेटरी ।

आरम्भ में पादुी एम० केरिास ने प्रार्थना किई और सभा के निम्न काम सम्पादन हुए:—

२। टोकाद स्कूल में मास्टर ।

हेडसुपरवैजर ने बताया कि टोकाद में का पुराना हेड मास्टर ने काम छोड़ दिया और अब वहां दूसरे मास्टर को भेजने की आवश्यकता है। आगे खर्च की घटी के कारण से स्कूल में अंग्रेजी की पढ़ाई बन्द हो ऐसा विचार इलाके ने लिखा है, क्योंकि अंग्रेजी पढ़ानेवालों को इलाका तलब नहीं दे सकेगी। इस विषय पर हेड सुपरवैजर की राय सुन कर कौंसला हुआ—

संकल्प: कि हेडसुपरवैजर किसी एक मास्टर को टोकाद में पढ़ाने के लिये भेजे जो हमारे किसी स्कूल में काम कर रहा है और जिस स्कूल में अधिक मास्टर हैं। 2C.

३। पंडित योएल हेमरोम ।

पंडित योएल हेमरोम का दरखास्त पढ़ा गया। उसने १ बरस तक की छुट्टी लिई थी। अब बुड़जू स्कूल में फिर लौटने की अर्जी है। अभी बुड़जू स्कूल में शिक्षकों को औ(जैने का स्थान है वा नहीं और वह फिर लिया जा सकता है कि नहीं इन विषयों पर बात-चीत हुई। योएल पंडित के नौकरी के वर्षों पर भी ध्यान दिया गया और निपटारा हुआ। 3C.

संकल्प: कि अभी बुड़जू में वर्त्तमान में स्कूल में अतिरिक्त मास्टर रखने के लिये स्थान नहीं है, सो अफसोस है कि पंडित योएल हेमरोम को इस स्कूल में फिर नहीं ले सकते हैं परन्तु हेड-सुपरवैजर को परामर्श दिया जाता है कि कहीं भी खाली स्थान हो तो पंडित योएल को पहिला हक दिया जाय ॥

४। मास्टर मत्तियस तिड़ु ।

बुड़जू के मास्टर मत्तियस तिड़ु के दरखास्त पर बातचीत हुई और हेडसुपरवैजर की राय सुनी गई और कौंसला हुआ कि

संकल्प: कि मास्टर मत्तियस तिड़ु बुड़जू से टोकाद के स्कूल में काम करने के लिये बदली जावे ॥ 2C

(८)

21

(८) जकारियाह होरी हेडमास्टर।

बुड्डू से मास्टर बिमल मुंडू के चले जाने पर जकारिया होरी छ महीने के प्रोबेशन पर हेडमास्टर नियुक्त हुए हैं। रिपोर्ट दिया गया कि वह काम में का चार्ज ले चुका है यह बात पेश हुई कि ठीक से जानना चाहिये कि पुराने हेड-मास्टर चार्ज देने में स्कूल फंडों का पूरा हिसाब किताब ठीक करके गये हैं अथवा नहीं। हेड-सुपरवैजर ने जनाया कि इलाका चेयरमैन स्कूल के सेक्रेटरी होकर इस सब बातों को देखने के लिये कहे गये थे और उसने हिसाब किताब पर ध्यान दिया है। तो भी हिसाबों के ठीक से ओडिट होने की बात छेड़ी गई और ठहराया गया—

संकल्प: कि बाबू पीलुस बाबा जो इलाके में मण्डली हिसाबों को ओडिट करने का अधिकृत हुए हैं उनको कहा जाए कि स्कूल के हिसाबों का भी ओडिट करें और हेड-सुपरवैजर द्वारा कौंसिल को रिपोर्ट देवें॥ 3C.

८। हेड-सुपरवैजर का काम।

सेक्रेटरी ने १९३२ की महासभा के मन्तव्य में से हेड-सुपरवैजर के काम के सम्बन्ध में जो लिखा था पढ़ा सुनाया तथा बीते अक्टोबर के पूरी कौंसिल का मन्तव्य भी इस विषय का पढ़ा गया। फिर हेड सुपरवैजर का कितना काम है अर्थात वह एक कार्यकारी के लिये यथेष्ट है अथवा नहीं और यदि महासभा के परामर्श अनुसार प्रिन्सिपेल के काम के विभाग में जोड़ा जाए तो काम सन्तोषरूप से चलाया जा सकेगा अथवा नहीं इस पर सोचा गया। फिर ~~कम खर्ची करने के लिये~~ एक किरानी को हेडसुपरवैजर के बदले में लिखापढ़ी करने को काम तलब में लगाने से सचमुच कमखर्ची होगा अथवा ऐसी कमखर्ची से स्कूलों की हानि होगी इस पर भी ध्यान दिया गया। यह भी बताया गया कि जैसा हेडसुपरवैजर हर हमेशा अभी सफर करता है वैसा प्रिंसिपेल स्कूलों का देखभाल नहीं कर सकेंगे और ऐसा न हो तो सरकारी शिक्षा-विभाग इसको मंजूर नहीं करेंगे भी नहीं इत्यादि। इन सब विषयों को एक संग सोचने से यह पाया गया— 2C.

संकल्प: कि हेडसुपरवैजर के काम को उठा देने में कौंसिल बहुत ही बड़ी कठिनता देखती है इसलिये निश्चय किया जाता है कि यह काम और एक अभी न उठाया जाए और यह बात आगामी महासभा को बताई जाए॥

१०। हाईस्कूल पर कौंसिल का अधिकार।

आज पहिले खेले के अन्तिम घन्टों में तथा दूसरे खेले में समूचा समय इस विषय पर लगाया गया। विषय के नाना रूप पर वादानुवाद हुए। स्कूल की साधारण दशा, शिक्षकों की योग्यता, विद्यार्थियों की योग्यता पर मैनेजिंग कमिटी की रिपोर्ट ~~पढ़~~ अथवा स्कीम पढ़ी गई और बहुत ही गम्भीर ~~रूप~~ और गूढ़ भाव से बातचीत होकर विचार हुआ कि यह विषय और भी पूरे रूप से निपटाये जाने के लिये दूसरे दिन तक मुलतवी रखा जाए जिससे यह भारी विषय हड़बड़ी से न अन्त किया जाए॥

संध्या पूजने पर पादु जोन साहिब ने प्रार्थना किई और सभा उठ गई

J. Jones.
21. 1. 1933.

21. 1. 1933.

पूर्वी चर्च कौंसिल की बैठकी
ता: २१ सनिश्चर जनवरी १९३३॥

इस वार की सभा में आज की बैठकी में उपस्थिति संख्या अच्छी थी और निम्न लिखे सभासदगण उपस्थित थे:—

१। पादरी योहन लोपोनो ... ...प्रेसिडेन्ट।
२। " एम० केरिस
३। " एम० प्रेहन ... ... रनजांची।
४। " अ० जोन
५। " दाऊद तुडु
६। " थोरल लकड़ा
७। मि० निर्मल सोय
८। " पिटर हुरद ... ... सेक्रेटरी।

११। हाई स्कूल और चर्च कौंसिल।

हाई स्कूल और चर्च कौंसिल का कैसा सम्बन्ध है और मैनेजिंग कमिटी के साथ में स्कूल चलाने में क्या हक है इस विषय पर कल के वादानुवाद का लगातार आज हुआ और नाना प्रकार से सब बातों पर ध्यान दिया गया और यों तय हुआ

संकल्प: कि कार्य्यकारक सभा के अंगों से रांची के स्थानीय अंगों को मिलाकर एक कमिटी होवे जो उस स्कीम को जिसे हाई स्कूल मैनेजिंग कमिटी ने तैयार किई है देखभाल करे और कोड मेकमोडेल रूल्स जो बनाये गये हैं और गवर्नमेन्ट हाई स्कूलों के लिये जो जो रूल्स बने हैं उन पर ध्यान करके ऐसे रूप और ढंग से नियम ऐसे बनाये जावें जिससे यह निकले कि मैनेजिंग कमिटी हाई स्कूल के कामों को और शासन कार्य्यों को चर्च कौंसिल की ओर से शिक्षा-विभाग के आगे जवाबदेही बनके कर रही है। फिर मैनेजिंग कमिटी के संगठन को नियम की दुहराई जाकर नये रूप में लाया जाए ऐसा कि कौंसिल को आदिवासी माता पिता कों के और अन्य सम्प्रदायों के प्रतिनिधियों की यथेष्ट संख्या मैनेजिंग कमिटी में होवे।

(ब) कि आगामी महासभा को यही सुनाया जाए कि उपरोक्त विषयों पर पूरी कर्रवाई होने से स्कूल की योग्यता और बढ़ेगी और जो जो त्रुटियां और भूलचूक हैं उन का सुधार नियमित रीति से हो सकेगा।

(ग) कि जैसा सम्बन्ध हेड-सुपरवेजर के स्कूलों के मैनेजिंग कमिटियों का कौंसिल के साथ में है त्यों अभी हाई स्कूल का भी होगा वैसाही बेथेसदा स्कूल का सम्बन्ध कौंसिल के संग भी उचित रीति से स्थापित किया जाए। इस कार्य को भी उपरोक्त कमिटी नियमों को बनाके ठीक कर देवे॥

१२। स्कूल फन्डों का खोला जाना।

सेक्रेटरी ने चर्च कौंसिल का मन्तव्य इस विषय पर पढ़ सुनाया जो अक्तूबर १९३२ की बैठकी में ठहराव हुआ था। हेड-सुपरवेजर से तथा रनजांची से सुना गया कि किसी इलाके ने ऐसा फंड खोलने का परिश्रम नहीं किया जो कहा गया कि इलाके का रजीष्टीमान का अरहष्टीमान सभों से ऐसा चन्दा रकम में औ पैसों में लेवें। अफसोस कि इलाके इस विषय पर ध्यान नहीं देते जिससे स्कूलों के खर्च में बड़ी सहायता मिलती।

१३। स्कूल फीसों का बढ़ाया जाना।

कुछ सदस्यों ने स्कूल फीस बढ़ाने के लिये उज्र पेश किया क्योंकि इससे स्कूलों में लड़कों की संख्या घटेगी और फिर कोई विद्यार्थी दूसरे मिशनों की ओर खींचे जायेंगे। बढ़ाने का क्या कारण था यह बताया गया और कहा गया कि यदि यह न किया जाए तो मास्टरों के तलब देने में आमदनी की घटी होती है। यह भी बोला गया कि जिस कौंसिल ने ठहराया है उसको कुछ बरसों तक देखना चाहिये कि उससे क्या फल होता है।

संकल्प: कि बढ़ाया हुआ फीस सब स्कूलों में जैसा ठहराया गया है नियमित रीति से किया जाए जिसे देखा जाए कि इससे क्या लाभ होता है।

J. Toppo.
23-1-33.

23.1.33

पूरी कौंसिल की बैठकी ।

ता: २३ जनवरी [सोमवार] १९३३ई०।

आज की बैठकी के लिये नीचे लिखे सभासदगण उपस्थित आये :—

१। पादरी योहन तोपनो ... ... प्रेसिडेन्ट ।
२। " एम० ग्रेहन ... ... खजांची ।
३। " ऋ० जोन ।
४। " एम केरशिस ।
५। " योएल लकड़ा। [दूसरी बेले में]
६। " दाऊद कुजुर ।
७। मि० निर्मल सोय
८। " पिटर तुरुब ... ... सेक्रेटरी ।

आरम्भ में सेक्रेटरी ने प्रार्थना किई और नीचे के काम सम्पादन हुए :—

१। कौंसिल के हिसाब ।

खजांची ने १९३२ के लिये वार्षिक आमद और खर्च का नकशा पेश किया जिसमें प्रत्येक मूल सिरनामे में कितनी आय हुई और कितना दिया गया सो लिखा था। वैसेही बीते साल में पिछले तीन महीनों का नकशा भी पेश हुआ और प्रत्येक विभाग का खर्चवर्च दिखाया हुआ था सो देखा गया। कुछ विभागों के आय और खर्च पर पूछपाछ हुए। इन दोनों नकशों के देखने पर अभी मालूम हुआ कि समूचे वर्ष में बर्लिन बोर्ड से २०५६।४) मिले जिसमें से पिछले क्वार्टर में १५०७२) मिला। फिर भी मालूम हुआ कि इसी में से स्कूल विभागों में जो देन रह गये थे सो अधिकांश चुका दिये गये। समूचे वर्ष में आमदनी हुई ४४६२७।१५ पाई जिसमें २०५६४।१२ बर्लिन का दान था अर्थात महल्लों की निज आमदनी थी २४०६३।१४ पाई। १९३२ के अन्त में सब हिसाबों को अन्त करने के समय में हाथ में बचा ६२३३।० अर्थात बरस के अन्त तक खर्च हुआ ३८३९४।१५ पाई।

संकल्प: (क) कि खजांची का वार्षिक और अन्तिम त्रिमासिक हिसाब जो १९३२ का पेश हुए हैं सो ऑडिट के अधीन होकर ग्रहण होवें।

(ख) कि चर्च कौंसिल अपना हार्दिक धन्यवाद बर्लिन बोर्ड को भेजती है जिसने अपने देश और जातिके दूरों के बीच में भी हम छोटानागपुर की महल्ली को नहीं भूल गये परन्तु यीशु खीष्ट के प्रेम से चलाये जाके हर घड़ी हमों को सहायता करके सहायता करने को तैयार हुए और हमें प्रेम का बन्धन जिसमें हम बन्धे हुए हैं ऐसा दृढ़ाया कि हम उसे भूल नहीं सकते हैं। ईश्वर से हमारि नित्य प्रार्थना है कि वह बर्लिन बोर्ड के सब परिश्रमों पर आशीष की अधिकाई देवे और मिशन काम के मित्रों की संख्या बढ़ावे कि जर्मन देश को भक्त खीष्टीयान यहां के सब कामों से अधिक प्रेम रखें और इस देश में मिशन काम को सम्भालने के द्वारा ईश्वर के राज्य की बढ़ती में उचित सहायता दे सकें। अन्त में हम मिशन काम सब मित्र और बन्धुओं को भी अपना धन्यवाद और यीशुसहाय भेजते हैं जो कृपया ग्रहण होवें॥

२। कौंसिल के कर्मचारियों का वेतन ।

बीते १९३२ साल में कौंसिल से जो ३ कर्मचारि अपना तलब पाते हैं उनको महीना ४०) करके मिला अर्थात ६७) काटा गया और ४०) वेतन दिया गया अर्थात ६ महीने तलब से ४०) कम किया गया। इस विषय पर क्या किया जाए कि आमदनी बढ़े और तब इन कर्मचारियों को अधिक दिया जाए इस प्रश्न पर बातचीत करना जरूरी समझा गया क्योंकि शिक्षाविभाग के कर्मचारि जो निजू विभाग में अपना हाई स्कूल में काम करते हैं उनको ५०% शैकड़े से भी अधिक दिया गया है और यदि उनके लिये स्थानीय महल्ली के लोग नियमित रीति से हर महीना देते तो अधिक भी मिलता। विहार के और स्टेशनों के पादरी प्रचारकों की छुटी की बात बताई गई कि उनको जो आये से कम मिलता है तो क्यों मध्य संस्था के कर्मचारियों को अधिक दिया जाए। सो इस विषय पर बहुत देर लों नाना प्रकार की बातचीत हुई और आमदनी बढ़ाने के उपायों पर संकेत किया गया और कहा गया कि यदि सब इलाकों से आमदनी बढ़ाने के लिये उचित रूप से परिश्रम न किया जाए तो मध्य संस्थाओं का काम नहीं चल सकेगा क्योंकि १९३२ साल में बहुत इलाकों ने अपनी आमदनी का २०% वां शैकड़ा भी नहीं भेजा और यदि बर्लिन बोर्ड अपना देन नहीं भेजती तो कर्मचारियों को जो मिला सो भी नहीं मिलता। सो इस विषय पर कि आमदनी बढ़े कौंसिल अधिक ध्यान देवे क्योंकि कौंसिल इन कर्मचारियों को उचित तलब देने को जवाबदिही है जैसा अन्य संस्थाओं के लिये भी है॥

३। कमीशनों का ऑडिट रिपोर्ट।

महासभा के आदेश पर कौंसिल ने ठहराया कि जो कमीशन कितने इलाकों के लिए काम करने को ठहराये गये हैं वे जहां जहां जायेंगे ~~~~ वहां हिसाबों को ऑडिट करें और अपना रिपोर्ट कौंसिल को देवे।

अब तक सिर्फ गोविन्दपुर का रिपोर्ट पेश हुआ वैसेही बाबू पौलुस बाबा के बुंदू इलाके के कितने प्रचारकर्मों का ऑडिट रिपोर्ट ~~~~ पेश किया जा चुका गये और विचार हुआ कि खजांची उन रिपोर्टों पर कार्रवाई करे कि हिसाब ठीक होवें।

४। प्रोपेगेन्डा स्कीम तैयार करना

सारी मण्डली को मालूम को बढ़ाने के लिये कैसा उपाय किया जाना चाहिये और कौन ऐसे काम को कौंसिल के लिये उठावे इस पर बहुत प्रकार से बातचीत हुई और अन्त में ~~~~ सभों की एक राय और सम्मति होकर ठहराया गया।

संकल्प: कि कार्यकारक सभा प्रोपेगेन्डा काम जारी करने के सम्बन्ध में एक स्कीम बनावे जो शीघ्र जारी किया जावे।

५। कर्जा भर देने का काम

कौंसिल के खजाने में जो कर्जा लिया जा चुका है उसका नकशा पेश हुआ अर्थात ऐसे रुपये से ५०००) जिसका सूद ४) सैकड़े के दर से हुआ है ५२६६।।५ पाई
इस्टी बोर्ड से लिया गया है ४०००) २% सूद से हुआ है ४१००
इम्पिरियल बैंक से लिया गया ३०००) ८% सूद से हुआ है ३२०००
मि० पन्ना से लिया हुआ है २२००) ८% सूद से हुआ है २२६०।।५ पाई

१४६२७) रुपैया

बर्लिन बोर्ड से जो रुपैया आता गया वह विशेषतः कर्जा भर देने के लिये ही सो संकल्प: कि हाथ में जो ६०००) हैं उससे मि० पन्ना का और इम्पिरियल बैंक का रुपैया जिसका बहुत सूद है सो पहिले भर दिया जाए।

६। स्कालरशिपों का अदा होना।

खजांची की रिपोर्ट से मालूम हुआ इस समूचे साल में सिर्फ छेः स्कालरशिप अदा हो गया पर बहुतेरे अब तक नहीं देते हैं और जो देते हैं वे ठीक समय पर नहीं दे रहे हैं।

संकल्प: कि खजांची स्कालरशिपवालों को तकाजा करें कि वे ठीक ठीक समय पर देते जावें।

७। सामुएल कमीश्नर का दरखास्त।

रघुटोली के सामुएल कमीश्नर ने दरखास्त किया कि अब उसको पास दवा नहीं है सो उसको काम करना कठिन है सो कौंसिल उसके सफर का खर्च, दवा का दाम इत्यादि देवे नहीं तो बेफैदा समय गंवाना होगा अथवा इकरार में उसको डियाकोनेस फ्रिल्स के साथ में काम किया जाए।

संकल्प: विचार हुआ कि (क) सामुएल कमीश्नर अपना इनडेन्ट भेजे (२) डियाकोनेस फ्रिल्स से सामुएल कमीश्नर के विषय पूछपाछ किया जाए कि उसके साथ में काम कैसा बनेगा।

J. Topour
24-1-33.

24.1.33.

२४ जनवरी [मंगलवार] १९३२।

आज के दिन निम्नलिखे महाशय सभा के काम के लिये उपस्थित आये अर्थात :—

१। पाद्री योहन तोपनो ... ... प्रेसडेन्ट।
२। " एम० ग्रहन ... ... खजांची।
३। " अ० जोन।
४। " एम० केरशिस
५। " योएल लकड़ा [पहिले बेले में]
६। " दाऊद कुजुर
७। मि० सामुएल पूर्ती
८। " निर्मल सोय
९। " पिटर हरद ... ... सेक्रेटरी॥

कारय्य में प्रार्थना हुई और नीचे लिखे काम आज के दिन सम्पादन हुए :—

१। पाद्री इम्मानुएल कुजुर।

पाद्री इम्मानुएल कुजुर ने ५०) जो मदद उसके लिये भेजा गया था उस पर धन्यवाद प्रकाश। करते हुए यह भी अर्जी किई कि उसके घर में आप को बिमारी के कारण और भी मदद भेजा जाए क्योंकि जो मदद भेजा गया था, जिसका बहुतबड़ा अंश नहीं या एडवान्स लिये हुए तायदाद में काटा गया। दरखास्त के विषयों पर ध्यान दिया गया।

संकल्प: कि खजांची फिर भी कुछ रुपैया अर्थात् जो देना है उसमें से पाद्री इम्मानुएल कुजुर के मदद में भेज देवें और इलाका चेयरमैन से अनुरोध करें कि एडवान्स में एकदम बहुत अधिक काट कर न मदद को पर धीरज से धीरे धीरे काटते जावें जिसतें जिसके मदद के लिये रुपैया मदद भेजा जाता है उसको भी मदद भली भांति मिल सके॥ ३८

२। सेमिनेरी विद्यार्थियों का स्टैपेन्ड।

सेमिनेरी के विद्यार्थियों का दरखास्त पढ़ा गया जिसमें वे ७) महीना स्टैपेन्ड से अपना खर्च नहीं चला सकने के कारण अधिक अर्थात १०) पाने की अर्जी किई। मालूम हुआ कि उनको अभी ७) महीना दिया जाता है जिसमें वे अपने मेस्स के लिये ४) खर्च करते हैं और ३) उनको निजी खर्च के लिये बच जाता है। विषय पर और वर्त्तमान दशा पर देखने से यह मालूम हुआ कि इस ७) से अधिक नहीं दिया जा सकता है। सेमिनेरी के विद्यार्थियों को जो भविष्यत में मण्डली के चलानेहारे और पालक होंगे आशा किई जाती है कि वे सन्तोषी ~~संयमी~~ ~~और ऐसा न से हो~~ और त्यागी होवें जिसके बिना मण्डली का काम करना असम्भव होगा। और भी नाना प्रकार की बातचीत पर ऐसा निपटाया गया। ३८

संकल्प: कि कौंसिल ७) रुपैये स्टैपेन्ड को अभी यथेष्ट समझती है और चाहती है कि सेमिनेरी विद्यार्थी इसी पर निर्वाह करें। उनको थोड़े समय के लिये छुट्टी देना अथवा शिक्षा पाने के समय को बिगाड़ना कौंसिल अनुचित समझती है सो यदि कोई विद्यार्थी इस वर्त्तमान समय की दशा अनुसार इस स्टैपेन्ड के प्रबन्ध को असन्तोषजनक समझे तो वह सेमिनेरी छोड़ सकता है॥

३। हाईस्कूल को कौंसिल ग्रान्ट।

हाई स्कूल का दरखास्त २०००) वार्षिक ग्रैन्ट पाने के लिये भेजा गया था सो पढ़ा गया। साथ में फिर प्रिन्सिपल ने संक्षेप बजट पेश किई जिसमें यह २०००) की घाटा दिखलाई गई है। बातचीत हुई कि जैसा और २ इलाके अपने मिडिल स्कूलों के घाटा भरने को जवाबदिही ठहराये जाते हैं वैसा रांची को उचित परिमाण से अपने स्कूलों को देने के लिये भार लेवे। हाई स्कूल के अन्य खर्च वर्च और फीस और सरकारी ग्रान्ट पर बातचीत हुई और निदान यह विचार स्थिर हुआ— ३८

संकल्प: (क) कि रांची इलाका और और इलाकों के समान हाई स्कूल के एम०ई० विभाग के लिये यथेष्ट रूप में मदद देने का भार लेवे।

(ख) कि बिदेश से जो आमदनी आवेगी उससे उन कामों के लिये अनुपात पर थैकड़ा का दर ठहराया जाए जो कि अपना पावना कौंसिल के खजाने से लेते या पाते हैं॥

26

११। लूथरान फेडरेशन की सहानुभूति।

लूथरान फेडरेशन में हमारे प्रतिनिधी मादी योएल लकड़ा के जाने पर हमारी मण्डली की आर्थिक बुरी दशा फेडरेशन को बताई गई जिसपर फेडरेशन समदुःखी होकर हमारी सहायता के लिये निर्द्धिष्टरूप में चन्दा बटोरने का संकल्प किया। यह संकल्प पढ़ा गया और पादु योएल लकड़ा ने भी फेडरेशन का धन्यवाद बताया। यह जानकर कि फेडरेशन ने हिन्दुस्तान की सब एकैक लूथरान मण्डलियों से १२ फरवरी को गोस्सनर मण्डली के लिये चन्दा बटोरने को अनुरोध-पत्र भेजा है और अखिल जगतीय लूथरान कोनवेनशन जो डेट्रोइट मोरहेड के यहां भी हमारि कठिन दशा जानने का संकल्प किया है यह विचार ठहराया गया।

संकल्प: (क) कि फेडरेशन के हमारे दुःखों में समदुःखी होकर सहाय करने के विचार और संकल्प के लिये कौंसिल कृतज्ञता का वचन भेजे अर्थात:-

The Council of the Gossner Church desires to place on record its deep thankfulness to God for moving the Federation of the Lutheran Churches in India by appealing to the continent churches & enabling it to take some definite steps to render monetary help to the Gossner Church which has fallen into a state of financial poverty, and expresses the hope that the endevours of the Federation thus made will meet with effective response.

2c

(ख) कि हमारि गोस्सनर मण्डली भी आपही फेडरेशन के अन्तर्गत होके हिन्दुस्तान के अन्य लूथरान मण्डलियों के संग मिलकर एकमन एकचित होकर उस १२ फरवरी रविवार को विशेष सहायता-चन्दा उठावे अर्थात हरेक मण्डली में प्रचारक-पन के गांवों से लेकर स्टेशनों तक जैसा बने शक्ति भर सिनी जमा करे और इस सिनी को भाई बहिन लड़के लड़कियां सब के सब वेदी पर जाके आप ही चढ़ावें जैसा कटनी पर्व्व के दिन में किया जाता है।

done

(ग) कि प्रेसिडेन्ट सब मण्डलियों के लिये इस विषय पर एक चरवाही पत्री के रूप में एक चिट्ठी भेजे जिसें १२ फरवरी को वह विशेष-सहायता-सिनी जमा करने का काम प्रेमपूर्व्वक चलाया जाय॥

(घ) कि सेक्रेटरी सर्व्वजगतीय लूथरान कनवेनशन के डेट्रोइट मोरहेड को एक चिट्ठी सुसमय में लिखें कि वह सभा हमारि कलीसा के लिये पहिले के समान सदय हृदय से अपनी आर्थिक सहायता भेजा करे।

दूसरे बेला

इस बेले में पहिले बेले के सब सदस्य उपस्थित थे पादु योएल लकड़ा को छोड़ जो कि डिस्ट्रिक्ट बोर्ड के एडुकेशन कमिटी मीटिंग में गये।

१२। जमीन जगहों का बन्दोबस्ती।

कौंसिल में ५ जुलाई १९३२ के ७ वें विषय पर का मन्तव्य का आशय सुनाया गया कि जैसा सरकुलर भेज दी चुका है वैसा सब स्टेशनों की और इलाके भीतर की जमीन जगहों को कौंसिल को माघ के तुरन्त पीछे लोगों के संग बन्दोबस्त करना

done

कि उन सम्पत्तियों को आगदनी कौंसिल के हाथ में आवे अर्थात इनका आय कौंसिल के मध्य-खजाने में जमा होवे। बातचीत होकर नीचे लिखे रूप में इलाके बांट गये हैं, जिनमें नाम दिये हुए कौंसिल मेम्बरान जाके बन्दोबस्त करें:-

I किंकेल, खूंटीटोला, कोएंजो ... ... पादु बाजद कुजुर।
II बुड़ुजु, गोविन्दपुर, मचा ... ... मेस्सिस पुर्ती + हुरद।
III गुमला, चैनपुर, लोहरदगा ... ... पादु अ० जोन ओ
IV रांची ... ... — बाजद कुजुर
सेक्रेटरी हुरद + पादु
मनमसीह टोप्पो।

IV पुरुलिया ... ... मि० डी० एम० धना ॥ ?

~~नोट~~ टिप्पणी :- (क) जिन जगहों में जमीन अर्थात खेत इत्यादि नहीं है परन्तु जहां बगान तलाव है अथवा टांड केवल है तो वहां के लिये चराई में देने अथवा घास बेचने के लिये दरखास्त मंगाये जावें और तब बन्दोबस्त किया जाय ।

(ख) कि जमीन दोन टांड जहां खेती होती है वे जमीन साफ में नहीं न मालगुजारी में परन्तु दौरा में रजिस्ट्री करके बन्दोबस्त किये जांय ॥

(ग) कि कौंसिल तुरन्त कमेटी नोटिश इसके वारे इलाकों को भेज देवे ॥

J. Toppno 25-1-33.

25-1-33

~~१३। हाताओं की रखवारी नियम~~

~~१३। हाताओं की रखवारी~~ ॥

~~पाड्डी मि० जोन ने हाताओं की रखवारी विषय पर कितने नियम और सूचना पेश किये जिन पर बातचीत हुई और उसमें कितने नये नियम इत्यादि जोड़े और सुधारे गये। ये संशोधित नियम साफ किये जाकर अन्यत्र छापे जाते हैं। ये महासभा में पेश किये जांए और उसकी मन्जूरी पाने पर जारी किये जांय।~~

~~१४। वेधेसदा बगान हिसाब~~

२५ जनवरी बुधवार १९३३ ॥

आज के दिन निम्न सभासदगण उपस्थित आये :—

१।	पाड्डी योहन तोपनो ...	...	... प्रेसिडेन्ट ।
२।	" एम० प्रेहन ...	...	... रवांची ।
३।	" मि० जोन ।		
४।	" एम० केरशिस ।		
५।	" योसम लकड़ा ।		
६।	" थाउदे कुजुर ।		
७।	मि० निर्मल सोय ।		
८।	" सामुएल मुर्मू ।		
९।	" पिटर हुरु ...	...	... सेक्रेटरी ।

आरम्भ में प्रार्थना हुई और निम्न लिखे काम आज के दिन समाधान हुए :—

१३। हाताओं की रखवारी ।

पाड्डे मि० जोन सभापति विभाग के मुरुब्बी होकर हाताओं की रखवारे विषयक नियम आदि पेश किये जिन पर फिर बातचीत हुई और उसमें कितने नये विषय जोड़े गये और नये ढंग पर सब कुछ रखा गया जो अन्यत्र छापे जाते हैं । ये नियम गहराई हुए कि महासभा में पेश होवे और मंजूरी लिखा जाकर जारी होवें ।

१४। वेधेसदा बगान हिसाब

4C वेधेसदा बगान हिसाब देखनेहारे कमिटी ने अपनी रिपोर्ट पेश किई और कोएक साल का हिसाब जो देखने गये उनका ब्योरा लिख कर पेश हुआ । फिर बगान से और कुछ से होस्टेल को जो दिया गया उन सारा सबजो का हिसाब पेश हुआ जिनमें कहीं कहीं विभिन्नता थी । ~~दोनों ओर से~~ पूरा पाठ में जो कैफियत दिये गये थे सो बताये गये । फिर बगान से कौंसिल को क्या आमदनी है अथवा खरच है कि नहीं

किर होस्टेल को और स्कूल को आत्मपालित करने के लिये कहां तक बगान से मदद होगा इस पर बातचीत हुई। निदान यही संकल्प हुआ—

संकल्प: कि जैसा और अन्य सम्पत्ति इत्यादि कौंसिल खुद बन्दोबस्त करेगी वैसेही रांची स्टेट के बगान और तलाब को भी सेक्रेटरी बन्दोबस्त करें। बगान और तलाब दोनों का नया प्रबन्ध अप्रैल १९३३ से होवे। इस बीच में बगान के वर्त्तमान चालक और वैसेही तलाब के प्रबन्धकर्त्ता इन महीनों के भीतर अपना कारबार ठीक कर लेवें और सेक्रेटरी को अपना सब हिसाब किताब दे देवें।

(ख) कि रांची के बगानों और तलाब के भविष्य प्रबन्ध के विषय में सहायता देने को और एक स्कीम बनाने को पाद्री एम० कोशिस सेक्रेटरी को सहाय करें।

~~(ग) कि~~

१४। कोट स्टेशनों के बगान तलाब इत्यादि।

कोट-स्टेशनों में जहां जहां बगान है और तलाब भी हैं उनको यदि निशानदी लोग लेवें और अपना पैसा खर्च करके उसको उन्नत करें और साल दो साल बगावें तो उनसे कैसा बन्दोबस्त किया जाए उस पर बातचीत हुई और निपटारे में हुआ—

6e

संकल्प: कि जिस्में कौंसिल सही सम्पत्ति का मालिक माना जाए इसलिये यदि कोई निशानदी नहीं नया बगान बनावे अथवा पुराने बगान को फिर से लेवे तो उनके लिये भी कुछ न कुछ वार्षिक मालगुजारी लिया जाए जिसको बन्दोबस्त करनेहारे कौंसिल मेम्बरान उचित रुप से ठहरावें।

१५। पेनशन फंड का खोलना।

सेक्रेटरी ने कौंसिल को बताया कि बहुत दिनों से कौंसिल में यह ठहराया है कि जब ही गंगा तरफी की सम्पत्ति बेची जायगी तब ही वहां का रुपैया डिपाजिट किया जाए और उसी से पेनशन पानेहारों को पेनशन दिया जाए परन्तु यह कब बेची जायगी और कब रुपैया इस काम में खर्च होगा इसको ठीक करना कठिन हुआ है। इसलिये प्रस्ताव हुआ कि डस्टियों को लिखा जाए कि अपने किसी एक अंग को गंगा क्षेत्र भेजें कि इस विषय पर पूरी सुस्तीदी के साथ कर्रवाइ करें।

2c

संकल्प: कि कौंसिल डस्टी बोर्ड के सेक्रेटरी को लिखें कि बोर्ड अपने किसी एक अंग को गंगा क्षेत्र भेजे कि वह वहां कम से कम ६ महीना तक रहके जमीन जगह बाता घरों को बेचने के लिये गाहक खोजे और बेचके रुपैया कौंसिल को दिया जाए जिसको पेनशन देने का काम उचितरुप से जारी होवे॥

१६। पेनशन पाने योग्य पाड़ियों का लिस्ट।

बूढ़ापे और कमजोरी से कितनों को पेनशन देने की बातचीत हुई क्योंकि मरम्मती में काम चलाने में वे अपनी दुर्बलता से लाचार हैं। इनको पेनशन देने के लिये विचार हुआ कि जो कामदनी कमी कौंसिल में आवेगी उससे अनुपात करके कुछ सैकड़ा पेनशन काम के लिये खर्च किया जाए

संकल्प: कि वर्त्तमान में निम्न लिखे पाड़ियों को पेनशन दिया जाए अर्थात:—

(१) पाड़ी पूरी प्रसाद मिश्र।
(२) " मार्टीन हुल।
(३) " पतरस कान्डुलना।

(ख) कि उनको जो पेनशन दिया जायगा सो कौंसिल को कामदनी जो होगी उसमेंसे कुछ सैकड़ा अनुपात करके पेनशन काम के लिये जो खर्च किया जाए"

१७। लोहरदगा मोकद्दमा खर्च।

लोहरदगा में मोकद्दमा के लिये वकील का फीस ५०) दो बेर जाने आने का ३०) मुनशी को लिखाई ५२॥) मंजूर किया जाए और यह दो बेर करके चुकाया जाए"

१८। गिर्जा और वहां की सामग्रियों की सफाई।

यह बताया गया कि कितने ही गिर्जों में यह देखा गया है कि वे साफ सुथरा नहीं रखे जाते हैं जैसा पवित्र घरों को रखना चाहिये। कि गिर्जों के कपड़ों, वेदियों के कपड़ों और पुरुषोत्तम के वस्त्रों की भी उचित चिन्ता नहीं होती है। नाना प्रकार की बातचीत होकर स्थिर हुआ—

संकल्प: कि प्रेसिडेन्ट एक चिट्ठी सब पाद्रियों के लिये लिखें जिसमें गिर्जा घरों को पवित्र घरों के तुल्य और पवित्र सामग्रियों को भी साफ सुथरा रखने के लिये और गिर्जों के कपड़ों के लिये भी उचित चिन्ता करने को उन्हें चितावन किया जाय।

१९ जनाना-विभाग।

सेक्रेटरी ने रिपोर्ट किया कि जनाना विभाग के कामों का कोई भी रिपोर्ट कौंसिल में नहीं आते हैं इसलिये केवल वीमेन लोगों का काम, और स्कूलों के काम के विषय में फिर बैठेसदा स्कूल के विषय भी कौंसिल कुछ नहीं जानती है। इसलिये

संकल्प: कि मिस्स हैंसे को लिखा जाय कि वह हर क्वार्टर में वेवल-वीमेन के कामों के और स्कूल विभाग के कामों पर अपना रिपोर्ट भेजा करें।

चिकित्सा-विभाग।

२०। राँची अस्पताल का मदद।

सेक्रेटरी ने रिपोर्ट किया कि बेथेसदा स्कूल से यह लिखित समाचार आया है कि जो ~~मदद~~ देन स्कूलों से ६०) करके मांगा गया था सो कौंसिल को विदा जायगा। छुसिपेल तकड़ा ने भी जनाया कि हाई स्कूल भी देने को तैयार है।

संकल्प: कि बेथेसदा स्कूल और हाई स्कूल का ६०) करके महीना जो देन है सो सहर्ष ग्रहण किया जाय और राँची मण्डली का २०) की बात मण्डली को रिमेन्डर देके जनाया जाय॥

~~[illegible]~~

२१। महासभा १९३३।

आगामी महासभा के होने के सम्बन्ध में बातचीत हुई कि महासभा जैसा होती आई है पुनरुत्थान पर्व के पीछे होवे। तारीखों को देखभाल कर यह ठहराया गया—

संकल्प:(क) कि आगामी १९३३ को महासभा और उसकी सम्बन्धी बैठकियां यों होवें:—

ता: १८ अप्रेल मंगलवार दूसरी बेले से ~~चर्च~~ कौंसिल की बैठकियां
ता: २१ अप्रेल शुक्रवार मिनिस्टिरियम की बैठकी।
ता: २२ अप्रेल सनिश्चर ~~कौंसिल~~ और मिनिस्टिरियम का एकत्रित बैठकी + प्रार्थना-समाज
ता: २३ अप्रेल एतवार महासभा की गिर्जा।
ता: २४-२७ अप्रेल ~~सोमवार~~ बृहस्पति - महासभा की बैठकियां।

(ख) महासभा का काम-पत्र कार्यकारक सभा से बनाया जाय।

(ग) महासभा के कामपत्र के लिये सब इलाकों से पूछा जाय कि यदि के कोई ऐसा विषय देना चाहते हों जो कि महासभा में विचारने के उपयुक्त हों तो २२ फरवरी तक ऐसे विषयों को कौंसिल के सेक्रेटरी का पास भेजें। मंजूर होने पर ऐसे विषय कामपत्र में मिलाये जायेंगे।

(घ) कि महासभा के प्रतिनिधियों और पाद्रियों के ~~लिये~~ इत्यादि का सुप्रबन्ध करने के लिये एक कमिटी होवे जिसके अंग रहें प्रेसिडेन्ट, पादरी एम० ग्रेहन, पादरी एम० केरिशस और मि० निर्मल सोय जो इस कमिटी के कनवीनर भी रहेंगे।

२२। ~~मडाई~~ हाई स्कूल तलब स्केल ॥

हाई स्कूल तलब स्केल तथा अन्य स्कूलों का तलब स्केल बनाने के लिये एक कमेटी ठहराई गई थी। इसका रिपोर्ट अभी तक नहीं पेश किया जा सका।

संकल्प: कि उक्त कमेटी को जो तलब स्केल बनाने को ठहराई गई ~~थी~~ याद्दाश्त किया जाए कि आगामी कौंसिल के बैठने के पहिले कार्यकारिणी सभा में ऐसा स्केल कौंसिल के विचार के लिये पेश करे ॥

2C

२३। वेधसेवा होस्टल कारबार।

वेधसेवा होस्टले में चावल दाल आदि देने के कारबार पर कौंसिल का ध्यान हुआ था निर्दिष्ट पढ़ा गया और उस पर की कार्रवाईयों पर बातचीत हुई। हेड मिस्ट्रेस को कहा गया कि इस विषय पर अपनी रिपोर्ट आगामी इसी फरवरी को देवें।

२४। मराठी जातियों का निरीक्षण फार्म।

सेक्रेटरी ने कौंसिल की आदेश अनुसार पेरिश और इलाका के हेडक्वार्टरों में जाके जातियों के निरीक्षण के लिये फार्म तैयार किये। सो विद्या विभाग का पत्र कर सुनाया गया। हाल में सम्पत्ति विभाग के नियमों में कुछ ~~सुधार~~ होने पर और भी कुछ अदल बदल होने की सम्भावना हुई इसलिये

संकल्प: कि मराठी जातियों के तथा पाठशालों के कामों के निरीक्षण के लिये जो फॉर्म बनाये गये हैं सो नियमों के दुहराव के द्वारा फिर से देखे जाएं और जहां जहां फेरफार की आवश्यकता हो उनको तैयार करके वे कार्यकारिणी सभा में पेश होवे।

२५। कौंसिल जातियों में चपरासी।

कौंसिल के बूढ़ा चपरासी की हाल दुर्बलता के द्वारा से उसके बदले में किसी न किसी को काम में लगाने की बातचीत हुई और यों रहा।

3C

संकल्प: (क) कि आगामी जनवरी को इस तारीख से बूढ़ा चपरासी पौलुस को ३ महीना पेनशन दिया जाए और उसके स्थान में मोहन नामक जन चपरासी का काम कौंसिल जातियों में नौकर रहने के समय में दूसरी जातियों से चिट्ठी आदि ~~लाने का~~ डाक के लिये लावे और दूसरे समय में ~~रहने~~ रहते के इस जगह को रखा और पहरा करे ॥

इतना हो जाने पर सभा का काम अन्त हुआ और ईश्वर को धन्यवाद गाया जाके ~~प्रेसिडेन्ट~~ प्रेसिडेन्ट ने अन्तिम प्रार्थना किई।

J. Jopons.
30-1-33.

30.1.1933

कोड़पत्र I

हाताओं की रखवारी के नियम ।

~~[मवेशी रखवाली]~~

प्रस्तावना ।

सर्व्वसाधारण को जानना चाहिये कि सब हाते और उनके गाछ बृक्ष, बगान, तलाब, बांध घर इत्यादि कौंसिल की सम्पत्ति है और मवेशियों से उनकी सुरक्षा होनी चाहिये जिसें सब कुछ सुन्दर, शोभायमान और स्वास्थ्यकर के योग्य बना रहे । इसलिये नीचे लिखे नियम ग्रहण किये जाते हैं :-

I हाताओं की जिम्मेवारी ।

(क) कि सब हाते कौंसिल से साधारणतः इलाके पंचों को सौंपे जाते हैं ।

(ख) कि जिसें काम ठीक से चले स्टेशनों में इलाका चेयरमैन पूर्णरूप से जवाबदेही है और आवश्यक होवे तो वह अपने लिये एक उपयुक्त सहायक चुन लेवे जो हाता विषयक बातों में उसको उचित सहायता करे । इलाका चेयरमैन इसलिये ~~के आगे जवाबदेही हैं~~ इलाका-पंच के आगे और कौंसिल के आगे जवाबदेही है ।

II किस प्रकार रक्षा होवे ।

(१) समूचा हाता चारो रहे चाहे कांटों से चाहे तार से चाहे किसी दूसरे प्रकार से जिसें सीमानबन्दी भी ठीक रहे और बाहर के मवेशी न घूसने सकें और वैसी लोग न आवें ।

(२) हातों में रास्ते ठीक से सब ओर जाने आने के लिये बनाये जावें और सम्हाले जावें ।

(३) जहां जहां आवश्यक हो गाछ रोपे जावें । पुराने गाछ काटे और नये लगाये जावें । पुराने गाछ मवेशी के खाने में लगाये जावें चाहे बेचे जावें । जीवते गाछ बिन कौंसिल की मंजूरी नहीं काटे जा सकते हैं ।

(४) बगान होवें तो उनकी ठीक खेती होवे जिसकी आमदनी मवेशी रखाने के लिये होगी । आवश्यक हो तो ठीका पर भी लगाया जायगा ।

(५) घरों और बंगलों की मरम्मत करें और उन्हें सुन्दर रीति से साफ सुथरा रखें ।

(६) हाता की जमीन या टांड़ हाताओं के रहने हारों से यहां वहां न कोड़ा जाए और गड़हा बनाके न बिगाड़ी जाए ।

(७) गोबर या मांद फेकने के लिये हाते के मैदानों में अथवा सड़कों के किनारों में गड़हे न बनाए जांए परन्तु ऐसे कामों के लिये बगान के कोने अथवा हाते के कोनों की जमीन चेयरमैन की मंजूरी लेके व्यवहार होवे ।

(८) पुटुरा हातों से और बगानों से बिलकुल उजाड़े और उखाड़े जांए और घेरों के कांटे या पौधे बैंची से काट जाकर ठीक रूप में रखे जांए ।

(९) हाते के सब मैदान खेल के टांड न बनाए जांए । खेल के लिये एक वा दो टांड़ अलग रहें जो चेयरमैन की मंजूरी पर खेल टांड़ माना जाए ।

(१०) हाते के घर और मैनों के सामने केवल फूल बगान लगाए जायेंगे । यदि घर का पिछवाड़ा हो तो वहां साग सब्जी के बगान लगाये जा सकते हैं । यदि किसी घर में पिछवाड़ा न हो तो चेयरमैन वा इलाका-पंच बहुत जरूरी होने पर मंजूरी देवे इस दशा पर कि हाते की सुन्दरता इससे नहीं बिगड़ेगी ।

(११) हातों में कोई घर नया न बनाया जाए न बढ़ाया या घटाया जाए बिन कौंसिल की अनुमति से ।

III मवेशी रखना ।

(१) हातों में केवल गाय बैल रखे जायें (२) दूसरे मवेशी रखना मना है ।

(३) यदि खेत करने वाले काम वाले हों तो पंच की मंजूरी से अथवा इलाका चेयरमैन की मंजूरी से घोड़ा रख सकते हैं जो बंधा हुआ चराया जाए ।

(४) हातों में गाय बैल रखने वाले मवेशी मराडलों से दूर दूर घरों में उन्हें न रखें पर उनके लिये छपरी बना सकते हैं उनके हाता छोड़ने सेवेरे ले जा सकते हैं । ऐसी छपरी घरों से अलग में बनाई जाए ।

(५) यदि हाता में अधिक जगह हो तो वह चराई के लिये अलग किया जा सकता है जिसको लिये मराडलो चराई कहा जावे अथवा हाता की जगह छोटी हो तो वहां पर घास बढ़ाई जाए और घास बेची जाए जिसें आमदनी होवे ।

IV हाता रक्षा के लिये चौकीदार ।

(घ)

III मवेशी रखना।

(१) हातों में ~~गाय~~ गाय बैल ~~चरवाह~~ एक चरवाह के ठहराये जाने पर रखे जा सकते हैं इस दशा पर कि हाता का कोई विशेष भाग यथेच्छ चरने के लिये अलग किया जा सकता है। ऐसी चराई के लिये पंच फीस ठहरावे जिसको मराडली पावेगी पर यदि हातों में बड़ी जगह न हो तो वहां घास बढ़ाई जाए और वह बेची जाए जिससे मराडली को फायदा हो।

(२) हातों में जहां चराई की जगह नहीं है वहां पंच की अनुमति बिना के लोग गाय बैल इस शर्त पर रखें कि उन्हें हाते से बाहर में चरावें जहां गांव के लोग चराते हैं

(३) गाय बैलों को छोड़ हातों में बकरी, घोड़ा, भेड़ी, भैंस आदि रखना मना है।

(४) यदि कोई सफाई करनेवाला कर्मचारी हो तो वह ~~घोड़ा रख~~ चेयरमैन की अनुमति से घोड़ा रख सकता है।

(५) हातों में के गाय बैल रखनेहार जन मराडली के दिये हुए घरों में अपनी मवेशी न रखें पर घरों से अलग स्थान में छप्परी बनावें जिसके लिये ~~इलाका~~ चेयरमैन से अनुमति लेवें ऐसा कि जब हाता छोड़ें तो अपनी छप्परी भी ले जाने सकें।

(६) हाता से बाहरवालों के मवेशी हाता के भीतर न आवें। यदि हाता में चराई की अलग जगह न हो अधिक मवेशी होवें तो पंच देखें कि कितने मवेशी चराये जा सकेंगे।

IV चौकीदार।

हातों की सुरक्षा के लिये अर्थात गाय वृक्ष को ~~लगाने~~ लगाने, बढ़ाने, देख भाल करने, काटों के घेरों को काटने वगान, तलाव इत्यादि देखने के लिये, चोरी लोगों को करने से रोकने के लिये चौकीदार या चौकीदारों की आवश्यकता है। सो हातों की आमदनी से हरेक स्टेशन में एक एक चौकीदार रखना जरूर है। हरेक चौकीदार चेयरमैन के ~~नीचे~~ अधीन में होके काम करेगा। चौकीदार लोग नुकसान करनेवाले मवेशियों को कानीहौस में ले जावें॥

V दण्ड।

(क) यदि ऊपर लिखी बातों और विषयों में झगड़ा हो तो रांची छोड़कर सब आउट-स्टेशनों में ये बातें इलाका-पंच की कार्यकारिणी सभा वा स्थानीय मराडली पंच ~~में~~ में सफाई किये जांए

(ख) यदि अपील होवे तो कौंसिल में अपील जा सकती है।

(ग) यदि हाते के रहनेहार कब्जा ऊपर दिये हुए नियमों के विरुद्ध में काम करें तो पंचों की राय लेकर उन्हें हाता छोड़ने का नोटिश दिया जाए॥

कोष्ठक II

21/1/33. 33

ANNUAL STATEMENT OF G.E.L. CHURCH OF CHOTANAGPUR AND ASSAM

FOR THE MONTHS OF JANUARY TO DECEMBER 1932.

		Credit.	Debit.
1.	Congregational Works.		Rs. 584--8-0.
2.	Establishment.	6-14-0.	2748--5-0.
3.	Cong.Missionary Works.	669-11-1.	660--8-0.
4.	Widows Fund.	354-11-0.	354-11-0.
5.	Bible Women.		140--0-0.
6.	Theological Seminary.		64--3-0.
7.	Travelling & Transfering.	66--8-0.	221--5-0.
8.	Repairs & Construction.	363--0-0.	445-13-9.
9.	Motor Expenses.	294--6-6.	1411--4-6.
10.	Charbandhu.	863--2-6.	334--2-6.
11.	Gossner Mission Society.	20564--5-2.	
12.	Medical Works.	33--8-6.	1031--5-0.
13.	Elementary Tr.School.	15--0-0.	279--2-0.
14.	Middle English Schools.	4967--0-0.	11983--5-6.
15.	Primary Schools.	1733½-12-0.	4800--2-0.
16.	Girls Schools.	1807--4-0.	3079--8-0.
17.	Scholarship Refunds.	62--0-0.	
18.	N. M. S.	42--5-0.	
19.	Bible Society.	75-13-9.	
20.	Advance & Loans Recoverable.	5375-14-9.	5578--0-3.
21.	Miscellaneous.	36-14-0.	851-10-6.
22.	Loans.	5100--0-0.	3742-13-6.
23.	Contributions.	1165--8-0.	
24.	Central Fund.	1030--0-3.	
	Grand Total Rs.	44627-10-6.	38310-11-6.
	Opening Debit Balance.		83-11-0.
		Rs. 44627-10-6.	38394--6-6.
	Closing Cr.Balance.		6233--4-0.
		Rs. 44627-10-6.	44627-10-6.

----------XXXX----------

DT.

क्रोड़पत्र III

34

FINANCIAL STATEMENT OF G.E.L. CHURCH OF CHOTANAGPUR AND ASSAM

FOR THE MONTHS OF OCTOBER TO DECEMBER 1932.

Chur...
Received 23.1.33
Regist... No. 523
Date...
File... 28
Reply No...
Date...

		Credit.	Debit.
1.	Congregational Works.		Rs. 155--0-0.
2.	Establishment.	5--0-0.	1329--0-9.
3.	Cong.Missionary Works.	17--1-3.	340--0-0.
4.	Travelling & Transfering.		12--1-0.
5.	Repairs & Construction.	23--3-0.	118--3-6.
6.	Motor Expenses.	143--7-6.	635-12-6.
7.	Gossner Mission Society.	15072-11-5.	
8.	Gharbandhu.	171--4-6.	193--0-0.
9.	Medical Works.	20--0-0.	554-11-0.
10.	Elementary Tr.School.		279--2-0.
11.	Middle English Schools.	2849--0-0.	6730-12-9.
12.	Primary Schools.	372--0-0.	2466-14-0.
13.	Girls Schools.	1270--8-0.	1670--8-0.
14.	Scholarship Refunds.	16--0-0.	
15.	N. M. S.	7--5-0.	
16.	Bible Society.	6--3-0.	
17.	Advances & Loans Recoverable.	4475-10-0.	4566--1-6.
18.	Miscellaneous.	18--6-0.	381--2-9.
19.	Loans.		3366-14-6.
20.	Contributions.	551--5-2.	
21.	Central Fund.	418-12-0.	
	Grand Total	Rs. 25437-12-10.	22799--4-3.
	Opening Cr. Balance.	3594-11-5.	
		Rs. 29032--8-3.	22799--4-3.
	Closing Cr. Balance.		6233--4-0.
		Rs. 29032--8-3.	29032--8-3.

DT.

Church Council
Received 23.1.33
Register No. 524
Date
File 28
Reply No.
Date

LOAN ACCOUNT OF THE CHURCH COUNCIL.

---000---

I G.E.L. Mission Press Money.

Loan taken by Church Council:-

On 24-3-1931	Rs.2000/-
On 30-7-1931	Rs.2000/-
On 31-8-1931	Rs.1000/-
Total	Rs.5000/-

Hand-note for Rs.5000/- executed by Church Council on 31-8-31.

Amount due from the Church Council on 1-1-1933:-

1. Principal	Rs.5000/-
2. Interest at 4 per cent per annum from 1st September 1931 to 31st December 1932 i.e.for 16 months.	Rs. 266/10/9.
Total	Rs.5266/10/9.

II Board of Trustees' money.

Loan taken by the Church Council on 22-9-31 Rs.4000/-

Hand-note for Rs.4000/- executed on 22-9-31.

Amount due from the Church Council on 1-1-1933:-

1. Principal	Rs.4000/-
2. Interest at 2 per cent per annum from 1st October 1931 to 31st December 1932 i.e.for 15 months.	Rs. 100/-
Total	Rs.4100/-.

III Loan from the Imperial Bank of India.
(on the security of Government Securities).

Loan taken on 29-2-1932 Rs.3000/-

Hand-note for Rs.3000/- executed on 29-2-1932.

Amount due from the Church Council on 1-1-1933:-

1. Principal	Rs.3000/-
2. Interest at 8 per cent per annum from 1st March to 31st December 1932 i.e. for 10 months.	Rs. 200/-
Total	Rs.3200/-.

Sd/- D. M. Panna,

Secretary to the Board of Trustees.
16-1-33.

True copy.

DT.

LOAN ACCOUNT OF THE CHURCH COUNCIL.

-----000-----

Loan taken by the Church Council from Mr.D.M.Panna, on 23-11-1931. Rs.3000/-

Amount due from the Church Council on 1-1-1933:-

Date.	Particulars.	Principal.	Interest.
23-11-1931.	Loan	Rs.3000/-	---------
Add 1-4-1932	Interest from December 1931 to March 1932 at 8 per cent per annum i.e.for 4 months.		Rs.80/-
		Rs.3000/-	Rs.80/-
Deduct. 7-3-1932	Refund by the Church Council	Rs. 300/-	Rs.75/-
	Balance	Rs.2700/-	Rs. 5/-
Add. 1-11-193	Interest at 8 per cent per annum on Rs.2700/- from April to October 1932 i.e. for 7 months.		Rs.126/-
	Total	Rs.2700/-	Rs.131/-
Deduct.23-10 1932	Refund by the Church Council.	Rs. 500/-	------
	Balance	Rs.2200/-	Rs.131/-
Add. 1-1-932	Interest on Rs.2200/- at 8 per cent per annum for November and December 1932 i.e. for 2 months.		Rs. 29-5-4.
		Rs.2200/-	Rs.160/5/4.

Sd/- D. M. Panna,
16-1-33.

True copy.

DT.

Research Library
Date 24.1.33
Register No. 531
Dept.
File 23.
Reply No.
Date

परिशिष्ट VI

24/1/33
37

High School BUDGET.FOR CURRENT YEAR. i.e.(1933)

Monthly.

RECEIPTS.		EXPENDITURE.	
Fees.....	Rs. 700.	Salaries	Rs.1,033.
Fines,Admission, Tr. fees etc.....	25.	Prov: Fund.....	147.
Government grant....	326.	Repairs.....	50.
		Contingencies.....	30.
		Library & Prize...	20.
		Servants.....	30.
Total Rs.	1,051.	Total Rs.	1,310.
		Deficit.....	259.
		say Rs. 260.	

Proposed increased fee income.

Fees.....	Rs.80.	Increased fees & Library.	100.
Library fee.....	20.	Deficit....Rs.	160.
	Rs.100.		

Monthly deficit Rs.160.

Annual " 160.x 12.

= Rs.1920.

i.e. Rs.2000.

Besides this the School needs special grant for repairing the roof of the new hostel. + equipment

17/2/34

Financia Statement of G.E.L. Church of Chotanagpur and Assam for the months of January to December 1933.

		Credit.	Debit.
1.	Congregational Works.		Rs. 549-15-0.
2.	Establishment.		2620--0-9.
3.	Cong.Missionary Works.	73--5-2.	102--6-0.
4.	Travelling & Transfering.		396--3-3.
5.	Widow Fund.	328--0-0.	314--6-0.
6.	Repair & Construction.	245--3-0.	1589-15-3.
7.	Motor Expenses.	328--9-9.	1326--8-3.
8.	Gossner Mission Society.	5917--9-5.	
9.	Gharbandhu.	493--5-6.	2054--8-0.
10.	Medical Works.	336-11-6.	782--6-0.
11.	Middle English Schools.	5907--0-0.	5998--5-0.
12.	Primary Schools.	1951--8-0.	1990-14-0.
13.	Girls Schools.	2154-10-6.	2354-10-6.
14.	Scholarship Refunds.	24--0-0.	
15.	Advances Recoverable.	2149--5-3.	2655-10-0.
16.	N. M. S.	20--7-9.	
17.	Bible Society.	5--4-6.	
18.	Miscellaneous.	556--0-0.	1262-11-6.
19.	Loan.	3700--0-0.	8291--9-1.
20.	Contribution.	1290-11-2.	
21.	Central Fund.	1094--4-9.	20% Slakes.
22.	Pension.		236--8-0.
23.	Rent.	5--0-0.	
24.	Field.	38--0-0.	
25.	Property.		20--0-0.
	Grand Total....Rs.	26619--0-3.	32546--8-7.
	Opening Credit Balance.	6233--4-0.	
	Rs.	32852--4-3.	32546--8-7.
	Closing Credit Balance.		305-11-8.
	Rs.	32852--4-3.	32852--4-3.

DT.

छोटानागपुर और आसाम के चर्च कौंसिल की बैठकों
का कार्यविवरण।

कार्यकारक सभा की बैठकों।

ता: २४ फेब्रुअरी १९३३।

आज के दिन इस मंडली की कार्यकारक सभा बैठी जिसमें निम्न महाशय उपस्थित आये

१। पादी एम० ब्रेडू ... ... सभापति।
२। मि० सामुएल मुर्मू
३। मि० पिटर हुरुल ... ... सेक्रेटरी।

दो पदधारियों के होने से और प्रेसिडेन्ट के हाजिर न रहने के आधार से आज के दिन के लिये मि० सामुएल मुर्मू सभापति चुने गये। आरम्भ में सेक्रेटरी ने प्रार्थना किई और निम्न लिखे काम आज सम्पादन हुए:—

१। बाबू योहन तिरु को शिक्षा।

आसाम के बाबू योहन तिरु को सेमिनरी की शिक्षा देकर वहां की मंडलियों के लिये पदाभिषेक करने के विषय में पादी रविशंकर से जो चिट्ठियां आई थीं सो पढ़ी गईं और वहां की आर्थिक अवस्था और आवश्यकता पर विचार कर फैसला हुआ।

संकल्प: कि आसाम के बाबू योहन तिरु को अभी वर्त्तमान में सेमिनरी में विशेष शिक्षा देने का प्रबन्ध किया जाए और उसके पदाभिषेक के सम्बन्ध में प्रेसिडेन्ट को कहा जाए कि वह निर्याावली के नियम अनुसार मिनिस्टिरियम के अंगों से पूछपाछ करके जो करना आवश्यक हो सो करें जिससे पदाभिषेक कार्य्य उचित समय में हो सके।

२। पादी रविशंकर का सफर रिपोर्ट।

आसाम के पादी रविशंकर साहब की रिपोर्ट जिसे उसने अपने आसाम क्षेत्र में के मेरादलियों में देखभाल करने के विषय लिखी थी उसका संक्षिप्त सारांश बताया गया जिसको सुनने से लोगों के मन में धर्म और प्रचार का उत्साह और नया जीवन उत्पन्न होता है।

सो यह प्रस्ताव किया गया और मंजूर हुआ कि पादी रविशंकर को उसकी चरवल्ती काम की भली रिपोर्ट के लिये आनन्द और धन्यवाद की चिट्ठी लिखी जाए जिससे और अन्य पास्टर भी ऐसे काम में उत्साह और प्रेरणा प्राप्त करें॥

३। कोंडवात वाजव सोरेंग।

कोंडवात वाजव सोरेंग रविया लोगों के मध्य में से है। किंकेल के चेयरमैन ने लिखा है कि भला होता कि उसको पादी पद दिया जाता जिससे पादी सामुएल वाजेग के स्थान में वह रविया लोगों के मध्य में काम करे। उसके विषय में यहां विचार हुआ—

संकल्प: कि कोंडवात वाजव सोरेंग के पदाभिषेक की बात पर प्रेसिडेन्ट मिनिस्टिरियम की निर्याावली के अनुसार कार्य्य करे सो यह विषय उनको सौंपा जाए॥

४। रिवस्तोचित कुजुर।

खुटीटोली के बाबू रिवस्तोचित कुजुर का दरखास्त पढ़ा गया जिसमें उसने कौंसिल को यह समाचार दिया है कि उसने अब विवाह किया है और अब उसको काम देने का चिन्ता किई जाए। उसके विषय की बातों पर बातचीत करते हुए विचार हुआ कि

संकल्प: बाबू रिवस्तोचित कुजुर की बात मिनिस्टिरियम के सामने लाई जावे तब आगे देखा जाए कि उसको मंडली में काम दिया जा सकता है अथवा नहीं।

५। पादी इम्मानुएल कुजुर।

किंकेल-~~मांझी~~ के पादी इम्मानुएल कुजुर ने चिट्ठी लेकर अपने गांव जाने हैं कि जमीन नाप के समय अपनी जमीन जगह की देखभाल करे। अपने घर चिट्ठी पेश से उसने दरखास्त भेजा है कि उसकी बदली चिट्ठी में किई जाए जिससे वहां से अपने घर दूर का प्रबन्ध वह कर सके क्योंकि उसके भाई के द्वारा उसकी हक हकियत की [illegible]

हुई है। उसके यहां वहां बदली जाने और काम करने के विषय बातचीत होकर यह ठहराया गया—

संकल्प: कि पादरी इमानुएल को समाचार दिया जाए कि वह भविष्यत में अपनी सब चिट्ठी पत्री और दरखास्त इलाका-सेक्रेटरी के द्वारा भेजें। फिर अपनी बदली का यह दरखास्त भी अपने वर्त्तमान इलाके के मासिक कौंसिल में पेश करें॥

६। पादरी शीवे और पादरी इमानुएल कुजुर॥

3c पादरी एम० शीवे ने पादरी इमानुएल कुजुर के लिये जो ५०) सहायता भेजी थी उस पर जो पावना थे सो काट छूट किस प्रकार हुआ और ३०) उसको दिया गया। इसके सम्बन्ध में शीवे साहब का मैत्रिपत्र पढ़ा गया और नोट किया गया।

७। रघुनाथपुर-जयपुर की बात।

पादरी पौलुस मुन्डू ने रघुनाथपुर-जयपुर के विषय में अपना रिपोर्ट भेजा जो पढ़ा गया। मालूम हुआ कि जयपुर के वाकु दाऊद और उसकी पत्नी दोनों रघुनाथपुर में आके गिर्जा आने के लिये इच्छुक नहीं हैं और अपने ही पुराने हक में ठहरे रहेंगे। फिर जिस स्त्री के विषय में कहा गया था कि कुड़ु में जाके सीधी लेवें सो अब तक नहीं हुआ। सो इस विषय पर बातचीत करने पर यह ठहराया गया—

4c संकल्प: कि मि० हानुएल मुर्तु, पादरी खस्टोगिरि तिर्की और सेक्रेटरी पिटर इरुद ४थी मार्च को रघुनाथपुर जाके भाइयों के संग में बातचीत का सब विषयों में सभों को फिर से समझा बुझाके मेल कुशल स्थापित करें।

८। पादरी पूर्णाप्रसाद मिंज की मृत्यु।

सेक्रेटरी ने पादरी पूर्णाप्रसाद मिंज की मृत्यु का समाचार कौंसिल को दिया कि वे ४थे फागुन सनिश्चर को आमगढ़ि में परलोक वासी हुए। आप की मृत्यु का समाचार रांची गिर्जे में भी सुनाने की बात ठहराई गई और यह भी निश्चय हुआ कि भविष्यत में सब आक्षिप्त पादरियों की मृत्यु का समाचार रांची गिर्जे में सुनाया जाए जहां उनका पदार्पण हुआ और उनको विशेष आदर दिखावें और उनके प्रति भक्ति भी बढ़े।

९। कातिने धर्म साहित्य की पुस्तकों की छपाई।

सेक्रेटरी ने सभा को बताया कि "पढ़ो, देखो, रोमी मराडलो का उपदेश" यह पुस्तक प्रेस में नहीं है और उसके विषय में अरदास में लिखा जा चुका है जिसमें रोमी मराडलो का सुधरान मराडलो के लोगों के बीच में जो धावा है सो अवरुद्ध किया जाए। इस पुस्तिका को तथा अन्य अन्य पुस्तकों के फिर छाप जाने के विषय में बातचीत हुई कि प्रेस को कहा जाए कि ये पुस्तके छापी जाके बेचने के लिये स्टाक में रखी जावें।

2c

सम्पत्ति-विभाग।

१०। गुमला इलाके की सम्पत्ति।

जो कमीशन गुमला के लिये ठहराई हुई है उसने पादरी दाऊद कुजुर और स्थानीय पंच के साथ में वहां और हिसाब किताब और कितनी चीजों और सम्पत्तियों के विषय में जो प्रभेद था उसके विषय अपनी रिपोर्ट दिई। रिपोर्ट पर और दाऊद कुजुर पादरी के कैफियतों पर देख कर स्थिर हुआ

संकल्प:(क) कि पादरी दाऊद कुजुर का कैफियत उन सब चीजों और सम्पत्तियों के विषय में जो दिया गया है सो ग्रहण किया जाए; परन्तु

3c (ख) जमीन की मालगुजारी के विषय में यही स्थिर हुआ कि कौंसिल इस साल सब जमीन जगहों को अपने निज प्रबन्ध में लेती है इसलिये बीते सालों की मालगुजारी का देनदार नहीं है पर तो भी इसलिये कि बहुत मालगुजारी बकाया रह गया है एक साल का देने के लिये और उठती है सो १९३१ साल का गुमला इलाका ४०) माल देवे और १९३२ का कौंसिल देगी॥

११। गंगा तराई की सम्पत्ति।

गंगा तराई की सम्पत्ति बेचने के सम्बन्ध का मि० पत्रा की चिट्ठी पढ़ी गई जिसमें लिखा था कि जो किसान अभी तक दखल में हैं उनका विचार नाको है इसलिये

3c

प्रस्ताव के अन्त होने के पहले धन्यवाद नहीं दिये जाया करते हैं। बोर्ड के अंगों को वहां भेजने से सिर्फ रुपयों की बर्बादी होगी। इस विषय पर और कुछ बातचीत हुई और संकल्प हुआ—

संकल्पः कि बहुत कुछ ऐसी जमीन जगह जो है जो इस निशान काम के लिये आवश्यक नहीं है जैसे बेत रेत इत्यादि जिनको अभी बेचने से कौंसिल को इस कठिन समय में मदद हो सकता है। सो यह तला होगा फरवरी के दूसरे हफ्ते के अन्त में अथवा दूसरे सप्ताह में ट्रस्टी बोर्ड की कोई सभा बैठेगी जिसके लिये मि० पन्ना को लिखा जाए।

१२। संघानी का हिसाब।

मि० पन्ना ने संघानी का हिसाब भेजा जिसमें १९३२ का हिसाब दिया हुआ था। हिसाब में संघानी बंगले की मरम्मत इत्यादि का खर्च प्रायः ७००) तक दिखाया गया और हिसाब के अन्त में दिखाया गया कि कौंसिल को जमा ९४५ ३ पाई देना है जिसमें से पूर्वदेय।) मि० पन्ना को और ३८० ।।।ॐ३ बोर्ड आफ ट्रस्टीज को देना होगा। हिसाब देखने का स्थिर हुआ ~~कि मि० पन्ना का हिसाब~~

संकल्पः कि मि० पन्ना का भेजा हुआ संघानी होते का हिसाब ग्रहण होवे।

१३। गुमला बगान की जमीनें।

गुमला इलाके का एक दरखास्त तथा गुमला बगान की एक टुकड़ी जमीन पोते की लिये मिस्त्री सैंसो की चिट्ठी ये दोनों कागजात पढ़े गये। बताया गया कि इनके सम्बन्ध में पहिलेही बोर्ड आफ ट्रस्टीज से लिखा पढ़ी हो गई है इसलिये

संकल्पः कि इलाके का और मिस्त्री सैंसो का दरखास्त भी दोनों ट्रस्टियों को भेज दिया जाए कि इस पर चिंतित करवाई किई जाए।

१४। पाड्डो आन्द्रियस तोपनो का हिसाब।

संघानी के पाड्डो आन्द्रियस तोपनो ने अपनी हिसाब जनवरी का भेज दिया जिसको देखने से मालूम हुआ कि कहीं कहीं जो चन्दा पासनी मिली है सो बहुत ही कम है, जिसमें कि पाड्डो बाबू ने अपने इलाके से भी बाहर यात्रा किई है जैसे धनबाद और कुल्टी। ये दो स्थान पुरुलिया इलाके के जिले में हैं।

संकल्पः कि पाड्डो आन्द्रियस तोपनो को हिसाब में जो घाटा हुआ है ३।३ ३ पाई सो उसको दिया जाए और बताया जाए कि वह अपने निज जिले में मेले मिटे और खरखई का काम करे परन्तु जिला से बाहर के लिये कौंसिल की अनुमति लेवे क्योंकि धनबाद और कुल्टी ये दोनों स्थान पुरुलिया इलाके को सौंपे गये हैं।

१५। जयमसीह मंज पाड्डो को सहाय।

सेक्रेटरी ने सभा को बताया कि आमगांव से पाड्डो जयमसीह ने लिखा है कि उनको बिमारी के समय में छुट्टी दिई गई थी ~~इस समय~~ और उस समय १० महीना बेतो की बात हुई थी सो उसको यह १० सब कुछ नहीं दिया गया है। अभी दिया जाए तो छुट्टी के समय में जो रुपया उधार हुआ है सो भर दिया जायगा – स्थिर हुआ कि सेक्रेटरी पाड्डो मि० जोन से ~~तसदीक~~ तदारुक करें कि उनको कहां तक दिया गया है।

शिक्षा-विभाग

१६। टकरमा एम० ई० स्कूल।

टकरमा स्कूल में डिप्टी इन्सपेक्टर ने जो जांच किया उसकी रिपोर्ट से सेक्रेटरी ने कुछ अंश बताया जहां लिखा था कि वहां का ~~M.C.~~ काम बहुत खराब था। हेड सुपरवैजर ने बताया कि इस विषय पर हेड-मास्टर का ध्यान खींचा गया है और उचित चितावन दिया गया है।

संकल्पः कि हेड सुपरवैजर की करवाई को इस ओर टकरमा स्कूल के सम्बन्ध में खुशी से मंजूर किया और ~~दुहराई~~ जाती है।

१७। माष्टर योहन धान का बिल ।

माष्टर योहन धान जिसकी बदली टकमा से कैंकोल हुई उसके बदली खर्च का वौचर जो उसने कुलियों का मजूरी इत्यादि दिया था सो आया । इसलिये विचार हुआ कि उसका बिल २८) मंजूर किया जाय और उसको दिया जाय ॥

१८। कैंकोल स्कूल ।

कैंकोल स्कूल के बारे में हेड-सुपरवैजर का रिपोर्ट पढ़ा गया । मालूम हुआ है कि इलाका बहुतों को अर्थात ४० विद्यार्थियों को फ्री-स्टुडेन्टशिप दिया है । इस स्कूल को आमदनी इससे घट जाती है और तब तलब नहीं मे मास्टरों का काम तलब देने मे मुश्किल को लिये अधिक रुपैये दान देने का दिखाया जाता है। यह नियम ठीक नहीं है।

संकल्पः कि इलाका को लिखा जाय कि वह इतने बहुत विद्यार्थियों को फ्री-स्टुडेन्टशिप नहीं दे सकती है बिन हेड-सुपरवैजर से परामर्श लेके क्योंकि इस प्रकार से स्कूल को आमदनी घट जाती है और हिसाब किताब में स्कूल की ठीक आर्थिक दशा नहीं दिखाई देती है। सो इलाके से अनुरोध है कि वह अपन इस विचार को स्कूल की आर्थिक भलाई के लिये फिर विचार करके दुहरावे।

१९। हेड-सुपरवैजर का स्टेटमेन्ट ।

हेड-सुपरवैजर ने ~~स~~ स्कूल की आर्थिक स्थिति का एक नकशा कौंसिल में भेजा जो पेश हुआ । इसमें स्कूल का रोल नम्बर, फ्रीस्टुडेन्टों की संख्या । मासिक हाजरा खर्च फीस और रेन्ट की आमदनी और इलाकों का स्कूल चन्दा दिखाये हुए थे । इसको देखने से मालूम हुआ कि सब एम० ई० स्कूलों के लिये कौंसिल को घेरचा॥) महीना देना है।

संकल्पः कि ~~स~~ स्कूलों की आर्थिक स्थिति का यह नकशा गुहरा होवे । इस का नकल इलाकों को भेजा जाय कि वे घाटा को भरने के लिये अधिक परिश्रम करें।

२०। पंडित थोएल हेमराम ।

पंडित थोएल हेमराम के दो दरखास्त पढ़े गये । बताया गया कि वर्षा हेडक्वार्टर में उसका काम इलाके को सौंपा गया है सो वह इलाके से दौरा कर कि उसके तलब देवे । कौंसिल अथवा स्कूल वहीं दे सकते है क्योंकि इसके लिये उसने काम नहीं किया । इलाके ने उसके काम को गुहरा न आने का उजुर भी नहीं किया था ।

उसको किसी काम में लगाने का कौंसिल का संकल्प बहाल रहे ।

२१। बुड़ुजु स्कूल-होस्टेल आडिट रिपोर्ट ।

बाबू पौलुस बाबा ने बुड़ुजु होस्टेल हिसाब आडिट का भेजा । देखने से पाया गया अगले हेडमास्टर के हिसाब में होस्टेल का पूरा ~~रु~~ ३ बाकी पावना है हेड-सुपरवैजर के हिसाब अनुसार उस हेडमास्टर को स्कूल से और जो पावना था उसको बाद देने से कुछ रुपैये कम होते हैं सो विचार हुआ—

संकल्पः कि बुड़ुजु के अगले हेडमास्टर को लिखा जाय कि होस्टेल के हिसाब के सब बाकी रुपैये जल्दी भर देवें अन्यथा उनके वर्त्तमान मालिक को उनके अदा करने के सम्बन्ध में चिट्ठी लिखी जायेगी ।

(१) कि बाबू पौलुस बाबा को कहा जाय कि वे बुड़ुजु स्कूल का जो हिसाब आडिट का अपना रिपोर्ट भेजें ।

(२) कि बाबू पौलुस बाबा को आगे अनुरोध किया और अधिकृत किया जाय कि वे गोविन्दपुर जाके स्कूल और होस्टेल का हिसाब आडिट कर कौंसिल को अपना रिपोर्ट भेजें ।

J. Joseph.
6-3-33

6.3.33.

चर्च कौंसिल की कार्यकारक सभा ।
ताः दि-७ मार्च १९३३ ॥

ताः दि ७वीं मार्च १९३३

आज के दिन कौंसिल की कार्यकारक सभा बैठी और नीचे लिखे सदस्य उपस्थित थे - अर्थात :-

१। पाड्री योहन तोयोनो ... ... प्रेसिडेन्ट ।
२। " एम० प्रभु ... ... रजांची ।
३। मि० सामुएल मुर्मू
४। " पिटर हुरुइ ... ... सेक्रेटरी ।

पाड्री योएल लकड़ा उपस्थित नहीं थे ।

पहिले प्रार्थना हुई और सभा का काम आरम्भ हुआ । प्रेसिडेन्ट विहार से पहिले आये और फिर रजांची के साथ ~~का~~ दरिवन की मंडलियों को देखने के लिये सफर जाने का ~~विचार~~ हुआ इसलिये महासभा का कामपत्र बनाने का विचार हुआ ।

१। महासभा का कामपत्र ।

पहिली बैठे में महासभा का कामपत्र का ड्राफ्ट या मोसोबिदा बनाया गया । उसके विभिन्न विषयों पर तथा प्रस्तावों पर और विषयों पर बोलने हारों के नामों का विचार किया गया । सेक्रेटरी को कामपत्र साफ से तैयार करने का भार सौंपा गया जिसें दूसरे दिन वह फिर से देखा जाए ।

दूसरी बैठा ।

२। प्रेसिडेन्ट का रिपोर्ट।

प्रेसिडेन्ट ने ~~अपने काम का रिपोर्ट जो सभाके~~ टकरमा में और दरिवन की मंडलियों में ~~किया~~ काम किया था उसका रिपोर्ट पेश किया । प्रेसिडेन्ट ने आप ही अपना रिपोर्ट पढ़ा और अन्त में दिखाया कि फिर से टकरमा में जाके इलाके के संग और भीतर विहातों में पन्चैत करना जरुर है जिसका प्रोग्राम बनाया जा चुका है और रजांची के संग जाना जरुर है ।

संकल्पः कि प्रेसिडेन्ट का रिपोर्ट सहया होवे और जो प्रोग्राम बनाया गया है उसी के अनुसार प्रेसिडेन्ट और रजांची दरिवन की मंडलियों में सफर करें ।

३। पाड्री प्रभुसहाय कच्छप का बकाया तलब ।

जारगो पेरिश के पाड्री प्रभुसहाय कच्छप के कैएक किता दरखास्त जो कौंसिल में दिये गये थे और जो इलाके के द्वारा आये थे सो एकत्रित पढ़े गये और उनमें को भिन्न २ विषयों पर ध्यान दिया गया और ये संकल्प हुए

संकल्पः (क) कि पाड्री कच्छप जो १९३१ के तलब में ६७) बकाया दावी करते हैं सो सहयोग्य नहीं है क्योंकि उनको जो प्रतिज्ञा मिली थी सो रजोन की दशा के अनुसार थी । फिर १९३२ में जो तलब उनको दिया गया सो और इलाकों के पाड्रियों की अपेक्षा अच्छा था । इलाका परिश्रम करे जिसें पुरुलिया के दोनों पाड्रियों को अधिक दिया जा सके ।

(ख) कि कौंसिल न तो किसी पाड्री को न अन्य कार्यचारियों को जो इलाके से तलब पाते हैं उनकी घटी तलब को भर देने का वचन देती है ।

(ग) कि पाड्री कच्छप का घर किराया बीते ३ महीनों का कौंसिल देगी ।

(घ) कि ~~कौंसिल~~ पाड्री का घर जारगो में बनवाने के लिये कौंसिल चिन्तन करेगी और जिसें ४ कोठरियों का घर बने पाड्री से एस्टीमेट मांगा जाए और उचित होवे तो नथानियेल मालो इस एस्टीमेट के तैयार करने में पाड्री को मदद देवे और घर बनाने के लिये भी मदद देवे ~~यह~~ काम ३० महीने में किया जाए ॥

— ७ मार्च १९३२ ई०

आज फिर कार्यकारक सभा बैठी और नीचे लिखे सदस्य उपस्थित थे :—

१। पादुा योहन तोपोनो ... ... प्रेसिडेन्ट।
२। " एम० ब्रुहे ... ... खजांची।
३। मि० सामुएल पुर्ती
४। " पिटर हुरु ... ... सेक्रेटरी।

पादुा योएल लकड़ा आज भी उपस्थित नहीं हुए।

प्रार्थना हुई और यों फिर सभा का काम आरम्भ हुआ —

४। महासभा का कामपत्र।

महासभा का कामपत्र जो अगले दिन बनाया गया था उसको साफ लिखी जिसे सेक्रेटरी ने तैयार किया था फिर से देखी गई और तब उस पर एक दो सुधार होने पर मंजूर किया गया और उसके छपवाने और वितरण करने का भार सेक्रेटरी को सौंपा गया जिसे प्रस्तावकों को समय पर मिल जाए॥

५। मर्कस सुरिन कुरकुरा की दूसरी सादी।

टकरमा इलाके के कुरकुर मौजा के मरकस सुरिन नामक अ का दरखास्त पढ़ा गया। उसका बयान है कि उसकी स्त्री को ७ बरस हुआ कि उसका कोई पता नहीं है। वह आसाम चली गई थी पर तब से कोई पता नहीं मिला है कि वह जीती है। घरबन्धु में भी इसकी इत्तिला दी गई थी कि यदि कोई जाने तो पता देवे। पर इससे भी कोई पता न चला। इन सब बातों पर सोच विचार करने से सभा ने यही संकल्प किया—

संकल्पः कि कुरकुरा के मरकस सुरिन को उसकी स्त्री का कोई पता बीते ७ बरसों से न मिलने के कारण दूसरी सादी दिई जाए।

६। पुरुलिया बन्दोबस्ती पर मि० पन्ना की चिट्ठी।

चर्च कौंसिल के विचार अनुसार कि इलाकों की जमीन जगह शैला में लगाये जावें कौंसिल ने पुरुलिया की थोन टांड आदि जमीनों को बन्दोबस्त करने का भार मि० पन्ना को सौंपा क्योंकि वे कौंसिल के अंग हैं परन्तु इसके जवाब में मि० पन्ना ने लिखा कि पुरुलिया में कोई शैला बन्दोबस्ती नहीं लेना चाहते हैं। पर आधबटाई में चाहे डाक नीलाम में सबसे अधिक देनेवाले को जमीन दिया जाए। वहां की स्थानीय दशा पर सोच कर ऐसा संकल्प हुआ—

संकल्पः (क) कि मि० पन्ना को लिखा जाए कि यदि शैला में कोई नहीं लेते हैं तो आधबटाई में जमीन दिई जाए चाहे डाक में बेशी माल देनेवालों के संग बन्दोबस्त किया जाए।

(ख) कि कबूलियत रजिस्ट्री करने का खर्च दोनों पक्ष से लिया जाए सो शैला बन्दोबस्त लेनेहारों को आधा रजिस्ट्री खर्च देना होगा।

Secretary.

पूर्वी चर्च कौंसिल की बैठकों।

१८-२० अप्रैल १९३२ ई०

---

१८ अप्रैल ~~बुधवार~~ मंगलवार १९३२।
दूसरी बेला

आज के दिन १९३२ की महासभा के पहिले चर्च कौंसिल फिर एकत्रे हुई और निम्न लिखे पदधारी और अंग उपस्थित आये—

१। पाद्री मोहन तोयोनो ... ... प्रेसिडेन्ट।
२। " एम० प्रेड्ड ... ... खजांची।
३। " एम० जोन्शस।
४। " योशुल लकड़ा।
५। मि० निर्मल सोय।
६। " सामुएल पुर्ती।
७। " पिटर हुरू ... ... सेक्रेटरी।

आरम्भ में प्रेसिडेन्ट ने आपही प्रार्थना किई और सभा का काम खोला गया। और निम्न लिखे काम समादत हुए। संघ के स्थानीय अंगों को छोड़ बाहर से अंग अब तों नहीं पहुंचे थे इसलिये कार्यकारक सभा को मन्तव्यों का पढ़ना इस समय अनावश्यक समझा गया।

१। आसाम छोटी सभा के मन्तव्य।

आसाम के लिये एक छोटी सभा कौंसिल की सहयता के लिये ठहराई हुई ही क्योंकि आसाम की मंडलियां एक समूह में इलाका मानी जाकर नलगेसिया का एक भाग निश्चित हुई हैं। आसाम की इस छोटी सभा ने अपना मन्तव्य १९३२-३३ को ४ बैठकियों का भेज दिया। ये सब मन्तव्य कौंसिल को पढ़ कर सुनाये गये और उनमें की भिन्न २ मूल और ध्यानयोग्य बातों पर कातचीत हुई। जैसे उनका २०% देने की निश्चयता पर, मण्डलियों में क्रूश को खीष्टीयानों का चिन्ह मानना, मण्डली से निकाले हुओं को बालकों का बपतिस्मा, वृद्धापन पातेहारों के लिये १) प्रतिजन का दान इत्यादि। ~~**~~ कहा गया कि यदि आसाम के लोगों के समान वृद्धापन पातेहारे अपने उस विशेष दिन के लिये विशेषरुप से अधिक दान देने चाहें तो क्याहे उत्तम बात होगी।

संकल्प: कि आसाम की छोटी सभा का मन्तव्य जो १९३२-३३ फेब्रुअरी तक के लिये भेजा गया है सो आनन्द से ग्रहण किया जाय और वहीं की मण्डली को उनके उदार दान के लिये जो सेन्ट्रल-फंड के लिये ६२०) आज तक मिला है हार्दिक धन्यवाद भेजा जाय॥

इतना हो जाने पर आज की सभा का अन्त हुआ क्योंकि दूसरे स्थान में ~~क्रीश्चियन~~ क्रिश्चियन कोनवेनशन के लिये मीटिंग में ~~जाना था~~ कितने अंगों को जाना था। सो प्रार्थना द्वारा बैठकों का अन्त हुआ।

---

१९ अप्रैल (बुधवार) १९३२ ई०

आज के दिन पूर्वी कौंसिल की दूसरी बैठकी हुई और निम्न लिखे सदस्य उपस्थित थे:—

१। पाद्री मोहन तोयोनो ... ... प्रेसिडेन्ट।
२। " एम प्रेड्ड ... ... खजांची।
३। " ज० जोन।
४। " एम० जेरशस।
५। " योशुल लकड़ा।
६। " बेंजामिन मिंज - (दूसरी बेला में)
७। मि० निर्मल सोय।
८। " सामुएल पुर्ती।
९। " पिटर हुरू ... ... सेक्रेटरी।

आरम्भ में मि० पूर्ती ने प्रार्थना किई और सभा का काम शुरू किया गया और निम्न काम सम्पादन हुए।-

२। ज़ोंख सभा का प्रतिनिधि।

सेक्रेटरी ने जोंख सभा की ओर से किसी का भेजा हुआ एक पोस्ट कार्ड पढ़ सुनाया जिसमें लिखा था कि टाकू का कुरालमय लकड़ा प्रतिनिधि ग्रहण किया जाए। सेक्रेटरी ने केंद्रीय महासभा के संकल्प से इस विषय जो विचार हुआ था सो पढ़ सुनाया और यही फैसला हुआ—

संकल्प: कि नियमावली अनुसार कोई जन अस्वीकृत समाज से प्रतिनिधी कह कर नहीं ग्रहण किया जा सकता है। परन्तु ऐसे जन को कोआप्ट करने के लिये कौंसिल महासभा के सामने सिफारिश कर सकती है सो किया जाए।

३। झाड़सुगुदा क्षेत्र।

सेक्रेटरी ने एच० एन० एम० एस० के सेक्रेटरी मि० आशीर्वदम को चिट्ठी जो झाड़सुगुदा क्षेत्र के विषय में लिखी गई थी सो पढ़ा। इसमें आर्थिक दुर्गति के कारण से यह प्रस्ताव किया और यह नोटिश दिया गया कि आगामी ३१ अक्टोबर से गोस्सनर कलीसा अपने जिम्मे में झाड़सुगदा इलाके को लौटा लेवे। निश्चय यह एक प्रीति और सोचनीय विषय है क्योंकि एग्रीमेन्ट के अनुसार यही आशा थी कि एन० एम० एस० सब काम को चलावेगी जब तक झाड़सुगदा क्षेत्र पूरे ओटोनोमी को न पहुँचे। इस पर कुछ समय लों बातचीत हुई और सेक्रेटरी ने बतलाया कि उसने झाड़सुगदा की पादरी को लिखा है कि अपने संग एक डेलीगेट को लेके महासभा के लिये जिससे उसी समय में झाड़सुगदा की भविष्यत स्थिति के विषय में पूरी रीति से बातचीत हो सके। सो यह विषय दूसरे समय में और विस्तारपूर्वक बातचीत करने के लिये छोड़ा गया।

४। यशपुर जानेहार।

सेक्रेटरी ने कौंसिल को बताया कि यह प्रबन्ध पोलिटिकल एजेन्ट के साथ हो गया था कि यशपुर ही में उनसे मुलाकात हो और नव स्टेशन इत्यादि बनाने और मिशन काम के सम्बन्ध में कोई बात निर्णय किया जावे। परन्तु हाल में स्टेट-सुपरिन्टेन-डेन्ट से समाचार आया कि एजेन्ट अब नहीं आवेंगे ने छुट्टी लेकर विलायत जा रहे हैं। सो यह विचार हुआ—

संकल्प: कि यशपुर के विषय में पोलिटिकल एजेन्ट से बातचीत करना बहुत जरूरत है सो सेक्रेटरी फिर से नये एजेन्ट के साथ में लिखापढ़ी करें कि यशपुर की भविष्यत पर निश्चयरूप से प्रबन्ध किया जा सके।

५। गुमला का मंडली ग्रहण।

गुमला में बाबुलुलियुस तोगा और अब दो जनों को जो मंडली सेवा दिई गई थी। उनको फिर से मण्डली में शरण करने के लिये स्थानीय पादरी ने जो काम किया उस पर बातचीत हुई। पाया और देखा गया कि समूचा काम अनियमित रीति से हुआ। इसमें मिनिस्टिरियम के अंगों को पूरी रीति से ध्यान करना चाहिये कि ऐसी भूल न करें। इसलिये यह स्थिर हुआ कि यह बात मिनिस्टिरियम सभा में भेजी जाए और कौंसिल के संग में वहाँ बातचीत होवे॥

६। रोमी मण्डली से पादियों का ग्रहण।

अब कभी एक बार ऐसा हुआ करता है कि रोमी मंडली से क्रीश्च अथवा पादरी पद अभिलिक्त जन हमारी कलीसा में आया चाहते हैं। जानना चाहिये कि अभिलिक्त जन क्यों रोमी मंडली को छोड़ देना चाहते हैं। हाल में रोमी कलीसा का निकोलस मुंजनी

ने हमारी कलीसिया में शरण होने के लिये दरख्वास्त किया। इलाके ने उसको मंडली में शरण किया। परन्तु अभिक्त जनों के संग का व्यवहार साधारण लोगों के व्यवहार से दूसरा ही होना चाहिये अर्थात उनको शरण करना विशेष ध्यान के साथ होना चाहिये, सो

संकल्प: कि भविष्यत में यह नियम माना जाय कि जब कभी अन्य कलीसियाओं से अभिक्त जन हमारी लूथरन कलीसिया में आने चाहें तो बिन चर्च कौंसिल की अनुमति से कोई इलाका अथवा पाड़ी उनको शरण न करे।

७। वारु बोअस मुन्डु।

वारु बोअस मुन्डु अभी कौंसिल के अधीन से करके काम कर रहा है। उसने हाल में एक दरख्वास्त दिया जिसमें उसने यह दिखाना चाहा कि रुपैया उधार देने में उसको भूल हुई कि अनाधिकार से उसने सरकारी रुपैया खर्च किया परन्तु साथ में उसने यह भी दिखाया कि उसका तलब-वृद्धि पावना था जो उसको ईमान की रीति से नहीं दिया गया और यों उसके संग मानो एक प्रकार का अन्याय किया गया। बातचीत करते हुए यह आवश्य बूझ पड़ा कि जब उसके विषय का पूरा वर्णन बोर्ड के मन्तव्य में है तो उसका अपने को दोषहीन सा ठहराना न्यायसंगत नहीं है।

संकल्प: कि वारु बोअस मुन्डु यदि अपने किये हुए दोष को खुली रीति से स्वीकार कर क्षमा मांगे तो उसके ऐसे दुःखमय स्वीकार पर कौंसिल क्षमा देके उसके त्रुटियों को मिटा देगी।

८। यूसफ सुरिन खूटीयेली चौकीदार

खूटीटोली के चौकीदार यूसफ सुरिन ने दरखास्त किया कि जब कौंसिल सब निशानजायदाद को इलाकों के साथ से अपने हाथ में ले लेता है सो उसको ५) माहवारी अथवा जो मुनासिब हो तो दिया जाय। बातचीत करते हुए यह निकल पड़ा कि कौंसिल सब सम्पत्ति को तो नहीं ले लेती है परन्तु तौभी इधर उधर जमीन्दारी के काम में जाने के लिये समय समय पर आदमी जरूरत होते हैं। सो आधा तक भी देने का विचार हुआ। अन्त में यह ठहराया गया—

संकल्प: कि यूसफ सुरिन चौकीदार को तलब देने की बात अभी मुलतवी रहे जब तक सब सम्पत्ति के बन्दोबस्त करने का पूरा प्रबन्ध न होवे।

९। सिंधानी इलाकों को गिर्जों के लिये मदद।

पाड़ी अन्ड्रियस तोपोनो ने रजारीबाघ जिले के जंगल विभाग के उच्च कर्मचारियों से ऐसा प्रबन्ध किया कि जाला और डुमर के गिर्जों के लिये लकड़ी मावे। सो उनको अनुमति मिली कि लकड़ी काटे। परन्तु उसने बनाने के काम के खर्च के लिये कौंसिल से कुछ सहाय चाहा। उसका दरखास्त पढ़ा गया और विचार हुआ—

संकल्प: कि पाड़ी अन्ड्रियस तोपोनो को जाला और डुमर के दोनों गिर्जों को मरम्मत करने वा बनाने के लिये जमा ४०) मन्जूर किया जावे।

१०। हेड-सुपरवैजर की रिपोर्ट।

हेड-सुपरवैजर ने मरम्मत के लिये एक रिपोर्ट तैयार किया जो कौंसिल में पढ़ा गया। रिपोर्ट के विषयों पर ध्यान दिया गया और उसमें से कुछ बातें छोड़ देने का परामर्श उसको दिया गया। ~~जैसा कि क्या कोलकार इलाकों को स्कूलों के सम्बन्ध में दिया गया है। यह उचित जाना गया कि यह विषय बातचीत में निकलेगी उसी समय मरम्मत को विस्तारपूर्वक बताया जावेगा।~~

२० अप्रैल १९३३ ई०।
[बृहस्पतिवार।]

आज के दिन में चर्च कौंसिल के नीचे लिखे सदस्यों और अंग उपस्थित थे अर्थात :—

१। पादरी योहन तोपोनो ... ...प्रेसिडेन्ट।
२। " एम० पैट्रुस ... ... एडमिनिस्ट्रेटर।
३। " आ० जोन।
४। " एम० नेरिशस।
५। " योएल लकड़ा।
६। मि० सामुएल मुर्मू।
७। " निर्मल सोय।
८। " पिटर हुरुड ... ... सेक्रेटरी।

आरम्भ में प्रार्थना हुई और सभा का काम खोला गया और नीचे लिखा हुआ काम समाधान हुआ :—

२१। स्कूल एक्वीपमेन्ट फीस।

हेड सुपरवेजर ने कौंसिल को बतलाया कि प्रायः सब स्कूलों में नक्शे और फुटी सामग्री बहुत अधिक पुरानी हो गई हैं और उनको बदलवा देना नितान्त आवश्यक है पर पैसे की भी घटी है सो आपने कौंसिल को परामर्श दिया कि सब स्कूलों के बालकों से वरस में ।।) एक्वीपमेन्ट-फीस कर लिया जाए। इस पर तर्क हुए, लोगों की दशा तथा मंडली की दशा और विद्यार्थियों की भलाई पर सोच कर स्थिर हुआ—

संकल्प : कि स्कूलों में जो सीट रेन्ट आदाय होगे हैं उसमें से दो पैसा ~~इस वरस का जो कुछ हो वह~~ एक्वीपमेन्ट के लिये खर्च किया जाए। फिर जो लड़के होस्टलों में नहीं रहते पर घरों से आते हैं उनसे स्कूल-फीसों के अपर ।।) दो पैसा महीना करके अधिक लिया जाए जो इसी एक्वीपमेन्ट फंड में जमा किया जाए।

J. Toppo
4-5-33.

Secretary,
21. 4. 33.

महासभा १९३३ ई० के पीछे की

पूरी ~~चर्च कौंसिल की बैठकियों~~ का मन्तव्य।

~~४ से ९ मई १९३३ ई०॥~~

[ता: ४ मई बृहस्पतिवार से ९ मई मंगलवार तक ॥]

महासभा १९३३ के पीछे की पूरी कौंसिल की बैठकी आज बृहस्पतिवार ४ मई से शुरू हुई। आज के दिन निम्न लिखे सभासदगण उपस्थित आये :—

१। पादी योहन तोपोनो ... ... प्रेसिडेन्ट।
२। " एम० पेटु ... ... सभांची।
३। " अ० जोन।
४। " योएल लकड़ा।
५। " एम० केरशिस।
६। " जिलो तीगा।
७। मि० थेओदोर सुरिन।
८। " पौलुस बाबा।
९। " सामुएल सुरिन।
१०। " निर्मल सोय।
११। " पिटर हुइड ... ... सेक्रेटरी।

आरम्भ में प्रार्थना हुई और पहिले प्रेसिडेन्ट ने एक छोटा व्याख्यान दिया जिसमें आप ने कहा कि आनन्द का विषय है कि इस बार के चुनाव में अदल बदल नहीं हुई जो भी सिर्फ एक जन का निकल जाना हुआ अर्थात पादी थेओफीन मिंज का जिसने आप ही अपनी निज इच्छा से चुनाव में खड़ा नहीं हुआ — सो बहुत गड़बड़ काम में नहीं हुआ। इस बार पादी जिलो तीगा कौंसिल के अंग ठहराये गये हैं सो प्रेसिडेन्ट ने स्वागत करते हुए उसको अपना दहिना हाथ दिया। आपने आगे कहा कि मिविष्यत में भला होगा कि सब लोग बोलने की रीति जानें ऐसा कि किसी को चोट और दर्द न लगे। हम लोग सब कोई मिलकर ऐसी बातों को दबावें।

महासभा के मन्तव्यों का दुहराव।

सेक्रेटरी ने कौंसिल को बताया कि महासभा में यह कहा गया कि उसके कार्य-विवरण में २६ और २७ अप्रेल तारिखों में हाई स्कूल और झगड़े के विषय में जो बात रह गई है उसका आखिरी मन्तव्य कौंसिल ही से बनाया जाय जो सनिश्चर ता: ६ मई को दूसरी बैठक के समय में कौंसिल ही में तर्क वितर्क होकर तय कर दिया जाय।

झाड़सुगुदा क्षेत्र।

झाड़सुगुदा क्षेत्र के विषय में जो चिठियां मि० आशीर्वदम से आई थीं सो पढ़ी गईं और फिर वहां के कर्मचारियों द्वारा मण्डली की आमदनी, स्कूलों की आमदनी और खर्च का ब्योरा सुना गया। मालूम हुआ कि यदि गोस्सनर कलीसिया जवाबदेही उठावे तो खर्च का एक बड़ा बोझा कौंसिल पर आ पड़ेगा और वहां के स्थानीय कार्यचारियों को तो भारी मार सी लगेगी क्योंकि झाड़सुगुदा वालों को मार उठाने का हेवा नहीं हुआ है। सो बहुत सोच विचार करने पर यह ठहराया गया कि नीचे का संकल्प रेव० एन० एम० एस० को भेजा जाय :—

That in view of the suddenness of the proposal to give back the Jharsugudah field to the Gossner Autonomous Church and its

its inability to finance it in this time of financial crisis, the Church Council very strongly urges that the N. M. S. continue to work for some more years in that field and gradually introduce such measures of self-support which will befit an autonomous Church.

सन्डे स्कूल पाठ-पत्र ।

सेक्रेटरी ने कौंसिल को महासभा का संकल्प सन्डे स्कूल के पाठपत्र बनाने के सम्बन्ध पर पढ़ सुनाया और बातचीत हो जाने पर स्थिर हुआ—

संकल्प : कि सेमिनरी फेकल्टी हो सन्डे-स्कूल का पाठपत्र आनेवाले साल के लिये तैयार करे जो १६३४ की पंजिका के अन्त भाग में लटकाया जाए। पर इस साल के लिये तो अलग ही वह १ महीने के भीतर में बनाया जाए और छापकर बांटा जाए।

मिशनरी काम की बढ़ती ।

महासभा में मिशनरी काम के लिये जो विचार हुए सो कार्रवाई के लिये फिर से पढ़कर कौंसिल को सुनाये गये। यह भी कहा गया कि आनन्द का विषय है कि बर्लिन बोर्ड इस काम के लिये जितना हम जमा करेंगे उतना आप भी देना चाहती है। सो आवश्यक है कि कौंसिल हुक्म निकालके सब इलाकों को महासभा का विचार जनावे अर्थात्—

संकल्प : (क) कि प्रत्येक इलाके को यह हुक्म दिया जाए कि सब स्थानों में अर्थात् प्रचारस्थान, पाड़ीपन और इलाका-स्टेशनों में हर महीना राज्यवृद्धि की गिर्जा होवे और उनकी आमदनी सीधे हर महीना इलाके खजांची के द्वारा से कौंसिल खजांची को भेजी जाए

Further copy in Hindi character.

(ख) कि हरेक स्टेशनों में तथा अन्य स्थानों में जो किसी उत्साहित जन को चुने के लिये नियतरीति से चन्दा देनेहारों को खोजने और इस जमा चन्दे को महीनेवार कौंसिल को भेजे।

(ग) कि सब स्कूल और अन्य संस्थाओं को समाचार दिया जाए कि वे भी अपने विद्यार्थियों में मिशन काम के लिये प्रेम सुलगावें और उनको भी देने को सिखलावें। स्कूलों का यह चन्दा सीधे कौंसिल में आवे।

(घ) कि घरवच्चु में छापा जाए कि जिन इलाकों ने मिशन काम के लिये कितना करके दिया है।

(ङ) कि बर्लिन बोर्ड को जनाया जाए कि कौंसिल इस बरस में (१९००) रुपये प्रतिज्ञानुसार जमा करने के लिये परिश्रम करेगी और आशा है कि आप भी इसके लिये हमें उतना ही देवें।

(च) कि मिशनरी चन्दा जमा करने के लिये तथा इलाकों से सीधा प्रबन्ध करने के लिये एक कमिटी होवे जिसके जो होवें: मि० सामुएल पुती [जनवीर] पाड़ी एम० प्रेड्ड। पाड़ी योएल वकड़ा, और मि० निर्मल सोय जो मिशन काम को चन्दा के लिये उचित उपाय ढूंढ़ें।

दूसरी बेला ।

आज दूसरी बेले की बैठकी में महासभा के पिछले दिन के मन्तव्य का अन्तिम भाग पढ़ा और दृढ़ाया गया।

मिशनरियों के काम की सीवाना ।

महासभा में यह बात निकली थी कि मिशनरियों को ऐसे स्थानों में रखना चाहिये जहां से वे मंगलसमाचार प्रचार काम को बाहर के मिशन-क्षेत्रों में फैलावें और

~~कौंसिल~~ कौंसिल इलाकों को ऊपर भी सुपरवैजर का काम करें और इलाकों को स्वशासन कार्य में बढ़ावें। इस विषय पर बहुत देर तो बातचीत हुई और यही स्थिर हुआ —

संकल्प: (क) कि कौंसिल की पुरानी नीति अब भी रहे अर्थात यदि कोई यूरोपियन कर्मचारी किसी इलाके में लगाया गया हो तो वह अपने इलाके का काम देखे ~~अन्य इलाके के काम में~~ पर दूसरा इलाका अपने मेम्बरों के द्वारा सलाह परामर्श को लिये बुलावे तो वहां जा सकता है।

8 copies each minister

मराठी सेवा के लिये अर्पण।

महासभा में प्रेसिडेन्ट ने कहा था कि अपने को मंडली के लिये (offer) दे देते हैं। फिर हेड-सुपरवैजर ने भी लिखा है कि वह भी ओटोनोमी प्रचार करने के लिये अपने को सौंप देता है कि कई महीनों तक वह इस काम को करता जाए और उसके स्थान में कोई जन आफिस का काम उसके बदले में चलाता जाए। फिर पाढ़ी जिलो तोगा ने भी चुनाव के समय में कहा था कि वह अवश्य हो तो अपना शिक्षक का काम त्याग देने को तैयार है जिससे कौंसिल का अंग बन सके और जिस काम में लगाया जाए उस काम को करने में वह तैयार है। इस बड़े कठिन विषय में बहुत सी बातें उलझी हुई हैं जैसे तलब तनख्वाह की बात और नये काम सृष्टि करने की बात इत्यादि। बहुत देर तो बातचीत करने पर यह निपटारा किया गया —

4 copies

(क) कि पाढ़ी जिलो तोगा की बात दूसरे दिन के लिये मुलतवी रहे।

(ख) कि मि० निर्मल सोथ का अपने को कुछ समय के लिये ओटोनोमी प्रचार काम को लिये सौंपना और आफिस की जवाबदेही रखना एक संग नहीं चल सकते हैं इसलिये उसको अपने को इस सेवा के लिये सौंपना हो नहीं सकता है।

(ग) कि प्रेसिडेन्ट का अपने को सौंप देना भी नहीं बन सका क्योंकि उनका कहना है कि यदि वे प्रेसिडेन्ट ~~हो सके~~ नहीं होते तो अपने को सौंप दिये थे परन्तु ~~महासभा~~ महासभा में किये हुए अपने प्रस्ताव को अभी उठा लेते हैं।

(घ) कि स्वपालन प्रोपेगेन्डा काम को लिये ठहराये हुए लोग अपना २ काम अधिक जोश के साथ करते जांय यद्यपि उनका offer या अपने को सौंप देना नहीं बन सका।

यहां तक विचार होने पर आज के लिये कौंसिल उठ गई और प्रार्थना हो के काम बन्द किया गया।

J. Jopson
5-5-33

B. Hunt
ई. ई. 33,

चर्च कौंसिल की बैठकों का मन्तव्य।

ता: ५ मई शुक्रवार १९३३।

आज शुक्रवार को फिर चर्च कौंसिल सकड़ी आई और निम्न लिखे पदधारी और अन्य अंग उपस्थित थे :—

१। पादरी थोदन नोपोनो ... ... प्रेसिडेन्ट।
२। " एम० प्रेहु ... ... एजांकी।
३। " आ० जोन
४। " एम० केरीशेस
५। " याजुद कुजुर
६। " जिलो तीगा
७। मि० सामुएल पुर्ती
८। " निर्मल सोय
९। " प्रीनूस बाबा
१०। " थेओदोर सुरिन।
११। पादरी थोएल लकड़ा [कुछ देर से आये।]
१२। मि० पिटर हुरंद ... ... सेक्रेटरी।

प्रार्थना के साथ सभा के कामों का आरम्भ हुआ।

अगले दिन के मन्तव्य।

सेक्रेटरी ने अगले दिन के मन्तव्यों को पढ़, सुनाया और वे कुटाये गये।

धर्म मेलाओं का होना।

सभा के काम के आरम्भ में यह बात निकाली गई कि मंडली को आपदनो बढ़ाने का एक उत्तम उपाय है धर्म-मेला जैसा अभी रांची में जो हो चुके हैं। धर्ममेलाओं के लाभदायक होने पर बातचीत हुई और प्रस्ताव भी रखे गये। बहुत सोच विचार करने पर नीचे लिखे संकल्प गुहराये गये :—

संकल्प: (क) कि हरेक इलाके को यह आज्ञा भेजी जाए कि इलाके के भीतर में बरस में कम से कम एक बार धर्ममेला किया जाए और ऐसे मेला की रिपोर्ट कौंसिल में भेजी जाए

(ख) यदि बन पड़े तो २, ३ इलाकायें मिलकर भी धर्ममेला करें जिसमें योग्य वाइज के उपदेशक बुलाये जाएं जिससे धर्म का प्रभाव अधिक गुराकारी होवे।

टिप्पणी। यह बातचीत में निकल पड़ी कि प्रेसिडेन्ट बारम्बार पादरी एम० प्रेहु को विहात के काम के लिये चलाते हैं पर सेमिनेरी में पढ़ाने के काम को यह बारम्बार करना अनहोना है। पर पादरी एम० प्रेहु ने कौंसिल में यह इच्छा दिखाई कि कौंसिल उसको सेमिनेरी के काम से मुक्त करे जिससे वह विहात में अधिक ध्यान दे सके। इसलिये

संकल्प: इसलिये कि पादरी एम० प्रेहु सेमिनेरी में सिखाने के काम से अपने को छुटकारा देना चाहते हैं कि विहात के कामों पर अर्थात स्वपालन प्रचार आदि काम में लगें, फैकल्टी को जनाया जाए कि पादरी एम० प्रेहु की इच्छा क्या है और कि कोई दूसरा प्रबन्ध हो सकता है कि नहीं।

प्रेसिडेन्ट के महासभा में प्रस्ताव।

प्रेसिडेन्ट ने महासभा में "स्वपालन प्रचार कार्य का हाल तथा कर्मचारियों का प्रतिपालन इस विषय पर एक बड़ा भाषण दिया था जिसके मूल मूल विषय नोट किये गये थे और उनमें से प्रत्येक पर ध्यान दिया गया क्योंकि महासभा को ऐसी ही आदेश था। सो वे भिन्न २ बातें संक्षेप में यों हैं:—

I मण्डली सुपरवैजर।

(१) कि जो अपनों को मण्डली के काम के लिये सौंप देते हैं उनको कुछ इलाकों के ऊपर निरीक्षण करने का भी अधिकार दिया जाए अर्थात controlling power दिया जाए यहां तक कि उसको काम से छुट्टी दे देने की सिफारिश करने का भी अधिकार रहे।

इस पर बातचीत हुई कि ऐसे सुपरवैजर लोग एक बेर ठहराये गये थे परन्तु अब वह काम आप से आप बन्द हो गया। इसलिये यह विषय छोड़ दिया जाए।

II डायरी या कामपत्र।

२। कर्मचारियों के काम को भली भांति जांच होने के लिये यह आवश्यक है कि सब कर्मचारी लोग कामपत्र रखें। कामपत्र के विषय बातचीत होकर यह तय हुआ—

संकल्प: कि सब मंडली के कर्मचारी लोग अपना अपना कामपत्र रखें और तब हरेक पेरिश का पादरी हर महीना अपने प्रचारकों का कामपत्र देखे और वैसेही इलाका सुपरिन्टेन्डेन्ट इलाके के भीतर के पादरियों का और जहां कहीं चर्चि प्रचारक भ्रमण में जाए तो प्रचारकों के कामपत्रों की भी जांच करे।

(२) कि प्रेसिडेन्ट अपने सफर में जहां जहां जाए वहां के कर्मचारियों के कामपत्रों की जांच करे और वैसेही कौंसिल के कमीशनों के अंग भी जहां भेजे जायेंगे वहां के कर्मचारियों के कामपत्रों को देखें और स्थानीय बहियों में अपना निरीक्षण रिपोर्ट याने इन्सपेक्शन-नोट लिखें।

III चन्दा मांगने के विषय।

महासभा में प्रेसिडेन्ट ने कहा था कि भाइयों से सीधे चन्दा न मांगा जाए परन्तु पहिले उनको आत्मिक सेवा किई जाए, वे धर्म की बातों में बुढ़ाये जाएं तो वे आपही से देने लगेंगे।

इस पर यह कहा गया कि जौभी यह आवश्य है कि भाई बहिनों की आत्मिक और लौकिक सुधि लिई जाए तौभी मांगना चाहिये जिसें वे देने कोसीखें विशेष करके मण्डली से ठहराये हुए चन्दाओं को देवें।

IV सांझ विहान का गिर्जा।

इस विषय पर बातचीत करने में पाया गया कि खीष्टीयान गांवों में अक्सर सांझ विहान का गिर्जा नहीं होता है और इसीसे लोग आत्मिक रीति से धर्म में निश्चिन्त हो जाते हैं फिर इन दिनों के जवान युवती गिर्जा के लिये लालसित नहीं रहते हैं, इसके बदले में वे गिर्जा के समयों में घूमते फिरते हैं। सो बातचीत में यह स्थिर हुआ—

संकल्प: कि हरेक गांवों में प्रचारकों में भी सांझ विहान को गिर्जा होवे। पेरिश और स्टेशन के हेड क्वार्टरों में ~~जिसमें~~ सांझ विहान के गिर्जों में न केवल स्कूल के लड़के लड़कियां गिर्जों में आवें परन्तु भाई बहिन लोग भी उपस्थित होवें। रांची स्टेशन के लिये स्थानीय मण्डली-पंच चिन्ता करे कि खीष्टीयानों के लिये गिर्जा का कोई भला प्रबन्ध किया जाए।

V धर्मपुस्तक फैलाने पर।

कहा गया कि हरेक इलाके में जहां घर घर पढ़ने जानते हैं उनके यहां धर्मपुस्तक जिसें पाया जाए इसके लिये कर्मचारी लोग देखें कि पढ़नेहार धर्मपुस्तक खरीदें और उसका सुव्यवहार करें। जहां जहां गांवों में बन सकता है तो प्रचारक लोग रात का स्कूल भी चलावें जिसें पढ़ने का प्रेम लोगों में अधिक जमे और बढ़े। यह भी आवश्य समझा गया कि हरेक स्टेशन में धर्मपुस्तक और अन्य धर्मकिताबों का स्टाक रहे।

VI घरों में जाके प्रार्थना करना।

मण्डली में लोगों को सक्तिमान बनाने और उनको धर्म की बातों में लालसित और उत्साहित करने के लिये यह एक अच्छा उपाय समझा गया कि भजन-दलों का संगठन हो और ऐसे दल गांवों में और घरों में जाके गीत-भजन गावें खीष्टीयान घरों में जाके किसी प्रार्थना करें और इस प्रकार से लोगों को धर्म अनुरागी बनावें।

VII कर्मचारियों का एक हिसाब पर तलब।

प्रेसिडेन्ट की एक बात महासभा के आगे यह थी कि सब कर्मचारियों को अब एक हिसाब से तलब मिले। बातचीत में यह स्पष्ट जाना गया कि यह एक ऐसा प्रबन्ध है जिस पर अभी कोई कार्रवाई नहीं हो सकती है

VIII शैकड़े २० का देन।

महासभा में जो हिसाब बताया गया उससे यह स्पष्ट है कि इलाकों ने सब मिल कर कौंसिल को शैकड़े ३) के हिसाब से दिया है। ~~सो~~ यह बहुत आवश्यक है कि इलाके अपने बचत में से तो नहीं परन्तु अपनी पूरी आमदनी पर शैकड़े २०) के हिसाब से जरूर दी भेजा करें।

IX बजेट शैकड़े २०) के आधार पर।

प्रेसिडेन्ट ने कहा था कि कलीसा की बजेट और कौंसिल की बजेट में मण्डली की आमदनी के आधार पर तथा २०) शैकड़ा के देन के आधार पर बने इस विषय पर कहा गया कि समूची मण्डली की आमदनी पर ख्याल करके २०) शैकड़े कम कर खर्च करने के हिसाब से बजेट बनी है। ऐसा बजेट बनाने की रीति पर प्रेसिडेन्ट के कहे अनुसार दूसरी कोई उन्नति हो सकती है।

X Allotment देन निरूपण।

यदि १०००) रुपैयों की घटी भी बजेट में हो तो इलाकों की आर्थिक दशा के अनुसार ~~इस~~ इस संख्या को इलाकों में बांट देने से घाटा रुपैये मिल जायेंगे ऐसा प्रस्ताव था। परन्तु आज प्रेसिडेन्ट ने कहा कि वे अपना समूचा प्रस्ताव उठा लेते हैं। यदि वे प्रेसिडेन्ट नहीं होते तो इस पर अपना विचार प्रगट करते।

प्रचारकों की जवाबदिही।

उपरोक्त विषयों के अन्त होने पर यह प्रश्न डाला गया कि क्या उपाय करना चाहिये कि प्रचारक लोग अपनी जवाबदिही को बूझ सकें। इस पर नाना प्रकार के तर्क वितर्क हुए और निदान इस प्रश्न को हल करने के लिये एक कमिटी ठहराई गई जो प्रचारकों के सम्बन्ध के विषय पर उचित खोज और जांच करे जिसके अंग हैं:— प्रेसिडेन्ट (कानवीनर), पादरी एम ब्रेङ्ग, मि० निर्मल साय, पादरी थोरन्स बकड़ा और मि० महेन्द्र बेस्स।

५ मई १९३३ दूसरी बैठक।

निर्मल तीगा का त्यागपत्र।

देवाडीह के निर्मल तीगा को सरकारी त्यागपत्र ~~मिल गया है इसका से~~ पाने की अनुमति हाईकोर्ट में हो गई है इसके सम्बन्ध में २ चिट्ठियां वकीलों की पढ़ी गईं। ~~मालूम~~ मालूम हुआ कि हाईकोर्ट बन्द होने के कारण से फैसला का नकल नहीं लिया जा सका सो सादी वचनदत्त पाने का हुक्म पाने का दरखास्त आया

संकल्प: कि जब दो वकीलों ने हाईकोर्ट से त्यागपत्र के सम्बन्ध में हाईकोर्ट के फैसला का उल्लेख किया है तो निर्मल तीगा को वचनदत्त और सादी दिई जाए जिसके लिये इलाके चेयरमैन को लिखा जाए।

नोबो कुमार नन्दी रैनु को रास्ता।

कमीन्डर नोबो कुमार नन्दी रैनु ने एक दरखास्त दिया था कि वह एक घर

बना रहा है जो हमारे हाते के किनारे की एक जमीन पर होगा। पर उसके लिये निकलने ढकने का रास्ता नहीं है। सो उसके हाते में से होके जाने आने की अनुमति दिई जाए इस विषय पर हक हकियत का तथा भविष्यत में भी मिशन हाते के नजदीकवालों के आने जाने की बात पर सोचा गया और फैसला हुआ—

संकल्प: कि सेक्रेटरी बाबू नोबोकुमार नन्दी को लिखें कि उनको हमारे हाते से होके आनेजाने की अनुमति नहीं दिई जा सकती है और न तो हमारे हाते की और फाटक खोलने की आज्ञा दिई जा सकेगी क्योंकि ऐसा करना बेकानूनी हो जायगा।

रांची टेकनिकल स्कूल होस्टेल।

रांची के टेकनिकल स्कूल होस्टेल के लड़कों ने दरखास्त दिया कि उनके देखभाल के लिये कोई एक जन सुपरिन्टेनडेन्ट ठहराया जाए और कि उनको घर मरम्मत करने के लिये आवश्यक सामग्री दिये जाए जिस्से वे आपही मरम्मत कर सकें। बात-चीत होकर यह फैसला हुआ—

संकल्प: (i) कि बाबू महेन्द्र एक्स टेकनिकल स्कूल लड़कों का होस्टेल सुपरिन्टेनडेन्ट होके उनकी उचित चिन्ता किया करें (ii) कि ~~स्कूल~~ होस्टेलवालों को जितना सामग्री आवश्य हो दिया जाए जिस्से वे आप ही मरम्मत काम करें और (iii) उनको जनाया जाए कि जून महीना से होस्टेल के लड़कों से प्रत्येक जन से ।) प्रति महीना सीट रेन्ट लिया जाए जिस्से मरम्मत काम में ~~उनका~~ उचित खर्च की सहायता मिल सके।

पादु बेन्यामीन मेज तथा पादु जिलो तीगा।

पादु जिलो तीगा को कौंसिल का अंग हो जाने के कारण रांची के निकट लाने का विचार हुआ था परन्तु प्रिन्सिपेल ने कई एक कठिनाईयां दिखाई जिस्से यह निश्चय किया गया—

संकल्प: कि अभी पादु जिलो तीगा और पादु बेन्यामीन मेज के परस्पर की बदली की बात अक्टोबर तक मुलतवी रखी जाए। अक्टोबर के पूर्व कौंसिल में यह प्रश्न फिर खोला जाए।

पेनशनवाले पादु।

बुढ़ापे की कमजोरी और कई कारणों से काम करने में असमर्थ दीखने के कारण से कितने पादुओं के नाम लिये गये ~~जिन~~ जिनको पेनशन देने की बात ठहर गई। निदान बहुत विचार करने पर दो नाम स्थिर हुए

संकल्प: कि १ली जून १९३२ से चक्रधरपुर के पादु मार्टिन हुरु और मर्चा के पादु पतरस कान्डुलना ये दोनों (२) करके पेनशन पावें। चक्रधरपुर का काम चैबस्सा इलाके के पादु पौलूस तिर्की के जिम्मा में रहे।

बदलियाँ।

खाली पेरिशों में भरने की बात निकली और पादुओं को बदलने के सम्बन्ध में विचार हुआ। मर्चा के लिये एक अच्छे सुयोग्य पादु को भेजने की बातचीत हुई। बात विचार होने पर स्थिर हुआ—

संकल्प: (क) कि टकरमा का हेड मास्टर गोबिन्दपुर का हेड-मास्टर और गोबिन्दपुर इलाके का चेयरमैन होवे और उसको सहायता के लिये मांडर का पादु पौलूस मुन्डू गोबिन्दपुर ~~पेरिश के लिये~~ स्टेशन में रहे।

(ख) कि गोबिन्दपुर का वर्त्तमान चेयरमैन पादु रिछलकल्याणा भेंगरा मर्चा पेरिश के ~~का~~ जिम्मे में रखा जाए॥

(ग) कि कंडिदात इमानूएल लकड़ा अभी से मांडर में जाके रहे और उसको आगामी बरसात की ~~बैठकों~~ के समय पादु पद दिया जाए।

(घ) कि उपरोक्त अपीलियां १२ जून से जारी समझी जावें। हरेक कार्यकारी उसी तारीख में अपने अपने इलाकों में जाके चार्ज लेवें और देवें॥

निर्मल सोय का पदाभिषेक।

हेड-सुपरवेजर मि० निर्मल सोय को पादरियों की अपील के कारण से पादरी पद देने के विषय में बातचीत हुई और ऐसा विचार हुआ—

संकल्पः कि मि० निर्मल सोय को पादरी बनाने के सम्बन्ध में मिनिट-रूपम में यह बात डाली जाए कि उसके लिये कैसे मार्ग खुल सकता है कि उसको पादरी पद ~~[illegible]~~ दिया जाने सके।

सनिश्चर छ मई १९३३ ई०।

~~वर्क~~ कौंसिल की बैठकी।

आज के दिन सनिश्चर दूसरी बेल में निम्न लिखे महाशय उपस्थित आये अर्थात :—

(१) पादरी योहन तोयोनो ... ... प्रेसिडेन्ट। [पीछे गैरहाजिर हुआ]
(२) " एम० प्रेट्ट ... ... खजांची।
(३) " क० जोन
(४) " एम क्रोशिस
(५) " वाजद कुकुर
(६) " जिलो तोगा
(७) " योएल लकड़ा
(८) मि० निर्मल सोय
(९) " थेओदोर हुरि
(१०) " पौलुस बोका
(११) " पिटर हुरव ... ... सेक्रेटरी।

मि० सामुएल मुर्मू आज की बैठकी के लिये गैरहाजिर थे।

आरम्भ में प्रार्थना हुई और सभा का काम आरम्भ हुआ — इस बेले की बैठकी विशेष करके महासभा के मन्तव्यों को जो हाई-स्कूल के और उसके पीछे के दिन के झगड़े के विषय में लिखे गये थे फिर से बनाने और लिखने के लिये बुलाई गई थी।

आरम्भ में सेक्रेटरी ने महासभा के लिये बनाये हुए मन्तव्य को पढ़कर सुनाया और उसके पीछे पादरी योएल लकड़ा के लिखके लाये हुए मन्तव्य को भी सुनाया बहुत बेर तक वितर्क वितर्क हुए और निदान यही ठहराया गया ~~कि~~

संकल्पः (क) कि महासभा में जो कुछ वादविवाद और झगड़े की बातें हुईं उनका पूरा बोरा महासभा के मौल में लिख कर रखा जाए कि वह भविष्यत के लिये काम आवे परन्तु

(ख) महासभा के मन्तव्य में छापने के लिये बहुत संक्षेप विवरण लिखा जाए। ~~इसमें किसी के नाम का उल्लेख न होना चाहिये।~~

हाई स्कूल मैनेजिंग कमेटी।

हाई स्कूल के मैनेजिंग कमिटी में कौंसिल के वर्त्तमान प्रतिनिधियों की मियाद का अन्त हुआ सो नये चुनाव का प्रस्ताव डाला गया।

संकल्पः कि पादरी एम० प्रेट्ट और मि० हुरव हाई स्कूल मैनेजिंग कमिटी में फिर आगे ३ वरसों के लिये रहें।

For President
A. John 8.5.33

8. 5. 33

पूरी कौंसिल की बैठकों का मन्तव्य।
ताः ८ मई [सोमवार] १९३३॥

—x—

आज के दिन फिर चर्च कौंसिल बिहान को एकट्ठी आई और निम्न लिखे सभासदगण उपस्थित थे, अर्थात :—

१। पादुी अ० जोन ... ... एक्टिंग चेयरमैन।
२। " एम० प्रेड् ... ... सर्जाची
३। " एम० केरियस
४। " दाऊद कुजुर
५। " जित्तो तिग्गा
६। " योएल लकड़ा
७। मि० निर्मल सोय [सिर्फ पहिली बेला]
८। " थेओदोर सुरिन [दूसरी बेला]
९। " पिटर हुल् ... ... सेक्रेटरी।

प्रेसिडेन्ट योहन तोपनो और मि० सामूएल पुर्ती दोनों जन पादुी पौलुस मानकी के मरने का हाल पाकर उम्बुलवाहा गये जिसके कारण आज को सभा में उपस्थित न हो सके। सो सर्वसम्मति से आज के दिन के लिये पादुी अ० जोन सभापति चुने गये। आरम्भ में आप ने प्रार्थना किई और काम को शुरू हुई।

अगले दो दिनों के मन्तव्य दुहराना।

पूर्वी तारीख और दोनों तारीख दूसरे बेले के मन्तव्य पढ़े और दृढ़ाये गये।

मिशनरियों का आना।

सेक्रेटरी ने बताया कि दो दरखास्त अमलेसा (तमाड़ इलाके) से और खूंटीटोली से आये हैं जिनमें कुछ कारण दिखलाके मिशनरियों को वहां के लिये मेजने की अर्जी किई गई है। सो मिशनरियों के आने की आवश्यकता पर तथा इलाकों की मांग पर न ध्यान करने से क्या जोखम है इन पर बातचीत हुई और आज के लिये यह कह कर यह विषय मुलतवी रखा गया कि प्रेसिडेन्ट और अन्य सभासद लोग उपस्थित नहीं हैं। सो दूसरे दिन उसके लिये जाने की बात तय हुई।

किंकेल स्कूल को ग्रैन्ट।

किंकेल मिड्ल स्कूल के मास्टरों की एक दरखास्त पढ़ी गई जिसमें २६) कौंसिल से ग्रैन्ट पाने की अर्जी थी जिससे अन्य एम० ई० स्कूलों के समानान्तर में तलब पा सकें। इस विषयपर ध्यान दिया गया और कुछ देर तक बातचीत करने पर यह ठहराया गया :—

संकल्प : कि किंकेल इलाके को समझाके लिखा जाय कि वह इतनी छोटी इलाका नहीं है और लोग इतने ऐसे गरीब नहीं हैं कि कुछ न देने सकें इसलिये इलाका उस २६) को भर देके स्कूल को सहायता करने को तैयार होवे। यदि इसको भरने में असमर्थ हो तो उसका कुछ भाग देने के लिये कौंसिल परिश्रम करेगी अर्थात इलाकों से २०) रोकड़ा पाने से जहां तक सकेगी देगी॥

इतना हो जाने पर आज की पहिली बेले की कौंसिल सभा उठ गई।

८ मई १९३३ दूसरी बेला।

इस बेले में निर्मल सोय, प्रेसिडेन्ट और मि० पुर्ती और पौलुस बाबा को छोड़, सब अंग उपस्थित थे जिनका नाम इस तारीख के आरम्भ में लिखा है।

सम्पत्ति विभाग।

गोविन्दपुर इलाका जमीन।

सेक्रेटरी ने सम्पत्ति विभाग पर जैसा ठहराया गया था गोविन्दपुर इलाके की जमीनों को बन्दोबस्त करने के लिये मि० साधुरन पुरी के साथ में जो कुछ लिखा उसके विषय में मुंहजबानी रिपोर्ट दिई। उसने केवल मुसुर के विषय में बताया कि वहां की जमीन के लिये जिनको आधबटाई का पट्टा नाम में दिया गया है वे किसी प्रकार का कबूलियत देने नहीं चाहे। यदि कबूलियत न लिया जाए तो भविष्यत में ठीक कितना मिलेगा इसका कोई ठिकाना नहीं है। इसलिये बन पड़े और वकीलों की राय मिले तो मुसुरवालों से कबूलियत लेने की कर्रवाई किई जाए

संकल्प: कि जहां जहां सीकरी जमीनों में लोग आधबटाई दर्ज हुए हैं उनसे किसी प्रकार की कबूलियत लेने की कर्रवाई किई जाए।

मालगुजारी पावना और देना।

जमीन विषयक बात करने में यह भी सोचा गया कि अमी कौंसिल को भी कोएक जगह से मालगुजारी पाना है और वैसेही कहीं कहीं देना है। इसके लिये यही उत्तम प्रबन्ध पाया गया —

संकल्प: कि इलाका चेयरमैनों को लिखा जाए कि वे सम्पत्ति विभाग के प्रधान पाड्री अ० जोन को लिखके जनावें कि कहां की जमीनों से और किनसे कितना मालगुजारी कौंसिल को पावना है और उन मालगुजारियों को वे कौंसिल के नाम से तहशील करके कौंसिल के खजांची को भेजें।

(२) कि जहां जहां कौंसिल को खजाना या मालगुजारी देना है और किनजमीनों का देना है और किसको देना है इसका समाचार इलाका चेयरमैन लोग सम्पत्ति विभाग के प्रधान अ० जोन साहिब को जनावें कि वे मालगुजारी देने के विषय में उचित चिन्ता करें।

(३) कि पाड्री अ० जोन साहिब चिन्ता करें कि जहां जहां जमीन है और मालगुजारी पावना है वहां के इलाका-चेयरमैन लोगों को छापी हुई रसीद बही देवें।

जगह जमीनों की रक्षा और देखभाल।

जानना चाहिये कि साधी मण्डली को आर्थिक भलाई और सहायता के लिये जगह जमीनों को आमदनी अब कौंसिल में आवेगी परन्तु इससे इलाकों को यह नहीं समझना चाहिये कि उन जगह जमीनों की रक्षा और देखभाल से वे एक दम छूट गये हैं। जहां जहां जगह जमीन है और दूसरी सम्पत्ति है वहां वहां के कर्मचारियों को विशेष कर इलाका चेयरमैन लोगों को जानना चाहिये कि वे अपने इलाके के लिये कौंसिल के एजेन्ट हैं और जो भी सम्पत्ति किसी को ठीका या लेखा या साझा वा आधबटाई में दिई गई है पर जो भी इलाका कर्मचारी देखें कि खेत, डांड, तलाव, जंगल इत्यादि बिगाड़े न जावें, न कोई उनको चुपके से लूटे और बरबाद करे अथवा किसी प्रकार की नुकसानी इन सम्पत्तियों की न होवे। सो इलाका चेयरमैन साधारणतः साधी सम्पत्ति के देखभाल के लिये जवाबदिही है।

यदि कहीं नुकसानी हो रही है तो तुरन्त उसको कार्यचारी रोकें और ऐसे अनुचित कामों की रिपोर्ट सम्पत्ति विभाग के प्रधान को देवें।

कबूलियतों में शर्त।

अमी जो कोएसे कबूलियतें लिये जा रहे हैं चाहे ठीका हो या साझा का तो उसमें ऐसा शर्त नहीं है कि यदि जमीन बिगाड़ी जा रही है तो ठीकेदार पर कानूनी कर्रवाई हो इसलिये यह सोचा और ठहराया गया —

संकल्प: कि कबूलियतों में यदि बन पड़े, तो ऐसा शर्त भी लगाया जाए कि यदि ठीकेदार जमीन को मतलब से बिगड़ने दे रहा है अथवा बिगाड़ रहा है तो उसको जमीन से बरतरफ करने का एक जमीन मालिक को होवे।

बगान और तलावों का बन्दोबस्त।

बगानों के विषय में जो मिशनरी लोगों के हाथ में हैं बातचीत हुई। सिस्टर फ्रिस्ल की चिट्ठी पढ़ी गई। फिर पाड्री शुल्से की राय के विषय बतलाया गया और कुछ बातचीत कर यही तय हुआ—

संकल्प: कि उन बगानों के लिये जो मिशनरी लोगों के हाथ में आउट-स्टेशनों में हैं बगानों की अवस्था और आकार के अनुसार मालगुजारी लिई जाए जो कि कम से कम ~~१ वर्ष में~~ वसूल में दी होवे।

रांची का बगान, तलाव।

रांची के २ बगानों और तलाव के लिये जो स्कीम बनाई गई सो मी० पढ़ कर ~~सुनाई गई~~ सुनाई गई। उस पर बातचीत होने से जो बड़ा बगान पाड्री एम० केरिशस को दिया गया है ~~उसमें~~ उसमें एक बात या पद जोड़ देने की चर्चा हुई अर्थात:—

(क) कि पाड्री एम० केरिशस उस बड़े बगान से फल और साग सब्जी अपने खाने के व्यवहार के लिये मुफ्त में ले सकते हैं।

~~कौंसिल~~ कौंसिल को स्कीम में यह नहीं सुनाया गया कि प्रिंसिपेल के नजदीक का बगान वार्षिक ~~२५~~ २५ में प्रिंसिपेल ही को दिया गया है।

रांची तलाव की स्कीम भी सुनाई गई परन्तु सेक्रेटरी ने बताया कि ~~१५ जून~~ १८ जून तक उसके बन्दोबस्त न हो सकने के कारण। तलाव के द्वारा कितना निर्दिष्ट आमदनी कौंसिल को मिलेगी सो नहीं बताया जा सकता है क्योंकि उस तारीख तक हाई स्कूल को मछली मारने का अधिकार दिया गया है।

यहां तक काम हो जाने पर कौंसिल आज के लिये उठ गई॥

J. Jappow.
9-5-33.

[signature]
9. 5. 33.

पूरी चर्च कौंसिल की बैठकी।

ता: ९ मई [मंगलवार] १९३३॥

आज पूरी चर्च कौंसिल के अन्तिम दिन की बैठकी हुई और निम्न लिखे पदधारी और सदस्य उपस्थित आये :—

१। पाद्री योहन तोयोनो ... ... प्रेसिडेन्ट।
२। " एम० पेट्रुन ... ... खजाकी।
३। " अ० जोन।
४। " एम० केरिास।
५। " योसुत लकड़ा।
६। " जतो तोगा।
७। " दाऊद कुजुर।
८। मि० पौलुस बाखा [प्रथम बेला]
९ " पिटर कुरुह ... ... सेक्रेटरी।

मि० निर्मल सोय, मि० सामुएल मुर्तो और मि० बेओदोर तुरिन आज उपस्थित नहीं आ सके।

आरम्भ में प्रार्थना हुई और नीचे लिखे कार्य्य आज के दिन सम्पादन हुए :—

अगले दिन के मन्तव्य।

पहिले पहल अगले दिन के मन्तव्य सेक्रेटरी से पढ़े गये और तब दृढ़ाये गये।

पौलुस मानकी पाद्री की मृत्यु।

प्रेसिडेन्ट बीते सनिश्चर को पाद्री पौलुस मानकी की मृत्यु का समाचार पाकर अस्पताल गये थे सो लौट आकर स्वर्गीय पाद्री की मृत्यु के विषय का ~~समाचार~~ संवाद सुनाया। फिर आप के कामों और परिश्रमों का स्मरण किया गया और ईश्वर के उन दानों और भलाइयों के लिये जो आप के द्वारा हमारी मण्डली को मिली धन्यवाद देना अवश्य समझा गया। सो प्रेसिडेन्ट की अनुमति पर पाद्री योसुत लकड़ा ने स्वर्गीय पाद्री पौलुस मानकी के कामों और ईश्वर के उपयुक्त दानों को स्मरण करके धन्यवाद की प्रार्थना किई। प्रार्थना के पहिले समूची कौंसिल स्वर्गीय भाई के आदर के लिये २ मिनिट खड़ी होकर मौन रही।

बुड़जू बगान।

बुड़जू के हाते के बगान के सम्बन्ध में चेयरमैन की एक चिट्ठी पढ़ी गई जिसमें इलाका और ~~स्थान~~ स्थानीय स्कूल के लिये आमदनी लेने के सम्बन्ध की बातें लिखी हुई थीं। इस विषय पर बातचीत होकर तय हुआ

संकल्प: कि बुड़जू का बगान इलाका चेयरमैन के हाथ में रहे वही उसका काम चलावे और कौंसिल को उक्त बगान के लिये ५) बरस में माल देवे॥

खरसीदाग की जमीन और हाता।

खरसीदाग हाता के विषय में ट्रस्टी बोर्ड के सेक्रेटरी का मेमो न: ८८६/३३ पढ़ा गया फिर मुल्यवानी रिपोर्ट भी कौंसिल को सुनाया गया और बताया गया कि सेट्लमेन्ट के कागजपत्र के नकल के लिये दरखास्त दिया हुआ है। उसके आने पर उचित ध्यान दिया जायगा। मगर पुराने प्रचारक को मिशन घर से निकलने के लिये ज्यादा नेग कर नोटिश देने की बात छेड़ी गई।

संकल्प: (क) कि सेट्लमेन्ट के कागजों पर वकील की राय लेकर कानूनी कर्रवाई किई जाय और

(ख) अभी हाल में गुरन्त ही पुराने प्रचारक ~~पर~~ पर ज्यादा लगान और नोटिश देकर घर छोड़ने की कर्रवाई किई जाय॥

सेट्लमेन्ट या नाप का खर्च ।

सेट्लमेन्ट जहां जहां हो गया है वहां मिशन की जमीनों के नाप का खर्च के विषय में कुछ बातचीत हुई और यह निपटारा हुआ—

संकल्प: कि जहां की जमीन जगह कौंसिल के भोग दखल में है वहां का नाप खर्च कौंसिल देवे और जो सम्पत्ति बोर्ड आफ ट्रस्टीज के जिम्मे में है वहां का खर्च बोर्ड आफ ही देवे ॥

कोरिंजो बजार ।

कोरिंजो के बजार को लेने के लिये एक दरखास्त आया जो पढ़ा गया। वहां की आमदनी के सम्बन्ध में बातचीत हुई कि अब तक वह आमदनी किस प्रकार से खाप में लाई गई इत्यादि। बातचीत कर यह ठहराया गया—

संकल्प: कि कोरिंजो बजार का दरखास्त इलाका चेयरमैन को भेजा जाय और कहा जाय कि बजार ~~बन्दोबस्त किया~~ किसी भी विश्वासयोग्य और हैसियत वाले आदमी से बन्दोबस्त किया जाय और इलाका चेयरमैन से पूछा जाय कि उस आमदनी का एक अंश कौंसिल को भेजा जाय।

बुड़ज गिर्जा घर मरम्मत ।

बुड़ज के गिर्जा घर के मरम्मत के सम्बन्ध में ~~मि~~ इलाका चेयरमैन की चिट्ठी पढ़ी गई और साथ साथ में एस्टिमेट १२०० का सो भी पढ़ा और देखा गया। यह तो स्पष्ट है कि कौंसिल इतना रुपया नहीं दे सकती है। दरखास्त में यह भी लिखा है कि बुड़ज इलाके का रुपया जो ट्रस्ट फंड में ट्रस्टियों के जिम्मे में है वह उनको फिराया जाय। बातचीत और सोच विचार होकर यह तय हुआ—

संकल्प: (क) कि ट्रस्टियों से तदारुक किया जाय कि ट्रस्ट-फन्ड के रुपये जो इलाकों के हैं से इलाकों को अभी वर्तमान में दिया जा सकता है अथवा नहीं यदि नहीं तो इलाके की सहायता के लिये क्या करना चाहिये।

(ख) बुड़ज इलाके को परामर्श दिया जाय कि इलाका अपने गिर्जे को प्रेम दिखाने के कारण। पहिले अपने इलाके भर में घर घर चन्दा बटोरें और इसका हाल कौंसिल को देवें जिससे कौंसिल मरम्मत के सम्बन्ध में क्या किया जा सकता है सो सोच सके।

जड़ाकुदार की सम्पत्ति ।

जड़ाकुदार की जमीन जगह और घर के सम्बन्ध में तसदीक में कर्रवाई करने के लिये वहां के पाद्री मसीहदास लकड़ा की चिट्ठी पढ़ी गई। फिर बताया गया कि उनको रहने के लिये बहुत कष्ट है। बीते साल इस विषय पर कौंसिल की जो कर्रवाई हुई थी उस पर ध्यान दिया गया और फिर नये सिरे से बातचीत होकर यह फैसला हुआ—

संकल्प: कि जड़ाकुदार की घर वाली और निकटवाली जमीन मृत पाद्री मरकस तोपनो के बेटों ~~को~~ को दिया जाय इस शर्त पर कि मृत पाद्री के लड़के नये पाद्री के घर बनाने के खर्च का एक अंश देवें। इसके सम्बन्ध में उससे लिखा पढ़ी किई जाय कि वह कहां तक दे सकता है। कौंसिल की राय है कि कम से कम २५) दिया जाय।

[टिप्पणी: प्रेसिडेन्ट योहन तोपनो ने कहा कि ~~एक बंगला तोपनो~~ मृत पाद्री के बेटों को आप ५०) तक दिलावेंगे अथवा आपही अपनी थैली से इतना दे देंगे ॥]

मनसुख होरो प्रचारक, कोरिंजो ।

कोरिंजो के मनसुख प्रचारक का एक दरखास्त पढ़ा गया और उसके दखल के सम्बन्ध में भी बातचीत हुई और उसके दखल के समय इत्यादि पर ध्यान देकर कहा गया

संकल्प: कि अब से लेकर कोरिंजो का प्रचारक मनसुख होरो रैयत माना जाय और जो मालगुजारी बांधा गया है सो उससे लिया जाय ॥

टकरमा स्कूल मरम्मत ।

टकरमा स्कूल घर के मरम्मत करने के लिये वहां के जंगल से २ गाछों को काटने की अनुमति पाने का दरखास्त हेडमास्टर से आया जो पढ़ा गया और यह विचार स्थिर हुआ—

संकल्प: कि बोर्ड आव ट्रस्टीज के पास सिफारिश भेजी जाए कि टकरमा जंगल के दो साल गाछों को ~~काट~~ स्थानीय स्कूल घर के मरम्मत के लिये काटने की अनुमति देवें।

हातीओं की रक्षा के नियम ।

अगले पूर्वी चर्च कौंसल में बनाये हुए नियम जो कि हातीओं की रक्षा के लिये हैं और जिनके विषय में महासभा में कहा गया कि वे कौंसल का कार्यकारक हुक्म सा समझा जाके काम में लाया जाए सो इलाकों को भेजा जाए। इसको छपाई इत्यादि के विषय में बातचीत होकर यह निपटारा हुआ।

संकल्प: कि हातीओं की रक्षा के नियम साइक्लोस्टाईल कराके बांटे जाएं और इलाकों में बांटे जाएं कि उनके अनुसार इलाकावाले काम करें॥

खूटोटोली बंगला मरम्मत ।

खूटोटोली के बंगले के मरम्मत के बारे में खूटोटोली के पाड़ो का दरखास्त आया जो पढ़ा गया और यह जाना गया कि यह बंगला बोर्ड आफ ट्रस्टीज के जिम्मे में है सो संकल्प हुआ—

संकल्प: कि खूटोटोली पाड़ो का दरखास्त जो कि वहां के बंगले के मरम्मत के विषय है सो बोर्ड आव ट्रस्टीज के सेक्रेटरी को भेज दिया जाए॥

बंगलों का मरम्मत ।

कोएक जगहों के बंगलों के मरम्मत के लिये बात निकली कथित:—

(१) टोकाद — टोकाद के बंगले के मरम्मत के लिये हुक्म दिया जाए।

(२) कारीमाटी — कारीमटी बंगला के मरम्मत के लिये जो बहुत ही जरूरत है तो कम से कम कितना दरकार होगा उसका एस्टीमेट मांगा जाए।

(३) अमलेसा — पाड़ो को पूछा जाए कि घरों को सम्भालने और गिरने से बचाने के लिये कितना खर्च अवश्य होगा। इसका एस्टीमेट मांगा जाए॥

(४) पुरुलिया के घर — हाल में ट्रस्टी बोर्ड के अंग पुरुलिया जाते हैं वे देखें कि कितना खर्च मरम्मत के लिये अवश्य है।

कोंडरा का नया घर ।

कोंडरा के ~~नोर्डिंग~~ घर के मरम्मत के लिये हेड मास्टर का दरखास्त पढ़ा गया। मालूम हुआ कि २०) इस काम के लिये दरकार है। मालूम हुआ इलाका को राय नहीं लिई गई है। यह भी मालूम हुआ कि डिस्ट्रिक्ट बोर्ड से जो घर लिये गये हैं वे भी ऐसे ही पड़े हैं कोई उसमें नहीं रहते हैं।

संकल्प: कि हेडमास्टर के मरम्मत का दरखास्त इलाका मेजरमैन को राय के लिये भेज दिया जाए और उनको यह भी दृढ़ हेदायत दिया जाए कि डिस्ट्रिक्ट बोर्ड से लिये हुए घर और तैनों का व्यवहार होवे। वहां लड़के लोग रहे और एक मास्टर उधर रखा जाए॥

धर्मदास कुजुर पाड्डी का दरखास्त
जमीन बन्दोबस्ती के लिये ॥

खूटाटोली के पाड्डी धर्मदास कुजुर ने दरखास्त दिया कि खूटीटोली में कुछ बकाश्त जमीन है जिसका रैयत अभी २०, २५ बरस हुआ भाग गया है सो वह जमीन उसके साथ में रैयती बन्दोबस्त होवे और घर बनाने के लिये भी डांड़ दिया जाय ।

संकल्प: कि जमीन पाड्डी धर्मदास कुजुर को दिया जा सकता है परन्तु पहिले वहां का कागजात देखा जाय कि हाल के सेटलमेन्ट में उस जमीन के बारे क्या दर्ज है । इसको करने के लिये कोई जन कौंसिल का सदस्य जाय और उचित समझा जाय तो बोर्ड आफ़ डस्टीज को उचित प्रबन्ध करने के लिये सिफारिश किई जाय ॥

मसीहदास लकड़ा पाड्डी का घर ।

मसीहदास लकड़ा पाड्डी ने लिखा कि उनको घर न रहने के कारण से राटो बिरकेरा में बड़ी तकलीफ हो रही है । कहां घर बनाया जाय इस पर बातचीत हुई । विचार स्थिर हुआ कि जड़ाकुदार ही में पाड्डी का घर बनाया जाय और जैसा आगे संकल्प हो चुका है घर बनाने का खर्च का अंश २५) तक मृत पाड्डी मरकस तोपनो के बेटों से लिया जाय ।

पाड्डी पौलुस मुन्डू को छुट्टी ।

पाड्डी पौलुस मुन्डू ने घर के काम के लिये २ महीने की छुट्टी पाने का दरखास्त भेजा जो पढ़ा गया । बातचीत हुई कि दरखास्त इलाके के द्वारा आना उचित था इसलिये —

संकल्प: कि पाड्डी पौलुस मुन्डू को २ महीने की छुट्टी दिई जाय परन्तु उसके तलब तनख्वाह के लिये इलाका जवाबदेही है । इलाके को दरखास्त भेज दिया जाय ।

सुदर्शन लकड़ा कंडिदात ।

कंडिदात सुदर्शन लकड़ा ने दरखास्त दिया कि आप बी० डी० के लिये तैयारी कर रहे हैं सो इमतिहान देने तक उनको छुट्टी दिई जाय ॥

संकल्प: कि कंडिदात सुदर्शन लकड़ा को बिना तलब अपनी धर्मविद्या की परीक्षा की तैयारी के लिये छुट्टी दिई जाय ॥

कंडिदात दाऊद सोरेंग ।

कंडिदात दाऊद सोरेंग का दरखास्त पढ़ा गया । दरखास्त में जो बातें लिखी है उनके बारे कौंसिल अनजान हैं । उसको समाचार दिया जाय कि उसके पदाभिषेक के विषय में नियमित रीति से बातचीत और लिखापढ़ी हो रही है ।

थिओफिल कुजुर-आसनसोल ।

मि० थिओफिल कुजुर ने एक चिट्ठी लिखी जिसमें आसनसोल के रुपैयों के गोलमाल होने के डर के सम्बन्ध में लिखा था । उसने यह भी लिखा कि २ जून तारिख को उसकी बातों को सुनने के लिये तथा रुपैया जीमा लेने को कौंसिल के अंग उपस्थित होने की कृपा करें । विचार हुआ—

संकल्प: कि एक रुपैये जो मदाली के नाम पर है सो कौंसिल को जिम्मा किये जांय और ता: २ जून को पाड्डी योएल लकड़ा, मि० निर्मल सोय और मि० सामुएल मुर्मू थिओफिल कुजुर से मिलें और उनकी बातों को सुनें ॥

मरनो जमीन विषयक मोकद्दमा।

मरनो की एक जमीन पर तनाजा है जिसकी तारिख २२ मई ठहराई गई है। यह मोकद्दमा सेट्लमेन्ट में है सो किसी कौंसिल के सदस्य के वहां जाने की बात कही गई। कितने ही अंग उस समय रांची में नहीं रहेंगे सो पाद्रि थोएल लकड़ा ने जाने की इच्छा प्रगट किई।

संकल्प: कि पाद्रि थोएल लकड़ा को अनुमति दिई जाती है कि वे मरनो के सेट्लमेन्ट मोकद्दमा की देखभाल के लिये २२ मई सोमवा को सेट्लमेन्ट कचहरी में उपस्थित होवें।

महासभा के सोशल का खर्च।

महासभा के समय में गान इत्यादि के लिये संथाल समाज की कौंसिल हुई थी जिसके ~~लिये~~ लिये १४॥ रु० पाद्रि खर्च हुए। पाद्रि एम० ब्रेहन ने ५) अपनी ओर से दिये। बाकी ९॥ रु० देन रह गया।

संकल्प: कि सोशल मीटिंग के समय का ९॥ रु० खर्च खजांची कौंसिल के खजाने से दे देवें।

सेमिनरी के लिये विद्यार्थी।

सेमिनरी के अध्यक्ष पाद्रि एम० कोशस से मालूम हुआ कि इस साल भी सेमिनरी के लिये और २ विद्यार्थी लेना चाहिये। इसके लिये इलाकों में इश्तहार किया जाय और अखबार में भी नोटिश छापी जाय।

संकल्प: कि १९३३ में २ सेमिनरी विद्यार्थी लेने का नोटिश निकले जिसमें विद्यार्थियों की क्या योग्यता होनी चाहिये फिर उनके लिये क्या बन्दोबस्त है कितने वरस अध्ययन करना होगा। ये विषय भी खिस्ता से दिये जांय और ऐसे विद्यार्थी खोजे जांय जो कि आप ही अपने खर्च से सेमिनरी की योग्यता प्राप्त करें॥

26/6/33.

18/6/33.

कार्यकारक सभा की बैठकी।
ता: २६ जून १९३३।

आज के दिन कार्यकारक सभा की बैठकी बुलाई गई और निम्न लिखे सभासद्गण उपस्थित आये :—

१। पादुी रेव० ग्रेहन ... ... खजानची।
२। " योएल लकड़ा।
३। मि० सामुएल पुर्ती।
४। " पिटर हुरल ... ... सेक्रेटरी।

प्रेसिडेन्ट अनुपस्थित थे सो उनकी गैरहाजिरी के कारण आज की बैठकी के लिये मि० सामुएल पुर्ती सभापति चुने गये। मि० कोरेशस विजिटर बुलाये गये थे।

आरम्भ में मि० पुर्ती ही ने प्रार्थना किई और निम्न लिखे काम आज सम्पादन हुए :—

१। अगले मन्तव्य का बुढ़ाया जाना।

पूर्वी कौंसिल की बैठकी के अन्तिम दिन का मन्तव्य बुढ़ाया हुआ नहीं था सो उस दिन के मन्तव्य पढ़े गये और एक दो सुधारों के होने पर बुढ़ाये गये।

२। सेमिनेरी में विद्यार्थी।

सेक्रेटरी ने यह बात पेश किई कि मेकलस्की में नये दरखास्तों को भेजने के पहिले यह देखना अवश्य है कि जितनी दरखास्तें आई हैं उनमें से किसी का मेट्रीक पास नहीं है। सो जो नियम ठहराया गया है उसके विपरीत किया जा सकता है अथवा नहीं। सो वर्त्तमान विद्यार्थियों की योग्यता पर और उनकी नई सिरे से योग्यता की परीक्षा लेने के विषय में बातचीत हुई और यों निपटारा हुआ—

संकल्प :(क) कि सेमिनेरी के वर्त्तमान विद्यार्थियों को यह बताया जाय कि इस बरस के अन्त में उनकी योग्यता की मुंहजबानी परीक्षा कौंसिल से लिई जायगी और जो इस परीक्षा में उत्तीर्ण होंगे वे आगे रहने को रखे जायेंगे पर अयोग्य विद्यार्थियों को सेमिनेरी छोड़ने की आज्ञा दिई जायगी।

(ख) कि नये विद्यार्थियों को लेने के लिये अर्थात उनके दरखास्तों को ग्रहण करने के लिये १ली जुलाई तक समय बढ़ाया जाय और उसके पीछे विषय विचारा जाय जिसें नये क्लास १५वीं जुलाई से खोला जाय।

३। लूथरान फेडरेशन में प्रतिनिधी।

फेडरेशन के सेक्रेटरी पादुी गोटवाल्ड को चिठी पढ़ी गई जिसमें फेडरेशन की कार्य कारक सभा में बैठने के लिये गोस्सनर कलीसा के प्रतिनिधी मांगे गये हैं।

संकल्प :(क) कि मि० सामुएल पुर्ती ~~गोस्स~~ लूथरान फेडरेशन की कार्य कारक सभा के लिये गोस्सनर कलीसा के प्रतिनिधी चुने जांए।

(ख) कि पादुी ज़ेल्टो लोगा फेडरेशन के "युवक-संघ" Young People's Committee के लिये गोस्सनर कलीसा की ओर से प्रतिनिधी ठहराये जावें।

४। टकरमा इलाके के लिये और पादुी।

टकरमा इलाके के चेयरमैन पादुी सुलेमान कुजूर ने लिखा है कि उनको इतने बड़ी इलाका के लिये २ पादुियों का बेरख मात्र यथेष्ट नहीं है क्योंकि उचितरूप से चरवाही न होने से लोगों को भारी नुकसानी का डर है सो उनके इलाका के लिये कोई न कोई पादुी भेज दिया जाय। इस विषय पर कुछ देर तक बातचीत हुई और

यह स्थिर किया गया—

संकल्प: (क) कि पादरी सुलेमान कुल्ला को समाचार दिया जाए कि उनकी अर्जी पर ध्यान दिया गया है और यथासमय में इलाके की सहायता के लिये अर्जी अनुसार उचित विचार किया जायगा।

(ख) कि प्रेसिडेन्ट को याद दिलाया जाए कि बरसाती पाठशालाओं की बैठकों में जिन कंडिडातों का पदाभिषेक होगा उनकी सूची जिनको वे योग्य समझें उनके सम्बन्ध में निर्णयावली के नियमानुसार इलाकों से तदारुक करके मिनिस्टिरियम से भी राय लेवें जिससे बरसात के समय में योग्य लोगों का पदाभिषेक किया जा सके।

५। बरसाती शिक्षा क्लास।

यह उचित और आवश्यक समझा गया कि इस साल भी पास्टरों का बरसाती शिक्षा क्लास होवे सो शिक्षा क्लास की तारीख ठहराना और कोर्स ठहराना सेमिनरी फैकल्टी के जिम्मे में कर दिया जाए। यह प्रस्ताव रहा हुआ।

६। अनाधिकार वपतिस्मा।

गोविन्दपुर के पादरी जेलो तोगा को एक चिट्ठी पढ़ी गई जिसमें उसने लिखा था कि इधर में जाके अंग्रेजी मराठी के पादरी दाऊद बेक ने कुछ मराठों को दो बालकों को बपतिस्मा दिया। पिता कुल्टी में है और माता अंगलिकन मराठों की अंग थी। इस विषय पर बातचीत हुई और यह उचित समझा गया कि पादरी जेलो तोगा से और कोरल बातों का समाचार लिया जाए और तब आवश्यक हो तो अंग्रेजी मिशन के अधिकारियों लिखा पढ़ी होवे॥

७। मौरमंज में मराठों का काम।

मौरमंज में हमारी मराठों के लोगों की चरवाही और देखभाल के लिये पादरी पौलुस तिर्की और मृत पादरी पौलुस मानकी के मध्य में लिखा पढ़ी हुई थी। इसी विषय पर एक चिट्ठी पादरी पौलुस ने कौंसिल के सेक्रेटरी को लिखी थी जो पढ़ी गई। मौरमंज के काम के सम्बन्ध में बातचीत हुई। यह विषय कोई २, ३, ४ बरसों से चला आ रहा है सो बातचीत होने पर यह तय हुआ—

संकल्प: कि मौरमंज जाने का काम प्रेसिडेन्ट को सौंपा जाए कि वे मैनत्सा पिन्जरगढ़िया होके मौरमंज को जावें और वहां की परिस्थितियों की दशा पर विचार करके काम खोलने के सम्बन्ध में रिपोर्ट देवें।

विहारी [ग्रामीण] निर्माण कार्य।

विहारी निर्माण कार्य के सम्बन्ध में बिहार प्रान्तीय मिशनरी कौंसिल के सेक्रेटरी पादरी प्राईस की चिट्ठी पढ़ी गई और उस पर विचार होकर यह संकल्प हुआ—

संकल्प: कि पादरी प्राईस को लिखा जाए कि गांव-या विहारी निर्माण कार्य पर कोई काम हमारे मराठों ने नहीं किया है परन्तु ऐसे काम के सम्बन्ध में सोचा जा रहा है सो यदि प्रान्त में अन्य मिशनों ने इस ओर कुछ किया है तो उसका वृत्तान्त हमारे लाभ का हो सकेगा। फिर पादरी प्राईस से पूछा जाए कि कौन सी और सहायता कौंसिल हमारे मराठों को ऐसे काम के लिये दे सकेगी॥

मसीहदास तोपनो पादरी का पेनशन।

पादरी मसीहदास तोपनो ने दरखास्त दिया कि जैसा औरों को वैसा आप को भी पेनशन दिया जाए सो उसका दरखास्त पेश किया गया

संकल्प: कि पादरी मसीहदास तोपनो को पादरियों के पेनशन लिस्ट में रखा जावे और जुलाई से उसको पेनशन दिया जाए॥

१०। चक्रधरपुर का चार्ज।

पेनशन संबन्धी बात लेकर यह जाना गया कि चक्रधरपुर का चार्ज अब तक नहीं लिया गया है क्योंकि प्रेसिडेन्ट को सही में वहां का हलनामा जाना उचित था। सो यही स्थिर हुआ -

संकल्पः कि जब प्रेसिडेन्ट मौरभंज के लिये रवैवस्सा जा रहे हैं तो भला होगा कि पौलुस तिर्की पाड्डो को वहां के चक्रधरपुर के चार्ज लेने के सम्बन्ध में हेदायत करें।

११। खिस्तोचित कुजुर।

रबूटोली के बाबू खिस्तोचित कुजुर की एक चिट्ठी-अर्जी पढ़ी गई जिसमें लिखा था कि यदि यहां नहीं तो मध्यप्रदेश में उसके लिये स्थान मिले तो कौंसल बन्दोबस्त कर देवे। बाबू खिस्तोचित कुजुर की बात मिनिस्टिरियम में डाली गई थी सो यह निश्चय हुआ कि मिनिस्टिरियम का विचार मिनिस्टिरियम सेक्रेटरी से लेना उसको जनाया जाए और

संकल्पः कि रबूटोली इलाके ही के पास लिखा जावे कि यदि इलाका-पंच उचित और भला समझे तो बाबू खिस्तोचित कुजुर को इलाके के भीतर में प्रचार का काम अभी देवे यदि इलाके के भीतर में कहीं स्थान हो तो।

१२। प्रभुसहाय कच्छप पाड्डो।

सेक्रेटरी ने पाड्डो बाबू प्रभुसहाय कच्छप के दर्खास्त की बातें संक्षेप में में सभा को बताई और इलाका चेयरमैन पाड्डो प० बा० पुनोरिया का लिखा पोस्ट कार्ड का समाचार भी बतायां जिसमें लिखा था कि यदि पाड्डो कच्छप रांची में अथवा पुरुलिया में रहेगा तो उसको छह महीने से तलब नहीं दिया जायगा॥ इस विषय पर बातचीत हुई और यह विचार हुआ

संकल्पः जारगो में अथवा मिजरा में पास्टर के रहने के लिये मराडली घर नहीं है जैसी पेरिश हेडक्वार्टरों में ऐसा घर होना ही चाहिये इसलिये पुरुलिया इलाका का संकल्प कि पाड्डो कच्छप का तलब रोक दिया जाए सो अनिष्टरूप में है। ऐसा करने से इलाका जारगो पेरिश को सेवकाई काम को बन्द कर देना चाहती है जिसको करना अनुचित होगा। इलाके के संकल्प पर देखने से यह भी आवश्य है कि इलाका जारगो पेरिश के पाड्डो को घर देवे कि वहां रहके पाड्डो काम करे॥

१३। हेड मास्टरों का बदली खर्च।

टकरमा और गोविन्दपुर के स्कूलों के हेडमास्टरों की बदलियां हुईं जिसके आने जाने के खर्चों का विषय पेश हुआ और यही ठहराया गया

संकल्पः कि पाड्डो झालोतीगा का बिल रु०] का और मि० प्रभुसहाय मेंगरा का बिल रु ॥) का मंजूर होवे और यह खर्च दिया जाए।

१५। मशीलतोपोनो की अर्जी।

मशीलतोपोनो बाबू ने एक अर्जी भेजी कि उसको हाई स्कूलमें नौकरी दिई जाए। यह दरखास्त पढ़ा गया। सेक्रेटरी को यह बात सौंपी गई कि वह मशीलतोपोनो को उचित परामर्श देवे।

१६। टकरमा मालगुजारी।

टकरमा के चेयरमैन की एक चिट्ठी पढ़ी गई जिसमें उसने हाता और जंगल का मालगुजारी रु] भेजने की अर्जी किई है। बातचीत करने पर यह विचार हुआ कि चेयरमैन से पूछा जाए कि अगले वर्षों में हाता का मालगुजारी कैसे दिया गया और जंगल से मराडली को क्या आमदनी है और यह कि कौंसल समझती है कि हाता का मालगुजारी तो

इलाका दी को देना उचित है क्योंकि कौंसिल ऐसी जमीन जगहों को सिर्फ लेती और बन्दोबस्त करती है जैसा खेत, दोन, टांड़, तलाव इत्यादि जिससे कौंसिल को सीधे आमदनी आ सकेगी॥

१७। सन्डे स्कूल विषयक विचार।

सेक्रेटरी ने सन्डे स्कूल के पाठों को ~~सम्बन्ध में~~ दिहाती लड़के लड़कियों के लिये उपयोगिता के सम्बन्ध में बात छेड़ी। बातचीत करने पर यह स्थिर हुआ—

संकल्प: (क) कि अमी सम्पादक सिर्फ सन्डे स्कूल को उपयोगिता पर अखबार में लेख लिखें और तब पीछे देखा जायगा कि कौन से पाठ उसमें छापे जाने सकेंगे।

(ख) कि सेमिनेरी अकल्टी को समझा दिलाया जाय कि वे अपना सुसमय में सन्डे स्कूल पाठ पत्र तैयार करें और पंजिका में सम्मिलित करें।

१८। बाबू ओगुस्तुस लकड़ा का ग्रहण।

बाबू ओगुस्तुस लकड़ा का दखास्त जिसमें उसने लूथरान कालेज में पुरोहित से ग्रहण होने के सम्बन्ध में लिखा था सो पढ़ी गई। इस में की कठिनाइयों पर बातचीत हुई और विचार हुआ— कि बाबू ओगुस्तुस लकड़ा कल २७ ता: ४ बजे बुलाया जाय और उसके साथ में इस विषय पर समझौते की बातचीत होवे॥

27.6.33.

27.6.33.

कार्य्यकारक सभा की बैठकी ॥

ता: ~~११~~ १२ जुलाई १९३३ई०।

आज कार्य्यकारक सभा की बैठकी जुलाई माहें थी जो ८ बजे दिहान से बैठी और निम्न लिखे सभासद उपस्थित थे :—

१। ~~मेसि०~~ पाडुी योहन तोयोनो ... ... प्रेसिडेन्ट।
२। " एम० प्रेहन ... ... रजांनी।
३। " योसेफ लकड़ा
४। मि० सादुस्ल पुर्ती
५। मि० पिटर टुडू ... ... सेक्रेटरी।

मि० निर्मल सोथ स्कूल विभाग के काम के लिये उपस्थित थे।

आरम्भ में प्रार्थना हुई और प्रार्थना के पीछे निम्न लिखे काम सम्पादन हुए अर्थात :—

१। सेमिनेरी के नये विद्यार्थी।

सेमिनेरी में पढ़ने के लिये छे दरखास्तें आई थीं जिन पर फेकल्टी ने सोच विचार किया और इनमें से ३ जनों के लिये अपनी सिफारिशें भेजीं। कार्य्यकारक सभा ने प्रत्येक निवेदक के विषयों पर ध्यान दिया और सिफारिश ग्रहण कर तीन जनों को चुन लिया ~~अर्थात्~~

संकल्प: कि निम्न लिखे तीन जन नये विद्यार्थी सेमिनेरी में पढ़ने के लिये ठहराये जाते हैं जिनका कोर्स नियमानुसार चार बरसों तक रहेगा— अर्थात (१) पुनुहान सिलास बाग्गे, (२) इलियाजर किन्डो और (३) धर्मदास गुड़िया। ये सब विद्यार्थी मेट्रीकुलेशन तक पढ़े हुए हैं पर उनका पास नहीं है इसलिये एक बरस के पीछे इनकी परीक्षा होगी यदि वे उत्तीर्ण हों तो आगे रखे जायेंगे अन्यथा उन्हें क्लास छोड़ना पड़ेगा।

२। पाडुी ~~शेरनाथ~~ शेरनाथ का ~~सेमिनेरी~~ में नये ~~विषय~~ विषय।

फेकल्टी ने यह सिफारिश भेजी कि अविलम्ब में पाडुी एम० प्रुहु के बदले में पाडुी जे० शेरनाथ मंडली इतिहास और यूनानी सिरवाने जिसें प्रुहुन साहब बाहर के स्टेशनों के देखभाल के लिये और स्वास्थ्य काम के प्रचार के लिये अधिक समय पावें।

संकल्प: पाडुी जे० शेरनाथ सेमिनेरी में पाडुी एम० प्रेहन के बदले यूनानी और धर्म अथवा मंडली इतिहास सिखावें फेकल्टी की यह सिफारिश ग्रहण होती है।

३। सामटोली में लूथरान लड़के

पाडुी एम० शौवे ने अपनी एक चिट्ठी में सामटोली के रोमी हाई स्कूल के विषय में लिखा था कि वहां हमारे बहुतेरे लूथरान लड़के स्कूल जाते हैं और उनको रोमी मंडली की धर्मशिक्षा दिई जा रही है जिससे हमारे लिये बहुत जोखिम है। इस विषय पर सोच विचार करके यह ठहराया गया—

संकल्प: कि रंचूटोली के पाडुी धर्मदास कुजुर को लिखा जाय कि वह पूरा पूरा तहकीक का समाचार देवे कि सामटोली में कुल जमा कितने लूथरान लड़के हैं, किन किन इलाकों से आये हैं; वे कहां रहते हैं और उनका वहां रहना उनके माता पिताओं की मंजूरी से है अथवा नहीं फिर यों कि क्या उनको रोमी मंडली की धर्मशिक्षा उनकी इच्छा के विरुद्ध दिई जाती है और क्या कुमारी मंडली के इलाकों से उनकी धर्मशिक्षा का प्रबन्ध किया गया है अथवा नहीं।

४। फेकेल्टी इलाके के काम के प्रबन्ध के नियम ॥

सेक्रेटरी ने पाडुी एम० शौवे से भेजे हुए ~~नियम~~ नियमों का एक लेख पढ़ सुनाया

जिसे कि केकेल इलाका पंच और प्रचारकों के पंच ने मिलकर ठहराया कि उसी के अनुसार समूचे इलाके में काम चलाने का आरम्भ होवे। इन नियमों को देखने से मालूम हुआ कि वे बड़े ध्यान से और अनुभव के साथ ठहराये गये हैं और यदि कार्यरूप में लाये जावें तो लाभ के होंगे। यह भी समझा गया कि ऐसे नियमों का बनाना और मानना अन्य इलाकों को भी उचित है।

संकल्प: कि कार्यकारक सभा कौंसिल की ओर से केकेल मण्डली के कारबार चलाने को बनाये हुए नियमों को स्वीकार करती और भला समझके उनके लिये इलाके को काम सराहनीय समझती है और यह भी सिफारिश करती है कि भला होता यदि अन्य इलाके इन नियमों को ग्रहण कर सकतीं।

५। एन० एम० एस० में प्रतिनिधी।

एन० एम० एस० की कार्यकारक सभा में गवर्नर मंडली के प्रतिनिधी की नियुक्ति बीत राई सो फिर से चुनाव की चिट्ठी आई। वार्तालाप होने पर ठहराया गया—

संकल्प: कि मि० सामुएल पुर्ती एन० एम० एस० के १९३३-३४ के लिये गवर्नर मंडली का प्रतिनिधी होके कार्यकारक सभा में रहें।

६। आड़सुगढ़ा का भविष्यत।

आड़सुगढ़ा के सम्बन्ध में जहां एन० एम० एस० अपना वर्क्र काम करके भविष्यत में काम चलाने चाहती है और उसको जेनरल सेक्रेटरी की चिट्ठी पर फ्रांसीसी सेक्रेटरी के स्थान पर पादुरी एम० ब्रुन भेजे गये थे सो जो कुछ वहां हुआ उसकी मुंहजबानी रिपोर्ट प्रेजिडेन्ट साहिब से सुनी गई और मि० आशीर्वाद की चिट्ठी भी उस विषय पर पढ़ी गई। मालूम हुआ कि काम चलाने के लिये खर्च वर्क का नया प्रबन्ध तलबों को घटा कर जारी किया जा रहा है। कौंसिल की प्रार्थना है इस प्रबन्ध पर ईश्वर की आशीष होवे कि आड़सुगढ़ा कार्यकारियों को इस आर्थिक दुर्गति के समय में उचित सहन शक्ति मिले॥

७। चक्रधरपुर इलाके का चार्ज।

प्रेसिडेन्ट की रिपोर्ट से मालूम हुआ कि प्रेसिडेन्ट ने चक्रधरपुर मण्डली का चार्ज जमशेदपुर के पादुरी लूथर जोजोवार को बुलाकर दिया और आपका यह मतलब कहा था कि इस विषय पर कौंसिल जमशेदपुर पंच को लिखे। वार्तालाप हुई कि पूरी कौंसिल ने और फिर कार्यकारक सभा ने भी ठहराया है कि चक्रधरपुर का जिम्मा वैवस्ता पैरिश के संग रहे। जमशेदपुर के संग शामिल करने में कितनी ही कठिनाईयां हैं सो—

संकल्प: कि जमशेदपुर के पादुरी लूथर जोजोवार को लिखा जावे कि वह वैवस्ता के पादुरी पीटर मुर्मू को चक्रधरपुर का चार्ज दे देवे॥

८। पादुरी मत्तियस टोप्पो।

सकुवावासी पादुरी मत्तियस टोप्पो ने बीते साल में कोई कठिनाईयों के कारण अपने निज वासस्थान में काम न कर सकने के लिये अपने काम से रुखसती दिया। अब आप दरखास्त देते हैं कि उनको कहीं नौकरी या इलाके से बाहर में काम दिया जाए।

वार्तालाप होकर यह स्थिर हुआ कि यह विषय आगामी बरसाती फुल कौंसिल मीटिंग के समय में विचारा जाए॥

3C

शिक्षा-विभाग।

९। रांची जिले के स्टैपेन्डयरी स्कूल।

रांची जिले में हमारे १०६ प्रैमरी स्कूल स्टैपेन्डयरी बनाये गये अर्थात उनके चलाने का खर्च हमें जिला बोर्ड से मिलता है। एक वह त्रिवार्ष आनेवाले साल में खत्म होने पर है। इस सम्बन्ध में शिक्षा विभाग की चिट्ठी पढ़ी गई और यह स्थिर हुआ

Resolved: That considering the general depression all over the world and the acute situation into which the Gossner Church has been put, the Council of the Church find they are not in a position to resume management of the Stipendiary Schools in the next few years and consequently do not wish to disturb the present arrangements made with the Ranchi District Board and in so doing, request the Local Government kindly to extend the present arrangement for another period of 3 years from the commencement of the next financial year.

१०। बन्द हुए स्कूलों के विषय।

स्टैपेन्डयरी स्कूलों के विषय में बातचीत करते हुए यह जान पड़ा कि कितने स्कूल बन्द हो गये हैं और यह काम कौंसिल को बिन जनाये किया गया जो मेमो शर्तों अनुसार उचित था कि कौंसिल की अनुमति लिई जाए। आश्चर्य का विषय कि यह काम हेड-सुपरवैजर को बिन जनाये ही किया गया -

संकल्प: कि हेड-सुपरवैजर को यह परामर्श दिया जाए कि वे जितने स्कूल कौंसिल को बिन जनाये उठा दिये गये हैं उनके सम्बन्ध में डिप्टी इन्स्पेक्टर आफ़ स्कूल्स से उचित लिखा पढ़ी करें और कौंसिल को उसका समाचार जनाया करें॥

११। निम्न शिक्षा के स्कूलों का प्रथमिक क्लास में विद्यार्थी।

सेक्रेटरी ने यह बात पेश किई कि इन्सपेक्टर आफ़ स्कूल्स के मौलाहिजा रिपोर्टों से तथा अन्य नीचे के अफ़सरों के रिपोर्टों से मालूम पड़ता है कि हमारे मिड्ल स्कूलों के प्रैमरी विभाग की प्रथम श्रेणी में छोटे लड़के लड़कियों के लेने का कोई विशेष उद्योग नहीं किया जाता है। म्यूनिसिपल के भीतर तथा विहात के स्कूलों में प्रैमरी क्लास में फ़ीस लेने और न लेने के सम्बन्ध में बातचीत हुई और यह विषय यों तय हुआ

संकल्प: (क) कि हमारी मराडलों के उन प्रैमरी विभागीय स्कूलों में जो कि म्यूनिसिपैलिटी के शहरों में हैं उनके पहले और दूसरे क्लासों से फ़ीस लिई जाए परन्तु विहात और आउट-स्टेशन के प्रैमरी स्कूलों के पहले और दूसरे क्लासों में किसी प्रकार की फ़ीस न लिई जाए।

(ख) कि हेड-सुपरवैजर को यह आदेश दिया जाए कि वे सब स्कूलों के लिये विशेषतः मिड्ल स्कूलों के हेड-मास्टरों के लिये यह Standing Order निकालें कि भविष्यत में स्कूलों के स्टाफ़ और हेड-मास्टर लोग प्रैमरी विभाग के पहले क्लास में विद्यार्थियों को लाने का उचित परिश्रम किया करें॥

१२। किंकेल स्कूल के विषयक संकल्प।

किंकेल इलाके के पास वहां के मिड्ल स्कूल के लिये और मिड्ल स्कूलों के बराबर ग्रैन्ट

देने के सम्बन्ध में कौंसिल से जो जवाब किया गया था उसके प्रत्युत्तर में झाको ने जो संकल्प भेजा है सो पढ़ कर कौंसिल को सुनाया गया । बातचीत करने पर यह स्थिर हुआ कि इलाके का संकल्प "नोट" किया जाए ॥

सम्पत्ति - विभाग

१३। सम्पत्ति-विभाग पर की कार्रवाई

सम्पत्ति विभाग के कितने विषयों पर जैसा अदालती कार्रवाई करने के सम्बन्ध में सेक्रेटरी ने कहा कि इस विभाग में हर हमेशा कुछ न कुछ मोकद्दमा लगे रहते हैं और नहीं नहीं ~~कानूनी~~ कानूनी कार्रवाई करने पड़ते हैं जिसके लिये कोई मुनासिब को हमेशा के लिये ठहरा देना भला है जैसा पहिले भी होता था क्योंकि छोटे छोटे कार्रवाईयों के लिये सेक्रेटरी को अदालत में जाकर समय बीताना बेफायदा है यह काम सम्पत्ति विभाग के प्रधान का काम है जिसके रहते से जो एक अदालती मुनशी की आवश्यकता है।

विचार हुआ कि यह विषय आगामी फुल कौंसिल में लिया जाए ॥

१४। एक्सीडाग और चनगनो सम्पत्ति ।

सेक्रेटरी ने बताया कि एक्सीडाग के पुराने पुजारक को नोटिश दिया गया था पर ~~वह~~ घर नहीं छोड़ने के लिये हठ बांधे हुए है सो उसको वकील नियत करके कानूनी रूप से घर छोड़ने की नोटिश दिई जाए ।

~~चनगनो~~ के विषय मि० पुरी के संग चनगनो जाके कागजपत्र में जो कुछ देखा और पाया उसकी पूरी जवाबी रिपोर्ट दिई । वहां की जमीन मोकरी लिई हुई है और रुपैया फिरा लेने का उसमें कोई शर्त नहीं हो सकता है । सब्जिदार लोग अभी कहते हैं कि नोतरोत साहिब का कुछ लिखा हुआ कागज है जिसमें ऐसा लिखा कि वह रुपैया ~~ले~~ लेके जमीन फिरा दे सकता है पर यह कागज साझेदारों को नहीं दिखा सके । सो उन लोगों पर ३ वर्ष तक के फसल पाने का नालिश किई जाए ।

संकल्प: कि सेक्रेटरी को यह अधिकार दिया जाए कि एक्सीडाग और चनगनो के विषय में उचित अदालती कार्रवाई करें ।

१५। अवेदनगो मुंजनी का किराया दरखास्त ।

कानूनल मस्तो से लिये हुए घर में अवेदनगो मुंजनी लेने से पहिले से ~~किराये~~ किराये पर रहता है । उसने दरखास्त दिया है कि २) रुपैया वेही किराया है और आज कल के आर्थिक कठिनाई के दिनों में जब उसको नौकरी भी नहीं है यह किराया कम कर दिया जाए । इस्बार के मैनेजमेन्ट के सम्बन्ध में बातचीत हुई कि वह सेथे बोर्ड के अधीन है कि कौंसिल के मैनेजमेन्ट में है । बातचीत होकर यह तय हुआ—

संकल्प: कि मि० अवदनगो मुंजनी का किराया दरखास्त मि० पत्रा के पास में इस सिफारिश के साथ भेजा जाए कि उसका वर्त्तमान २) किराया घटा दिया जाए ॥

खजाना विभाग तथा रेजेक्ट्रा के विभिन्न विषय दूसरी बैठकों के लिये रख छोड़े गये ।

अन्त में ~~धन्यवाद~~ प्रार्थना हुई और सभा का अन्त किया गया ॥

J. Upadhyay
21-7-33.

Secretary,
21. 7. 33.

कौंसिल की कार्य्यकारक सभा की
बैठकी का मन्तव्य ॥

ता: २१ जुलाई १९३३ ई०।
[समय ३ बजे दूसरी बेला]

आज के दिन निम्न लिखे सभासदगण उपस्थित आये अर्थात :—

१। पादी योहन तोपो ... ... प्रेसिडेन्ट।
२। " एम० प्रेहन ... ... रजांची।
३। मि० सामूएल मुर्मू।
४। मि० पिटर हुरु ... ... सेक्रेटरी।
५। पादी योसेल लकड़ा।

पादी एम० को रिशस सेमिनरी के विषय को सम्बन्ध में विजिटर होकर उपस्थित आये थे। आरम्भ में प्रेसिडेन्ट ने आपनी प्रार्थना किई और निम्न काम काज समादन हुए :—

१। इलियाजर किन्डो सेमिनरी में।

इलियाजर किन्डो ने एक दरखास्त दिया था कि उसको सेमिनरी में स्थान दिया जाए जो भी उसकी सादी हो गई है। उसने यह वचन दिया कि वह अपना सब अन्य प्रबन्ध आप कर लेगा। इस विषय पर यों संकल्प हुआ—

संकल्प : कि बाबू इलियाजर किन्डो सेमिनरी में ग्रहण होवे इस शर्त पर कि सादी हो जाने पर भी ~~वह~~ अविवाहित अन्य सेमिनरी विद्यार्थियों को समान उस स्टैपेन्ड मिला करेगा। फिर अपनी स्त्री को लाने पर घर का अपना अलग ही प्रबन्ध कर लेगा।

[नोट — कि यौनुस तिर्कि और मर्शल मानकी जिनके भी विवाह हो चुके हैं यह समाचार दिया जाए कि वे भी उपरोक्त शर्तों को मानें तो आगे बरसों में सेमिनरी में ग्रहण होने के लिये दरखास्त देवें।]

२। पादी प्रभुसहाय कच्छप।

पुरुलिया इलाके के ~~मांडो पुरु~~ जारगो परिश के पादी प्रभुसहाय कच्छप के विषय में बातचीत निकला। वह अभी रांची में अपने बालबच्चों को ले आया है और यहीं से अपने परिश में काम करने के लिये आया जाया कर रहा है। उसके काम और व्यवहार पर बातचीत करके फिर यहां स्थिर हुआ—

संकल्प: कि पादी प्रभुसहाय कच्छप का विषय कौंसिल और इलाके की सम्मिलित बैठकी में बातचीत होवे और इस पंचायत के लिये पुरुलिया के चेयरमैन से लिखा पढ़ी होवे।

ता: २४ जुलाई [सोमवार] १९३३ ई०
[साढ़े ८ बजे बिहान से।]

आज के दिन निम्न लिखे महाशय उपस्थित आये अर्थात :—

१। पादी योहन तोपो ... ... प्रेसिडेन्ट।
२। " एम० प्रेहन ... ... रजांची [दूसरी बेला]
३। " योसेल लकड़ा।
४। मि० सामूएल मुर्मू
५। मि० पिटर हुरु ... ... सेक्रेटरी।

आरम्भ में फिर प्रार्थना हुई और नीचे लिखे काम काज समादन हुए :—

३। गोविन्दपुर हाता का बन्दोबस्ती ।

सेक्रेटरी ने कौंसिल को बताया कि मि० योसुल लकड़ा के साथ में जरिया के ठाकुर के यहां जाके गोविन्दपुर हाता के बारे में बातचीत होके यह निश्चय हुआ है कि ठाकुर को सलामी कतोर नहीं परन्तु बकशीश के रूप में कुछ दिया जाए जिससे बन्दोबस्ती जल्दी हो जाए। सो यही संकल्प हुआ =

संकल्प: कि ट्रस्टियों को स्थानीय मांझों की ओर से जो कुछ हुआ है उसके बारे पूरा बताया जाए और भविष्यत में ~~इस संस्था~~ हाता के लिये ५००) रुपैया तक का दान देने का वचन दिया जाए तथा मालगुजारी भी नियत तादाद में देने का बन्दोबस्त होवे।

४। सिफारिशी कान्डीडात ।

सेक्रेटरी ने मिनिस्टिरियम से मंगाये हुए संकल्प को जो सिफारिशी कुशर के बारे लिखा था पढ़, सुनाया और उस पर यों बातचीत होकर तय हुआ —

संकल्प: कि अभीवर्त्तमान में खूंटीटोली इलाका को वास्ते सिफारिशी कुशर को कोई न कोई जगह में प्रचारक काम देवे और तब पीछे भविष्यत में उसके सम्बन्ध में देखा जायगा कि कौंडिडात काम उसको मिले।

५। सिंघानी इलाके में रोमी ।

सरकारी वाच — संघानी से पादरी आन्द्रयस तोपनो ने एक चिट्ठी लिखी जिससे मालूम हुआ कि उस जिला में रोमी लोगों को मारी चढ़ाई है और हमारे जो लोगों को अच्छी खबरदारी और रक्षा न किई जाए तो बहुत जोखिम है सो उसने ३ प्रचारकों को पाने के लिये अर्जीपत्र भेजा जो पढ़ा गया। इस पर यों बिचार हुआ —

संकल्प: कि सिंघानी इलाके की आत्मिक रक्षा के लिये कौंसिल उक्त इलाके को महीना १८) प्रचारक वेतन देवे जिससे इलाका ~~भर~~ लिये ३ प्रचारक रखके तलब देवे। यह १८) सिंघानी प्रचारक के तलब को ~~सम~~ मिलाकर होवे पर पादरी को १५) अलग जो दिया जाता है सो इसमें हिसाब न होवे। पादरी महीना महीना अपने क्षेत्र का रिपोर्ट इस विषय पर कौंसिल को भेजा करें।

६। बनई खोष्टीयानों पर मोकद्दमा।

राटो बिरकेरा से पादरी मसीहदास लकड़ा से मालूम हुआ कि बनई के खोष्टीयानों पर हाथी मारने के कारण कोई मोकद्दमा हुआ है और उन पर उपद्रव किया जा रहा है। सो उनके ऊपर उपद्रव रोके जाने का उपाय करना चाहिये।

संकल्प: कि सेक्रेटरी को अधिकार दिया जाए कि आप बनई के दीवान से इस सम्बन्ध पर उचित लिखा पढ़ी दुरस्त करें।

७। सिंगारसा हेंड़े: ।

सिंगारसा हेंड़े: नामक एक विवाहित जन के सम्बन्ध में पंचायत से पत्र से मालूम हुआ कि वह व्यभिचार के पाप में पकड़ा गया और उसको सजा देने की सिफारिश हुई है। पंचायत धनवाद में हुआ।

संकल्प: कि सिंगारसा हेंड़े, किस गांव और किस मराड़ली का जन है यह पता हाल खोजा जाए और तब उसपर उचित रूप से दराड्यवस्था अनुसार करवाई किई जाए॥

८। फेडरेशन का डेलीगेट फीस।

सेक्रेटरी ने फेडरेशन के प्रेसिडेन्ट की चिट्ठी पढ़, सुनाई जिसमें ~~कहा~~ फेडरेशन में प्रतिनिधि भेजने का। हमारा हक्क कितनी संख्या तक था सो लिखा था और उसके अनुसार हमें कितना फीस देना होगा इत्यादि। फीस की सही संख्या पर और हमारी आर्थिक स्थिति पर देख कर यों विचार हुआ—

संकल्प: कि फेडरेशन को लिखा जाए कि फेडरेशन की नियमावली में मिशन और मंडली का प्रभेद होना चाहिये और उनका दशा अनुसार प्रतिनिधि फीस लेनी चाहिये क्योंकि स्थानीय मराडलो की दशा मिशनों की ~~से~~ आर्थिक दशा से भिन्न है॥ अभी वर्त्तमान में फेडरेशन गोस्सनर कलीसा को फीस देने से छुटकारा देवे॥

९। फेडरेशन पब्लिकेशन बोर्ड।

फेडरेशन के पब्लिकेशन बोर्ड की चिट्ठी पढ़ी गई जिसमें पूछा गया कि भविष्यत में इस बोर्ड में गोस्सनर कलीसा की ओर से कौन प्रतिनिधि रहेंगे॥

संकल्प: कि सेक्रेटरी हुरुद ही अब भी भविष्यत में पब्लिकेशन बोर्ड में गोस्सनर कलीसा की ओर से सम्वाददाता रहें।

१०। फेडरेशन लिटर्जी कोमटी।

फेडरेशन में लिटर्जी कोमटी का काम अब तक जारी की है और जब तक पूरा न होवे ~~सब मराडलियां~~ फेडरेशन की सब अंगवाली मराडलियों से इस काम के लिये प्रतिनिधियों की आवश्यकता है।

संकल्प: कि फेडरेशन की लिटर्जी कोमटी में पाद्री योएल लकड़ा और सेक्रेटरी मि० पिटरहुरुद गोस्सनर कलीसा के प्रतिनिधि रहें।

११। महासभा की चिट्ठी बर्लिन बोर्ड को।

महासभा के नाम से बर्लिन गोस्सनर बोर्ड को भेजने के लिये जो चिट्ठी प्रेसिडेन्ट ने हिन्दी में बनाई सो पढ़ी और देखी गई और यह स्थिर हुआ—

संकल्प: कि इस हिन्दी चिट्ठी का अनुवाद अंगेजी में किया जावे और सेक्रेटरी उसमें उचित सुधार जैसा बातचीत हुई वैसा करें।

~~१३।~~ शिक्षा-विभाग॥

१२। सरकार का स्टैपेन्डयरी स्कूलों के विषय पूछना।

एंचोजिला बोर्ड की चिट्ठी नः ३३२७ ता: १३ जुलाई १९३३ पढ़ी गई फिर उसके साथ ही डेप्युटकमिश्नर की चिट्ठी नः १८७ ता: १७ जुलाई १९३३ जो जवाब में लिखी गई थी सो भी पढ़ी गई। जवाब यह था कि कौंसिल कोई निश्चित समय कि कब से स्कूल खास जिलों में लौट लेगी सो नहीं दे सकती है।

संकल्प: कि हेड सुपरवेजर का जवाब जो रांची डिस्ट्रिक्ट बोर्ड को स्टैपेन्डयरी स्कूलों के सम्बन्ध में दिया गया है कि हमारी कौंसिल कोई निश्चित समय नहीं बता सकती है जब कि जिला ~~लिया~~ लौटा लेकर लिया जा सकेगा सो नोट कर ~~लिया~~ और मंजूर कर लिया जाए॥

खजाना विभाग।

१३। गोविन्दपुर का बदली खर्च।

गोविन्दपुर इलाके के भूतपूर्व चेयरमैन पाद्री खुस्तकल्याण मेंगरा और पाद्री दानियल होरो को बदली खर्च ३०॥) और १११।७ का पेश हुआ— स्थिर हुआ ये मंजूर किये जाएं॥

१४। पिर्टस साहिब से दान।

पिर्टस साहिब ने देशान्तर ओहदेदारों से डाल्टन गंज विभाग के कुष्ठ रोगियों को बड़ी सहायता दी है। पिर्टस साहिब के इस दान के सम्बन्ध पर धन्यवाद की बात उठी और यों संकल्प हुआ—

संकल्पः कि पादरी पिर्टस साहिब को अमेरिका धन्यवाद की चिट्ठी हमारी कौंसिल के नाम पर भेजी जाए।

सम्पत्ति-विभाग ॥

१५। सम्पत्ति आमदनी का हिसाब।

सेक्रेटरी ने बताया कि अब तक जोन साहिब के पास से सिर्फ ४, ५ स्टेशनों के हिसाब सम्पत्ति का आये हैं। इन हिसाबों का नियमानुसार मिलान हुआ है कि नहीं ऐसा कोई सर्टीफिकेट नहीं है। इस विषय पर बातचीत हुई और यह स्थिर हुआ—

संकल्पः कि सम्पत्ति विभाग के प्रधान जोन साहिब को लिखा जाए कि वे और नये अन्य इलाकों का हिसाब भेजने के लिये तगादा करें॥

१६। लोहरदगा इलाका सम्पत्ति पर कार्रवाई।

लोहरदगा के चेयरमैन की चिट्ठी से मालूम हुआ है कि सम्पत्ति के विषय में वहां बड़ी ढिलाई है। चेयरमैन इलाके भीतर की सम्पत्ति के विषय में अनजान हैं कि कहां क्या होता है और पादरीलोग आप ही अपने में रहके सहयोग नहीं करते। चेयरमैन ने जोन साहिब को लिखा है कि हरेक पड़ाव से हिसाब मांगा जाए। इस पर बातचीत होके यह तय हुआ—

संकल्पः कि नियमानुसार इलाका चेयरमैन इलाके भर की सम्पत्ति के हिसाब देने के लिये जवाबदिही है सो प्रत्येक पैरिश पादरी से हिसाब नहीं मांगा जा सकता है। इलाका चेयरमैन ही हिसाब देवें।

(ख) कि लोहरदगा चेयरमैन को लिखा जाए कि वे अपने इलाके की जमीन जगह की मालगुजारी चीते ३ महीनों से बरसों से कहां कहां का दिया गया अथवा कहां का बाकी है और कहां से मिलना था और मिला या नहीं मिला अथवा बाकी है ऐसा पूरा हिसाब लिख भेजें॥

१७। खूंटीटोली नौकराना जमीन आदि

जोन साहिब की हुई जुदाई की चिट्ठी पढ़ी गई जिसमें साथ-सेट्लमेन्ट के खतियानों की नकलों को साथ में रखने की बात और खूंटीटोली में साहिबों के समय में नौकरों को जो जमीन मिली थी और अब इसे के प्रबन्ध में है और जिनके लिये दिवानी भी करना होगा।

संकल्पः (क) कि पादरी अ० जोन मि० पत्र को लिखें कि खतियान जमाबन्दी का नकल देवें जो इलाका हेड क्वार्टर में भेजे जांए।

(ख) कि साबिक और हाल के बन्दोबस्ती या नाप कागजों में देखा जाए कि जमीन "नौकरान" कह कर लिखे गये हैं अथवा नहीं।

(ग) कि बकाया मालगुजारी अदा करने के लिये स्थानीय पादरी को रेवेन्यू अदालत में वर्क कौंसिल का एजेन्ट होकर नालिश कर सकते हैं।

१८। वर्क कौंसिल की आगामी बैठकी।

आगामी वर्क कौंसिल की बैठकी के विषय भिन्न २ तारिखों पर ध्यान देकर यह ठहराया गया—

कि आगामी वर्क कौंसिल की बैठकी सेप्टेम्बर २० बुधवार से होवे॥

प्रार्थना करने के पीछे आजकी सभा का काम समाप्त हुआ॥

J. Jupeau
29-8-33.

Secretary
29. 8. 1933.

चर्च कौंसिल के कार्यकारक सभा की बैठकों ॥

ता: २६ अगस्त से १ सेप्टेम्बर १९३३ ॥

२६ और २७ अगस्त (मंगलवार) १९३३ई०।
दूसरी बेला २ बजे ॥

आज के दिन दूसरी बेले को २ बजे के समय में कार्यकारक सभा आ बैठी और निम्न लिखे अंग उपस्थित थे अर्थात:—

१। प्रेसिडेन्ट योहन तोपनो ।
२। खजांची पाद्री एम० प्रेहू ।
३। पाद्री थोरल लकड़ा ।
४। सेक्रेटरी मि० पिटर हुरु ।

मि० सामुएल मुर्मू आज के दिन उपस्थित नहीं आये। आरम्भ में प्रार्थना हुई और उसके पीछे निम्न लिखे कार्य सम्पादन हुए ।

१। नये पदाभिषेकों का चुनाव।

आसाम से प्रचारक योहन तिड़ु के सेमिनरी के लिये आने पर वहां के लिये २ जनों को पदाभिषिक्त करने की बातचीत जो पहिले हो गई थी से फिर से हुई। साथ साथ खाली स्थानों के लिये पदाभिषेक करने की आवश्यकता पर और कैंडिडेतों की योग्यता पर भी विचार हुए और यह स्थिर हुआ—

संकल्प १(क) कि नीचे नाम दिये हुए कैंडिडेत निम्न लिखे स्थानों के लिये पदाभिषिक्त किये जांए और उनके सम्बन्ध में प्रेसिडेन्ट निर्णयावली अनुसार मिनिस्टिरियम के अंगों की राय मंगावें अर्थात:

(१) कैंडिडेत सुलेमान काण्डे ... ... पाड़ीकिरंग ।
(२) ,, इम्मानूएल लकड़ा ... ... मांडर ।
(३) ,, दाऊद सोरेंग ... ... जयपोलो (कोचेडेगा)।
(४) ,, मनसिद्ध हेमरोम ... ... रायडांग (आसाम)।
(५) प्रचारक योहन तिड़ु ... ... बैठाभांगा (आसाम)।

(ख) कि मि० निर्मल सोय के सम्बन्ध में कार्यकारक उपस्थित अंगों ने विचार कि उसका विषय फिर से पूरी कौंसिल में पेश किया जाए। उनकी उमर अभी ~~को निश्चय~~ प्रायः छै० बरस है। इतने उमर में जब लोग अवसर ग्रहण करते हैं और जब कड़ा धूप का काम उचितरूप से नहीं किया जा सकता है तो क्या उनको पदाभिषेक करना उचित कार्य होगा जब मराडलो अभी स्वस्थ और ठीक उमर को पाद्रियों को खोजती है।

२। पुरुलिया-इलाका के पाद्रियों की संख्या ।

पुरुलिया इलाके ने चर्च कौंसिल और इलाके की जोएन्ट मीटिंग के मन्तव्य के रूप में एक लेख भेजा जो पढ़ा गया। फिर इलाके ने अपना भी एक संकल्प भेजा जिसमें यह दिखाया गया है कि पुरुलिया इलाके को आमदनी दो पाद्रियों को सम्भालने के लिये पर्याप्त नहीं है। फिर आगे इलाके ने पाद्री प्रभुसहाय कच्छप का एक दरखास्त भी भेजा जिसमें छै० बाकी तलब की दावी तथा आने जाने का भत्ता इत्यादि का हिसाब था। कार्यकारक सभा ने इन सब विषयों पर ध्यान देकर यह सलाह किया—

संकल्प २(क) कि जोएन्ट मीटिंग का मन्तव्य जो भेजा गया है उसमें स्पष्ट भूल है। निश्चित यही है कि जब से कौंसिल ने इलाके को समाचार दिया है कि पाद्री प्रभुसहाय कच्छप को इलाके से तलब मिलना चाहिये तब से लेकर प्रत्येक महीना का तलब दोनों पाद्रियों को कौंसिल के हुकम के अनुसार समभाग में मिलना है। कौंसिल किसी महीने के तलब को देने को लिये जवाबदिही नहीं है और नहीं देगी क्योंकि कच्छप पाद्री इलाके का काम करते हैं।

(ख) कि पुरुलिया इलाके का संकल्प कि यदि कच्छप पाड्री पुरुलिया से अथवा रांची से काम करे तो उसको इलाका तलब नहीं देगी यह न्यायसंगत कार्य नहीं है और इलाका ऐसा संकल्प नहीं कर सकती है।

(ग) कि पाड्री पुमुसहाय कच्छप पुरुलिया इलाके का पाड्री होकर के अपने इलाके के किसी स्थान में चाहे पुरुलिया ही में हेडक्वार्टर करके भी कुछ महीनों के लिये काम करता रहे जिसके लिये उसको इलाके को तलब देना ही पड़ेगा और घर भाड़ा आवश्यक हो तो सो भी उसे दिया जाय।

(घ) कि पाड्री पुमुसहाय कच्छप अपने प्रेरिश के भीतर बुड़वा या कोड़ेंगा में घर खोजे और आवश्यक हो तो भाड़े में भी घर लेवे जिस्तें जब तक उसके लिये घर न बनाया जा सके तब तक वहीं से काम करें।

(ङ) कि ~~मुसहाय~~ पाड्री पुमुसहाय कच्छ के तलब और भत्ता या आने जाने के खर्च के लिये कौंसिल नहीं पर इलाका उत्तरदायी है और उक्त पाड्री का कोई ~~कक्ष~~ ~~कौंसिल~~ अथवा दरखास्त कौंसिल भविष्यत में नहीं लेगी। यदि कोई कागजपत्र या लिखापढ़ी हो तो यह इलाके को लिखापढ़ी होनी चाहिये।

[२] (क) कि पाड्री कच्छप के ~~(ङ)~~ तलब की बकाया के बारे में इलाके का ध्यान कौंसिल की चिट्ठी नः १५१५ ता: २५ अप्रेल १९३३ के संकल्प नः ३ पर खींचा जाता है और यही संकल्प का फैसला बहाल समझा जाय।

[३] कि पुरुलिया इलाके की आमदनी का हिसाब जो वर्ष भर का कौंसिल के पास आया है उससे देखा जाता है कि सम्पत्ति की आमदनी को छोड़कर भी इलाके की ~~आमदनी~~ आमदनी इतनी है कि दो पाड्रियों के लिये तलब साधारणतः निकल सकता है इसलिये दो पाड्रियों का इलाके के भीतर सेवकाई के लिये रहना जरूरत है और ऐसा ही रहे।

३। मजरा में रोमीयों का प्रवेश।

कौंसिल को यह सुनकर दुःख हुआ है कि मजरा में रोमी कलीसा का प्रवेश हो रहा है। इस बात को भली भांति जानने के लिये उचित समझा गया कि शीघ्र कोई न कोई कड़ाई होवे अर्थात :—

संकल्प: (क) कि पुरुलिया इलाके को समाचार दिया जाय कि इलाका चेयरमैन शीघ्र ही ता: सेप्टेम्बर को मजरा पहुंचे क्योंकि उनके इलाके के भीतर के लोग रोमी कलीसा में जा रहे हैं।

(ख) कि प्रेसिडेन्ट आप ही और यदि पाड्री पुमुसहाय कच्छप रांची में है तो उनको भी हाल दिया जाय कि वे भी दे ता: सेप्टेम्बर को मजरा में जावे और इलाका चेयरमैन के संग में मिलकर समूची दशा पर तदारुक कर कौंसिल को रिपोर्ट देवें कि क्योंकर लोग रोमी मराडली को जा रहे हैं और उनके जाने को रोकने की क्या चिन्ता किई जा सकेगी और क्या करना चाहिये॥

३० अगस्त १९३३ [बुधवार]
३ बजे दुपहर बेला।

आज के दिन प्रेसिडेन्ट के सिधानी जाने के कारण उपस्थित नहुए सो मि० सामुएल मुर्मू इस दिन की सभा के लिये सभापति चुने गये।

उपस्थित मि० सामुएल मुर्मू ... ... सभापति।
पाड्री एम० प्रुइ ... ... रेवरेन्ड।
पाड्री योएल ककड़ा ।
मि० पिटर हरु ... ... सेक्रेटरी।

आरम्भ में प्रार्थना हुई और फिर आज पुरुलिया और मिजारा के सम्बन्ध में विशेषतः पादुी प्रभुसहाय कश्यप के सम्बन्ध में बातचीत हुई जैसा कि अगले दिन बातचीत हुई थी और वे ही मन्तव्य के रूप में नल के कार्य्य-विवरण में लिखे गये हैं।

४। पादुी रवीशंकर की चिट्ठी।
(रिपोर्ट।)

पादुी रवीशंकर साहिब की चिट्ठी तारीख जुलाई की जिसमें मण्डली सम्बन्धी रिपोर्ट भी है सो पढ़ी गई। उसके भिन्न २ विषयों पर ध्यान दिया गया और सभा उक्त रिपोर्ट पर अपनी सन्तुष्टता दरसाकर रवीशंकर साहिब के प्रशंसनीय कार्य्य पर आनन्द प्रगट करती है।

५। अब्राहाम तिर्की कुजूर।

एटो बिरकेरा से पादुी मसीहदास लकड़ा ने अपने इलाके के भीतर के कुजूर मण्डली के अब्राहाम तिर्की नामक भाई के सम्बन्ध में लिखा जो १०-१२ बरसों से रखना रखने के अपराध में रहके मण्डली बाहर में रहते गया है। यह काम उसने अपनी विवाहता स्त्री के व्यभिचारिणी होने के द्वारा किया। चिट्ठी पढ़ कर सुना गया और महासभा द्वारा स्वीकृत कानून के dispensation की बातों पर ध्यान दिया गया और यह फैसला हुआ—

संकल्प: कि पादुी मसीहदास लकड़ा को लिखा जाए कि अब्राहाम तिर्की के सम्बन्ध में पंच में जो विचार हुआ है उस पंचनामा का अथवा पंच के तदारुक की रिपोर्ट तथा उसकी स्त्री हव्वा का क्या कहना है ये सब बातें जांच करके जांच की रिपोर्ट इलाके पंच की राय के साथ कौंसिल में भेजी जाए तब कौंसिल इस विषय को हाथ में लेके पूरी रीति से विचार करेगी॥

३१ अगस्त [बृहस्पतिवार] १९३३ ई०

आज के दिन निम्न सभासदगण उपस्थित थे अर्थात :—

१। मि० सामूएल मुर्मू ... ... सभापति।
२। पादुी एम० ग्रेड ... ... खजांची।
३। पादुी योएल लकड़ा
४। मि० पिटर हरदा ... ... सेक्रेटरी।

आरम्भ में प्रार्थना हुई और नीचे लिखे काम काज आज सम्पादन हुए:—

६। महासभा के नाम से बर्लिन बोर्ड को चिट्ठी।

प्रेसिडेन्ट ने जो चिट्ठी महासभा के नाम पर हिन्दी में लिखी थी उसे अंग्रेजी में उल्था करने और कुछ विषयों को जोड़कर लिखने को सेक्रेटरी को कहा गया था। यह अनुवाद पेश हुआ और कुछ सुधारों के होने पर सहरा होके उसे बर्लिन भेजने का स्थिर हुआ।

७। पादुी वाजव कुजूर एकरस छुट्टी।

गुमला के भूतपूर्व पादुी वाजव कुजूर एक बरस की छुट्टी लिये हुए थे जो बीते जून में खतम हुई। सो उसने फिर दरखास्त किया कि उनको और भी एक बरस के लिये छुट्टी दिई जाए।

संकल्प: कि पादुी वाजव कुजूर को उसकी बीती छुट्टी के लगातार बिना तलब फिर एक साल के लिये जून १९३४ के अन्त तक छुट्टी मन्जूर किई जाती है।

८। डा० सेन्डीग्रेन बिशप पद पर।

तामील एवं लूथरान मण्डली के सेक्रेटरी से निमंत्रण मिला है कि आगामी जनवरी १९३४ की २५वीं तारीख को डांकीबार गिर्जे में डा० सेन्डीग्रेन बिशप पद पर संस्कार किये जायेंगे। सो सब बहिन लूथरान मण्डलियां उक्त समय के लिये प्रतिनिधी भेजें। इस विषय पर तथा संकट अवस्था पर विचार कर यह स्थिर हुआ—

संकल्प: कि तामील लूथरान मण्डली को डा० सेन्डीग्रेन के विशपीय पदाभिषेक कार्य पर हर्ष प्रगट कर बधाई दिई जाए और लिखा जाए कि फेडरेशन की बैठकी के समय यदि कोई गोस्सनर कलीसा का प्रतिनिधी उक्त सभा के लिये भेजा जाए तो वह डांकीबार पहुंचने को और इस शुभ कार्य में भाग लेने को भेजा जा सकेगा।

९। नया मिशनरी पादुी कुमबरस्को।

सेक्रेटरी ने कार्यकारक सभा को बताया कि डैरेक्टर स्तोरा साहिब की स्मारिका से मालूम हुआ है कि एक नया मिशनरी कुमबरस्को नामक बर्लिन के सेमिनरी में तैयार किया गया है कि हिन्दुस्तान भेजा जाए। यह मिशनरी आसाम में मा० पादुी एडिक के बिलायत लौट जाने पर उनके स्थान पर काम करेंगे। वर्तमान में उसका छोटानागपुर आना और भाषा सीखना और देश की रीति वस्तुर सीखना अवश्य है सो बात विचार कर यह भला समझा गया।

संकल्प: (क) कि डैरेक्टर स्तोरा साहिब को लिखा जाए कि पादुी कुमबरस्को साहब को छोटानागपुर की मण्डली स्वागत देती है। इस वर्तमान में शेरनाथ को इतनी जल्दी बदलना भला नहीं दिखता है क्योंकि हाई स्कूल के होस्टल का काम के साथ उसने सेमिनरी में सिखाने का काम भी हाथ में लिया है। भला होगा कि यह नया मिशनरी वर्तमान में चैनपुर जाके वहां पादुी मा० जोन के संग रहके भाषा सीखे और देश और लोगों की रीति व्यवहार भी देखे और सीखे और इलाके में घूमते चलते पास्टरीय काम भी सके तो करे।

१०। गुमला गिर्जा मरम्मत।

गुमला इलाके का एक दरखास्त पढ़ा गया जिसमें वहां के गिर्जा को बढ़ाने और मरम्मत करने की अर्जी लिखी थी कि कौंसिल इस काम में पूरी सहायता देवे और इलाका भी आप शक्ति भर देने को तैयार है।

संकल्प: कि गुमला के गिर्जे के मरम्मत काम का एस्टीमेट पहिले होना चाहिये और इस काम के लिये बाबू नथानियेल माली गुमला भेजा जाए जिसे वहां के पादुी के संग में मिलकर एस्टीमेट तैयार करे॥

११। बुड़जू गिर्जा मरम्मत।

बुड़जू गिर्जा घर को मरम्मत के लिये जो एस्टीमेट इलाके से भेजा गया था उसको फिर से देखके मेकठीक करने के लिये बाबू नथानियेल माली भेजा गया था सो एस्टीमेट दरखा गया।

संकल्प: (क) कि बुड़जू गिर्जा घर के मरम्मत के लिये बाबू नथानियल माली ने रद्दी का जो एस्टीमेट तैयार किया है सो मनजूर किया जाए॥

(ख) कि कौंसिल वर्तमान में इस मरम्मत खर्च को ट्रस्टियों से कहा सुना लेकर इलाके को देवे क्योंकि यह रुपेया ट्रस्ट फंड से लिया जा रहा है।

(ग) कि कौंसिल इलाके को जनावे कि वह भी अपने निज गिर्जा के लिये शक्ति भर देने का परिश्रम करे और उनके देन पर कौंसिल भी अपना देन देता जाए॥

१२ टकरमा मालगुजारी।

टकरमा इलाके के चेयरमेन पादु सुलेमान कुल्ला की चिट्ठी जो उसने कौंसिल के पुछपाछ पर लिखी थी पढ़ी गई। विचार होके फैसला हुआ—

संकल्प: कि वर्च कौंसिल हाता की मालगुजारी देवे और वैसे ही अन्य अन्य स्टेशन हाताओं की मालगुजारी भी देवे क्योंकि सम्मति का भार अभी कौंसिल से लिया गया है। यदि कौंसिल खजाने में रुपैया न हो तो ट्रस्टियों से अनुरोध कर रुपैया पैंचा लिया जाए और पीछे सम्मति को आमदनी पाने से भर दिया जाए॥

१३। भोंभरी की जमीन।

भोंभरी राँची इलाके के भीतर है। पादु मसीहदास एक्का ने कौंसिल को लिख कर जनाया है कि वहां की जमीन कुरा उरांव को साझे में दिई गई थी पर उसने बालाकी कर उन जमीनों को कई दूसर जनों को जरमेशगी में दिया है। कोएक बरसों से इलाके को वहां से कुछ धान नहीं मिला है इत्यादि।

संकल्प: कि हाल के और वीत सेट्लमेन्ट के कागज पत्रों को देखकर इस विषय पर उचित कर्रवाई किई जाए।

१४। वेथेसदा स्कूल में दूसरा कूंवा।

सेक्रेटरी ने वेथसदा हेड मिसट्रेस की एक चिट्ठी पढ़ी जिसमें लिखा था कि कौंसिल उन्हें अनुमति देवें कि एक दूसरा कूंवा एक चुने हुए स्थान में उनके हाते के भीतर खोदा जाए क्योंकि वर्त्तमान कूंए में जेठ के दिनों में पानी एकदम सूख जाता है। यह भी मालूम हुआ कि कौंसिल को खर्च का भार उठाना नहीं पड़ेगा।

संकल्प: कि वेथसदा कम्पौन्ड में दूसरा कूंआ खोदने की अनुमति दिई जाती है इस शर्त पर कि कौंसिल को खर्च का भार उठाना न पड़े और कूंआ बनाने का स्थान भी दिखाया जाए जिसको कौंसिल मनजूर करे।

१५। राँची गिर्जा की क्वायर कमिटी।

अगले दिन में राँची गिर्जे में गीत गाने के सम्बन्ध पर कुछ बातचीत हो चुकी थी और यह विषय आज के लिये मुलतवी रखा गया था। सो फिर से विषय पर विचार होने लगा। बातचीत और विचार हो चुकने पर यह ठहराया गया

संकल्प: कि राँची गिर्जे के गाना के सम्बन्ध में कौंसिल की एक क्वायर कमिटी रहे जिसके अंग होवें पादु एम० केरिशस, पादु योएल लकड़ा और मि० पिटर हुरु। यह कमिटी क्वायरों के गान इत्यादि की जांच करें और सिर्फ उनकी आज्ञा पर क्वायर गिर्जे में गाने की अनुमति पावें।

(ख) कि हाई स्कूल के क्वायर को समाचार दिया जाए कि जब तक उक्त कमिटी की मंजूरी न होवे तब तक गिर्जे में आगे न गावें।

२ सेप्टेम्बर [शुक्रवार] १९३३।

आज के दिन सिर्फ तीन सभासदगण उपस्थित थे अर्थात—

१। पादु एम० प्रेहन ... ... रवजांची
२। पादु योएल लकड़ा ... ... सभापति
३। मि० पिटर हुरु ... ... सेक्रेटरी।
४। मि० सामुएल पुर्ती [ये पीछे से आये]

आज के दिन के सभा सम्बन्धी कारबार चलाने के लिये पादु योएल लकड़ा सभापति चुने गये और निम्न लिखे काम सम्पादन हुए:—

(घ)

खजाना-विभाग।

१६। त्रिमासिक और छः मासिक हिसाब।

खजांची ने पिछली बैठक में खजाने का त्रिमासिक और छः मासिक हिसाब पेश किये थे जो ध्यानपूर्वक देखे गये और आज की इस बैठक में वे ग्रहण किये जाते हैं। कुछ अंकों पर बातचीत हुई॥

१७। जमीन नाप का खर्चा।

मालूम हुआ कि खूटीटोली और कोरोंजो की जमींदारी का नाप खर्चा प्रायः ७००) तक आ गया है जिसे देना जरूर है। बातचीत यों हुई—

संकल्पः कि कौंसिल ₹ ७००) खूटीटोली और कोरोंजो का नाप खर्चा दे देवे यदि खजाने में रुपैया न हो तो ड्रेफ्टफंड से कर्जा लिया जाए और पीछे सम्पत्ति की आमदनी से भर दिया जाए॥

१८ घरबन्धु का मूल्य अदाय।

खजांची के रिपोर्ट पर मालूम हुआ कि घरबन्धु का बहुत सा रुपैया इलाकों के पास बकाया रह गया है। सो उसको अदाय करने के सम्बन्ध में बातचीत हुई कि इस विषय पर बहुत जोर करके कड़ाई किई जाए अर्थात:—

संकल्पः कि हरेक इलाके को यह संकल्प भेजा जाए कि वे अपनी दूसरी बैठकों में जरूर ही घरबन्धु के मूल्य जो बाकी है उसके अदाय करने और खजांची के पास भेजने के ओर में विचार करें। हरेक इलाका अपने एजेन्डा में इसे रखे और कौंसिल सेक्रेटरी को इलाके ने अदाय करने के सम्बन्ध में कहां तक सफलता सहित काम किया है उसका रिपोर्ट जरूर भेजें।

१९। स्कालरशिप अदाय।

अफसोस के साथ हिसाब में देखा गया कि कालेज स्कालरशिप पाने हारों ने सिर्फ ८) अदा कर समूचे बीत छः महीनों में लौटाया है। मालूम है कि कितने ही लोग दे सकने पर भी देने का परिश्रम नहीं किया।

संकल्पः कि खजांची स्कालरशिप अदाय करने के सम्बन्ध में उचितरूप से कड़ाई करें जिससे यह रुपैया शीघ्र अदा हो जाए॥

२०। विधवा खजाना देन।

मालूम हुआ कि बीते १ बरस में विधवाओं को उनके खजाना से कुछ नहीं दिया गया है।

संकल्पः कि ट्रस्टियों के सेक्रेटरी से अनुरोध किया जाए कि विधवाओं के लिये विधवा-खजाने से जो कुछ सूद एकत्र हो गया है सो कौंसिल को बांटने के लिये जिम्मा दिया जाए॥

शिक्षा-विभाग।

२१। कोन्डरा स्कूल की घटी।

हेडसुपरवैजर ने कोन्डरा इलाके का एक दरखास्त भेजा जिसमें इलाके की अर्जी थी कि कौंसिल उनको जो deficit होता है उसे भर देने की कृपा करे। ग्रैन्ट और फीस के अदालने पर भी प्रायः १५) की घटी होती है।

संकल्पः खजाने में यथेष्ट रुपैया न आने के कारण कौंसिल इस ~~घटी का~~ घाटा को पूरी करने में असमर्थ है जिसके लिये अफसोस है। भला होगा कि इलाका अपने भीतर में चन्दा करके इसको भरने सकती।

२२। स्टैपेन्डयरी स्कूलों का बन्द होना।

रांची जिले के कितने स्टैपेन्डयरी स्कूल बीते साल में बन्द हुए और बन्द कर दिये गये। इसका लेखा। पूछार न तो पास्टर-सुपरवेजरों ने किया न तो सरकारी कर्मचारियों ने कौंसिल को जनाया। बातचीत कर यह ठहराया गया -

संकल्प (क) कि भविष्यत में पाद्री-सुपरवेजर लोग अपने अंचलस्थ मिडिल स्कूलों का देखभाल और मोलाहजा करना न छोड़ें जिसके लिये वे जवाबदेही हो हैं

(ख) कि हेड-सुपरवेजर यह तदारुक करें कि कहां कहां के स्कूल उठ गये हैं और क्यों उनका बन्द करना आवश्यक हुआ। इसका रिपोर्ट वे वर्ष कौंसिल को देवें।

२३। इलियास तोपनो की नौकरी।

सेक्रेटरी ने हाई स्कूल के मास्टर इलियास तोपनो की नौकरी के सम्बन्ध में बात पेश किई कि डिस्सिप्लेन के संग में उनका क्या विवाद था और किस प्रकार उस विवाद का अन्त किया गया जिसके फलस्वरूप यह आवश्यक समझा गया कि मास्टर इलियास तोपनो की नौकरी रखी जाय। जो सुलहनामा दिया गया उसका एक शर्त यही हुआ कि उसकी नौकरी रहेगी। यह सब कुछ हमारे स्कूलों की इज्जत और समुदाय की रक्षा के लिये आवश्यक हुआ। बातचीत में अन्त में यही कहा गया कि आज केवल दो जन कार्यकारक अंग उपस्थित हैं सो यह विषय इसी बैठकी के लिये रखी जावे और पूरा बर्ष कौंसिल में लाया जावे।

अन्त में प्रार्थना हुई और सभा का काम समाज के लिये अन्त कर दिया गया।

J. Toppno
20. 9. 33.

Secy.
20. 9. 33.

पूर्वी चर्च कौंसिल की बैठकों

का कार्यविवरण ।

ता: २० सेप्टेम्बर बुधवार से २८ सेप्टेम्बर तक ।

१९३३ ई०

आज के दिन से पूर्वी चर्च कौंसिल की बैठकों का आरम्भ हुआ और निम्नलिखे सभा-सदगण उपस्थित आये :—

१। पादरी योहन तोयोनो ... ... प्रेसिडेन्ट ।
२। " एम० ब्रेहन ... ... रजांची ।
३। " योएल लकड़ा ।
४। " आ० जोन ।
५। " एम केरकिास
६। " दाउद कुजुर ।
७। मि० निर्मल सोय ।
८। " पिटर हुरुड ... ... सेक्रेटरी ।

पादरी जलो तथा और मि० सामुएल मूर्मू ने आज न आ सकने के लिये क्षमापत्र भेजा जो पढ़ कर सुनाया गया और ग्रहण हुआ।

आरम्भ में प्रेसिडेन्ट ने आप ही प्रार्थना किई और यों सभा का काम खोला गया। और नीचे लिखे काम आज सम्पादन हुए :—

१। कार्यकारक सभा के मन्तव्य दृढ़ाना।

बीती पूर्वी कौंसिल के पीछे से कार्यकारक सभा की बैठकियों का मन्तव्य जो रची गई से ईसी सेप्टेम्बर तक ठहराये तो पढ़े और दृढ़ाये गये। पादरी योएल लकड़ा ने अन्तिम दिन में "क्लीयर कमिटी" के सम्बन्ध में यह उजुर पेश किया कि यह प्रश्न उनकी अनुपस्थिति में हुआ। आप को बताया गया कि जो सभा में हुई सो बात ठीक रीति से लिखी गई है। परन्तु यदि पूर्वी कौंसिल चाहे तो यह विषय फिर से विचार किया जा सकता है।

२। पदाभिषेक, बदली, नियुक्ति इत्यादि।

एजेन्डा के वे विषय जो पदाभिषेक, बदली और खाली स्थानों में पादरियों की नियुक्ति के लिये नं:१- ४ में रखे गये हैं उनको विषय ठहराया गया कि कुछ कारणों से वे दूसरे दिन लिये जावें।

३। मराङलियों में जातीय छूतछात।

सेक्रेटरी ने कौंसिल को बताया कि आप ने बिशप कोनेली के साथ में छूतछात या छिलन सम्बन्धी व्यवहारों के विषय में बातचीत किई जो कि दोनों मराङलियों के लोगों में पाये जाते हैं। बिशप साहिब ने छिलन का जो परिभाषा बनाया था वह सभा को पढ़ कर सुना दिया गया। छूतछात अथवा छिलन करनेहारों के लिये आंगलिकन मराङली की दराङ व्यवस्था में बहिष्कार कार्य व्यवहार किया जाता है। सो छिलन के द्वारा क्रीष्टियानी मराङली में बहुतों के प्रवेश करने का मारी रोकछेक होता है इस पर बातचीत हुई। यह भी पाया गया कि अब तक हमारी कौंसिल अथवा महासभा ने इस विषय पर गम्भीर रूप से सोच नहीं किया है। सो निदान यह स्थिर हुआ —

संकल्प : कि छूतछात और छिलन के सम्बन्ध में गम्भीर रूप से विचार करने को यह ठहराया जाए कि यह विषय पहिले मिनिस्टिरियम में वादानुवाद के लिये रखा जाए और तब महासभा में डाला जाए जिस्तें आवश्यक हो तो इस अनुचित दोष को रोकने के लिये कानून के रूप में दराङ देने का विचार ग्रहण किया जाए ।

४। गुरुकुल सेमिनरी में गोस्सनर मराडली को सहायता-दान ॥

सेक्रेटरी ने फेडरेशन के प्रेसिडेन्ट की चिट्ठी पढ़, सुनाई। जिसमें ओहाइयो मिशन के प्रेसिडेन्ट ओवरड्फर साहिब ने मिशनरियों का यह संकल्प भेजा कि उक्त मिशन के मिशनरी लोग ३ बरसों तक २००) प्रतिवरस गुरुकुल सेमिनरी में एक गोस्सनर कलीसा के ग्रेजुएट को देंगे यदि ऐसा विद्यार्थी १६३४ जुलाई में भेजा जाए। [Resolved that we contribute Rs 200/ a year for three years as a scholarship in support of a student of theology at 'Gurukul' in Madras and that this amount be paid to the Gurukul bursar after he informs us that a man from the Gossner Mission has been sent." कौंसिल इस संकल्प को बड़े आनन्द से सुना और धन्यवाद का संकल्प भेजने और विद्यार्थी खोजने की इच्छा प्रगट किई।

Resolution: Resolved (see overleaf pasted here)

५। बुड़ुकू इलाके के लिये मिशनरी।

बुड़ुकू इलाके ने प्रेसिडेन्ट के नाम पर एक चिट्ठी भेजी जिसमें प्रथम विषय था कि इलाके के लिये एक जर्मन मिशनरी भेजा जाए। दरखास्त में लिखा है—"इलाका तो इस मूल में नहीं है कि उसके यहां रहने से हमारी दुःख दूर हो जायगी पर यह कि एक मिशनरी के यहां रहने से इलाके के सुधार और ओटोनोमी में बढ़ने के लिये एक आशीष का कारण होगा।" मिशनरियों के जाने के सम्बन्ध में और पुरानी मराडलियों में उनके रखे जाने के सम्बन्ध में बहुत बातचीत हुई और निदान यही निपटारा हुआ—

संकल्प: कि कौंसिल का सेक्रेटरी इस विषय पर अर्थात एक मिशनरी के बुड़ुकू इलाके में रहने के विषय पर बातचीत करने ~~और कौंसिल का भाव बताने~~ को बुड़ुकू भेजा जाए और अपनी रिपोर्ट कौंसिल को देवे।

६। रवूटी में पादरीपन बनाना।

बुड़ुकू का दरखास्त जो इस विषय पर था सो पढ़ा गया। पेरिश हेड-क्वार्टर खोलने में खर्च वर्च की बात निश्चय होगी सो कही गई। फिर सरनाटोली को उठा देने में क्या हानि होगी और दो पेरिशों का रखना बन सकेगा कि नहीं इस पर भी बात-चीत हुई और यह स्थिर हुआ—

संकल्प: कि कौंसिल सेक्रेटरी जब ऊपर के विषय में बातचीत करने को जायेंगे उसी समय में इस विषय पर भी इलाके के संग बातचीत कर कौंसिल को रिपोर्ट देवें।

७। कोंकेया का दरखास्त इलाका से बदले जाने को।

बुड़ुकू इलाके ने कोंकेया के कुछ भाइयों का दरखास्त कौंसिल में भेजा। यह दरखास्त ~~गोविन्दपुर~~ इलाके के मारफत बिना बुड़ुकू से सीधा कौंसिल आया। कौंसिल को स्मरण दिलाया गया कि इस विषय पर कुछ बरस हुए कौंसिल ने अपना फैसला ~~और~~ चुका है। सो यदि फिर आवश्यक हो तो तदारुक होके विचार होवे क्योंकि कोई इलाका महासभा की आज्ञा बिना अपना भौगोलिक सीमा नहीं बदल सकता है।

संकल्प: कि यह विषय दरखास्त समेत स्थपालन-प्रचार कमिटी को जो बुड़ुकू-गोविन्दपुर के लिये ठहराये गये हैं तदारुक करने को दिया जाए कि वे दोनों इलाकों के प्रतिनिधियों के सामने कोंकेया में जाके तदारुक कर अपना रिपोर्ट कौंसिल को देवें।

संध्या होने पर आज के लिये सभा उठ गई॥

J. Joseph.
21-9-33

21. 9. 1933.

Resolved that the Council of the Gossner Church wishes to express its hearty thanks to the missionaries of the Ohio Ev: L. mission for their generous gift of Rs 200/= a year for three years for a Gossner graduate student at "Gurukul" — a gift which will help the Church a good deal in the task of creating leadership amongst its pastors, a need so acutely felt more in these days than ever before. The Council can not but appreciate the spirit of love shown by the missionary brethren and looks forward to finding a suitable student worthy of the gift for the service of the Lord.

पूर्वी कौंसिल की बैठकी।

ता: २१ [इक्कीस] १९३३॥ सेप्टेम्बर ॥

आज कौंसिल की इस बैठकी का दूसरा दिन है और आज निम्नलिखे सभासदगण उपस्थित थे:—

१। पादरी योहन तोपनो ... ... प्रेसिडेन्ट।
२। ॥ एम० ब्रेहन ... ... खजांची।
३। ॥ योसुल लकड़ा ... ...
४। ॥ ऋ० जोन
५। ॥ एम केरकिस
६। ॥ दाऊद कुजुर
७। मि० निर्मल सोय
८। ॥ सामूएल पूर्ती [पहिली वेला १०-११ तक छुट्टी लिये थे।]
९। ॥ पिटर हुस्स ... ... सेक्रेटरी ॥

पादरी इस्हाक एक्का विजिटर स्वरूप पदाभिषेक सम्बन्धी बातों में सम्मिलित किये गये। पहिले प्रार्थना हुई और सभा का काम खोला गया। नीचे लिखे काम समादत हुए:—

१। अगले दिन का मिनिट।

अगले दिन का मन्तव्य पढ़ा गया। ~~मिसनरियों के आने के सम्बन्ध में एक वाक्य पर ध्यान दिया गया और उसको ठीक बैठने देने का उपाय ठहरा। हुआ और यों~~ और मन्तव्य दृढ़ाया गया।

२। कांडिदातों का पदाभिषेक।

कांडिदातों को पदाभिषेक सम्बन्धी राय जो मण्डलियों के पादरियों से और इलाकों से आई थी सो कौंसिल के साम्हने प्रेसिडेन्ट से पढ़े गये और उन पर बातचीत हुई और यह निपटारा हुआ—

४ॐ संकल्प: (क) कि कांडिदात इम्मानूएल लकड़ा, मनोसद्रु हेमब्रोम, और योहन तिर्की इनका पदाभिषेक कार्य्य अक्टोबर १५ में समपन्न किया जाए।

३ॐ (ख) कि कांडिदात सुलेमान बागे का पदाभिषेक रांची के गिर्जे में नहीं परन्तु विहात अर्थात ओर-स्टेशन के गिर्जे में होने जहां वह काम करेगा।

३ॐ (ग) कि कांडिदात दाऊद सोरेंग का पदाभिषेक कार्य्य वर्त्तमान में मुलतवी रखा जाए॥

१०। बोआस मुन्डू कान्डिदात होवे।

बाबू बोआस मुन्डू इस साल के प्रायः आरम्भ से रांची में काम कर रहे हैं। उसके काम और व्यवहार को देखने से यह ~~उचित समझा~~ सिफारिश किई गई कि जब चर्च कौंसिल ने उसके अपराधों और दोषों को उसके मान लेने पर दामा किई है तो उसके कामों पर और परिश्रम पर विचार करके फिर से कांडिदात पद में उसको ठहरा करे। इस विषय पर कुछ समय लों बातचीत हुई और उचित जानके ऐसा संकल्प किया गया—

संकल्प: कि बाबू बोआस मुन्डू के परिश्रमों पर प्रसन्न होके कौंसिल उसे फिर से कांडिदात पद पर ठहरा देती है और यह आदेश देती है कि वह आगे भी रांची इलाके के सम्बन्ध में काम करता जाए।

११। पादरी पौलुस तिर्की का मृत्यु समाचार।

दूसरी वेला में जब कौंसिल बैठी तब कुछ देर के पीछे प्रेसिडेन्ट के नाम पर तार आई कि चैबस्सा के पादरी पौलुस तिर्की लोकान्तर हुए और गाड़ने के लिये आइये। इस शोकसमाचार पर कौंसिल ने तुरन्त ~~भेजने~~ पादरी दाऊद कुजुर को भेजने की चिन्ता किई और इसी अभिप्राय का जवाबी तार भेजी। पादरी पेहन साहिब

सारी सभा जो उपस्थित थी प्रेसिडेन्ट के अनुरोध पर उठ खड़ी हुई और स्वर्गीय पादरी पौलुस तिर्की की मृत्यु पर शोक प्रकाश करते हुए ईश्वर का धन्यवाद भी

किया कि उसने अपने इस नाम और दीन दास के द्वारा इतने बरसों लों इस मराडली की सेवा होने दिई और उसके पीछे मराडली में सुन्दर नमूना रहने दिया कि लोग ~~उसी~~ ~~के पद चलें~~ उसको स्मरण में रखते हुए उसी की लीक पर चलें। और यह कि परमेश्वर दयालु पिता मृत पादुी की पत्नी और बालकों को शांति देवे।

प्रार्थना के पीछे "यीरुशलीम इष्ट मेरे घर" गाया गया और मृत पादुी के घराने के लिये कौंसल की ओर से समवेदना होने की चिट्ठी लिखी गई जो पादुी दाऊद कुजुर के द्वारा भेजी गई॥

६ रांची क्वायर कमिटी।

कार्य्यकारक कमिटी का मन्तव्य जब पहिले दिन पढ़ा गया उसी समय क्वायर कमिटी के सम्बन्ध में पादुी योएल लकड़ा ने कहा कि यह विषय उनकी अनुपस्थिति में हुआ सो इस प्रश्न पर फिर सोच करना चाहिये। उसी अनुरोध पर यह प्रश्न आज डाला गया कि फिर से वह विचार किया जाए। कौंसिल को बताया गया कि रांची मराडली पंच में इस विषय पर पंचायत हुई सो उनका संकल्प आनेवाला है। परन्तु कौंसिल ने उचित समझा कि जिस्तें पिछली घड़ी में यह विषय हड़बड़ी से न छोड़ा जाए सो अभी ही मराडली पंच का विचार वहां के उपस्थित अंगों से सुना जाए और कौंसिल अपनी राय प्रगट करे। मराडली पंच का विचार जो सुनाया गया सो ऐसा था अर्थात इतना कि कौंसिल को क्वायर सम्बन्धी ~~इस~~ कार्रवाई अनियमित थी और इस कि चर्च कौंसिल अपने दिये हुए हुक्म को उठा देवे और वह अधिकार मराडली पंच को फिरा देवे।

चर्च कौंसिल ने बहुत देर लों इस समस्या पर बात करते हुए "अनियमित" रीति (procedure) पर तथा अपने हस्तक्षेप करने के हक पर गम्भीरता से विचार किई। सेक्रेटरी ने बताया कि मराडली पंच से उसका कोई क्वायर नहीं छूटा गया परन्तु हाई स्कूल क्वायर का ~~कि~~ गिर्जे में गाने का काम चर्च कौंसिल से बन्द किया गया। जानना चाहिये कि हाई स्कूल न स्थानीय मराडली पंच के, न पेरिश पंच के न इलाके पंच के अधीन है परन्तु सीधा कौंसिल के अधीन है इसलिये कौंसिल ने उचित समझके यह ठहराया कि हाई स्कूल क्वायर का ~~कि~~ गिर्जे में गाना वर्त्तमान में बन्द किया जाए। मराडली-पंच को कोई क्वायर नहीं है सो यदि स्थानीय मराडली का कोई क्वायर रहती और कौंसिल उसका गाना एक दम बन्द करती तो यह एक "अनियमित" समझा जाता। मराडली पंच को ऐसी घटी को जानके कौंसिल ने अपनी एक ऐसी कमिटी ठहराई जो गान के विषय पर ध्यान देके उचित कार्य्य करे। सो उक्त कमिटी ने एक क्वायर को जो "मिश्रित क्वायर" है अनुमति दिई कि वर्त्तमान में गिर्जे में गावे और हाई स्कूल को क्वायर को हुक्म जनाया कि अपने क्वायर का गाना गिर्जे में बन्द करे। कौंसिल ने इस प्रकार से मराडली पंच की सहायता किई है कि जब तक मराडली को योग्य पेरिश क्वायर न बने अथवा जब तक हाई स्कूल को क्वायर में योग्यता सहित गाना न सीखे तब तक "मिश्रित क्वायर" गिर्जे में गावे। यदि स्थानीय मराडली अपना एक ऐसा परमानेन्ट पेरिश क्वायर जो क्वायर को योग्यता रखती हो तैयार करे तो कौंसिल अपनी कमिटी के द्वारा उक्त पेरिश क्वायर को निश्चय गाने की अनुमति देगी और स्थानीय मराडली पंच के अधिकार पर हस्तक्षेप नहीं करेगी।

संकल्प: कि कौंसिल को कार्य्यकारक सभा की कार्रवाई जो रांची गिर्जे में गाने के सम्बन्ध में किई गई है सो यथार्थ ही है और वह दृढ़ाई जाती है और यह आदेश दिया जाता है कि उक्त कमिटी क्वायरों के गाने सम्बन्धी बातों पर ध्यान देके आगे भी काम करती जाए॥

[नोट— जब इस विषय पर वोट लिया गया तब कार्य्यकारक सभा की कार्रवाई ठीक है कहके ७ वोट और इसके विपरीत पादुी योएल लकड़ा का १ वोट मिला।]

J. Jaipaul.
22-9-33

22.9.33.

पूर्वी चर्च कौंसिल की बैठकी
ता: २२ सेप्टेम्बर १९३३।

आज पूर्वी चर्च कौंसिल की बैठकी का तीसरा दिन है और निम्न लिखे सभासदगण उपस्थित आये :—

१। पादरी योहन तोपनो ... ...प्रेसिडेन्ट।
२। " एम० प्रेहन ... ... खजांची।
३। " मोरल लकड़ा [पहिली बेला।]
४। " क० जोन।
५। " एम० कोरिअस।
६। " जिलो तीग्गा [दूसरी बेला आये]
७। मि० निर्मल सोय।
८। " पिटर हुरल ... ... सेक्रेटरी।

मि० सामूएल पुर्ती आज के दिन हाजिर नहीं आये॥

आरम्भ में प्रार्थना हुई और सभा के काम को शुरु हुई अर्थात नीचे लिखे विषयों पर जैसला किये गये :—

१३। खाली पेरिशों पर विचार।

कामपत्र अनुसार सिकुवार, चक्रधरपुर, सरनाटोली, उम्बुलबाहा, दियाकेल और बेवस्सा खाली पेरिशों में कार्यकारियों को भेजकर भरने के सम्बन्ध में बातचीत हुई अर्थात इन पेरिशों में से किन किन स्थानों में शीघ्र पादुरी भेजने की अति आवश्यकता समझी जाती है।

(क) सिकुवार के सम्बन्ध में जानने को कहा गया कि लोहरदगा के पादुरी उर्बानुस कुजुर को बुलाना चाहिये और उनसे इलाके का हाल और इसी पेरिश की चरवाही का हाल पूछा जाए। प्रेसिडेन्ट को कहा गया कि पादुरी उर्बानुस कुजुर को बुलावे।

(ख) चक्रधरपुर पेरिश में स्थानीय लोगों को चलाने की कोठमाई बताई गई और कहा गया कि पादुरी न होने से वहां का काम चलाना निहायत बुरी दशा को पहुंच जायगी।

(ग) सरनाटोली में जोभी पादुरी ठहराया गया है परन्तु उसके वहां न रहने के कारण से वहां का गिर्जा और पादुरी घर बिगड़ता जा रहा है तथा मराडीओं का उचित देखभाल भी नहीं हो रहा है। सो इसके सम्बन्ध में इलाके के द्वारा पादुरी सुलेमान सांगा का कैफियत लिया जाए।

(घ) उम्बुलबाहा — वहां एक पादुरी को भेजने की आवश्यकता समझी गई।

(ङ) दियाकेल — यह एक ऐसा स्थान है जहां खीष्टीयानों का भारी जमात है और नाना विचारों से उसकी विशेषता मालूम होती है सो वहां भी पादुरी रखने की अथवा एक कोडिवात रखने की आवश्यकता समझी जाती है। वहां कार्यकारी के रहने का घर नहीं है। सो जिस्तें वहां के भाइयों को एक में संगठन करने का काम किया जाय और उनकी एकता को शक्ति बनाई जाए उचित है कि एक डिपुटेशन भेजा जाए। स्थिर हुआ कि प्रेसिडेन्ट, पादुरी एम० प्रेहन, पादुरी एम० कोरिअस और मि० निर्मल सोय वहां जाके उचित काम करें।

(च) पादुरी पौलुस तिर्की की मृत्यु पर अब बेवस्सा भी खाली हो गया है सो वहां भी जरुर ही किसी को भेजना ही पड़ेगा ऐसा समझा गया।

१४। भूतपूर्व पादुरी बरनाबास हेमब्रोम।

सेक्रेटरी ने कौंसिल को बताया कि बाबू बरनाबास हेमब्रोम ने इलाका चेयरमैन पादुरी जिलो तीग्गा के मारफत ६ वी जुलाई को एक दरखास्त भेजी जिसमें कौंसिल के संकल्प अनुसार काम पाने के लिये हुक्म की नकल पाने की अर्जी लिई। सेक्रेटरी ने चेयरमैन से जांच करने का अनुरोध किया कि बाबू बरनाबास बीते ६ महिनों में

किस प्रकार चातचला, कितनी बार गिर्जा गया अथवा कैसा प्रभुभोज रखाया और इलाके में उसकी सुख्याति कैसी है इत्यादि। इस पर इलाके सेक्रेटरी और चेयरमैन की सही पर जो जवाब आया सो [illegible] था कि बरनाबास बाबू बीते छः महीनों में कहीं प्रभुभोज नहीं रखाया है और खास पुरुचाक-पन में ३ बरसों से गिर्जा नहीं गया है। इलाके के भीतर तो १९३३ में गोविन्दपुर में ४ बार और ईचा: में २ बार गिर्जा गया और इलाके के भीतर उनकी सुख्याति नहीं है।

इसको सुनकर यह विचार हुआ—

संकल्प: कि इलाके का यही समाचार बाबू बरनाबास हेमब्रम को दिया जाय और पूछा जाय कि यह सत्य है अथवा नहीं और यदि ऐसी बात सत्य है तो ऐसे जन को जो अपने ही लिये आत्मिक चिन्ता नहीं करता कौंसिल किस प्रकार पादरी का काम नहीं सौंप सकती है।

१५। गंगा तराई के खीष्टीयान।

गंगा तराई के मुज़फ्फरपुर के खीष्टियानों का एक दरखास्त पढ़ा गया। जिसमें उन्होंने लिखवाया था कि छोटानागपुर की मण्डली उनके लिये चिन्ता करे अर्थात किसी एक पास्टर को वहां उनके पास भेजे जो वहां रहे और मण्डली का काम और वैसेही ज़ायदाद का काम भी देखे और यों मण्डली को स्थिर करे। ऐसा होने से लोग जो दूसरे मिशनों में चले गये हैं वे भी अपना माता मण्डली में लौटेंगे। वहां का काम बर्लिन बोर्ड को देने की राय पर वादानुवाद हुआ और फिर उसे छोटानागपुर की कलीसा में मिलाके काम चलाने का विचार भी सोचा गया। हाथ साथ रुपैया पैसा से कहां तक सम्भाला जा सकेगा और वहां की सम्मति की आय से काम सम्भाला जा सकेगा कि नहीं इस प्रश्न पर स्पष्टरूप से बातचीत हुई

संकल्प: कि दरखास्तवालों को समाचार दिया जाय कि वे पहिले तो अपनों को एक समाज में संगठन करें और तब हमको इसका समाचार देवें जिसे कौंसिल उनकी योग्यता को देखके उसे [illegible] कार्यवाह करे। हम उनसे उचितरूप से लिखापढ़ी करें फिर आगे यह भी कि वे खीष्टियान अपने पास्टर को सम्भालने के लिये कहां तक नियमित चन्दा एकट्ठा कर सकते हैं क्योंकि यहां छोटानागपुर की मण्डली तो आत्म-पालित मण्डली [illegible] है।

१६। [illegible] तेरे आत्मा के संग।

कुरुख इलाके ने पूछा कि ऐसा होता है कि तुमारे गिर्जा की आराधना में प्रचारक "प्रभु तुम्हारे संग होवे" यह [illegible] बोलके "और तेरे आत्मा के संग" इसका आपही मण्डली के संग गाते हैं क्योंकि मण्डली अकेले उसे गाने नहीं चाहती अर्थात उसका अभ्यास नहीं है। बातचीत होने पर तय हुआ—

संकल्प: यदि गिर्जे में लोग "और तेरे आत्मा के संग" गाने नहीं जानते हैं तो वे सिर्फ उसे बोलके चुप रहें। आराधना विधि से उसे निकालना नहीं बन सकता और दूसरे का ग्रहण करना [illegible] है॥ पादरी लोग इसको गाने को सिखलावें क्योंकि यह परस्पर नमस्कार है जो सेवक और मण्डली के बीच में है।

१७। कुलादुबा का घंटा।

खोंडरा से चिट्ठी आई जिसमें सुनाया गया कि कुलादुबा के भाई लोग जो ईस्टर में चले गये उन्होंने अपने साथ उस घंटा को भी लेते गये जो कि तुमारे गिर्जे के लिये दिया हुआ या खरीदा हुआ था।

संकल्प: कि सेक्रेटरी विश्राम साहिब को लिखें कि कुलादुबा के लोग जो एस० पी० जी० गये हैं सो मुथरानों को घंटा लौटा देवें।

१८। ख्रीष्टीयान हंड़िया दूकानदार।

कोंडरा के इलाके चेयरमैन ने समाचार दिया है कि सुरसांग के किसी भाई ने वहां पर हंड़िया की दूकान के लिये लैसेन्स लेके हंड़िया बेच रहा है सो उसके साथ में मण्डली का कैसा व्यवहार होना चाहिये। बहुत सोच विचार करने पर देखा गया कि ख्रीष्टीयानों के बीच में ऐसे काम के लिये अनुमति देना निहायत बुरी होगी अब मंडली मतवालपन को रोकने के लिये विशेष आज्ञा देती है।

संकल्पः कोंडरा इलाके पंच को लिखा जाए कि वह सुरसांग के उस भाई को एक दो महीना का समय ठहराके चितापन देवें कि वह उस समय तक उस दूकान को छोड़ देवे और ऐसे काम से अलग रहे। यदि यह चितापन निष्फल ठहरे तो उसको मण्डली दण्ड दिया जाए॥

१९। किंकेल इलाके का कार्य्यविवरण।

किंकेल इलाके के चेयरमैन पादुी सम० शीवे ने इलाके का कार्य्यविवरण भेज दिया जो पढ़ा गया। इसकी मूल बातों पर ध्यान दिया गया जैसे करमडीह के बांध बांधने के सम्बन्ध में, गिर्जा में हाजिरी पुकार करने के बारे और मण्डली से निकाले हुओं के नाम को फिहरिश्त टांगने के बारे और इलाके भर के प्रचारकों से इलाके खर्चे के लिये २५% लेने के सम्बन्ध में।

विचार हुआ कि करमडीह बांध बांधने की चेष्टा जो इलाके ने किई है सो निश्चय सराहनीय है परन्तु उसके सम्बन्ध में और बातचीत तब होवे जब सम्पत्ति विभाग पर बात करेंगे।

हाजरी पुकार का गिर्जे में होना और मण्डली से निकाले हुओं की लिस्ट गिर्जे में टांगना यदि इलाके के भीतर बन सकता है और उससे लाभ है तो यह रीति चलाई जा सकती है।

इलाके को प्रचारकपनों से २५% शौकड़ा लेना इसमें इलाके का जो जोर है और उसको करना चाहती है सो भी भला है परन्तु ऐसी बातों में जिसके लिये महासभा से आईन ठहराई जा चुकी है उसी आईन के अनुसार हरएक इलाके को भी करना चाहिये। सब प्रचारकपन जानें कि समूची आमदनी मंडली की है और उसे इलाके के सेन्ट्र में लाना चाहिये और वहां से खर्च वर्च का हिसाब होना चाहिये। सो इलाके का ध्यान इस ओर आकर्षित किया जाता है॥

२०। सिंघानी पर प्रेसिडेन्ट की रिपोर्ट।

प्रेसिडेन्ट ने मुंहजबानी रिपोर्ट दिई और अपनी लिखी हुई रिपोर्ट भी पेश किई। मालूम हुआ कि कौंसिल का ग्रैन्ट जो इलाके के माष्टर-प्रचारकों के लिये दिया गया है उसका बांट भली भांति हुआ है ऐसा कि उस सहायता के द्वारा थीरीत लोगों से जो डर था वह मानो एका हुआ सा दिखाई देता है। सो दो जगहों के प्रचारकों को घी करके देने, सिंघानी प्रचारक को ६) एक अन्य प्रचारक को ३॥) और ३।) जो बच जाता है सो भी उचित रूप से खर्च किया जायगा। विचार हुआ यह बांट मंजूर किया जाए और पादुी अन्द्रियस तोपानो ठीक से महीना २ अपनी रिपोर्ट बाध के सम्बन्ध में भेजा करे।

२१। मिजरा पर प्रेसिडेन्ट की रिपोर्ट।

प्रेसिडेन्ट ने मिजरा जाके पुरुलिया इलाके के पादुी और स्थानीय पादुी को साथ में लेके जो वहां के लोगों के साथ में बातचीत हुई उसका वर्णन बताये अर्थात रोमन मण्डली में जाने से रोकने के सम्बन्ध में जो परिश्रम और बातचीत हुई उसका बताया। कारण उन लोगों ने बताया कि उनको आर्थिक कुदशा के कारण उन्होंने रोमन साहिबों से रुपैया ले चुका है और फिर लेनेवाले हैं। इसके कि दूसरा मण्डली में कितने लोग हैं जो साहिबों को आने से रोकते हैं जिनसे रुपैया पैसा पाने और प्रतिपालन पाने का आसरा है तीसरा जिके मानो शीघ्र विये हुए लोग हैं जिनके लिये न लौकिक न आत्मिक बातों की चिन्ता किई जाती है। इन प्रश्नों पर जो

उत्तर दिया गया सो भी प्रेसिडेन्ट ने बताया अर्थात रुपैया बैंक से कर्जा लेने पर उनका क्या जोखिम है और वे कैसे बांधे जा रहे हैं इत्यादि। समूचे वर्णन से मालूम हुआ कि जब वहां के लोग सिर्फ लौकिक बातों के खोजी है और रुपैया पाना और लेना ही उनका मुख्य अभिप्राय है और आत्मिक या धर्म की बातों और लाभ को नहीं बूझते है तो उनको समझाना वेफायदा है सो अन्त में यह विचार हुआ—

संकल्प : कि हम नित्य उन लोगों की आत्मिक जागृति के लिये प्रार्थना करें और उनके और नजदीक की मण्डलियों में आत्मिक बल सहित काम करनेहारे कर्मचारियों को लगावें जिससे समय पर जब वे लोग अपने को देखेंगे कि वे भारी जोखिम में पड़ गये हैं तो लौट ~~आवें~~ आने सकें॥

२२। प्रेसिडेन्ट का सफर प्रोग्राम।

सेक्रेटरी ने बताया कि काम की सुभीते के लिये तथा इलाकों और मण्डलियों के साथ काम का घनिष्ट सम्बन्ध रखने के लिये जरूरत है कि प्रेसिडेन्ट अपना प्रोग्राम एक महिना पहिले कौंसिल को देवें। इस पर बातचीत हुई और स्थिर हुआ कि ऐसा प्रोग्राम दिया जाए और आवश्यकता पर तो रिवेजड प्रोग्राम भी दिया जा सकता है।

२३। इलाकाओं का देखभाल।

सेक्रेटरी ने कहा कि इलाकों के कामों को पूरी रीति से ठीकठीक करने के लिये सुपरविजन बहुत दरकार है और यह काम दो प्रकार से विशेष रूप से किया जा सकता अर्थात उनका काम-पत्र या रोजनामचा देखते रहने से और प्रचारकर्मों और परिश्रा और इलाका हेड-क्वार्टरों में ~~जा~~ जाके मोलाहजा करने से। हरेक पाद्री अपने प्रचारकों का और इलाका चेयरमैन अपने पाद्रियों का और वैसे ही कौंसिल के पदधारी अपनी सफरों में इलाकों के पाद्रियों का काम तो लाहजा करें॥ इसके लिये जिस से कौंसिल जोर से सरकुलर देवें॥

Circular in every Station 25-copies

डायरी या रोजनामचा के सम्बन्ध में बातचीत हुई कि जो कामपत्र अभी है सो उपयुक्त नहीं होने सो नये रूप में रोजनामचा ऐसा बनाया जाए कि कर्मचारियों को उससे विशेष लाभ होवे और सर्वसाधारण भी उसे व्यवहार कर सकें। ऐसे डायरी का मूल्य ॥) तक होवे जिसे सब कोई उसे खरीद सकें। सब अंग सहमत हुए कि ऐसा किया जाए॥ सेक्रेटरी इस डायरी को बनावें॥

J. Joppen.
23rd. 9-33.

23. 9. 33.

पूर्ण कौंसिल की बैठकी ।

ता॰ २३ सेप्टेम्बर [सनिश्चर] १९३३ ई॰

आज चर्च कौंसिल की बैठकी का चौथा दिन था और निम्न लिखे सभासदगण उपस्थित हुए :—

१। पाद्री योहन तोपनो ... ... प्रेसिडेन्ट ।
२। " एस॰ हेम्ब्रम ... ... खजांची ।
३। " ऋ॰ जोन ।
४। " एस॰ कोरिआस ।
५। " जोसी तिग्गा ।
६। मि॰ सामूएल पूर्ती ।
७। " निर्मल सोय ।
८। " थेओदोर मुरमू ।
९। " पिटर हुरदो ... ... सेक्रेटरी ।

आज के दिन पाद्री योसुआ लकड़ा उपस्थित नहीं आये । आज सनिश्चर होने को कारण सिर्फ पहले खेले में बैठकी हुई और नीचे लिखे विषयों पर विचार हुआ :—

२४। मि॰ निर्मल सोय का पदाभिषेक ।

कार्य्यकारक सभा का मन्तव्य जो मि॰ निर्मल सोय को पदाभिषेक करने के सम्बन्ध में फिर से विचार करने को लिखा गया था उस पर ध्यान दिया गया । ~~वृद्धावस्था के कारण~~ और मि॰ सोय की निज राय लेकर यह स्थिर हुआ कि उसको पदाभिषेक ~~नहीं~~ करने की बात छोड़ दिई जाय ।

२५। पाद्री पुनमुसहाय कच्छप ।

पुरुलिया इलाके ने पाद्री पुनमुसहाय कच्छप की दरखास्त जो उसने १५ सेप्टेम्बर को इलाके में भेजी थी कौंसिल के पास भेज दिई और अपनी एक चिठी भी उस दरखास्त के साथ भेजी । ये दोनों कागज पढ़े गये । दरखास्त के सब बातों पर तथा इलाके की चिठी पर भी ध्यान दिया गया और निदान यों फैसला हुआ —

संकल्प : (क) कि जैसा पुरुलिया इलाके को और पाद्री पुनमुसहाय कच्छप को जनाया जा चुका है कि पाद्री पुनमुसहाय कच्छप को स्केल अनुसार तलब देना खजाने की दशा को अनुसार थी सो जैसा और पाद्रियों को वैसा और उससे भी अधिक पाद्री पुनमुसहाय कच्छप के लिये कौंसिल ने किया है । सो १९३१ जून से मई १९३२ तक जो उसको दिया जा सका सो दिया गया । सो जैसा और और पाद्री लोग दावी नहीं करते वैसे ही पुनमुसहाय कच्छप पाद्री दावी कर कौंसिल से नहीं मांग सकता है क्योंकि अभी हमारी मण्डली को ऐसी ही प्रथा है ।

(ख) १९३२ के जून से लेके वर्त्तमान समय तक जैसे सब इलाकों में दस्तूर है वैसेही कौंसिल की आज्ञा अनुसार पुरुलिया इलाका भी अपने दोनों पाद्रियों को समभाग में वेतन बांटे सो जितना अन्य पाद्री अर्थात् इलाक चेयरमैन को उतना ही पाद्री पुनमुसहाय कच्छप को दिया जाय । इसमें यदि इलाके को पाद्री पुनमुसहाय को कुछ देना है तो दे देवे ।

(ग) कि पाद्री पुनमुसहाय कच्छप के निजरा में रहने के कि तक माड़ा देने को कौंसिल तैयार है परन्तु जिस दिन से उसने निजरा छोड़ा उस समय के पीछे के माड़े के लिये कौंसिल उत्तरदायी है नहीं है क्योंकि कौंसिल को बिन जनाये और उसकी बिन आज्ञा पाये उसने अपना हेड क्वार्टर छोड़ दिया । माड़ा में जो उसका बकाया है सो उसको दिया जायगा । सो वह अपने माड़े का बिल पेश करे ॥

(घ) कि पादुे प्रभुसहाय कच्छप अपनी सादी लैसेन्स मांगता है इसके सम्बन्ध में उसको स्पष्ट बताया जाए कि यह उसको कौंसिल के द्वारा दिलवाया गया कि वह भूथरान मण्डली में सादी देने का काम करे। परन्तु जिस दिन वह अपना काम छोड़ देगा उसी दिन उसकी लैसेन्स सरकार को फिराई जायगी और उसे रद्द कर देने का अनुरोध किया जायगा।

(ङ) पादुे प्रभुसहाय कच्छप को वर्षान्त तक भेजी गई है सो ultimatum मानी जावे कि वह अक्टोबर से काम छोड़ देवे॥

२६। पादुे रविशंकर का। चिट्ठी।

आसाम के पादुे रविशंकर ने एक छोटी चिट्ठी भेजी जिसमें नये आमरिक किये जानेवालों के प्रति अपना हर्ष प्रगट किया—

रविशंकर साहिब की यह चिट्ठी पढ़ी और नोट किई गई॥

२७। सेमिनेरी विद्यार्थियों के सम्बन्ध में।

कार्यकारक सभा के मन्तव्य पढ़े, जाने के समय सेमिनेरी विद्यार्थियों के बारे जो संकल्प था उस पर ध्यान दिया गया विशेषतः विवाहित विद्यार्थियों के लिये। वादानुवाद हुए और ऐसे विवाहित विद्यार्थियों को निज भविष्यत कठिनाई पर जो आ सकती है विचार हुए और निदान यहां स्थिर हुए:—

संकल्प: (क) कि सेमिनेरी के लिये साधारणतः विवाहित विद्यार्थी न लिये जांए।

(ख) कि सेमिनेरी विद्यार्थी का कोई यदि भागनेवाले वस्त्रों में सीखने के समय में अथवा उसने पीछे जो विवेकीय कारणों से सेमिनेरी छोड़ना चाहे तो वह छोड़ सकता है जिसके लिये उसे सेमिनेरी को कुछ भर देना नहीं पड़ेगा।

इतना हो जाने पर सेमिनेरी विषयक वादानुवाद आज बन्द हुआ और यह बात हुई कि इसके सम्बन्ध फिर से दूसरे दिन बातचीत होवे॥

२५ सेप्तेम्बर सोमवार १९३२।

आज फिर पूरी कौंसिल अपनी बैठकों के पांचवे दिन में बैठी और निम्न लिखे सभासदगण हाजिर आये अर्थात:—

१।	पादुे	योहन तोपोनो	प्रेसिडेन्ट।
२।	॥	एम० प्रेहन	रजांची।
३।	॥	आ० जोन।	
४।	॥	एम० केरिशस।	
५।	॥	योसफ लकड़ा।	
६।	॥	दाऊद कुजुर [दूसरी बेला]	
७।	॥	जिलो तीगा।	
८।	मि०	धनमसीह पन्ना।	
९।	॥	निर्मल सोय।	
१०।	॥	थेओदोर तुरिन [पहिली बेला]	
११।	॥	सामुएल पुर्ती [पिहिली बेला]	
१२।	॥	पिटर बुरव	सेक्रेटरी।

आरम्भ में प्रार्थना हुई और तब निम्न लिखे विषयों पर बातविचार हुए:—

२८। सेमिनरी के विषय।

कहा गया कि सेमिनेरी में जब विद्यार्थी पढ़ते हैं तब ऐसा भी विचार हो सकता है कि इसको छोड़के दूसरे प्रकार के पेशाओं का ध्यान करें। इस प्रकार के होने से चर्च कौंसिल व्यर्थ में पैसा खर्च करेगी। ऐसा करना भला नहीं होगा

इसलिये आवश्यक है कि किसी प्रकार का एग्रीमेन्ट लिया जाए जिससे विद्यार्थी लोग जाने कि उनका भी क्या कर्त्तव्य है यदि वे चंचल होकर सेमिनरी छोड़ें। सो वादानुवाद में यह बातचीत हुई कि प्रोसपेक्टस में नियम और शर्त दिये जावें और जो विद्यार्थी उनको ठहरा कर सेमिनरी में आने चाहेंगे वे उन नियमों और शर्तों पर अपनी सम्मति दें। कबूलियत या एग्रीमेन्ट के बारे में कहा गया कि इसका कानूनी जोर है और यदि एग्रीमेन्ट होवे तो कानूनी ढंग से होनी चाहिये। वादविवाद बहुत तय हुआ।

संकल्पः(क) कि किसी न किसी प्रकार की एग्रीमेन्ट (कबूलियत) लिई जावे।

(ख) कि सेमिनरी के लिये पूरा प्रोसपेक्टस बनाया जावे। कार्य—कारक सभा इसको करे और तब चर्च कौंसिल में यह विषय आगे वादानुवाद और मंजूरी के लिये रखा जावे॥

२७। मादुर्मशुमारी फोर्म पर

वर्त्तमान मादुर्मशुमारी फोर्म में जितने विषय हैं जिन पर ध्यान देना आवश्यक हुआ। यह भी समझा गया कि सूचना में कुछ अधिक स्पष्ट भाव से लिखना उचित है कि भरनेवाले ठीक से उन्हें भर सकें। मि० सामूएल पुती और पादुरी एम० प्रेबू ने एक तरह इस विषय पर तैयार किया जो पढ़ा गया और तब उस पर बातचीत और वादानुवाद हुआ और अन्त में यह ठहराया गया—

संकल्पः कि वर्त्तमान मादुर्मशुमारी फोर्म को ठीकरीति से ठीकठाक करने के लिये कौंसिल की एक कमिटी ठहराई जाती है जिसके अंग हैं पादुरी एम० प्रेबू, मि० सामूएल पुती और सिक्रेटरी। यही कमिटी फोर्म का नमूना तैयार कर जहां आवश्यकता हो और स्टेटिस्टिशियन को कैसे इस विषय को अध्ययन करना चाहिये और कौंसिल को संख्याविषयक बातों पर कैसे जानकार रखना चाहिये — इन सब बातों पर ध्यान करे। मि० प्रेबू इसका जानकार रहें।

२८। कौंसिल का काम-पत्र (एजेन्डा)

कौंसिल के काम पत्र के सम्बन्ध में बात हुई कि एजेन्डा के विषय यदि कुछ आगे से अंगों को मालूम होवें तो वे इनके सम्बन्ध में सोच करके आ सकते हैं। इस विषय पर तर्क वितर्क होकर यह फैसला हुआ—

संकल्पः कि भविष्यत में पुरती कौंसिल का एजेन्डा बनाने के लिये विभाग के प्रधान लोग और अन्य अंग भी अपने अपने विषयों को सेक्रेटरी के पास सभा बैठने के एक दिन आगे भेजें और सेक्रेटरी सभा बैठने के ८ दिन आगे मेम्बरों को पास कौंसिल का एजेन्डा पहुंच जाने के समान मेम्बरों के पास में भेजें। एजेन्डा में विषय की सूचना दिई जाए॥

२९ सामटोली रोमन स्कूल।

रूपोटोली के पादुरी ने कौंसिल को चिट्ठी पा करके सामटोली के रोमन निशान हाई स्कूल में जानेहारे नूअरान विद्यार्थियों के सम्बन्ध में अपनी रिपोर्ट भेजी जो पढ़ी गई। देखा गया वहां छोटे लड़के हैं जो उस स्कूल में जाते हैं और यह बहुत आवश्यक बूझ पड़ा कि इनकी धर्मशिक्षा के लिये उचित प्रबन्ध होवे सो बहुत सोच विचार करने पर यह स्थिर हुआ—

संकल्पः (क) कि यह जानकर कि रूपोटोली इलाका में छोटे विद्यार्थियों के लिये जो भिन्न २ इलाकों से आये हैं विशेष चिन्ता नहीं कर सकेगी कौंसिल इस काम को विशेष काम जानके इलाके को पूरा मदद दिया चाहती है और इन विद्यार्थियों की धर्मविषयक शिक्षा के लिये एक कैटिकाल को वहां भेजती है।

(ख) जो कैटिकाल भेजा जायगा उसका विशेष काम होगा कि सामटोली में जानेहारे विद्यार्थियों को एक स्थान में एकट्ठा कर धर्म की शिक्षा दिया करे और बन पड़े तो सांझ-विहान उनके लिये गिर्जा अथवा विनती प्रार्थना किया करे।

(ग) कि जो कन्डिडात वहां खूटीटोली हाई स्कूल विद्यार्थियों के लिये भेजा जायगा सो फुरसत समयों में इलाके की सहायता करे।

(घ) कि चर्च कौंसिल उक्त कंडिडात को सामटोली स्कूल सम्बन्धी इस विषय को समझने के लिये विशेष काम पर ध्यान देके अपने खर्चे से वर्त्तमान में १५ महीना तक दिया करे जब तक दूसरा प्रबन्ध न होवे।

३०। नियुक्ति और बदलियां।

कौंसिल ने इस मन्तव्य को आगे लिखे अनुसार खाली परिशों की आवश्यकता पर ध्यान देके बदलियों और नियुक्तियों पर यों कैसला किया :—

संकल्पः (क) कि कंडिडात वोअस मुन्डू जनवरी के आरम्भ से लेकर सामटोली रोमन निशान हाई स्कूल के विद्यार्थियों को धर्म शिक्षा देने के लिये ठहराया जाए। वह वर्त्तमान में खूटीटोली में जाके अपना डेरा एवं जब तक कि सिमडेगा में उसके और विद्यार्थियों के लिये रहने का घर इत्यादि का पूरा प्रबन्ध न हो सके।

(ख) कि सिमडेगा में सब प्रबन्ध हो जाने पर कंडिडात वोअस मुन्डू स्कूल विद्यार्थियों को छोड़ सिमडेगा मराडलो के विशेष चार्ज में रहके इलाके की सहायता करे।

(ग) कि कंडिडात मरकस संगा जो वर्त्तमान इलाके के तुरुंग मराडलो में है सो तमाड़ इलाके के उम्बुलकाहा परिश के चार्ज में तमाड़ पाड़ु के सुपरविजन में होके काम करने को बदला जाए॥

(घ) कि बदली सम्बन्धी और बातें जो कौंसिल में बातचीत हुई हो उन पर पूरी रीति से कर्रवाई करने को कार्य्यकारक सभा को अधिकार दिया जाता है।

शिक्षा-विभाग के विषय।

१। एस० ई० स्कूलों का मासिक खर्च की रिपोर्ट।

सुपरवेजर ने छः मिड्ल स्कूलों को जो आमदनी मिली, कितना स्कूलों पर खर्च हुआ और कितना घाटा जनवरी से जून तक हुआ इसका ब्योरा का नकशा पेश किया जो पढ़ा गया। यह भी देखा गया कि इन स्कूलों को कितना सैकड़ा खर्च के लिये मिल सका। बीते छः महीनों का हिसाब सिर्फ देखने से कहा जा सकता है कि अगले साल की अपेक्षा थोड़े बढ़ती हुई है जो भी किकेल की दशा बहुत ही गिरती और सोचनीय है। वैसे ही प्रमरी स्कूलों का नकशा भी देखा गया।

संकल्पः कि हेडसुपरवेजर का नकशा खर्च वर्च का जो मिड्ल स्कूलों के लिये है सो ग्रहण होवे + तथा प्रमरी स्कूलों के लिये है सो ग्रहण होवे॥

२। किंकेल मिड्ल स्कूल।

किंकेल के मिड्ल स्कूल के सम्बन्ध में इलाका चेयरमैन को चिट्ठी

चर्चा पढ़ी गई और उसकी सूचनाओं और उपायों पर तथा स्कूल की असफलता के बताये हुए कारणों पर भी ध्यान दिया गया और एडुकेशन कोड में दिये हुए standard पर भी कौंसिल का ध्यान खींचा गया। बातचीत होकर यह स्थिर हुआ कि —

संकल्प: कि कौंसिल मिडल स्कूल कोड में दिये हुए अनुसार सिर्फ पुरुष शिक्षक ~~रखे जावें~~ और ~~उक्त~~ वेतन कोड के दिये हुए नामवार ~~रखा जाय~~। ~~जिससे कम स्टाफ होने के द्वारा इलाके को सहायता मिले तथा स्कूल की न उठना पड़े॥~~ जो कौंसिल के बन्दोबस्त को मंजूर करें।

२रा सितम्बर [मंगलवार] १९३३ ई०

आज के दिन नीचे लिखे सभासद गण उपस्थित आये अर्थात :—

१। पादरी योहन तोपनो ... ... प्रेसिडेन्ट।
२। " एम० प्रेक ... ... रक्षांचल।
३। " योएल तकड़ी।
४। " अ० जोन।
५। " एम० कोरिशन
६। " धाजुध मुरमु
७। मि० जी० एम० पन्ना।
८। " सामुएल मुर्मू।
९। ~~पादरी सोमरू गण~~ " थेओदोर सुरिन।
१०। पादरी जिलो तीगा।
११। मि० पिटरहेरव ... ... सेक्रेटरी।

मालूम हुआ कि मि० निर्मल सोय बिमार पड़ गये सो वह अनुपस्थित रहा। आरम्भ में प्रार्थना हुई और इसके पीछे नीचे लिखे विषय आज विचारे गये:—

३। गांगपुर स्टेट स्कूलों की दशा।

गांगपुर स्टेट के स्कूलों के विषय में कारिमट्टी के पादरी की चिट्ठी, पादरी एम० शूलेस की चिट्ठी और हेड सुपरवेजर जो कारिमटी ~~और गांगपुर~~ गये थे उनकी रिपोर्ट सोची गई और देखा गया कि उक्त स्टेट के भीतर हमारे अधिकांश स्कूल स्टेट स्कूल हो गये हैं और खास रांजगांगपुर का मिडल वर्नाक्युलर विभाग भी अन्य स्थान में बदला जाकर स्टेट स्कूल हो जायगा और मराडियों का उससे कोई सम्बन्ध नहीं रहेगा। यह एक सोचनीय विषय है। उचित समझा गया कि कुछ काल के पहिले स्टेट का भाव शिक्षा-विभाग के कामों पर कैसा है सो जाना जाय और निदान यह स्थिर हुआ—

संकल्प: कि कौंसिल का एक डिपुटेशन पादरी एम० प्रेक और हेड-सुपरवेजर का गांगपुर स्टेट जावे और वहां के स्टेट अधिकारियों से ~~स्टेट के~~ स्टेट के शिक्षा-विषयक बातों पर स्टेट का भाव क्या है इस पर ~~और~~ और हमारी मराडियों के स्कूलों के लिये स्टेट से क्या सम्बन्ध हो सकता है इन विषयों पर पूरी रीति से बातचीत करें।

४। कारिमट्टी के घरों की मरम्मती।

कारिमटी के पादरी की चिट्ठी से मालूम हुआ कि हाता के घरों की बड़ी दुर्दशा है सो विचार हुआ कि जो कमीशन या डिपुटेशन गांगपुर राज्य के स्कूलों की दशा पर बात करने जाती है वह कारिमट्टी के घरों की भी देखभाल का रिपोर्ट करे।

५ॅ। लोहरदगा इलाके की दशा।

लोहरदगा इलाके की दशा बहुत ही बिगड़ गई है यह बात इलाका-चेयरमैन के समय-समय की चिट्ठियों से मालूम हुआ। सो इलाका चेयरमैन बुलाये गये। पादरी उर्बानुस कुजुर ने वर्णन किया कि क्यों और कैसे इलाके की दशा बिगड़ते बिगड़ते बिगड़ ही गई। उनके बयान से मालूम हुआ कि तीन कारण विशेष के अर्थात (१) कि चर्च कौंसिल ने बराबर लोहरदगा से उत्साहित कार्यकारियों को जो चेयरमैन की सहायता किए बदल दिया अथवा बुद्धि दिई। (२) दूसरे कि पादरी और कार्यकारी लोग मराडली पंचैतों के लिये नहीं आये और (३) तीसरे कि मराडली के लोग ढीले हो गये और स्कूल में ~~मराडली~~ अथवा स्कूल के वर्त्तमान कार्यकारी भी इलाके की सहायता उचितरूप से नहीं करते हैं। ~~मेमरा~~ पादरी उर्बानुस कुजुर से अनेक प्रकार की बातों पर भी अनेक प्रश्न पूछे गये और कौंसिल बहुत सी बातों से जानकार हुई। सो इलाके की दशा सुधारने की अवश्य समझा गया कि इलाके के प्रतिपालन करने के सामर्थ पर इलाके के पादरियों में कुछ फेरफार होवे पर चौथा पादरी अभी न लगाया जाए। सो स्थिर हुआ—

संकल्प: (क) कि चैनपुर का पादरी नथानियेल खलखो चट्टी परिश में आवे और पादरी धर्मप्रकाश मिंज चट्टी से चैनपुर ~~भेजा जाए~~ भेजा जाए। यह बदली जनवरी के पहिले हफ्ते से जारी रहे।

६। मत्तियस टोप्पो पादरी

पादरी मत्तियस टोप्पो ने दरखास्त किया था कि उसको कहीं भी पादरी काम करने के लिये स्थान दिया जाए। कौंसिल ने उसके लिये उपयुक्त स्थान पाने का विचार किया और यही ठहराया—

संकल्प: (क) कि पादरी मत्तियस टोप्पो पत्थरबुद्धवा परिश के चार्ज में रहे जो डिवाल इमानुएल लकड़ा के बदले में जो अभी मांडर के चार्ज में रखा जाता है। पादरी मत्तियस टोप्पो अक्टोबर से ले के काम करे।

(ख) कि मत्तियस टोप्पो पादरी के रहने के घर के सम्बन्ध में कार्यकारी समा विचार करे कि उसको किस घर में रहना ठीक होगा कि वह सुभीते के साथ में परिश का काम चला सके।

७ॅ छोटानागपुर क्रि० को० बैंक की कार्रवाई।

छोटानागपुर क्रि० को० बैंकिंग एसोसियेशन के चेयरमैन पादरी मोएल लकड़ा की चिट्ठी से मालूम हुआ कि हमारे लूथरान मराडली के लोग उक्त बैंक का अपना कर्जा भर देने को रोमी आदरी से कर्जा लेकर रोमन मिशन में चले गये और चले जाने पर हैं सो कौंसिल इसके विषय में चिन्ता करें। बातचीत होकर यही पाया गया कि कौंसिल इस विषय पर इतना अधिक तो नहीं कर सकती पर बैंक को साधारण परामर्श दे सकती है अर्थात:-

संकल्प: (क) कि इन दिनों में देश-भर में आर्थिक दुर्दशा के कारण लोग अपना देन देने में असमर्थ हैं और कितने अन्य संस्था भी जुलूम करने पर भी अदाय करने के काम में सफलता नहीं पाते हैं। इस हालत में कौंसिल बैंक को सलाह और परामर्श देती है और यह अर्जी करती है कि बैंक अदाय करने में धीरज धरे।

(ख) कि कौंसिल अपने कार्यकारियों को यह हुक्म देवे कि बैंक के कर्जदारों को जो रोमन मराडली की ओर जाते हैं उनको विशेषरूप से समझाने की चिन्ता और यत्न करें।

(ग) कि रांची में रहनेहारे रोमन मिशन के प्रधान को लिखा जाए कि लूथरान मराडली को कौंसिल इस बात को जानने पाई है कि रोमन मिशन कर्जा और सहायता रुपैया दे देने लोगों को अपनी मराडली को ओर खींचती है और ऐसे काम को धर्म की रीति से अनुचित समझती है क्योंकि इससे न केवल अन्य मत के छीछी-यान पर हिन्दू और मुसलमान भी ठोकर खाते हैं और कह सकते हैं कि लोग पैसा दे देकर खीष्टीयान बनाये जाते हैं।

(घ) कि इस विषय पर बिहार-उड़ीसा क्रि० कौंसिल के वर्त्तमान सेक्रेटरी मि० प्रेड्स को एक लेख भेज दिया जाए जिसमें ऐसे प्रकार से एक पन्थ से दूसरे पन्थ में लिया जाना अनुचित दिखाया जाए जिससे उक्त सेक्रेटरी अवश्य हो तो रोमी मराडली के अधिकारियों से उचित लिखा पढ़ी भी करेंगे।

८। चर्च कौंसिल और हाई स्कूल।

~~चर्च~~ हाई स्कूल में चर्च कौंसिल के अधिकार के विषय में बराबर बात होती आई और अगली कौंसिल के विचारों के अनुसार यही ठहराया गया था कि सेक्रेटरी ऐसे नियमों को बनावे जिनसे हाई स्कूल पर कौंसिल का शासन-सम्बन्धी तथा खजाना सम्बन्धी अधिकार कहां तक है सो जाना जाए अर्थात कौंसिल और हाई स्कूल का पूरा सम्बन्ध जाना जाए। जो नियम बनाये गये थे सो मेम्बरों को दिये गये। इस विषय पर वादानुवाद हुए कि क्या कौंसिल नियमों को बना सकती है यदि ऐसे नियम कोड में है ही हैं अथवा कहां तक उन नियमों को जो कोड में हैं परिवर्तित कर सकती है और क्या ऐसे नियमों को बनाने की जरूरत है। फिर यह भी पूछे गये कि क्या ऐसे उदाहरण हैं जिनसे कौंसिल का अधिकार नहीं है ऐसा पूछा जाता है? इन सब प्रश्नों पर तर्क वितर्क हुए और एजुकेशन कोड के दफाओं पर भी ध्यान दिया गया जो इन प्रश्नों के सम्बन्ध पर थे। बहुत तर्क वितर्क के पीछे यह संकेत हुआ कि सेक्रेटरी और खजांची पादरी एम० ब्रह्म डिवीजनल इन्सपेक्टर के पास जांय और उनसे इसी लेख पर बातचीत करें उनकी राय लेवें और यह विषय कौंसिल में लाया जाए।

इतना हो जाने पर यह प्रश्न आज के लिये बन्द हुआ परन्तु दूसरे दिन में फिर से वादानुवाद करने की बात स्थिर हुई।

J. Toppan. 28-9-33. 27.9.33.

बुधवार ता० २७ सेप्टेम्बर १९३३ई०।

आज चर्च कौंसिल की बैठकी का सातवां दिन हुआ और निम्नलिखे पदधारी और सभासदगण उपस्थित आये:—

१। पादरी योहन तोयोनो ... ... प्रेसिडेन्ट।
२। " एम० ब्रह्म ... ... खजांची।
३। " योएल लकड़ा।
४। " क० जोन।
५। " एम० केरिआस।
६। " बाजव कुजुर।
७। " जिलो तोग्गा।
८। मि० धनमसीह पन्ना।
९। मि० थेओदोर सुरिन।
१०। " सामुएल पुर्ती [पहिली बेला १० बजे तक]
११। " पिटर हुल ... ... सेक्रेटरी।

मि० निर्मल सोय बिमार पड़ जाने के कारण हाजिर नहीं आ सके। आज प्रार्थना हो जाने पर नीचे लिखे विषयों पर विचार और फैसला हुआ—

८। चर्च कौंसिल और हाई स्कूल।

इस विषय पर अगले दिन में जो वादानुवाद हो चुका था उस पर फिर आगे बात विचार और तर्क होने लगे। वादानुवाद में यह कहा गया कि चर्च कौंसिल को सर्फ जानना है कि हाई स्कूल पर उसको कितना अधिकार है और यह भी कहा गया कि वर्त्तमान नियमों के अनुसार कौंसिल को कितना अधिकार है और कितना अधिकार चाहती है सो पहिले ठीक कर लेना चाहिये। इसके प्रत्युत्तर में बताया गया कि इन सब बातों का विचार हो चुका है इसीलिये तो नियमों को बनाने की आवश्यकता हुई कि कौंसिल का अधिकार स्कूल के शासन पर और स्कूल खजाने पर कहां तक है यह उन नियमों के द्वारा प्रगट किया जाए। निदान यह संकेत फिर भी दिया गया कि इस विषय पर डिपार्टमेन्ट की राय लेने को सेक्रेटरी इन्सपेक्टर के पास जावे तब यह कहा गया कि पादरी एम० ब्रह्म और पादरी योएल लकड़ा और सेक्रेटरी इन तीनों को

डिपुटेशन जावे। सो अन्त में यह संकल्प हुआ—

संकल्प: कि सेक्रेटरी ने जो नियम हाईस्कूल मैनेजिंग कमिटी के लिये बनाये हैं उसी पर डिपार्टमेन्ट की निपुणा राय लेने के लिये सेक्रेटरी, पादरी एम० ब्रहन और पादरी मोरल लकड़ा डिविजनाल इन्सपेक्टर के पास जांय और तब इसकी रिपोर्ट कागामी पूर्ण कौंसिल को देवें।

६। इलियास तोपोनो की नौकरी।

सेक्रेटरी ने इलियास तोपोनो मास्टर की नौकरी के सम्बन्ध में विषय को पेश करते हुए बतलाया कि प्रिन्सिपेल लकड़ा के ऊपर जब इलियास तोपोनो ने नालिश किई और जब देखा गया कि इस मोकद्दमे से हाईस्कूल का, अन्य स्कूलों का और फिर कौंसिल को अपयश होगा और नुकसानी हो तो उचित समझा गया कि इलियास के संग में मि० लकड़ा का सुलहनामा होवे। सुलहनामा के शर्तों में एक शर्त यह भी था कि इलियास मास्टर की नौकरी रहे अर्थात मराडलो में कम से कम उसकी नौकरी रहे। इस बात पर विशेष कर हाईस्कूल ही में उसको रखना कहां तक नियमानुसार होगा यह बात बिना मैनेजिंग कमिटी के कैसला करना उसी द्वारा अनहोनी था फिर कौंसिल की कार्य्यकारक सभा को बुलाना भी नहीं बन पड़ा। इस-लिये जोखिम से पार होने को सेक्रेटरी ने खजांची की राय लेकरके यह लिखित प्रतिज्ञा दिई कि इलियास की नौकरी हाईस्कूल में रह जाती है कि वह हाईस्कूल में धर्मविद्या सिखावे और उसका तलब स्कूल फंड से ठीकठाक कर लिया जाए और बहुत जरूरत होने पर आर्थिक सहायता अवश्य हो तो कौंसिल वहां के घाटा को देगी।

उपरोक्त बयान पर बहुत वादानुवाद हुआ कि ऐसी लेख-प्रतिज्ञा देनी कहां तक उचित और नियमित है और कौंसिल कहां तक पूरी कर सकती और घाटा को दे सकेगी इत्यादि। फिर इस पर भी ध्यान दिया गया कि हाईस्कूल में किस प्रकार से भले भाव का स्थापन हो सकेगा। भले भाव के स्थापन के लिये दो में से एक जन को अलग करना ही पड़ेगा इत्यादि। सो निदान बहुत प्रकार के तर्क वितर्क पर यही राय ठहरी—

संकल्प: (क) कि चर्च कौंसिल बाबू इलियास तोपोनो को तलब देने के लिये ता: १० अगस्त से अक्टोबर १९३३ तक के लिये जवाबदिही लेती है कि उसके तलब का जो घाटा होगा सो उसे देगी।

(ख) कि इलियास तोपोनो की नौकरी की बात अभी मैनेजिंग कमिटी में आवे और वहां का कैसला देखा जाए।

(ग) कि मैनेजिंग कमिटी के कैसला को देखकर आगे क्या करना पड़ेगा इस पर कार्य्यकारक सभा कार्रवाई करे।

७। जनाना—विभाग।

१। मिस्स हैंसे की रिपोर्ट।

जनाना विभाग के कामों के सम्बन्ध पर मिस्स हैंसे की रिपोर्ट आई जो पादरी प्रेड साहिब के द्वारा मिली। यह रिपोर्ट पढ़ी गई। इस रिपोर्ट में बोर्डिंग स्कूलों की साधारण दशा बहुत संक्षेप से दिखाई गयी थी वैसे ही केवल-वीमेन लोगों के काम का बहुत संक्षेप बयान था। इस रिपोर्ट पर बातचीत हुई और तर्क वितर्क में यह निकला कि रिपोर्ट और भी कुछ अधिक विस्तार रूप से लिखना भला होता क्योंकि इस रिपोर्ट से स्कूलों की विशेष दशा नहीं मालूम हो सकती है फिर केवल वीमनों का इलाकों के साथ का सम्बन्ध और सहयोग बनाये नियम के अनुसार कैसा है यह भी नहीं कहा गया आगे यह भी कहा गया कि बेथेसदा स्कूल की रिपोर्ट भी मिस्स हैंसे के द्वारा आना उचित है इत्यादि

संकल्प: कि भविष्यत में रिपोर्ट के सम्बन्ध में मिस्स हैंसे को लिखा जाए कि उनका रिपोर्ट कुछ विस्तार से होवे और बेथेसदा स्कूल की रिपोर्ट भी उनको देना चाहिये। ये रिपोर्ट हरएक फुल कौंसिल की मीटिंग के आगे सेक्रेटरी को भेजी जाए॥

२। मेडिकल जनना काम ।

यह मालूम है कि मिस्स हैंस्ले के विभाग के काम को छोड़ जनाना लोगों के मध्य में मिस्स फ्रिक्स और मिस्स ऐरिनी स्टोरिम चिकित्सा का काम करती हैं। कहा गया कि भला होगा कि वे भी अपने कामों का रिपोर्ट समय समय पर कौंसिल को देवें जिससे उनके काम की वहुमूल्यता लोगों को भी मालूम होवे।

संकल्पः कि मिस्स फ्रिक्स को लिखा जाए कि वे समय समय पर अपने कामों की रिपोर्ट कौंसिल को भेजा करें। ये रिपोर्ट प्रेसिडेन्ट के द्वारा से आवें जो कि मेडिकल डिपार्टमेन्ट के चार्ज में हैं।

३। वेथेसदा में मास्टरों का कानफरेन्स ।

वेथेसदा स्कूल के सेक्रेटरी मि० महेन्द्र वेस्स के पास से चिट्ठी आई कि इस साल में फिर टीचर्स कनफरेन्स है सो रीति अनुसार कौंसिल का कोई प्रतिनिधि वहां भेजा जाए। इस वात पर विचार हुआ और स्थिर हुआ—

संकल्पः कि इस १९३३ के टीचर्स कनफरेन्स में जो वेथेसदा स्कूल में होगी पादी एम० केरिशस कौंसिल का प्रतिनिधि होके जावें ।

सम्पत्ति-विभाग ।

१। हाता के खजूर गाछों का लगाना ।

हांची हाता के खजूर गाछों को लेने के लिये जो दरखास्त पड़ी है सो पढ़ी गई। दरखास्त में लिखा है कि लेनेवाला गाछ पीछे देने को तैयार है। और वह ५ वरसों के लिये मांगता है इस आशा पर कि उसको फिर नौ दूसरे ५ वरसों के लिये दिया जायगा।

संकल्पः (क) कि वर्त्तमान में हाता के खजूर गाछ ठीकेदार को ३ साल के लिये दिये जावें जिसके लिये प्रति गाछ ६) करके लिया जाए। विशेष देखा जाए कि गाछों की सुन्दरता न विगाड़ी जाए और गाछ नष्ट न होवें।

(ख) कि आवकारी विभाग के लैसेन्स के लिये अथवा किसी अन्य प्रकार के देन होवें तो इसके लिये ठीकेदार जवावदेही रहेगा।

(ग) कि ३ वरसों के पीछे कौंसिल की इच्छा हो तो फिर आगे ३ वरसों के लिये ठीकेदार को ये गाछ दिये जायेंगे।

(घ) कि ठीकेदार को अपने काम करने के लिये अर्थात एक झोपड़ी वनाने के लिये विना साड़ा तलाव के नजदीक जमीन दिई जायगी ॥

(ङ) कि यदि इस सम्बन्ध में अर्थात वरदास के संवंध में कोई वात हो तो कार्य कारक सभा इसको देखे और विचार करे।

Barnard
28. 9. 33.

J. Toppo.
28-9-33.

---

२८ सेप्टेम्वर वृहस्पति १९३३।

आज के दिन में नीचे लिखे सदस्य और सभासदगण उपस्थित आये अर्थात:—

१। पादी योहन तोपनो ... ... प्रेसिडेन्ट ।
२। " एम० ग्रहन ... ... रांची ।
३। " अ० जोन ।
४। " योएल लकड़ा ।
५। " एम० केरिशस ।
६। " जिले तिग्गा [प्रायः आध घण्टे तक उपस्थित थे।]
७। " दाऊद कुजुर ।
८। मि० निर्मल सोय ।
९। " सामूएल पुर्ती ।
१०। " जी० एम० पन्ना ।
११। " पिटर डुरङ ... ... सेक्रेटरी ।

आरम्भ में प्रार्थना हुई और आज के दिन में नीचे लिखे विषयों पर का काम काज समाधान हुआ :—

२। सम्पत्ति विभाग का प्रधान।

पादरी रू० जान सम्पत्ति विभाग के प्रधान रहे परन्तु देखा गया कि राँची में बहुत दूर पर रहने से और कार्यकारक सभा की बैठकों में न रहने से विभाग के कामों पर उचितरूप से करवाई नहीं होती है अर्थात ठीक समय पर काम नहीं किया जाता है। सो इस विषय पर आवश्यक ध्यान देके यह फैसला हुआ—

संकल्प १(क) कि मि० सामूएल पुर्ती सम्पत्ति विभाग का प्रधान होके पादरी रू० जान साहेब के स्थान पर भविष्यत में काम करेंगे और वे कौंसिल के विभागों के कर्त्तव्य के नियमानुसार अपना काम सम्पादन करेंगे।

(ख) कि मि० सामूएल पुर्ती की सहायता के लिये एक सम्पत्ति-कमिटी रहेगी जिसके अंग मि० पुर्ती को छोड़ होंगे मि० डी० एम० पन्ना और पादरी रू० ई०।

(ग) कि मराडलों की समूची सम्पत्ति के चलाने के प्रबन्ध को ठीकठाक करने तथा ट्रस्टी बोर्ड और चर्च कौंसिल के बीच सम्पत्ति के शासन के सम्बन्ध को निर्णय करने के लिये एक कमिटी एक स्कीम को बनावे जो कि आगामी कौंसिल में पेश होवे॥

३। चर्च रोड पर की जलावन दूकान।

सेक्रेटरी ने कौंसिल को बताया कि जलावन की दूकान के लिये जो स्थान दिया गया है उसका ३ महीनों का किराया देना बाकी है। फिर कि जो सीमाना दिया गया है उससे भी अधिक स्थान लिया गया है तथा शर्तें जो दिये गये हैं उनको कबूल करने का भी कोई कागजात मि० नैमन टोप्पो से नहीं दिया गया है इत्यादि—

संकल्प: कि नैमन टोप्पो के साथ में दूकान सम्बन्धी बात का फैसला करने के लिये मि० सामूएल पुर्ती, सम्पत्ति विभाग के प्रधान को यह सौंपा जाए॥

४। गुमला गिर्जा का बढ़ाना।

गुमला गिर्जा घर के बढ़ाने के लिये इलाका और बाबू नथानियेल माली का एस्टीमेट पेश हुआ। दोनों एस्टीमेट देखे गये। फिर आगे कि गिर्जा घर के बढ़ाने की आवश्यकता है कि नहीं इस पर भी विशेष ध्यान दिया गया और यों निपटारा हुआ—

संकल्प: कि जो भी पर्व्वों में और विशेष समयों में गिर्जे घर में सङ्कुलान नहीं होता है तो भी अन्य समयों में गिर्जा एक दम नहीं भर जाता है इसलिये ऐसे आर्थिक अवस्था के दुदिनों में गिर्जा के लिये अभी इतना बहुत खर्च करना कठिन है सो यह काम बन्द रहे। यदि इलाका चाहे तो अपनी आमदनी से उसे मरम्मत करे।

५। बिरु राज्य के मकोहस बन्दोबस्त।

खूटीटोली के पास्टर-चेयरमैन ने एक चिट्ठी भेजी जो पढ़ी गई जिसमें लिखा था कि बिरु राज्य में कोएक स्थानों अर्थात गावों के मकोहस रोपी आदर लोग लेके अपने खोंटियानों को दे देते हैं सो दूसरे लूथरान लोग जहां कहीं उनके हाथ में बन्दोबस्ती जमीन है वहां से इसके जाने का डर है सो कौंसिल इसमें मध्यस्थ पहुंचावे। सेक्रेटरी ने जो बातचीत वहां से आये हुए कितने भाइयों के संग हुई उसका समाचार सुनाया। निदान फैसला हुआ—

संकल्प: कि खूटीटोली पास्टर को लिखा जाए कि जब लूथरान भाई लोग मकोहस इत्यादि बन्दोबस्ती लेना चाहेंगे तो सीधे मैनेजर इनकमबर्ड इस्टेट के पास भेजें अथवा कौंसिल के सेक्रेटरी के द्वारा भेजें जो कि मैनेजर से भी बातचीत करेंगे॥

६। सम्पत्ति विभाग के मोकद्दमा।

सम्पत्ति विभाग के लिये यदि कहीं मोकद्दमा करने पड़ेगा तो मोकद्दमा बोर्ड आफ ट्रस्टीज के नाम पर किया जावे अर्थात चर्च कौंसिल के प्रोजेक्ट अर्थात पादरी और उपासक अथवा दूसरे भी बोर्ड आफ ट्रस्टीज के नाम से

बोर्ड को सुनाकर भी उनकी अनुमति लेकर मोकदमा दायर किया जाए। इस विषय पर बातचीत हुई और इस सम्बन्ध में जो आगे संकल्प हो चुका था उस पर उचित सुधार हुआ ताकि भ्रम न होवे॥

खजाना—विभाग।

खजाना विभाग के सम्बन्ध में जो हिसाब के नकशे पेश हुए थे उन पर बातचीत हुई। भिन्न २ मूल अङ्कों पर ध्यान दिया गया। प्रश्न पूछे गये और उन पर उत्तर भी दिये गये। ये नकशे इस मन्तव्य के अन्त भाग में छाप जाते हैं।

१। आगे २०% का हिसाब देखा गया। क्या पाया गया कि बहुत इलाकों ने अपना अपना देन दिया ही नहीं है। जो कमिटियां अभी बिठाई जायेंगी उनसे यह विशेषरूप में कहा गया कि इस पर उचित ध्यान देवें और सब इलाकों को इस पर उभारें।

२। सामूएल तोपोनो कमौन्डर।

सामूएल तोपोनो कमौन्डर ने एक दरखास्त भेजी जो पढ़ी गयी जिसमें उसने लिखा कि उसका काम आगे बहुत नहीं दिखाई देता है क्योंकि स्कूल में तो खुद लेडी मिशनरी लोग और कौंसिल में मि० शीर्ष काम ही दवा आदि देते हैं सो उनका ~~मदद~~ काम से यदि छुट्टी दिई जाए तो छे महीने का वेतन दिया जाने काम बन्द किया जाए अथवा स्कूल में बन्दोबस्त किया जाए। इस विषय पर बहुत देर तक बातचीत होके यह तय हुआ कि यह बात अभी के लिये मुलतवी रखी जाए जब तक स्कूल से मिस्स लोगों की राय न लिई जाए। इस विषय पर पादरी एम० पेड्रू मिस्स फ्रिट्स से उचित लिखा पढ़ी करें॥

३। गोविन्दपुर का १७००) ट्रस्ट फन्ड।

गोविन्दपुर इलाके ने पूछा कि मेहूल साहिब द्वारा छोड़ा हुआ उनके इलाके का १७००) कहां है। बातचीत होकर यह निपटारा हुआ—

संकल्प: (क) कि गोविन्दपुर इलाके को बताया जाए कि वे दस्तियों के शेड्यूल में देखें वहां १२००) रुपैयों के बारे लिखा है जो ट्रस्टियों के फन्ड में ट्रस्ट-फन्ड के हिसाब में है।

(ख) कि पु० रेड्डी गाड़ा को-ओपरेटिव सोसैटी में रखा हुआ है जिसका वे आप ही जानते हैं।

४। बजेट का साल का आरम्भ।

खजाने के विभाग पर के विषयों पर बातचीत करते हुए यह निकला पड़ा कि बजेट के बनाने के लिये सुबसमय पर इलाकों का अपना बजेट भी आना चाहिये। सो सुत्रोत पर देखने से यही ठीक होता है कि जब बजेट तैयार हो जाए तो महासभा उसे देखे। जनवरी से बजेट का जारी करना कुछ असुभीते की बात होती है। सोच विचार कर स्थिर हुआ—

संकल्प: कि भविष्यत में १९३४ से लेके बजेट का साल का आरम्भ अप्रैल महीनों ही से होवे॥

इसके पीछे अन्तिम प्रार्थना हुई और पूरी कौंसिल को इस साल की बै० की का अन्त भी हुआ—॥

J. Topno
16-10-33

16.10.33

चर्च कौंसिल की कार्यकारिणी सभा की बैठक का मन्तव्य।

ता: १६ अक्टोबर १९३३।

आज के दिन में निम्न लिखे सभासदगण उपस्थित थे :—

१। पादरी योहन तोपनो ... ... प्रेसिडेन्ट।
२। " सम० प्रेहन ... ... खजांची।
३। मि० सामुएल पुर्ती
४। " पिटर हुरू ... ... सेक्रेटरी।

पादरी योएल कण्डुलना आज के दिन उपस्थित नहीं थे। आरम्भ में प्रार्थना प्रेसिडेन्ट ही ने किई और यों सभा का काम खोला गया और निम्न लिखे विषयों पर आज कार्रवाई हुई :—

१। विशप सेन्डीमेन के पदसंस्कार में प्रतिनिधि।

तामोल लूथरन मण्डली के सेक्रेटरी मि० आशीर्वदम को चिट्ठी पढ़ी गई जिसमें प्रत्येक लूथरन मिशनों और मण्डलियों को नेवता दिई गई कि डा० सेन्डीमेन के विशप-पद पर संस्कार कार्य के समय में अधिकृत प्रतिनिधि भेजे जावें। बातचीत होकर तय हुआ कि—

संकल्प: कि तामोल मण्डली को बधाई देते हुए वहां के सेक्रेटरी को लिखा जाए कि गोरस्तर कलीसा मा० पादरी सम० प्रेहन को डा० सेन्डीमेन के विशप-पद संस्कार के उपलक्ष में अपना प्रतिनिधि करके भेजती है।

२। मंगल समाचार प्रचार सप्ताह।

सेक्रेटरी ने सुनाया कि छोटानागपुर क्षेत्र के लिये मंगल समाचार प्रचार कमिटी ने साच्चो सप्ताह की तारीख ठहराई है अर्थात रवि फेब्रुअरी से ४ मार्च तक। सो उसकी सफलता तथा आवश्यकता पर बातचीत हुई और यों फैसला हुआ—

संकल्प: कि साच्चो सप्ताह के सम्बन्ध में स्पष्ट रीति से सब कर्मचारियों को सुनाया जाए कि वे इस उपर्युक्त काम में भाग लेवें और जहां जहां इसके सम्बन्ध में कमिटी ठहराई जाएगी वहां वहां पूरी रीति से उत्साह के साथ आगेगी मण्डली के संग सहयोग करें।

[नोट— साच्चो सप्ताह की तारीख बदली गई अर्थात २२ से २८ फरवरी तक।]

३। पादरी मतियस टोप्पो।

पादरी मतियस टोप्पो को उनकी अर्जी अनुसार फिर से काम करने देने की अनुमति कौंसिल ने मंजूर किई थी और उसका एक प्रतिशत का चार्जी दिया जाने का हुक्म भी दिया। परन्तु निदान अब फिर पादरी मतियस टोप्पो काम करने में असमर्थ होने की दरखास्त दिई जो पढ़ा गया।

संकल्प: कौंसिल पादरी मतियस टोप्पो के विचारों में फेरफार देख कर अफसोस करती है और उसके विचार को गहरा कर उसको पादरीपद के चार्जी देने की इच्छा को उठा देती है।

४। राँची इलाका का तलब दरखास्त

राँची इलाके के सब प्रचारकों ने एक दरखास्त दिई है जिसमें पादरियों को भी सही है और यह अर्जी है कि कौंसिल उनको तलब देने के विषय में चिन्ता करे। मण्डली में यथाशक्ति काम करने तथा उत्तम चरवाही करके मण्डली को आय बढ़ाने और तलब आदि के विषय में बातचीत कर विषय यों तय हुआ—

संकल्प: (क) कि इलाका को जनाया जाए कि कौंसिल को आमदनी इलाकाओं की आमदनी पर निर्भर है इसलिये कौंसिल तब दे सकेगी जब इलाकायें अपनी आमदनी का ठहराया हुआ भाग कौंसिल को देते हैं।

(ख) कि इलाका कौंसिल को एक नकशा देकर दिखावे कि बीते १२ महीनों में प्रत्येक पेरिश में कितनी आमदनी हुई, कितना सेन्ट्लैन किया गया, कर्मचारियों को महीना २ कितना दिया गया और लोगों की संख्या भी दिखाई जावे।

५। पदाभिषेक अधिकारपत्र।

सेक्रेटरी ने बतलाया कि जो पादरी पदाभिषेक किये जाते हैं उनको अधिकारपत्र मिलना चाहिये जिसमें प्रेसिडेन्ट की सही के साथ साथ अन्य दो सदस्यों की सही भी रहे। एक छापा हुआ फोर्म भी दिखाया गया। उसमें उपयुक्त सिफारिश देने की बात स्थिर हुई।

2c

संकल्प: कि प्रेसिडेन्ट भविष्यत में चिन्ता करें कि सब पादरियों को जो पदाभिषिक्त किये जाते हैं अधिकारपत्र दिया जाय॥

६। रिवरेण्ड कुचुर मास्टर।

चर्च कौंसिल ने विचार कर चुकी थी कि साल्टोली के रोमी हाई स्कूल में पढ़ने वाले मुसलमान छात्रों को धर्मविषय पढ़ाने के लिये किसी एक कंडिडात को भेजे। परन्तु रांचीयेती से समाचार आया है कि इलाके ने बाबू रिवरेण्ड कुचुर को इस काम में लगाया है। कौंसिल ने इलाके को अनुमति दी थी कि उसको कहीं भी इलाके के भीतर में काम देवे।

3c

संकल्प: कि कौंसिल इलाके के प्रबन्ध को कि बाबू रिवरेण्ड कुचुर साल्टोली हाई स्कूल जानेवाले मुसलमान विद्यार्थियों को धर्मविषय पढ़ावे मंजूर करती है।

७। पादरी धर्मप्रकाश। मेंज चट्टी।

पादरी धर्मप्रकाश। मेंज चट्टी के काम के सम्बन्ध में तथा लोहरदगा इलाके की वर्त्तमान गिरती दशा के उत्थान के लिये बातचीत हुई और यही उचित समझा गया —

संकल्प: (क) कि पादरी धर्मप्रकाश। मेंज को परामर्श दिया जाय कि अपनी निज भलाई के लिये तथा चट्टी पेरिश की उन्नति के लिये अच्छा होगा कि वे जनवरी १९३४ से पेनशन पाने का दरखास्त करें।

4c

(ख) कि कंडिडात सामुएल तिर्की कैथल चैनपुर में पादरी अ०-जोन की सहायता के लिये आवें और पादरी नथानियेल रामलखो चैनपुर से आके चट्टी पेरिश का चार्ज लेवें।

(ग) कि पादरी धर्मप्रकाश। मेंज वर्त्तमान में चट्टी में सचाल घर में रहे और अपना घर पादरी नथानियेल के आने पर उसको सौंपा देवें।

८। पादरी प्रभुसहाय कच्छप।

सेक्रेटरी ने कार्यकारक सभा को पादरी प्रभुसहाय कच्छप के वकीली-नोटिश का हाल बताया और उसके सादी लैसेन्स के सम्बन्ध में भी उस नोटिश में लिखा था उसके विषय भी सुनाया। विचार हुआ —

संकल्प: कि पादरी प्रभुसहाय कच्छप को सादी लैसेन्स स्थानीय सरकार को लौटायी जाय और उसको रद्द कर देने के लिये लिखा जाय।

९। कांडि० सुलेमान बाग्गे का पदाभिषेक।

कांडिदात सुलेमान बाग्गे के पदाभिषेक के सम्बन्ध में बातचीत होकर यह स्थिर हुआ —

(क) कि कांडि० सुलेमान बाग्गे का पदाभिषेक कार्य्य टकमा कोलिजे में १२ नोवेम्बर को सम्पन्न होवे। इस कार्य्य में प्रेसिडेन्ट के संग में पादरी एम० ग्रेड्ड और पादरी दाउद कुचुर सहायक होकर पद देवें

(ख) कि इस पदाभिषेक उपलक्ष्य में टकमा में धर्ममेला हरराया जाय और निकटस्थ इलाकों को नेवता दिया जाय।

१०। लूथर का ४५० वाँ जन्मोत्सव।

डाक्टर मार्टिन लूथर महाधर्मसंशोधक के ४५० वें जन्मोत्सव के मनाने के सम्बन्ध में बातचीत हुई तथा उनका एक संक्षिप्त जीवन चरित्र छपवाँके वितरण करने का विचार हुआ और स्थिर हुआ—

(अ) कि सेक्रेटरी डा० मार्टिन लूथर का चित्रवाली संक्षिप्त जीवनी लिखें जो).॥ में बेचा जाए। सब इलाकों को समाचार दिया जाए कि वे १० वी नोवेम्बर को अथवा न बन पड़े तो १२वीं नोवेम्बर को लूथर दिवस मनावें और लूथर सम्बन्धी कितावें उत्सव के मेलों में बेचें।

११। विल्लियम टोप्पो गुमला।

गुमला इलाका के चेयरमैन ने वहां के एक भाई विल्लियम टोप्पो को व्यभिचारी होने के सम्बन्ध में पंच के इजहार और फैसला भेज दिया कि कौंसिल अपना राय देवे। बताया गया यह भाई दराज से बचने को अंग्रेजी मिशन आगके जाना चाहता है।

संकल्प: कि गुमला के पादुरी को लिखा जाए कि विल्लियम टोप्पो शीघ्र ही मराइलो दराज में रखा जाए और कौंसिल उसके सम्बन्ध में विशप साहिब को लिख कर जना देवे।

१२। सिंघानी पादुिघर में बरन्डा।

सिंघानी के वर्तमान-पादुि-घर में बरन्डा जोड़ने और बनाने के लिये दरखास्त आई जो सभा को पढ़कर सुनाई गई। बातचीत करने पर यह ठहराया गया—

संकल्प: कि सिंघानी पादुी को २०) स्वर्व दिया जाए कि इसी से वह उत्तर की ओर घर में बरन्डा बनावे।

१३। सिंघानी पादुी को तलब-वृद्धि।

सिंघानी के पादुी ने अपने वर्तमान तलब को बढ़ाने के विषय में अर्जीपत्र भेजा जो पढ़ा गया। उसके चोत्र और उसके जान के विषय बातचीत हुई

संकल्प:(अ) कि कौंसिल अफसोस करती है कि वह पादुी ओ न्द्रियस तोपानो को इस वर्तमान में अधिक वेतन देने में असमर्थ है।

(ब) कि कौंसिल पादुी को परामर्श देती है कि वह अपना सफर जिला के भीतर के अवरुद्ध स्थानों के स्त्रीष्टीयानों के पास जाने के लिये प्रबन्ध करे और यों अपनी आमदनी बढ़ावे।

१४। फेडरेशन फीस से छुटकारा।

सेक्रेटरी ने बताया कि हुमाई अर्जी अनुसार लूथरान फेडरेशन ने यह मंजूरी दिई है कि इस Triennial के लिये गोस्सनर मण्डली का प्रतिनिधि फीस मुवाफ कर दिई जाती है परन्तु जहांतक सके तहां तक गोस्सनर मण्डली देने की कोशिश करावे।

संकल्प: कि पादुी एल० गोटवाल्ड को फेडरेशन के लिये हुमाई कौंसिल की ओर से धन्यवाद भेजा जाए कि हुमाई फीस की माफी खुश मुवाफ कर दिई गई है।

१५। हाता के खजूर गाछों का ठीका।

हाता में जितने खजूर गाछ हैं वे मि० रोमेश चन्द्र राय को ठीके पर ५ वरस के लिये दिये जाते हैं। सो दर के विषय में उसने दरखास्त दिया कि फिर से दर को जान पर विचार किया जाए क्योंकि पहिले वर्ष में नुकसानी

पहुँच सकती है। सो दरख्वास्त पर विचार कर यह निपटारा किया गया—

संकल्प: कि मि० रोमेश चन्द्र रोय को खजूर गाछ पूर वास्ते के लिये दिये जांय जिसके लिये कबूलियत लिया जाय कि पहिले वरस में हाते के गाछों पर गाछ पीछे ।।।) और पिछले ४ वरसों में गाछ पीछे १) करके लिया जाय। यह भी शर्त रहे कि यदि भविष्यत में किसी समय देखा जाय कि गाछों को भारी नुकसानी काटने से हो रही है तो यह ठीका तोड़ दिया जाय॥

J. Toppo.
14. 12-33.

—चर्च कौंसिल के
कार्यकारक सभा की बैठकी का मन्तव्य ।
ता: १४ दिसम्बर १९३३।

आज की बैठकी के लिये कार्यकारक सभा के निम्नलिखे अंग उपस्थित आये :—

१। पादुवे योहन तोपनो ... ... प्रेसिडेन्ट ।
२। पादुवे ० एम० उहन ... ... एक्जीक्यो ।
३। पादुवे मोरल लकड़ा ...
४। मि० पिटर हुरू ... ... सेक्रेटरी ।

मि० सामूएल पुर्ती रांची से बाहर सफर गये हुए थे जिससे वे उपस्थित नहीं आ सके।

I मराडीली विभाग ।

१। पादुवे रिवस्तकल्याण मेंगरा ।

जैसा पूर्ती कौंसिल में बात चीत हुई थी कि पादुवे रिवस्तकल्याण मेंगरा से पूछपाछ किया जाए कि जो मेरे हाल ही में उसका बदली हुई है तो वे वह दूसरे जगह बदली जाने को इच्छा कर सकता है कि नहीं। इस पूछपाछ पर यह जवाब आया कि जहां कौंसिल भेजे वहां वह जाने को तैयार है। इसी अनुसार पादुवे रिवस्तकल्याण मेंगरा को बैवस्सा बदली जाने का हुक्म सेक्रेटरी से दिया गया। सेक्रेटरी ने सुनाया कि पादुवे रिवस्तकल्याण मेंगरा बैवस्सा जाके अपने काम में हाजिर हो चुका है।

संकल्प:(क) कि सेक्रेटरी का हुक्म कि पादुवे रिवस्तकल्याण मेंगरा बैवस्सा बदली जाके वहां के इलाके के चार्ज में रहे सो दुरुस्त जाए ॥

(ख) कि पादुवे योलुस मुन्डू गोविन्दपुर से समय समय पर मन्थी पेरिश में जाके वहां की मराडलियों में साक्रामेन्तों का अनुष्ठान करें और इलाका बेयरमैन गोविन्दपुर के कंडिशन को पेरिश के चार्ज में रखें।

२। कंडि० मरकस संगा ।

सेक्रेटरी ने नमाड़ इलाके का एक उजुर दरखास्त पढ़ सुनाया जिसमें इलाके ने विचार किया कि पैता मौड़े की घटी के कारण से कंडि० मरकस संगा का उमुलवाहा पेरिश में बदली आने का संकल्प जो कौंसिल ने किया है सो रद्द कर दिया जाए। कार्यकारक सभा ने विचार किया कि नमाड़ इलाके के समान बड़े क्षेत्र में एक पादुवे से चरवाही का काम होना असंभव है और वैसा परिस्थिति के लिये आत्मिक चरवाही का काम बन्द करना या ढील देना अनुचित होगा। इसलिये—

संकल्प: कि चर्च कौंसिल रवालो पेरिशों और इलाकों की आत्मिक चरवाही के देखभाल के लिये उत्तरदायी है इसलिये उमुलवाहा पेरिश को बिन पादुवे नहीं छोड़ सकती है और कंडि० मरकस संगा को वहां जाने का जो हुक्म दिया जा चुका है सो बहाल रहेगा।

[टिप्पणी— कंडि० मरकस संगा को एक चिट्ठी पढ़ी गई जिसका जवाब इस संकल्प में है।]

३। पादुवे सुलेमान खाखे ।

पादुवे सुलेमान खाखे टकरमा में हाल में नियुक्त हुए। टकरमा इलाके में काम करने के लिये ही उनका इस समय नियुक्त हुआ। वहां का नाड़ीविरिंगा पेरिश खाली है जहां काम का चार्ज लेना आवश्यक है।

संकल्प: कि टकरमा इलाका-बेयरमैन के द्वारा पादुवे सुलेमान खाखे को हुक्मनामा भेजा जाए कि वह अविलम्ब नाड़ीविरिंगा पेरिश के चार्ज में रहे।

४। पादुवे नथानियेल रुलरवा ।

सेक्रेटरी ने बैनपुर इलाके का एक उजुर दरखास्त पढ़ सुनाया जिसमें पादुवे नथानियेल रुलरवा को बदली जाने के सम्बन्ध में लिखा था। कार्यकारक सभा ने स्पष्ट देखा कि कौंसिल ने इस विषय पर खूब सोच बूझके अपनी आज्ञा दिई सो इस हुक्म को फिर से दुहराने अथवा रद्द कर देने का कोई उपयुक्त कारण नहीं है। इसलिये—

संकल्प:(क) कि पादुवे नथानियेल रुलरवा को बदलने के विषय में पूर्ती कौंसिल का जो विचार था सो बदला नहीं जा सकता सो वह शीघ्र चढ़ो आगे चार्ज लेवे।

(ख) कि पादुवे धर्मानन्द मिंज को उसने दरखास्त पर सेक्रेटरी परामर्श देवें कि वे चाहें तो अपने पेनशन के लिये कौंसिल में दरखास्त देवें।

५। पादुवे रिवस्तानन्द आईन्द पेनशन ।

कारीमटी के पादुवे रिवस्तानन्द आईन्द का दरखास्त पढ़ा गया जिसमें उसने अपनी शारीरिक दुर्बलता के विषय लिखा कि आगे को काम बल सहित काम करने में असमर्थ है और

भला होगा कि कौंसिल उनको पेंशन दें अथवा किसी छोटी मण्डली में काम देवें।
कार्यकारक सभा ने पादु रिछस्तानन्द आईन्द के इस दरखास्त पर सोचविचार किया और यह अच्छा समझा कि उनको पेंशन दिया जाए।

संकल्प: कि कोरीमट्टे इलाके के चेयरमैन पादु रिछस्तानन्द आईन्द को जनवरी १९५६ से पेंशन दिया जाए। पेंशन पाकर वह लोआदम में रहें और पादु होके गिर्जाओं में ईश्वराराधना इत्यादि करें परन्तु पेरिश के कामों की जवाबदिही उनको न रहें। लोआदम का पादु मनसुरन मानको स्नास कोमिट्टी में आके इलाके का चार्ज लेवें।

६। पादु थुल्से की चेयरमैनी।

पादु थुल्से की चिट्ठी उनके चेयरमैनी के सम्बन्ध की पढ़ी गई। कार्यकारक सभा ने उस पर विचार किया और यह स्थिर किया कि उनका चेयरमैनी छोड़ना भला नहीं है।

2c संकल्प: कि पादु एम० थुल्से जैसा चेयरमैनी करते आये हैं आगे भी उसी प्रकार काम करते जांए।

७। पादु कुम्बर्सकी का पहुंचना।

सेक्रेटरी ने कार्यकारक सभा को सुनाया कि डैरेक्टर स्तोरा ने लिखा है कि पादु कुम्बर्सकी बर्लिन छोड़ दिये हैं और दिसम्बर के मध्य में राची पहुंचेंगे। स्तोरा साहिब ने कौंसिल की सिफारिश को मंजूर किया है और उसके अनुसार पादु कुम्बर्सकी अभी हाल में बैतपुर में जोन साहिब के संग रहेंगे और जैसा कौंसिल ने ठहराया है आशा की सीखेंगे और जोन साहिब को मण्डली के काम में सहाय भी करेंगे।

संकल्प: कि चर्च कौंसिल बर्लिन चर्च की पादु कुम्बर्सकी को भेजने के कारण हृदय से धन्यवाद देती है कि एक जन फिर प्रभु के खेत में काम करने लिये भेजा जा सका। आशा है कि कुम्बर्सकी साहब के काम से मण्डली के लिये बहुत आशीष निकलेगी॥

८। कंडि० सुदर्शना लकड़ा।

बीरमित्रपुर से जो दरखास्त आया वह कार्यकारक सभा को पढ़ कर सुनाया गया। इसमें लिखा था कि स्थानीय मण्डली कंडि० सुदर्शना लकड़ा को पहिले के समान पूरा तलब नहीं दे सकती है क्योंकि इस समय सब स्थान में पैसे की घटी से मण्डली आमदनी में नीचा आ गई है। इस दरखास्त की बातों पर ध्यान देकर यह संकल्प हुआ—

संकल्प: (क) कि कंडिवात सुदर्शना लकड़ा को उसके दरखास्त पर हवर्ष की बुद्धि बिना तलब दी जा चुकी है और इसलिये यह मालूम नहीं कि वह कब से अपने काम पर हाजिर हुआ है क्योंकि उसने कौंसिल को काम में लौट आने का कोई समाचार नहीं दिया है।

3c (ख) कि वीरमित्रपुर मण्डली कौंसिल को जनावे कि कंडिवात किन ३ महीनों का तलब मांगते हैं।

(ग) कि वीरमित्रपुर मण्डली-पंच कौंसिल को जनावे कि कंडिवात को जो तलब दिया जाता है सो सीधे उसके हाथ में दिया जाता है अथवा इलाके में सेन्ट्रलेज करके दिया जाता है।

९। केवरा तीगा का दरखास्त।

किंजेलम के केवरा तीगा ने एक दरखास्त भेजा जिसमें उसने वहां के चेयरमैन के तथा पादु इम्मानूएल कुजुर के सम्बन्ध में कितनी बातें लिखी हैं। इन विषयों पर किंजेलम गये दूर समय में प्रेसिडेन्ट और पादु एम० प्रेहन के सामने में जो बात हुई उसका मुंहजबानी रिपोर्ट भी सुनी गई। विषय पर ध्यान देकर स्थिर हुआ—

3c संकल्प: कि नियमानुसार बाबु केवरा तीगा का दरखास्त इलाका में भेजा जाए कि पहिले इलाका-पंच उचित रीति से इस पर विचार करें और जो वह इस विचार से असन्तुष्ट होवे तो कौंसिल में अपील करे।

१०। पतरस लकड़ा की विवाह कठिनाई।

हजारीबाग जिले के पादु अन्द्रियस तोपनो की चिट्ठी जो बाबु पतरस लकड़ा के सम्बन्ध में अर्थात उसके विवाह करने के लिये जो कठिनाई है सो पढ़ी गई। सेक्रेटरी ने बताया कि यह विषय बहुतबार कौंसिल के सामने में पेश हुआ परन्तु कोई विशेष उपाय नहीं पाया जा सका है। बहुत सोच विचार कर यह स्थिर हुआ —

2c संकल्प: कि बाबु पतरस लकड़ा की सादी सम्बन्धी कठिनाई की बात आगामी कौंसिल के सामने लाई जाए कि यदि कोई दूसरी रीति से कोई नया उपाय बताया जा सके जिससे ऐसे कठिन विषयों का मरम्मत हो सके तो यह विषय गूढ़ रीति से सोचा जाए॥

१। पतरस सुस्ति का विवाह-विच्छेद।

टकरमा इलाके के कनारेंवा के पतरस सुस्ति का दरखास्त तथा इलाके का तदारुक रिपोर्ट इत्यादि पढ़ कर सुनाये गये। फिर यह मालूम हुआ कि छोड़ कर भागी हुई स्त्री अभी आसाम में जीवित है और अपने वर्त्तमान पुरुष के संग इस देश में लौट आने वाली है। सब प्रकार की दशा पर सोच कर यह स्थिर हुआ—

संकल्प: कि पतरस सुस्ति के सम्बन्ध में जो कागजात कौंसिल में आये हैं उनका नकल कौंसिल के अंगों के पास भेजा जाय और उनकी राय लिई जाय। कागजात पूरा कौंसिल में फैसला के लिये रखा जाय।

II सम्पत्ति-विभाग।

१। चक्रधरपुर में का सूखा गाछ।

चक्रधरपुर के प्रचारक का दरखास्त इलाके के हाथ आने पर पढ़ा गया जिसमें लिखा है कि वहां के हाते में एक सूखा गाछ है जिसको कोई लेना चाहे तो वह गाछ मरम्मत के काम के लिये प्रचारक को दिया जाय।

संकल्प: कि नियमानुसार सब सूखे हुए गाछ स्थानीय मण्डली के व्यवहार के लिये हैं सो प्रचारक उस सूखे गाछ को लेकर मण्डली के काम के लिये व्यवहार कर सकता है। यह समाचार ट्रस्टियों के सेक्रेटरी को जनाया जाय।

२। क्लब बनाने और क्रिकेट टीम के दरखास्त।

हमारे हाते में खेलने के लिये जगह पाने को दो दरखास्त आये अर्थात एक तो क्रिकेट खेलने के लिये डा० नारायण से और दूसरा टेनिस और दूसरे खेलों के लिये क्लब बनाने को मि० एस० के० रोय से। दोनों दरखास्तों पर विचार किया गया और यही स्थिर हुआ—

संकल्प: कि एकमात्र स्थान जो कि हेड-मिसट्रेस के घर के दक्षिण है सो नहीं दिया जा सकता है क्योंकि उसके निकट होके कबरस्थान का रास्ता है और कबर के प्रोसेशनों का आना जाना है तथा अन्य कारण भी हैं सो यह मैदान खेल इत्यादि के लिये नहीं दिया जा सकता है।

३। साहु की दूकान जगह।

साहु ने जो एक दरखास्त चर्च रोड में दूकान खोलने के लिये दिया है जो पढ़ा गया। मालूम हो कि इस विषय पर चर्च कौंसिल का फैसला है ही है सो—

संकल्प: कि साहु को नाप के अनुसार जो निश्चित रूप से ठहराया गया है नियत जगह पर रहने अर्थात दूकान करने के लिये जगह दिई जाय।

४। बुड़ुबू गिर्जा मरम्मत।

बुड़ुबू के चेयरमैन बाबू मनसिद्ध पुर्ती ने कौंसिल के अनुरोध पर इलाके के भीतर चन्दा करके गिर्जा घर मरम्मत करने के लिये जो सहायता पाने की आशा है उसकी रिपोर्ट दिई जो सुना गया और यह विषय सहर्ष नोट किया गया।

III खजाना विभाग।

१। बैंक को सहायता।

सेक्रेटरी ने सभा को एसिसटेन्ट रजिस्ट्रार को कोपरेटिव सोसाइटीज की चिट्ठी पढ़ सुनाई तथा जो मीटिंग ए० आर० विश्वास और दूसरे २ प्रतिनिधियों के संग में बैंक की गिरी दशा के विषय हुई उसका मुँहजबानी रिपोर्ट सुनाई। यह भी बताया कि बैंक को पुनर्जीवित करने और काम को उचित रीति से चलाने को सहायता देना इतना जरूर समझा गया कि अंग्रेजी मण्डली के विश्वास ने महीना ३०) देने का वचन दिया तथा दूसरे प्रतिनिधियों ने भी उसी प्रकार सहायता देने का वचन दिया है। बैंक की दशा पर ध्यान कर यह फैसला हुआ—

संकल्प: कि क्रिश्चियन बैंक को सहायता के लिये जिस्ते बैंक की गिरी दशा सुधारे जाय और काम देखभाल के लिये एक उपयुक्त जन ठहराया जाय कौंसिल उक्त बैंक को नवेम्बर १९३३ से दिसम्बर १९३४ तक के लिये ३०) माहवारी देने को ठहराती है और बैंक की कमिटी में स्वर्गीय पादरी एम० पुरन को अपना प्रतिनिधी नियुक्त करती है।

२। मि० आशीर्वदम और आड़सुगदा।

सेक्रेटरी ने यू० एस० एम० एस० के सेक्रेटरी मि० आशीर्वदम की २ चिट्ठियां पढ़ सुनाईं जिसमें आड़सुगदा के स्कूल में १ शिक्षक के घटाने और वैसे ही मराठली काम में भी कर्मचारी लोगों के तलब कम करने के विषय लिखे थे।

कार्य्यकारिणी सभा उक्त दो क्षेत्र में की कठिन दशा पर ध्यान देकर चिन्ती सहित देखेगी कि क्या निदान होगा।

३। टकरमा में चिकित्सालय।

टकरमा के पादरी सुलेमान कुल्ला ने सिस्टर क्रिस्टीना की सम्मति पर एक अस्पताल खोलने के अभिप्राय से धान गोला की २ बड़ी कोठरियों को नये रूप में लाने के लिये एक एस्टीमेट बनाके भेजा जिसके अनुसार ६१) का खर्च दिखाया गया है। इस खर्च पर ध्यान दिया गया। देखा गया कि इतना रुपैया इस समय खर्च करना कठिन है। सो बात करते हुए डिस्ट्रिक्ट बोर्ड से कुछ सहायता मिल सकती है कि नहीं इस पर सोचा गया। फिर निकट में कहीं भी अस्पताल हैं कि नहीं इसका भी तदारुक होवे यह कहा गया। निदान यह स्थिर हुआ—

(क) कि डि० बोर्ड से पूछ पाछ किया जाए कि टकरमा के निकट में कोई भी बोर्ड के अस्पताल वगैरह हैं कि नहीं अथवा कहीं भी खाली घर या बंगले ऐसे काम के लिये मिल सकेंगे अथवा नहीं। यह समाचार पाने पर अस्पताल खोलने और डि० बोर्ड से मदद-ग्रैन्ट पाने का परिश्रम किया जाए। वर्तमान में यह विषय मुलतवी रखा जाए।

४। नेटिव क्रिश्चन कौंसिल खजाना।

नेटिव क्रिश्चन कौंसिल के सेक्रेटरी मास्टर पाड्रो होज़ साहिब की चिट्ठी पढ़ी गई जिसमें आपने जगदप्रसिद्ध खीष्टीयान नेता डा० मोट के कहे अनुसार कि कौंसिल का खजाना भी स्वदेशी बनाया जाए एक कमेटी भेजी कि लोगों से चन्दा लिया जाए कि कौंसिल के खजाने को पूरा मदद मिले।

सेक्रेटरी को कहा गया कि वे एक चन्दा-पत्र खोलें और कुछ लोगों से चन्दा एकठा करके होज़ साहिब को भेज देवें।

५। पादरी इम्मानूएल कुजूर का तलब।

पादरी इम्मानूएल कुजूर ने एक दरखास्त भेजा जिसमें उसने दिखाया है कि उसको १८३१ में महवारे २७) के हिसाब से सिर्फ ७५) मिला है सो उसको इन १८३२ में " " " " १८६) मिला है सो २ बरसों के लिये बाकी २८४) पाना है। इलाका वेयरमैन ने उसको कहा कि इलाके के अन्य पादरियों को जैसा मिला वैसा उसको भी अबतक मिला है। इस दरखास्त पर पूरा ध्यान दिया गया और चिट्ठे निपटारा हुआ—

संकल्प: कि पादरी इम्मानूएल कुजूर को बताया जाए कि वे अपना पूरापूरा तलब प्रति महीना पाने की दावी नहीं कर सकते हैं क्योंकि पादरियों को तलब केवल इलाके के खजाने के सामर्थ्य के अनुसार दिया जा सकता है। स्कैल जो है सो तो वही नाप है जिसके ऊपर इलाका अपने कर्मचारियों को नहीं दे सकती है इसलिये बकाया तलब कहके पाने की अर्जी जो हो सो ग्रहण नहीं हो सकती।

६। रिट्रेन्चमेन्ट।

सेक्रेटरी ने बिहार-उड़ीसा क्रिश्चियन कौंसिल के सेक्रेटरी की चिट्ठी पढ़ सुनाई जिसमें मिशन और मराठलियों के सेक्रेटरियों को लिखा गया कि यदि उनके मिशन संस्थाओं में रिट्रेन्चमेन्ट की व्यवस्था किई जाती है तो वे ऐसी बातों को प्रादेशिक और नेटिव क्रिश्चन कौंसिल को जनावें जिसमें वे इस विषय पर उचित हो तो उपयुक्त परामर्श दे सकें।

कार्य्यकारिणी सभा ने कहा कि बुमाते मराठली में रिट्रेंचमेन्ट का तो प्रश्न ही नहीं है परन्तु जहां इलाकों में आमदनी बांटने की बात है अर्थात् जो आमदनी होती है उसे कैसे दर्जे के कर्मचारियों के बीच में दर्जे के भाव से अनुपात पर बांटते हैं।

[टिप्पणी— सेक्रेटरी को कहा गया कि इस विषय पर एक छोटा स्टेटमेन्ट प्रादेशिक कौंसिल की जानकारी के लिये लिखें।]

७। कौंसिल को २०% शैक्षड़ा देन ।

खजाना के विषय में बातचीत करते हुए मि० निर्मल सोय की एक स्कीम पढ़ी गई जिसमें २०% शैक्षड़ा देन न पाने से काम चलाने की कठिनाई के विषय लिखा था तथा कौन एक उपाय बताये गये हैं जिनसे यह देन परिश्रम करने से पाया जा सकता है।

संकल्प: (क) कि सर्वेक इलाकों को यह याद दिलाया जाए कि वे अपना अपना २०% शैक्षड़ा देन कौंसिल को शीघ्र भेजें।

3c (ख) कि मि० निर्मल सोय की स्कीम आगामी पूरी कौंसिल में रखी जाए जिससे उसपर पूरी रीति से विचार किया जा सके।

शिक्षा विभाग ।

१। लोहरदगा के मरम्मत काम ।

हेड-सुपरवैजर ने यह पेश किया कि लोहरदगा स्कूल के लिये हास्टेल और कूंवा मरम्मत करना आवश्यक है जिसके लिये ६५) खर्च करना एस्टीमेट किया गया।

3c संकल्प: कि लोहरदगा स्कूल का हास्टेल और कूंवा के मरम्मत के लिये ६५) मंजूर किया जाए।

२। कोरांजो स्कूल में सेंडू-डेस्क ।

कोरांजो हेड मास्टर की चिट्ठी जो हेड सुपरवैजर द्वारा आई थी पढ़ी गई। इसमें वहां के डेस्कों को काटकर सेंडू डेस्क बनाने के खर्च का एस्टीमेट किया हुआ था। बातचीत होकर फैसला हुआ—

3c संकल्प: कि कोरांजो स्कूल में सेंडू डेस्क बनाने के लिये २५) जो एस्टीमेट हुआ—हो सो मनजूर किया जाता है।

३। हेडमास्टरों की बदलियां।

स्कूल विभाग के अफसरों की सिफारिश पर तथा और अन्य कारणों से उचित धूम पड़ा कि हेडमास्टरों की बदलियां होवें। कार्यकारक सभा ने इस विषय पर हेडसुपरवैजर को सुना तथा आपसी खर्च वर्च के विषय, तथा दूरी के विषय और स्कूलों की दशा पर ध्यान करते हुए यह फैसला किया—

4c संकल्प: कि १९३४ के आरम्भ से कोरांजो का हेड मास्टर मि० नथानियेल तोपनो टकरमा जाय और टकरमा का हेड मास्टर मि० पुरुषोत्तम भेंगरा टकरमा से कोरांजो जाके वहां के स्कूल का जिम्मा लेवे।

४। गांगपुर राज्य के स्कूल ।

खास राज्यगांगपुर के स्कूल की दशा पर ध्यान देते हुए कौंसिल ने एक डिपुटेशन भेजाई थी कि वह गांगपुर के सुदरगढ़ में दीवान पास जाके स्कूलों के विषय बातचीत करे। सो खजांची पादरी एम० पहन और हेड-सुपरवैजर दोनों जन पादरी ग्रूस के संग वहां गये थे और अपनी लिखित और मुंहजबानी रिपोर्ट दिये जो सुना गया। यह रिपोर्ट आशामय है कि स्कूलों की दशा का सुधार होगा।

2c संकल्प: कि कौंसिल सहर्ष डिपुटेशन की रिपोर्ट को ग्रहण करती है परन्तु यह विषय फिर से लिया जाए जब गांगपुर के दीवान से उक्त रिपोर्ट पर को मंजूरी आवेगी।

871/34.

8.1.'34.

६।

कार्यकारक सभा की बैठकी ।

मन्तव्य ।

ता: १८ दिसम्बर १९३३ ॥

आज के दिन निम्न लिखे कार्यकारक सभासदगण तथा स्थानीय अंग जो बुलाये गये थे सो उपस्थित आये —

१। पाद्री एम० प्रेट्ट ... ... रवजांची ।
२। ॥ एम० केरिस
३। मि० निर्मल सोय
४। ॥ सामूएल पुर्ती
५। ॥ विक्टर हेरथ ... ... सेक्रेटरी ।

आज प्रेसिडेन्ट कहीं गये हुए थे सो वे अनुपस्थित हुए और पाद्री योएल एकका भी घटना गये थे ।

सेक्रेटरी ने आज की बैठकी का एक मात्र विषय पेश किये अर्थात आप ने कहा कि मि० इलियास तोपोनो के लिये कौंसिल ने एक प्रकार से मार लिया कि उसके प्रतिपालन के लिये मराडलो में उसका काम रहेगा। हाई स्कूल में उसके काम के सम्बन्ध में जो रोकथेड़ था सो बताया गया और सब विषयों पर ध्यान देकर यह स्थिर किया गया —

संकल्प: कि १९३४ के जनवरी के आरम्भ से बाबू इलियास तोपोनो बर्च कौंसिल की ओर से मराडलियों के हिसाब किताबों को जांच करने के लिये ठहराये जाते हैं । वे सिर्फ एक बरस के लिये वर्तमान में प्रोबेशन में रहेंगे और इस समय के लिये उसे २५) महीना मिला करेगा । अलग कोई ट्रेवेलिंग एलौवेन्स नहीं मिल सकेगा । वह हिसाब किताब जांच छोड़ अन्य प्रकार से मराडलो के कामों में कोई रोकटोक नहीं करेगा । वह अपना सब काम आज कौंसिल के रवजांची के अधीन होकर किया करेगा और उसकी आज्ञाओं के अनुसार काम करता रहेगा । उसका काम प्रचारकथन, पेरिश और इलाकों में होगा और हेड सुपरमेंजर से विशेष अनुमति पाने पर स्कूलों के हिसाबों का जांच भी करेगा । वह अपना सफर का प्रोग्राम अगले महीना के का चलते हुए महीना के अन्त होने के पहिले देगा जिसके उनकल होंगे एक कौंसिल आफिस के लिये, दूसरा रवजांची के आफिस के लिये और तीसरा उस इलाके के लिये जहां वह जांच के लिये जायगा । रवजांची इस प्रोग्राम में अदल बदल कर सकेंगे और काम चलाने का प्रबन्ध भी करेंगे ॥

इतना हो जाने पर प्रार्थना हुई और सभा विसर्जन हुई ॥

Fr. Pelissard
६/१/३४ S. I. 34.

कार्य्यकारक सभा की बैठकी।

ता: ८ जनवरी १९३४।

आज के दिन में इस नवीन साल के आरम्भ में कार्य्यकारक सभा की पहिली बैठकी हुई और निम्न लिखे सभासद एकठे आये :—

१। पादुी एम० ग्रेहन ... ... खजांची।
२। मि० पिटर हुरु ... ... सेक्रेटरी।
३। मि० सामुएल पुर्ती सभापति चुने गये।

प्रेसिडेन्ट अब लों हेड क्वार्टर नहीं लौटे पर टकरमा ही में हैं इसलिये आज की बैठकी के लिये मि० सामुएल पुर्ती सभापति चुने गये। पादुी योसल एकका उपस्थित नहीं आ सके। आपने लिख भेजा कि आज के दिन आप का स्कूल खुला है सो आप की अनुपस्थिति मुवाफ किई जाए।

आरम्भ में सेक्रेटरी ही ने प्रार्थना किई और तब सभा के काम समाधान हुए:—

I मण्डली-विभाग।

१। आगामी चर्च कौंसल की बैठकी।

सुभीते और असुभीते पर ध्यान कर तथा अन्य सभा और पञ्चायतों की तारीखों को ध्यान में रखते हुए यह भला समझा गया कि आगामी पूर्वी चर्च कौंसल की बैठकी ता: १३ फरवरी मंगलवार से लेकर होवे। इसका नोटिस शुभ समय में सब ओं को दिया जाए।

२। तमाड़ में मिशनरी की मांग।

सेक्रेटरी ने एक दरखास्त पढ़ी जिसमें एक मिशनरी तमाड़ इलाके के लिये भेजा जाए ऐसा लिखा था। कहा गया यह विषय पूर्वी कौंसल में रखा जाए।

II सम्पत्ति-विभाग।

३। क्रि० से० को० बैंक को जमीन।

रांची होते में बैंक घर है ही है सो एसिसटेन्ट रजिस्ट्रार ने यह दरखास्त रिलीजिनी जेशन कमिटी के नाम पर भेजी कि बैंक के चहुंगर्द विशेषत: तलाव के पश्चिमीय भाग की जमीन बैंक को दिई जाए जिस्तें वहां वह बगान और स्टाफ के लिये घर आदि बना सके। और क्रास रोड पर जो औट-हाउस खजूर गाछ के ठीकेदार को लिये बनाने को स्थिर किया गया है सो वहां न बनाया जाए पर बैंक की उत्तर ओर बनाई जाए।

सेक्रेटरी ने इस विषय पर जो लिखा पढ़ा किई है उसे पढ़ सुनाई अर्थात बैंक का डिवेलोपमेन्ट स्कीम कौंसल को भेजी जाए जिस्तें कौंसल देखे कि बैंक कहां तक ऐसे काम के लिये रुपैया खर्च करने को तैयार है इत्यादि। इस पर यह स्थिर हुआ कि यह विषय भविष्यत के लिये छोड़ा जाए जब बैंक की स्कीम आवेगी॥

४। पादुी धर्मदास कुजुर की रिपोर्ट।

सेक्रेटरी ने कौंसल को कार्य्यकारक सभा को बताया कि खूंटीटोली से पादुी धर्मदास पादुी ने लिखा है कि ठीकेदारी आफिस जो कि कौंसल के बन्दोबस्त किये हुई जमीन से मिला है सो क्या किया जाए जिस्तें उसको वहां की सम्पत्ति देखभाल के लिये नौकर मिलेगा कि नहीं इत्यादि। सेक्रेटरी ने बताया कि यह चिट्ठी विभाग के प्रधान को उचित कारवाई के लिये विभाग को भेजा गया है और उसका नकल यहां आफिस में रखा गया है॥

५। सिरुमटोली टीम का दरखास्त।

सिरुमटोली के खीष्टीयान युवकों की टीम ने दरखास्त किया कि उनको फिर से १९३४ में खेलने के लिये हाते का वह टांड़ जो तलाव के पूर्व में है सो दिया जाए। इस पर बात-चीत हुई और यह स्थिर हुआ—

संकल्प: कि सिरुमटोली के जवानों की हाकी टीम को तलाव के पूर्व के मैदान में खेलने की अनुमति १९३४ के लिये दिई जाए इस शर्त पर कि वे मैदान को अच्छी दशा में साफ सुथरा रखें और बेवी आदमियों को आने से रोकें कि इधर उधर रस्ता न बनाया जाए॥

६। खेत, आदि जमीनों और सम्पत्तियों के
बन्दोबस्तों ॥

सेक्रेटरी ने यह बात निकाली कि अबतो माघ चढ़ रहा है और इसी समय में सब जमीन जगहों को बन्दोबस्त होने चाहिये और मालगुजारी का अध्याय करने को भी प्रबन्ध होना चाहिये ।

सभा को बताया गया कि सम्पत्ति की नई कमेटी जो बनाई गई है उस इस बात पर विचार कर रही है । समझा गया कि ऐसे बन्दोबस्तों करना का प्रबन्ध कौंसिल को बताया जायगा ।

III शिक्षा-विभाग ।

१। मिडिल स्कूलों के हेड मास्टरों की बदलियाँ ।

हेड-सुपरवैजर ने कोरोंजो के हेडमास्टर मि० स्थानियेल तोपोनो के स्थान पर मि० प्रभुसहाय मेंगरा की उनुर दरखास्त पेश किई और इस दरखास्त के उज्र के बारों पर ध्यान दिया गया । विचार करने पर यही जचा कि उज्र के विषय ऐसे कठिन नहीं हैं कि बदली रोक दिई जाय । सो

संकल्प: कि बदली के दरखास्त पर जो मि० प्रभुसहाय मेंगरा से आया था तथा इलाके की ओर से भी जो उज्र की चिट्ठी आई थी इन पर उचित ध्यान देकर स्थिर हुआ कि बदली का हुक्म जो कौंसिल से दिया जा चुका है सो बहाल रहे ॥

~~II~~ ८। हाई स्कूल मैनेजिंग कमिटी में कौंसिल का प्रतिनिधी ।

सेक्रेटरी ने कार्य्यकारक सभा को हाई स्कूल प्रिन्सिपेल की चिट्ठी पढ़ सुनाई जिसमें कौंसिल के सेक्रेटरी के बदले अन्य प्रतिनिधी को हाई स्कूल मैनेजिंग कमिटी में ~~प्रतिनिधि~~ भेजने के विषय लिखा था । सेक्रेटरी ने इस विषय पर इन्सपेक्टर को एक चिट्ठी नई पढ़, ~~सुनाई~~ सुनाई । सुन कर यह स्थिर हुआ कि यह विषय आगामी फुल कौंसिल के सामने रखा जाए ॥

IV खजाना-विभाग ।

बैंक को डिपाजीट मांग ।

खोखीयान सेन्ट्रल बैंक की ओर से एसिसटेन्ट रजिस्ट्रार ने यह लिख भेजा कि अब बैंक की दशा सुधारने को उचित प्रबन्ध किया जा रहा है और अब बैंक सम्बन्धी कारबार ठीक से किया जायगा और इस बात पर विश्वास दिलाने को उसने स्थानीय सरकार की मंजूरी मांगी है कि बैंक के एसेट (asset) का पहिला काम होगा कि मिशन के पैसों को जब जब दरकार हो पहिले दिया करेगी । इस पर विचार हुआ और यही स्थिर हुआ -

संकल्प: कि कार्य्यकारक सभा रजिस्ट्रार से पूरी रीति से सुनिश्चित करे उचित होवे तो जो कुछ खजाने से चलती हिसाब में होगा सो डिपाजीट के रूप में रखा जाए और लम्बी डिपाजीट इत्यादि के लिये ट्रस्टियों को जनाया जाए कि वे ~~इस~~ बैंक की शर्तों पर विचार करें और उचित समझें तो डिपाजीट रखें ।

सभा के इन कामों के हो जाने पर अन्त में फिर से प्रार्थना हुई और सभा विसर्जन हुई ।

J. Toppo.
19.2.34.

Bhuwal
14.1.34.

पूर्ण चर्च कौंसिल की बैठकी ।

[सोमवार-ता: १६ अप्रेल १९३४ ।]

आज १६ अप्रेल सोमवार को १९३४ की महासभा के पीछे चर्च कौंसिल की पहिली बैठक हुई और सभा का काम प्रार्थना के संग आरम्भ हुआ ।

निम्न लिखे पदधारी और सभासदगण उपस्थित थे :—

१। पादुी योहन तोपोनो ... ... प्रेसिडेन्ट ।
२। " समा० प्रेहन ... ... सेजनिो ।
३। " अ० जोन ।
४। " स्म० केरशिस ।
५। " योसेल लकड़ ।
६। " सुलेमान कुला ।
७। " जिलो तिगा ।
८। मि० निर्मल सोप ।
९। " पिटर हुरु ... ... सेक्रेटरी ।

मि० थेओदोर छुरिन और मि० साम्यूल पुर्ती दोनो महाशयों ने क्षमा-पत्र भेजा कि आप दोनों अपने आवश्यक कामों के लिये नहीं आ सके। सभा ने आप दोनों की अनुपस्थिति को ग्रहण किया । आज के दिन निम्न लिखे आज आज सम्पादन हुए :—

१। नये और पुराने अंग ।

प्रेसिडेन्ट ने आरम्भ में पादुी दाऊद कुजुर के कामों को स्मरण कराया और कहा कि आप एक आरम्भ से चर्च कौंसिल के अंग रहे थे और आप ने हर प्रकार से कौंसिल को सहायता दिई थी । फिर प्रेसिडेन्ट ने पादुी सुलेमान कुला को जो टकरमा इलाके के चेयरमैन हैं स्वागत किया और इस विषय पर यह

संकल्प: (क) कि पादुी दाऊद कुजुर को चर्च कौंसिल का धन्यवाद जनाया जाए इसलिये कि आप ने एक आरम्भ से चर्च कौंसिल को अपने ~~बहुमूल्य~~ परामर्शों से तथा अपने प्रेमसंयुक्त व्यवहारों से सहायता दिई और आगा ~~की~~ ~~कि कौंसिलमैन रहने पर भी~~ आप आगे ~~महिलों~~ महिलों की सुदशा के लिये उचित चिन्ता और सेवा करेंगे

(ख) कि चर्च कौंसिल पादुी सुलेमान कुला को हृदय से स्वागत देती है और यह आशा रखती है कि आप अपने बीते अनुभवों के द्वारा कौंसिल को हर बात और काम में सुपरामर्श देंगे और महिलों की भलाई के लिये उचित काम करते हुए सहाय करेंगे ।

२। कारीमट्टी हाता घरों का मरम्मत ।

आवश्यकता के कारण कारीमट्टी के वर्त्तमान पादुी मनसुख मानकी का दरखास्त और एस्टीमेट पेश हुआ जिस्में घर लौटने के पहिले हाता के घरों की मरम्मती के लिये कुछ सहायता ~~के~~ अर्थात रुपैया लेके जावे । प्रेसिडेन्ट और मि० सोप जो हाल में वहां गये थे उक्त पादुी के कामों का वर्णन किये और वार्तालाप होकर स्थिर हुआ-

संकल्प: कि कारीमट्टी के ४००) के एस्टीमेट पर अभी सिर्फ १००) देने की मंजूरी होवे और आज ~~के~~ पादुी मनसुख मानकी को ५०) एडवान्स दिया जाए । कौंसिल आशा करती है कि इलाका अधाशक्ति ~~की~~ मरम्मती काम में सहायता देगी और हाता के घरों को सुदशा में रखेगी ।

३। इलाका चेयरमैनी और हेडमास्टरी।

प्रेसिडेन्ट ने कहा कि पाड्डी जिला तीरुवल्ला के रहते यह प्रश्न कथित उसके इलाका चेयरमैनी करने और साथ साथ हेडमास्टरी करने का प्रश्न तय किया जाए। स्कूल दोहरा के बीच में देरफेर और बदल करने पर जोर दिया गया। फिर यह भी बताया गया कि दोनों काम भारी जवाबदिही के काम हैं ~~[illegible]~~ और इसलिये दोनों काम उचितरुप से नहीं सम्पादन हो सकते क्योंकि इलाका-चेयरमैन का काम है कि समूची इलाके के पाड्डियों का काम भी देखे और अपने परिवार का भी जवाबदिह रहे। पाड्डी पौलुस मुन्नू को बदली में कहां तक एकटोक होगा इस पर भी ध्यान दिया गया। यह भी कहा गया कि वर्त्तमान में इस वरस भर पाड्डी जिला स्कूल में काम करे और दूसरा चेयरमैन रखा जाय और तक आने वाले वरस में देखा जायगा कि वह स्कूल में कि मंडली में काम करेगा। इस विषय पर बहुत कुछ बातचीत होकर यों अन्त हुआ—

संकल्पः (क) कि पाड्डी जिला तीरुवल्ला १९३४ के अन्त तक इलाका-चेयरमैनी का और हेडमास्टरी का काम भी करे।

(ख) कि पाड्डी दाऊद सोरेंगे जिसको रानीखेत आने का हुक्म हुआ है उसको गोविन्दपुर में पाड्डी जिला तीरुवल्ला इलाका-चेयरमैन का सहायक होके काम करने का हुक्म शीघ्र भेजा जाए।

४। खाली पेरिशों का प्रबन्ध।

अब पाड्डियों के बदले और स्थान ठहराने के सम्बन्ध पर बातचीत करने में खाली पेरिशों के विषय उल्लेख हुआ अर्थात गोविन्दपुर, लोवाहल, चेनपुर और उम्बुलवाहा। चेनपुर और उम्बुलवाहा के लिये दरखास्त थे सो पढ़े गये—

उम्बुलवाहा।—(क) यहां के दरखास्त पर बातचीत करते हुए यह विचार हुआ कि अमलेसा के पाड्डी योहन नैगरा के हेदायत दिया जाए कि जबतक अच्छा प्रबन्ध उम्बुलवाहा के लिये न होवे तबतक वह समूचे इलाके में साक्रामेन्तों के लिये बराबर सफर करे।

(ख) कि उम्बुलवाहा के कंडिदात मरकस संगा के सम्बन्ध में जो दरखास्त महासभा के समय इलाके के पाड्डियों से दिया गया उस पर ध्यान करते हुए प्रेसिडेन्ट इलाका से कंडिदात के भाव पर जो उसके पिता को सम्बन्ध पर हुआ है तदारुक करे और निरीक्षावली के अनुसार उचित समय में यथाशीघ्र कौंसिल में अपना राय पेश करे।

~~चेनपुर~~ — चेनपुर में पाड्डी नथानियेल खलखो के स्थान पर कैमेल के पाड्डी इम्मानूएल कुजुर को बदली हो गई है पर वह बदली आने में नाहक रहा है और नाना प्रकार की बातों को कहके बदली मानने नहीं चाहता है। उसके भाव पर तथा उसके भविष्यत व्यवहार पर बातचीत हुई और यही बात स्थिर हुई—

संकल्पः (क) कि पाड्डी अन्जोन साहब पहिले पाड्डी इम्मानूएल कुजुर को समस्या के चिट्ठी लिखेंगे कि वह चेनपुर आवें।

(ख) कि जिस समय से पाड्डी इम्मानूएल कुजुर को बदली का हुक्म मिला है उस समय से कैमेल इलाका उसके तलब देने के लिये जवाबदिही

नहीं है और उसको चैनपुर जिस तारिख में अपने काम में हाजिर होगा उसी तारिख से तलब देने को चैनपुर इलाका जवाबदिहे ठहरेगा।

(ग) पादरी अ० जोन लाहिन जो समझौते की चिट्ठी पर जो जवाब होगा उस पर क्या कारवाई होगी उसको कौंसिल को कार्यकारक सभा करेगी।

दूसरी वेला। [साढ़े तीन बजे।]

दूसरी वेले में अगली वेले के जितने अंग थे उन के उपरान्त मि० थेओदोर सुरित हाजिर आये और सभा का काम ३.३० आरम्भ हुआ।

५। बाबू बरनाबास हेमरोम।

जो डिपुटेशन बाबू बरनाबास हेमरोम के विषय पर तदारुक करने गई थी उसने अपनी रिपोर्ट पेश किई। रिपोर्ट से मालूम हुआ कि अभी उसने प्रस्तुत्योक्त रखा है और इलाका पंच में जो जन उपस्थित थे उनसे मालूम हुआ कि उसको काम दिया जा सकता है पर एकसेप्टोक है अर्थात उसने कुछ किसी जन से लिया था जिसको वह नकरार जाता है। जब तक इस विषय पर सफाई न होने तक तक उसको काम नहीं दिया जा सकता है। सो यह विचार हुआ—

संकल्प: कि जो डिपुटेशन गया था वही डिपुटेशन फिर जाके बाबू बरनाबास के रुपैया लेने अथवा न लेने के विषय में तदारुक कर अपनी रिपोर्ट कार्यकारक सभा में पेश करे।

done

६। हाई-स्कूल।

आज इस वेले में साढ़े छः बजे तक हाई स्कूल के विषय पर बातचीत हुई और आज रवत्तम न होने से दूसरे दिन आगे बातचीत का कैसला करने की बात हुई। सो इस विषय पर का वादानुवाद और मन्तव्य दूसरे दिन के मन्तव्य के संग में एक संग किया जाय॥

साढ़े छः बजने पर प्रार्थना हुई और सभा विसर्जन हुई॥

ता: १७ अप्रेल [मंगलवार] १८३४॥

आज फिर दूसरे दिन के लिये सभा एकट्ठी आई और निम्न लिखे सभासदगण उपस्थित आये:—

१। पादरी थोहन तोपनो ... ... प्रेसिडेन्ट।
२। " अ० जोन।
३। " अ० केरिशस
४। " थोरल्ल जकड़।
५। " सुलेमान कुला।
६। " जिलो तोगा।
७। मि० निर्मल सोथ।
८ " थेओदोर सुरित
९। " पिटर डरके ... ... सेक्रेटरी

मि० सामूएल पुती अनुपस्थित थे। पादरी अ० प्रेहन विमार पड़े इसलिये सभा में नहीं आ सके।

आज के दिन निम्न लिखे काम सम्पादन हुए। ~~आज~~ आज हाई स्कूल का विषय नहीं लिया जा सका क्योंकि मो० पाड्डे एम० ए० बीमार पड़े और वे आपही मैनेजिंग-कमिटी का मेम्बर चुने जाने के कारण इस विषय में उलझे हैं और इसलिये उनके बिना इस विषय को पकड़ना भला नहीं समझा गया।

७। महासभा का जवाब—चरवाहे पत्रों पर।

सेक्रेटरी ने यह पेश किया कि महासभा ने अपने नाम पर जो चरवाहे पत्रों वर्लिन बोर्ड से आई थी उसका उत्तर देने के लिये कौंसिल को आदेश दिया है सो कौंसिल को इस पर ध्यान देना है। अगले सालों की प्रथा बताई गई और यही ~~को~~ तै हुआ—

संकल्प: कि प्रेसिडेन्ट ही चरवाहे पत्रों का प्रत्युत्तर वर्लिन बोर्ड के लिये तैयार करें और वह कार्यकारक सभा में लाया जाके विचार होने पर वर्लिन ब्यूरो-रिपोर्ट को भेज दिया जाए। done

८। प्रांतीय कौंसिल को प्रत्युत्तर।

बिहार उड़ीसा क्रिश्चियन कौंसिल की ओर से उनके सेक्रेटरी ने हमारी महासभा को नमस्कार भेजा था जो पढ़ा गया। इसे स्वीकार कर धन्यवाद प्रकाश करने का आदेश कौंसिल को दिया गया था.

संकल्प: कि कौंसिल का सेक्रेटरी बिहार उड़ीसा क्रिश्चियन कौंसिल के हार्दिक नमस्कार को स्वीकार करते हुए हमारे कौंसिल का धन्यवाद लिख पढ़ावे। यह चिट्ठी भी कार्यकारक सभा में पेश होवे। I will do it

९। विधवा तथा नाबालिगों को सहाय।

महासभा के संकल्प पर कि "जो पादरी मर गये हैं उनके सहायहीन बच्चों और विधवाओं को सहायता किई जावे" करवाई की आवश्यकता है। इस मोटे विषय पर तर्क वितर्क करते हुए यह स्थिर हुआ—

संकल्प: (क) कि विधवा खजाना जो अभी तक है उसे पुनर्जीवित करने के लिये पहिले का नियम देखा जाए और उसके संग आवश्यक समझा जाए तो नये नियम जोड़े जाएं और यह खजाना उचितरूप से जारी किया जाए। इस काम को करने के लिये प्रेसिडेन्ट, खजांची और मि० निर्मल सोप इन तीन जनों की एक कमिटी होवे जिसका कानवीनर खजांची रहे। यह कमिटी अपने नियम और स्कीम कौंसिल में पेश करें। 4C

[मृत पादरी मनसीह तुशुत पादरी की विधवा को काम देके सहाय करने के सम्बन्ध में इलाका से और मिस्स हैंसे से १५ दिन के भीतर जवाब देने का समय ठहराया जाए।]

(ख) विधवाओं और नाबालिगों को वर्तमान विधवा खजाना का सहाय छोड़के उचितरूप में सहायता देने को अर्थात उनके प्रतिपालन के लिये सहाय देने को क्या करना होगा इसके सम्बन्ध में भी उपरोक्त कमिटी ही स्कीम देवें। यह स्कीम ३ महीने के भीतर में बनाया जाए जो कार्यकारक सभा में पेश होवे। मंगा तराई के मूल्य का कोई निश्चित भाग इस काम के लिये भी अलग किया जाए वा नहीं इसके विषय भी यह कमिटी विचार करे।

१०। धन जन की अपील।

सेक्रेटरी ने कौंसिल को महासभा की संकल्प पढ़, सुनाया जहां लिखा था—"महासभा से वर्लिन बोर्ड को एक अपील धन जन के लिये चर्च कौंसिल के द्वारा भेजी जाए।" और अभी इसी विषय पर कौंसिल को कर्वाई करना है

इस विषय पर ~~वा~~ बातचीत करते हुए कहा गया कि महासभा में यह इच्छा प्रकाश किई गई थी कि कौंसिल कोई ऐसी बात न लिखे जिससे इस अपील में कोई रुकावट होवे। तर्क वितर्क करते हुए यह बोला गया कि यह विषय तो एग्रीमेन्ट के आधार पर होगा और यह भी देखना है कि वर्लिन बोर्ड किस पर अधिक ध्यान देगी अर्थात महासभा की इच्छा पर कि कौंसिल की चिट्ठी पर। फिर यह भी कहा गया कि कौंसिल के किसी सदस्य को अपने ~~प्रैवेट~~ विचार लिख भेजने में कोई आपत्ति नहीं है। यह तय हुआ।

~~कि~~ संकल्प: (क) कि जैसा कहा जा चुका है मंडली की आर्थिक अवस्था पर कौंसिल एक स्टेटमेन्ट तैयार करे और वैसे ही स्कूलों की वर्तमान दशा पर हेड-मुखरमेजर अपना स्टेटिक्स देवें और कौंसिल उस पर एक मेमोरेन्डम तैयार करे जो वर्लिन बोर्ड के पास धन जन के लिये तथा अन्य खैरात बोर्डों के पास और दूसरे मिशनरी संस्थाओं के पास भी आर्थिक सहायता के लिये भेजा जाए।

done

१९। पादियों का सहाय अपील।

महासभा के समक्ष में आये हुए पादियों ने आर्थिक सहायता के लिये एक अर्जीपत्र महासभा में पेश किया जिस पर यह ठहराया गया कि नं: १७ में दिये हुए अपील के साथ साथ पादीवर्ग का दरखास्त भी वर्लिन बोर्ड को भेज दिया जाए। इस पर बातचीत होके यह स्थिर हुआ—

send

संकल्प: कि पादी वर्ग का दरखास्त जो महासभा में पेश था सो मूल में (as enclosure) वर्लिन बोर्ड के पास सहानुभूति विचार के लिये भेज दिया जाए।

१२। रिजर्व फंड।

सेक्रेटरी ने महासभा का विचार जो रिजर्व फंड के विषय था सो सभा को पढ़ सुनाया और कहा कि मिस्स सोके मि० पत्रा के स्थान पर चुने जाके इस कमिटी के कनवीनर होते हैं। इस कमिटी के अंग हैं मि० नैमन टोप्पो, मि० सामूएल मुर्ती और अभी मिस्स सोके।

send

संकल्प: कि मिस्स सोके को यह समाचार दिया जाए कि वे महासभा से रिजर्व फंड के काम को जारी रखने के लिये कनवीनर ठहराये गये हैं और मि० नैमन टोप्पो और मि० सामूएल मुर्ती इस कमिटी के अन्य अंग हैं।

१३। कार्मचारी सहायता खजाना।

सब प्रकार के कार्मचारियों को जिनकी दशा सोचनीय हो जाती है और जिनको स्थानीय मंडली खजाना से उचित प्रतिपालन योग्य वेतन नहीं मिलता है उनके बारे बातचीत हुई। सेक्रेटेरियेट न करने से ऐसी दशा हो सकती है और करने पर भी यदि ऐसी दशा हो तो क्या करना चाहिये इस पर बातचीत हुई। फिर मंडलियों के हिसाब जो इलाका इलाका से दिये हुए हैं उन पर सोचा गया। पाया गया सचमुच मंडली को असल आमदनी का हिसाब नहीं दिया जाता है मंडली को आमदनी बहुत भी बढ़ सकती है पर हिसाब किताब ठीक से नहीं रखा जाता और दिया जाता है। सो तर्क वितर्क करने के अन्त हुआ—

See

संकल्प: कि जायदाद विभाग को आमदनी को वह अंश जो मंडली को दिया जायगा कहा गया है सो सहायता खजाना के लिये रखा जाए॥ इस खजाने से उन इलाकों को सहायता दिया जाए जिन इलाकों के सब कार्मचारी और पंच सभा सेक्रेटेरियेट करते हैं।

१४। Rules of Procedure
सभा शासन के नियम ॥

सेक्रेटरी ने बताया कि महासभा के अन्तिम दिन के अन्तिम घंटों में यह प्रस्ताव हो के ~~[illegible]~~ बहुतों से समर्थन मिलेगा कि भविष्यत में महासभा और अन्य सभाओं में नियमित रीति से काम चलाने के लिये बोलने वालों के अधिकार तथा सभापति और उत्तरदेनेवालों के अधिकारों के विषय में एक पूरा और उपयुक्त सभा-शासन का नियम संग्रह बनाया जाए। खेद का विषय कि यह बात रिकोर्डिंग सेक्रेटरियों ने छोड़ दिया। इस पर बातचीत होकर यह स्थिर हुआ—

संकल्प: कि सभा-शासन के नियमों को कार्यकारक सभा बनावे और सेक्रेटरी इस काम के लिये ड्राफ्ट तैयार करें जो कार्यकारक सभा और कौंसिल से देखा जाके आगामी महासभा में पेश होवे ॥

१५। और एक हाई स्कूल।

महासभा में जो प्रतिनिधि लोग आये थे उनमें से बहुतेरे जो दरिन की मंडलियों से थे मिलके एक अर्जीपत्र दर्किन बोर्ड के पास भेजने को सही करके महासभा में पेश किये थे। समय के अभाव से यह दरखास्त वहां विचारा नहीं जा सका पर यह आदेश दिया गया कि यह दरखास्त कौंसिल को दिया जाए जो उस पर विचार करके दर्किन बोर्ड को भेजे।

संकल्प: कि दरिन की मंडलियों के लिये कारो से दरिन कोई एक हाई स्कूल बनाने के लिये जो दरखास्त पेश है सो मूल में दर्किन बोर्ड के सिफारिश के लिये भेज दिया जाए ॥

[१७ अप्रेल ~~दूसरी वेला~~। १६३४ साढ़े ३ बजे।]

१६। यशापुर की नई स्थिति।

सेक्रेटरी ने सभा के साम्हने यशापुर के सम्बन्ध में बातें पेश किई अर्थात बताया कि प्रैवेट रीति से लोगों का कहना है कि लूथरान लोग बलवा करते हैं। फिर केदखानी को गिरफ्तार उठा देने के सम्बन्ध में ~~[illegible]~~ दीवान ने जो फैसला भेजा है अर्थात जो जोन साहब को भेजा गया था उसका नकल पढ़ कर सुनाया गया। फिर १६८७ई० में जो शर्तनामा हुए थे वे पढ़े गये अर्थात जो शर्त १६८७ के मिशन रिपोर्ट में छापे हुए हैं। इन सब पर तर्कवितर्क कर यह स्थिर हुआ—

संकल्प। कि उपरोक्त विषयों पर लिखापढ़ी करने के बदले भला होगा कि ~~[illegible]~~ चर्च कौंसिल के कितने सदस्य चाहे एक डिपुटेशन यशापुर जाए और वहां वुड दीवान के साथ में बातचीत कर समझौता करे। डिपुटेशन में पादरी क० जोन, पादरी सम० शीवे और सेक्रेटरी हुए जाएं ॥

१७। पुरुलिया में सादी आदि।

पुरुलिया के चेयरमैन ने ४ जोड़ों के विषय में अपनी चिट्ठी तथा पुलिस के तदारुक की रिपोर्ट आदि भेजा अर्थात :— रगडू मर्दी और आनन्दिनी मरमू; योनाथान हिलकर और मिकनी मुंडयाईन; नन्दू उरांव और सन्तो की प्रेम फिर रवी आनन्द हांसदा और निशि मुंडयाईन। प्रथम ३ जोड़ों में एक एकपत्नी के जन सांसारिक हैं और दूसरे पक्ष जवान या मूनती हैं जो अविवाहित थे। फिर जो सांसारिक हैं सो रजोदीयान हुआ चाहते हैं इस वशा पर

संकल्प: (क) कि प्रथम ३ जोड़ों को ~~[illegible]~~ मंडली में कर सादी रजिस्ट्री कर दिया जा सकता है।

(ख) चौथे जोड़े के लिये पुलिस को और भी समाचार दिया जाए कि पूरा तदारुक करे।

J. Jopson
19-4-34

19/4/34 Secy.

१८ अप्रेल [बुधवार] १९३४ ॥

आज के दिन में निम्न लिखे सभासदगण उपस्थित आये अर्थात :—

१। पादुी योहन तोपोनो ... ... प्रेसिडेन्ट ।
२। " एम० ग्रेहन ... ... एजांवी ।
३। " अ० जोत ।
४। " एम० केरशिस ।
५। " सुलेमान कुला ।
६। " थोमस लकड़ा ।
७। मि० सामूएल पुर्ती ।
८। " निर्मल सोय ।
९। " पिटर हुरुद ... ... सेक्रेटरी ॥

आज के इस मीटिंग में पादुी जिलो तीगा और मेरर्सस पन्ना और पौलुस बाबा अनुपस्थित थे । अपने अपने स्थान में आज के कारण रह गये ॥

१८। हाई स्कूल के विषय ।

आज गोस्सनर हाई स्कूल के विषय में बातचीत निकली । महासभा में खुली रीति से सब बातें नहीं बताई जा सकीं क्योंकि वहां जितनी लिखापढ़ी उस समय तक हुई थी उनको बताना और उन पर समझाना कोई सहज बात नहीं थी । फिर डिपार्टमेन्ट की कठिन बातों को समझना हमारे जन साधारण के लिये भी सहज बात नहीं थी । सो सेक्रेटरी ने महासभा को नाना प्रकार से विषय की कितनी बातों को बतलाकर यही निपटाया कि कौंसिल हाईस्कूल के सुधार सम्बन्धी कामों पर उचित कारवाई करने में असमर्थ थी । सो अब यहां कौंसिल में यह पूरी रीति से बातचीत होनी चाहिये कि क्योंकर कौंसिल जो स्कूल का मालिक है उचित कारवाईयों को जारी करने में असमर्थ हुई ।

सेक्रेटरी ने अपने फाईल से जितनी लिखापढ़ी प्रिन्सिपेल के साथ तथा स्कूल सेक्रेटरी के साथ हुई थी उन्हें पढ़ सुनाया । फिर पादुी ग्रेहन और मि० पिटर हुरुद मैनेजिंग कमिटी में आगे शृंग न रहें कहके जो बात या लिखापढ़ी की हुई थी सो भी पढ़ी गई और उन पर खुली रीति से वादविवाद हुआ । यह भी स्पष्ट बताया गया कि क्योंकर उपरोक्त दो जनों का मैनेजिंग कमिटी से अलग किया जाना कौंसिल के लिये अपमानजनक हुआ । बहुत वादविवाद होने पर यह विषय कहांतक विश्वासनीय है इसको प्रमाणित करने के लिये हाई स्कूल के मोलाहजा वही के जांच करने की बात छेड़ी गई । प्रिन्सिपेल ने कहा कि कौंसिल स्कूल की इन बहियों को नहीं देख सकती है क्योंकि वे कोनफिडेनशियल हैं । इस पर कौंसिल के अधिकांश अंगों ने ज़ोर दे कहा कि यदि कौंसिल मालिक होके नहीं देख सकेगा तो कौन देखेगा । कौंसिल कोनफिडेनशियलों को भी देख सकती है । निदान यही तय हुआ कि कौंसिल मैनेजिंग कमिटी को लिखे कि प्रिन्सिपेल या सेक्रेटरी निम्न लिखे रजिस्टर आदि कौंसिल में पेश करें अर्थात :—

१। मैनेजिंग कमिटी का मिनिट रजिस्टर ।
२। विजिटर्स इन्सपेक्शन बुक ।
३। इन्सपेक्टर साथ का कोरेसपोन्डेन्स फैल जो कौंसिल के प्रतिनिधियों के विषय पर है ।
४। मि० ह्विटमोर का रिमार्क जो मि० हुरुद के ऊपर है ।
५। अन्य अन्य कागजात जो कुछ इस विषय पर हैं ।

प्रिसिपल ने कौंसिल को बताया कि वह उपरोक्त बातों का समाचार अकेले नहीं दे सकेंगे परन्तु मैनेजिंग कमिटी को बुलावेंगे जिसके लिये उसे २४ घंटे का अवसर देना है। सो यही स्थिर हुआ कि मि० मोसल लकड़ा १६ ता: संध्या को मैनेजिंग कमिटी बुलावे और उन विषयों पर २० ता: में कौंसिल को कमिटी का उत्तर सुनावें।

इतना हो जाने पर आज के लिये सभा विसर्जन हुई॥

पूरी कौंसिल की बैठकी [लगातार।]

ता: १६ अप्रेल १६३४॥

बृहस्पतिवार॥

आज के दिन में अंगों की संख्या घटती गई और केवल निम्न लिखे अंग हाजिर हुए:—

१। प्रेसिडेन्ट योहन तोपनो।
२। पादु० एम० प्रेहन — रजांची।
३। " अ० जोन।
४। " एम० क्रेशिस।
५। " सुलेमान बूल्का।
६। मि० निर्मल सोय
७। " पिटर हुरंग — सेक्रेटरी॥

१६। अगले दिनों के मन्तव्य दृढ़ाये गये।

आज प्रथम ही में १६ और १७ तारीख के मन्तव्य जो लिखे गये थे सो पढ़े गये और दृढ़ाये गये॥

२०। डेलेगेशन फीस के विषय।

महासभा के समय में जो खर्च पर्च हुआ उसका ब्योरा रजांची ने बताया और कहा कि इसकी पूरी रिपोर्ट पीछे दिई जायगी जिससे जाना जायगा कि भविष्यत में डेलेगेशन फीस कितनी होनी चाहिये॥

२१ गंगा तराई की आमदनी।

गंगा तराई के गाजीपुर स्टेशन के लिये कौंसिल को ११ हजार रुपैये मिले जिसे बैंक में रखना जरुरत है। इस विषय पर बातचीत हुई और निदान यह तय हुआ=

संकल्प: कि गंगा तराई की सम्पत्ति से आई वा मिली हुई आमदनी विशेष कर पास्टरों के पेनशन फण्ड के लिये अलग कर दिया जाय और वह रुपैया रांची के क्रि० को० से० बैंक में डिपाजिट किया जाय। ट्रस्टीबोर्ड को यह निवेदन किया जाय कि वह कौंसिल के इस अर्जी अनुसार रुपैया का व्यवहार करे॥

२२। मूलभ्य सहायता

रजांची से मालूम हुआ कि कुमारी मंडली के लोगों से निम्न २ स्थानों से २०१) मिला था कि मूलभ्य खजाने में दिया जाय॥ इसमेंसे १५२॥) पाई सरकार में दिया जा चुका है और हाथ में ४६॥) है।

संकल्प: कि यह आकी ४६॥) उन दुःखित और पीड़ित मिशनों को भेजा जाय जो भूख की चोट में पड़े हैं॥

२३। साहित्य प्रचार फंड।

सेक्रेटरी ने कौंसिल को बताया कि बीते बिहार उड़ीसा क्रिश्चियन कौंसिल की बैठकों में यह परामर्श दिया गया था कि धर्म साहित्य की वृद्धि के लिये सब मिशन के होम बोर्ड और मंडली की कौंसिलों को कहा जाए कि वे अपने अपने बजेटों में कुछ न कुछ साहित्य प्रचार कार्य्य के लिये प्रबन्ध करें। इस पर सोचा गया। देखा गया कि दुमारी कौंसिल इस विषय पर असमर्थ है। यह काम वर्त्तमान में मुलतवी रहे और भविष्यत में देखा होवे॥

सम्पत्ति-विभाग।

२४। चैवस्सा के मरम्मत।

~~चैवस्सा~~ का गिर्जा तथा स्कूल घर आदि के मरम्मत के लिये जो दरखास्त थे से पढ़े गये और उन पर बातचीत हुई।

संकल्प: कि चैवस्सा इलाका वहां के मरम्मत काम के लिये ~~रु ००~~ जमा करे और तथानियेल मास्टर इस काम के लिये १ महीना ~~[illegible]~~ तक के लिये लगाया जाए।

(१) कि चैवस्सा ~~[illegible]~~ के काम को शुरु करने के लिये एक्जीकी तथानियेल मास्टर को रुपैया ~~[illegible]~~ देवे अर्थात रु ००) तक।

[नोट — चैवस्सा इलाके को लिखा जाए कि वह अपने बीते २, ३ बरसों का हिसाब भेजें जिसें कौंसिल देख सके कि मरम्मत काम में इलाके ने कैसा और कितना खर्च किया।]

२५। डूमर और जालना मरम्मत।

सिंघाने के पादरी मिछुमस तोपोनो ने यह जनाया कि उसने मंगल विभाग से डिप्टी कमिश्नर को मंजूरी लेकर बन्दोबस्त किया है जिसें डूमर और जालना के गिर्जा घर आदि भली भांति मरम्मत होवें। उसका भेजा हुआ एस्टीमेट भी देखा गया और यह ठहराया गया —

संकल्प: कि डूमर और जालना दोनों जगहों के घरों के मरम्मत के लिये रु००) मंजूर किया जाए॥

२६। ~~आमलेसा~~ का लाईन घर।

आमलेसा के लाईन घर के मरम्मत के लिये भी इलाके की दरखास्त पढ़ी गई और बताया गया कि वहां का यह घर नहीं मरम्मत होने से गिर पड़ेगा और स्कूल और गिर्जा के लिये बड़ी तकलीफ होगी।

संकल्प: कि आमलेसा के लाईन घर के मरम्मत के लिये रु०) ~~[illegible]~~ की मनजूरी होवे॥

२७। रांची गिर्जा मरम्मत।

रांची के बड़े गिर्जा घर के मरम्मत के सम्बन्ध में भी बात निकली। बताया गया कि मरम्मत काम बरसात के पीछे करने का विचार हुआ है। कहा गया कि अभी १०, १५ बरसों से मरम्मत करने की बात चली आ रही है और देखा जाता है कि यदि देर किई जाए तो पक्का दीवाल के कई जगहों में पानी प्रवेश करता है और यों दीवाल कमजोर हो जा रही है। इसलिये

संकल्प: कि बोर्ड आव ट्रस्टीज से निवेदन किया जाए कि उन्हों ने गिर्जे के मरम्मत का भार उठाया है सो इस साल मरम्मत कर देने का उचित प्रबन्ध करें जिसें यह मूल्यवान घर खराब न होवे॥

२३। साहित्य प्रचार फंड।

सेक्रेटरी ने कौंसिल को बताया कि बीते विहार उड़ीसा। क्रीश्चयन कौंसिल की बैठकों में यह परामर्श दिया गया था कि धर्म साहित्य की वृद्धि के लिये सब मिशन के होम बोर्डों और मंडली की कौंसिलों को कहा जाए कि वे अपने अपने बजेटों में कुछ न कुछ साहित्य प्रचार कार्य्य के लिये प्रबन्ध करें। इस पर सोचा गया। देखा गया कि हमारी कौंसिल इस विषय पर असमर्थ है। यह काम वर्त्तमान में मुलतवी रहे और भविष्यत में देखा होवे॥

सम्पत्ति-विभाग।

२४। चैपल्स के मरम्मत।

~~चैपल्स~~ का गिर्जा तथा स्कूल घर आदि के मरम्मत के लिये जो दरखास्त थे से पढ़े गये और उन पर बातचीत हुई।

संकल्प: कि चैपल्स इलाका वहां के मरम्मत काम के लिये ५००) जमा करे और तथानियेल मास्टर को इस काम के लिये १ महीना ~~[illegible]~~ तक के लिये लगाया जाए।

(२) कि चैपल्स ~~[illegible]~~ के काम को शुरु करने के लिये रंजांची तथानियेल मास्टर को रुपैया एडभान्स देवे अर्थात २००) तक।

[नोट — चैपल्स इलाके को लिखा जाए कि वह अपने बीते २, ३ वर्षों का हिसाब भेजें जिसें कौंसिल देख सके कि मरम्मत काम में इलाके ने कैसा और कितना खर्च किया।]

२५। छूमर और जाला मरम्मत।

सेंधानी के पादा मिछुयस तोपोनो ने यह जनाया कि उसने जंगल विभाग से डिप्टी कमिश्नर की मंजूरी लेकर बन्दोबस्त किया है जिसें छूमर और जाला के गिर्जा घर आदि अच्छी भांति मरम्मत होवें। उसका भेजा हुआ एस्टीमेट को देखा गया और यह ठहराया गया —

संकल्प: कि छूमर और जाला दोनों जगहों के घरों के मरम्मत के लिये १००) मंजूर किया जाए॥

२६। ~~आमलेसा~~ का लाईन घर।

आमलेसा के लाईन घर के मरम्मत के लिये सो इलाके की दरखास्त पढ़ी गई और बताया गया कि वहां का यह घर नहीं मरम्मत होने से गिर पड़ेगा और स्कूल और गिर्जा के लिये बड़ा तकलीफ होगी।

संकल्प: कि आमलेसा के लाईन घर के मरम्मत के लिये ५०) ~~[illegible]~~ की मनजूरी होवे॥

२७। रांची गिर्जा मरम्मत।

रांची के बड़े गिर्ज घर के मरम्मत के सम्बन्ध में जो बात निकली। बताया गया कि मरम्मत काम बरसात के पीछे करने का विचार हुआ है। कहा गया कि अभी १०, १५ बरसों से मरम्मत करने की बात चली आ रही है और देखा जाता है कि यदि देर किई जाए तो पक्का दीवाल के कई जगहों में पानी प्रवेश करता है और यों दीवाल कमजोर हो जा रही है। इसलिये

संकल्प: कि बोर्ड आव ट्रस्टीज से निवेदन किया जाए कि उन्हों ने गिर्ज के मरम्मत का भार उठाया है सो इस साल मरम्मत कर देने का उचित प्रबन्ध करें जिसें यह मूल्यवान घर खराब न होवे॥

२८। कोरोंजो वजार बन्दोवस्त ।

कोरोंजो वजार के बन्दोवस्त करने के सम्बन्ध में इलाके के दरखास्त पढ़ा गया और यह भी बताया गया कि कोई भाई उसे ८०) वरस में देने और बन्दोबस्त लेने चाहता है। स्कूल मास्टरों के उस काम में बक्सा रहना अच्छा नहीं समझा गया। फिर नाना प्रकार के खर्च वर्च पर और नफा पर ध्यान दिया गया।

संकल्पः कि कोरोंजो वजार ८०) वार्षिक साल पर बन्दोवस्त किया जाए और उसमें से ४०) इलाके को और ४०) कौंसिल को मिले ॥

२९। गुमला खेतों की आमदनी ॥

प्रगट होके कि बीते साल में गुमला के पाड़ो योहन टोप्पो ने गुमला की जमीनों को अर्थात खेत और टांड़ सब कुछ को ८५) सन पान वार्षिक देने के करार पर बन्दोवस्त लिया। अभी यह दरखास्त किया है कि खेती नहीं होने के कारण से इलाका ८५) सन नहीं दे सकती है पर ६०) रुपैया ग्रहण किया जाए। सेक्रेटरी ने बताया कि बन्दोवस्ती के समय में कहा गया था कि बन्दोवस्त पाड़ि बाबू के साथ में है और इलाके के साथ में नहीं। सो इस विषय पर बातचीत कर यह फैसला हुआ—

संकल्पः कि इस साल में ६०) ग्रहण किया जाए परन्तु पाड़ो योहन टोप्पो को जनाया जाए कि बन्दोवस्ती उसके निज के संग में है और इलाके के संग में नहीं इसकारण से भविष्यत में ८५) सन पान लिया जायगा यदि नहीं तो जमीन दूसरे लोगों के संग में बन्दोवस्त होगा।

३०। चर्च रोड लकड़ी दूकान ॥

सेक्रेटरी ने रांची हाता के चर्च रोड पर लकड़ी दूकान के बारे लि० नैमन टोप्पो के संग में जो एग्रीमेन्ट हो गया है उस पर कौंसिल का और विभाग के प्रधान का ध्यान आकर्षित किया और बातचीत होकर यही फैसला हुआ—

संकल्पः कि विभाग का प्रधान नैमन टोप्पो को नोटिश देकर दूकान उठा देने का हुक्म जनावे ॥

चर्च कौंसिल [लगातार]

२०ं अप्रिल १९३४ शुक्रवार।

आज के दिन निम्नलिखे पदधारी और अंग उपस्थित थे अर्थातः—

१। पाड़ो योहन तोपोनो ... ... प्रेसिडेन्ट।
२। " एम० ग्रेहन ... ... सेक्रेटरी।
३। " एम० केरहिस।
४। " सुलेमान कुजूर।
५। " म० जोन।
६। मि० लाजरस मुर्मू।
७। " निर्मल सोरेन।
८। " थेओदोर मुरिल।
९। " पिटर हरदे ... ... सेक्रेटरी।

३१। नैनपुर-गुमला हेड मास्टरों की बदली खर्च।

हेड सुपरवेजर ने पिटर टोप्पो और शांति पुजारी की बदली का बिल पेश किया और यह ठहराया गया कि पिटर को ३) और शांति को २०) दिया जाए ॥

३२। हाई स्कूल ॥

बहुत वाद विवाद होने पर और मैनेजिंग कमिटी का जवाब पढ़ने पर पाड़ो एम० ग्रेहन और मि० हरदे और पाड़ो सेक्रेटरी को छोड़ एक कमिटी ठहराई गई जो हाई स्कूल के विषयों पर कौंसिल के नाम से निपटारा करे। उस कमिटी की रिपोर्ट आगे दिई जाती है।

~~चर्च कौंसिल की बैठकी ।~~
[लगातार]
ता: २१ अप्रैल [सनिश्चर] १९३४ ॥

आज चर्च कौंसिल के कौन्सिल बैठने का दिन हुआ- और आज निम्न लिखे पदधारी और अंग उपस्थित आये अर्थात:—

१। पादुी योहन तोपोनो ... ... प्रेसिडेन्ट ।
२। " एम० प्रेहन ... ... रजांची ।
३। " अ० जोन ।
४। " एम० केरोवास ।
५। " सुलेमान मुर्मू ।
६। मि० थेओदोर सुरिन ।
७। " निर्मल सोय
८। " पिटर हुरुड ... ... सेक्रेटरी ॥

मि० सामूएल मुर्मू आज की बैठकी गैरहाजिर थे ॥

२२ हाईस्कूल पर निर्णय ।

बीते दिन में अर्थात २० वीं तारिख को कौंसिल के कितने अंगों को ~~एक कमेटी~~ विशेष कमेटी जिनका नाम विशेष कमिटी के रिपोर्ट में है पूर्वी कौंसिल के नाम पर हाईस्कूल का प्रश्न हल करने के लिये बैठी थी वह आज विद्यान भ० हेड-सुपरवेजर के आफिस में बैठी और अन्त में प्रायः सादे नव बजे चर्च कौंसिल आफिस में आके अपनी रिपोर्ट पेश किई ~~थे~~। मि० निर्मल सोय जो उक्त कमिटी के मिनिट सेक्रेटरी थे अपना लेख पेश किये और उस पर अपना व्याख्या दिये। यह रिपोर्ट इस मिनिट के शामिल है ॥

कौंसिल को इस कमिटी के मन्तव्य के पढ़ चुकने पर पादुी योसेफ लकड़ा ने अपनी मुंहजबानी उज्र पेश किई। उसने कहा कि कौंसिल के लोग उसको स्कूल से अलग करने के लिये षड़यंत्र किये थे। इस प्रकार से मंडली कभी नहीं सुधारी जा सकती है और वह इस विचार को कभी नहीं मान सकेगा इत्यादि। कौंसिल के अंगों ने उसे बताया कि उसके आगे जो कितने निशानदी लोग डिसिप्लेन रह चुके हैं और जब कभी उनमें त्रुटि पाई गई तब ~~वे~~ वे उस काम से बदल दिये गये कि अधिक योग्य आदमी लगाये जावें।

सेक्रेटरी मि० हुरुड ने भी कमिटी के फैसला पर उज्र पेश किया क्योंकि कमिटी ने लिखा "कि मि० Theodore Surin का नाम Mr. P. Hurud के बदले में भेजा जाता है क्योंकि सुना गया है कि Mr. P. Hurud को डिपार्टमेन्ट ने मंजूर नहीं किया।" मि० हुरुड ने कहा कि कौंसिल ने मुझे हाईस्कूल मैनेजिंग कमिटी में भेजा और मेरे काम पर कौंसिल ने कोई दोष नहीं पाया है और जब "सुना गया" ऐसी बात पर कौंसिल मुझे मैनेजिंग कमिटी से अलग करता है तो यह मेरी निज बेइज्जती है और कौंसिल की भी बेइज्जती है। सुनी हुई बात पर नहीं पर आमने सामने देखके कमिटी को राय देना उचित था। मि० हुरुड को कहा गया कि आप अभी वर्त्तमान में मैनेजिंग कमिटी से अलग रहिये। पीछे ~~यह बात देखी जायेगी~~ ॥

अन्त में पादुी एम० प्रेहन ने भी कहा कि मैं भी अभी मैनेजिंग कमिटी से अलग रहूंगा ~~जब तक विषय पर [illegible] न होवे~~ ॥

संकल्प: कि वर्त्तमान में पादुी एम० प्रेहन और मि० हुरुड के स्थान पर मि० निर्मल सोय और मि० थेओदोर सुरिन मैनेजिंग कमिटी के अंग रहें।
मानना हुई और सभा विसर्जन हुई ॥

~~मि०~~ मि० हुरुड ने अपना dissent देकर कहा कि उस समय में अर्थात १९३३-३४ में "फूल तहकीक और जांच होगी" यह बात कही गई थी। J. Hurud 28.4.34
२-६-३४

गोरखनर हाई स्कूल की बात।

dt: 20-8-38.

हाई स्कूल की बात के विचार समय मा: पादुा M. Prahu मा: पादुा J. Lakra और मि: P. Hurab से औसिल मगोजिद कि वे उस समय औसिल में हाजिर न रहें क्योंकि वे मामला खुद उसमें उलझे हुए हैं। सो इस बात के विचार में निम्न लिखित मेम्बरान हाजिर थे:—

Rev. J. Topno - ... President.
" A. John
" M. Kerschis
" S. Kula
Mr. S. Purti
" Theo. Suin.
" N. Soy.

१. Mr. N. Soy बुनाये उस मीटिंग के लिये Secy. बनाये गये।

२. मेम्बरान मीटिंग में निकले उन्होंने यह तो न हा कि गोपीमला औसिल उरांव की गरहाजिरी में करेंगी वह गैरों उनके पक्ष विपक्ष में होवे उसके विषय वे चुप रहेंगे।

मेम्बरान लोगों के हाजिर रहते समय गैर बातें हुई उनमें औसिल को यही मालुम हुआ कि औसिल और हाई स्कूल की मेनेजिंग कमिटी के बीच में मनमुटाव है और यही मनमुटाव को दूर करने के लिये मनेजिंग कमिटी से 3 मेम्बर तकि किये हुआ और तकि से बाद यही फैसला किया।

फैसला -- कि हाई स्कूल की मेनेजिंग कमिटी में मिलकर 3 मेम्बर चुने जावें और यदि यह मामला दुरुस्त नहीं हो सकता है तो यह लिखा जाय कि यह कमिटी 2 हो जाय।

३. वर्तमान में हाई स्कूल की मेनेजिंग कमिटी के लिये औसिल के दो प्रतिनिधियों का चुनाव होता है तो औसिल निम्न दो नामों को प्रतिनिधी बनाने का फैसला करती है मर्यादा:—

फैसला -- कि हाई स्कूल मेनेजिंग कमिटी में औसिल के प्रतिनिधी होने के लिये Rev. M. Prahu और मि: Theo. Suin के नाम भेज दिये जावें।

टिप्पणी -- मि: Theo. Suin नाराज मि: P. Hurab

ले करके दें तेना गाता है औरकि पुराणाया है कि H.H. H. Hurst को डिग्री सेन्ट ने मंजूर नहीं किया।

8. हाई स्कूलके लौट्र पुधार पर कौंसिलमें लम्बेक वाद विवाद लौट्वर्क के बाद यहां पैसला हुआ:—

संकल्प... कि वर्तमान प्रिंसिपल १९३४ ई: की ३१वी दिसम्बर तक प्रिंसिपल रहें लौट्१९३५ की १लो जनवरी से एक दूसरा प्रिंसिपल नियुक्त किया जाय लौट्यह बात जाहीरी लखो कर के पूरी कौंसिलमें तर्क वितर्क के लिये फिर्से रक्खी जाय लौट्वही पूरी कौंसिल का पैसला सर्वसम्मति में पेश किया जाय।

Ranchi, the 21st April, 1934.

Presd.. J. Jopsons.
21-4-34

Actg. Secy. - - - V. Ekka

३३। बर्लिन के लिये चिठ्ठी।

महासभा की आज्ञा से बर्लिन बोर्ड की चरवाहा पत्री के उत्तर में जो चिठ्ठी प्रेसिडेन्ट के द्वारा बनाई गई थी सो पढ़ी गई। सभा ने उसे सुनकर उसको पसन्द किया और उसको बर्लिन भेजने को राय हुई।

संकल्प: कि प्रेसिडेन्ट द्वारा तैयार किई हुई चिठ्ठी जो बर्लिन बोर्ड में भेजने के लिये बनाई गई है सो ग्रहण होवे और बर्लिन अधिकारियों को भेज दिया जाए॥

28. 4. 34

कौंसिल की कार्यकारक सभा की बैठकी का कार्यविवरण ।

ता: ११ मई [शुक्रवार] १९३४ ॥

आज के दिन में निम्न लिखे पदधारी और अंग उपस्थित थे अर्थात:—

१। पादरी योहन तोपोनो ... ... प्रेसिडेन्ट ।
२। " एम० ब्रेहन ... ... रजांची ।
३। मि० पिटर हुरु ... ... सेक्रेटरी ॥

आज विशेष करके स्कूलों की आर्थिक दशा पर विचार करने को यह सभा बुलाई गई थी । जिसमें इन्सपेक्टर के रिमार्क पर मिड्ल स्कूलों में जो जो रिक्तम है वह दूर किई जाए । सो मि० निर्मल सोय इस सभा में हाजिर आये ।

१। मिड्ल और प्रैमरी स्कूलों पर ।

मि० निर्मल सोय ने विषय को पेश करते हुए डिवीज़नाल इन्सपेक्टर की चिट्ठी सभा को पढ़ सुनाई जिसमें डिस्ट्रिक्ट इन्सपेक्टर के साथ में हमारे मिड्ल स्कूलों की आर्थिक दशा के सम्बन्ध में लिखा पढ़ी हुई थी । इन चिट्ठीयों में मास्टरों की स्वेच्छा से अपने तलब का वह अंश जो नहीं दिया जा सकता था मेंडली को दान कह कर दिखाया गया था इसके विषय में उल्लेख था कि यह मानो जबरदस्ती से किया जा रहा है और कि डिस-ट्रिक्ट इन्सपेक्टर हमारी स्कूलों की दशा पर रिपोर्ट करें कि उनकी आर्थिक स्थिति कैसी है इत्यादि

इस विषय पर बहुत देर तों बातचीत हुई । मि० सोय के कुछ हिसाब किताब देखे गये और आज यही तय हुआ कि यह विषय फिर से कल लिया जाए और इस बीच में मि० सोय मिड्ल और प्रैमरी स्कूलों के लिये खर्च वर्च का स्टेटमेन्ट तैयार करें ।

ता: १२ मई [सनिश्चर] १९३४ ॥

कल १२ ता: को जितने लोग उपस्थित आ गये थे सो आज भी फिर उपस्थित हुए और प्रैमरी और मिड्ल स्कूलों को सम्भालने के विषय में सेक्रेटरी ने स्टेटमेन्ट तैयार किया जैसा कहा गया था । ये स्टेटमेन्ट देखे गये और उन पर बातचीत होके यही देखा गया कि हिसाब अनुसार इन स्कूलों के लिये कौंसिल को महीना २००) अथवा बरस में २४००) खोजना पड़ेगा । इस deficit को भरने के लिये भी निम्न उपाय सोचे गये अर्थात:—

संकल्प: कि २४००) रुपैये की वार्षिक घटी को पाने के लिये कौन एक उपाय सोचे जांए जैसे कोओपरेटिव बैंक के लिखा जाए कि वे प्रैमरी स्कूलों के लिये कुछ दे सकते हैं अथवा नहीं जैसा बैंक की नियमावली में है । फिर सब इलाकाओं को यह कठिन दशा का समाचार जनाया जाके उनको भी स्कूलों को सम्हालने का परामर्श दिया जाए ।

(२) यह विषय फिर भी दूसरे दिन सोचने के लिये लाया जाए ॥

२। किंकेल कर्म्मचारियों को नोटिश।

आज इस कार्य्यकाल सभा में किंकेल के पादरी रेव० शीवे भी उपस्थित आये। उनके रहते में किंकेल के पादरी इम्मानूएल कुजुर को बदलने का समाचार तथा मास्टर हेरन हेमरोम को काम से छुटी देने की बात पेश हुई। बताया गया और सेक्रेटरी ने भी चिट्ठियां पेश किई जिनसे मालूम हुआ कि पादरी इम्मानूएल कुजुर हट कर बदली जाना नहीं चाहता है और हेरन हेमरोम घर भी नहीं छोड़ देना चाहता है सो इस पर करवाई होनी चाहिये—

संकल्प: (क) कि पादरी इम्मानूएल कुजुर को नोटिश दिया जाय कि वह किंकेल से ३१ मई तक चैनपुर जाके अपने काम में हाजिर होवे और यदि वह उस तारीख तक चैनपुर न पहुंचे तो अपने को काम से छुटी पाया हुआ जाने। फिर वह शीघ्र घर छोड़ देवे यदि न छोड़े तो ट्रस्टियों के द्वारा उस पर अदालती करवाई किई जाय॥

(ख) कि बाबू हेरन हेमरोम को भी नोटिश भेजा जाय यह कहकर कि उसके काम का अन्त हुआ है और उसको किंकेल माता के घर में रहने का कोई हक नहीं है सो वह इस नोटिश को पाकर इक्का दिन के भीतर अर्थात मई महीने के अन्ततक में घर खाली कर देवे ऐसा न करने से ट्रस्टियों के द्वारा उस पर अदालती करवाई किई जायगी॥

14. 5. 34.

कार्य्यकारक सभा की बैठकी।

ता: १५ मई [मंगलवार] १९३४॥

आज की इस कार्य्यकारक सभा के लिये निम्न लिखे पदधारी और अंग उपस्थित थे अर्थात:—

१। पादरी रेव० प्रेहन ... ... रक्षांचा
२। मि० सामूएल पुर्ती ... ... एक्टिंग-चेयरमैन॥
३। मि० विटर टूरु ... ... सेक्रेटरी

मि० सामूएल पुर्ती प्रेसिडेन्ट के न रहने के कारण आज की सभा के लिये चेयरमैन चुने गये। प्रार्थना हुई और काम आरम्भ हुआ—

मि० निर्मल सोय अपने विभाग के काम के कारण उपस्थित थे॥

३। मिड्ल और प्रैमरी स्कूल।

आज फिर से मिड्ल और प्रैमरी स्कूलों की आर्थिक घटी की बातें पेश हुई जिसमें कौंसिल की ओर से इन्सपेक्टर को जवाब दिया जा सके। हिसाबों को गौर से देखने से पाया गया है कि सब स्कूलों को स्टानडार्ड स्कोल मेजर से देने पर ३००० तीन हजार रुपैयों की वार्षिक घटी आती है। सोचा गया कि इस ३००० को पाने के लिये क्या उपाय रचना चाहिये। फिर प्रैमरी स्कूलों के सम्बन्ध में भी यह पाया गया कि उनके लिये भी ६००) वार्षिक घटी है। फिर विचार हुआ कि कौंसिल ही अपने आफिस से सीधे इन्सपेक्टर को लिखे और आवश्यक होय तो एक डिपुटेशन इन्सपेक्टर से मुलाकात करके विषय पर बातचीत करने को भेजी जाय।

संकल्प: कि मिड्ल स्कूलों के विद्यार्थियों को नियमित रीति से देने के लिये और कि स्कूलों का रिकगनिशन बनी रहे इसके लिये ~~सब स्कूल~~ सब स्कूल

कर्मचारियों को उनका स्टेन्डार्ड ~~का~~ वेतन जो फोड से ठहराया गया है सो दिया जाए और उन कर्मचारियों को जिनका वेतन ६५) से ऊपर है उनसे सैकडे १०) काटा जाए।

(ब) कि मास्टरों को वेतन देने में वार्षिक ३०००) रुपैयों की घटी है सो इस घटी को पाने के लिये निम्न लिखे आमदनियों से कुछ कुछ लिया जाए अर्थात :—

(१) चर्च कौंसिल के फंड से ... ... १२००) वार्षिक
(२) सम्पत्ति विभाग से ... ... ५००) "
(३) इलाकों से ... ... ५००) "
(४) कोऑपरेटिव बैंकों के रिजर्व से ... २००) "
(५) मंडली के रिजर्व फंड से ... ... ६००) यह पीछे तुरन्त भर दिया जाए "

(ग) कि यदि इन्सपेक्टर को उपरोक्त विषय पर समझाने और बातचीत करने की आवश्यकता हो तो पादरी एम० ब्रेहन, हेड-सुपरवेजर और सेक्रेटरी तुरन्त इनतीनों की एक डिपुटेशन जाए।

४। लोहरदगा स्कूल के शिक्षक की अपील।

लोहरदगा स्कूल के शिक्षक धनकुंवार लकड़ा ने एक अपील कौंसिल में भेजी कि उसको पहिले नोटिस नहीं दिई गई थी और जिसको नोटिस दिई गई वह काम से न छुड़ाया जाकर फिर से रख लिया गया पर आप काम से छुट गया। फिर कि उसके विरुद्ध डिपार्टमेन्ट से कोई अयोग्यता की बात नहीं है वरन वह क्वालिफाइड मास्टरों में है। इत्यादि — हेड-सुपरवेजर से धनकुंवार के चालचलन में जो बुरी रिपोर्ट थी और जो पंच के सामने हुई थी उस पर विचार किया गया और यह ठहराया गया —

संकल्प: (क) कि लोहरदगा स्कूल में लड़कों की संख्या देने पर प्रगट है कि हम दो मास्टरों को छुट्टी देकर भी उनके बिना काम चला सकते हैं इसलिये बाबू धनकुंवार लकड़ा तथा इमानुएल ~~लकड़ा~~ रत्नतरनी को भी काम से छुट्टी दिई जाए।

(ख) कि लोहरदगा के पादरी इवानुस कुजुर को लिखा जाए कि क्यों मास्टर धनकुंवार लकड़ा को छोटी सजा में न रखा गया जबकि पंच से भी यह मालूम हुआ कि उसके कारण से ३ वार गर्भपात किया गया।

१६ मई [बुधवार] १९३४।

बीते कल्ह की मीटिंग का लगातार काज की बैठकी भी हुई। आज निम्न लिखे महाशय उपस्थित थे अर्थात :—

१। पादरी एम० ब्रेहन ... ... सभापति।
२। मि० सामुएल पुर्ती ... ... "
३। " पिटर तिरकी ... ... सेक्रेटरी।

प्रेसिडेन्ट की अनुपस्थिति के कारण मि० पुर्ती ही चेयरमेन नियुक्त हुए।

५। पुरुलिया का सान्डील मास्टर।

पुरुलिया के हमारे स्कूल में सी० एम० एस० का एक जन शिक्षक सान्डील नामक काम कर रहा था उसको महीना ~~३०~~ में हेड-सुपरवेजर ने बहाल किया था परन्तु पीछे आर्थिक दुर्गति के कारण से उसको नहीं दिया जा सका सो उसने अपनी एक दरखास्त हिसाब सहित भेजी कि उसके बकाया पावना उसको दिये जांय।

संकल्प: कि सान्डील मास्टर को बताया जाए कि अफसोस की बात है कि जो भी वह ~~३०~~ महीना पर बहाल किया गया था परन्तु पीछे जब परदेसा को पैसों के आने की रुकावट हुई और मंडली में आर्थिक दुर्गति हुई तब इलाकों के जिम्मे में स्कूल दिये गये और यों उसका उचित पावना नहीं दिया जा सका जो उसको जनाया भी गया।

६। कोंडरा में मिसट्रेस्स।

कुछ समय हुए कि कोंडरा इलाके से दरखास्त आई थी कि वहां के लिये एक मिसट्रेस्स भेजी जाए। इधर डिप्टी इन्सपेक्टर से मालूम हुआ कि वहां मिसट्रेस्स की जरूरत नहीं है। कहा गया यह रिपोर्ट नोट किई जाए।

७। गुमला और कोंडरा स्कूल मरम्मत।

इन्सपेक्टरों की रिपोर्टों से मालूम हुआ है कि दोनों जगहों की स्कूल-घरों के लिये मरम्मती की जरूरी है और दीवाल इत्यादि भी बहुत मैले हैं। विचार हुआ—

संकल्प:- कि गुमला और कोंडरा दोनों इलाकों को लिखा जाए कि वे बहुत जल्दी चेष्टा करें कि अपने अपने स्कूल घरों को कम से कम चूना से पोचरा देकर साफ रखें॥

[मंडली विभाग]

८। बोम्बोलकेरा वालों का एस० पी० जी० जाना।

एक दरखास्त खूंटोटोला इलाके के बोम्बोलकेरा के लोगों से आया कि वहां का माष्टर दानियेल बूड़ा एस० पी० जी० जाना चाहता है और लोगों को बहका कर अपने साथ ले जाने चाहता है। बातचीत करते उस पर यह पाया गया कि वह माष्टर कुम-समाज अर्थात कूमने वालों के समाज का अंग है और बराबर लोगों को बहकाने में लगा रहता है।

संकल्प:- (क) कि डिस्ट्रिक्ट बोर्ड के चेयरमैन से बातचीत किया जाए कि यदि माष्टर दानियेल बूड़ा गांव बोम्बोलकेरा "कुम-समाज" का कुपन्थी अंग है तो वह काम से छुड़ाया जाए।

(ख) जिस्तें और लोग जो उसके साथी होते हैं और पर धर्म में पक्के हैं उनको हम न खोवें और इसके लिये आवश्यक है कि कौंसिल एलवेर खूंटोटोली होके बोम्बोलकेरा जावे और लोगों को समझावे।

९। तमाड़ पाड़ो का काम।

कुछ समय बीते कि तमाड़ इलाके से उचुर आया था कि पाड़ो मोहन चेंगरा ठीक से नहीं घूमता फिरता वा सफर करता है पर अधिकतर स्टेशन ही में रहता है इत्यादि। इस पर प्रेसिडेन्ट साहब वहां गये थे फिर पाड़ो से डायरी का नकल मांगा गया था जो भेजा गया और पढ़ा गया। इसे देखने से मालूम हुआ—

संकल्प:- कि पाड़ो योहन चेंगरा की डायरी का नकल जो भेजा गया था सो देखा गया और उसको देखने से मालूम हुआ कि पाड़ी बाबू जैसा अवसर उसे मिला उस अनुसार उसने इलाके में अपना काम किया है।

१०। पाड़ो इमानूएल कुजुर को नोटिश॥

पाड़ो इमानूएल कुजुर को आगे कई महीनों से नोटिश दिई गई थी कि उसकी बदली हो गई है। परन्तु वह जिद्द करता था कि बदली जाने में नाहक खर्चा होगा यह कहकर कि पहिले उसका स्थान चुनाया जाए। उसको डांट बताई गई और फिर हुआ—

संकल्प:- कि पाड़ो इमानूएल कुजुर को लिखा जाए कि वह 3 मई तक चैनपुर पहुंचे और दूसरे ही दिन से काम का चार्ज लेकर अपना

काम आरम्भ करे। यदि वह उस तारीख तक केकेल न छोड़े पर चुपचाप से वहीं रह जाए तो वह भविष्यत में अपने को अपने काम से डिसमिस्स किया हुआ सा जाने और उसको कहीं से मदाउला का तलब नहीं दिया जायगा।

(स) कि वह इस नोटिश को पाकर ७ दिन के भीतर दिशान घर छोड़े, अन्यथा उस पर कस्टियों के मारफत अदालती कानूनी कारवाई किजाएगी।

११। केवरा तीगा की अपील।

केवरा तीगा ने एक चिट्ठी अपील के रूप में भेजी कि उसकी पूर्व भेजी हुई दरखास्तों पर ध्यान दिया जाए और ~~सुलझाव यहां की कड़ कियेजी के सम्बन्ध के बंदोबस्त पर~~ कौंसिल उसके विषयों पर विचार करे अन्यथा उसके सब कागज अर्थात चिट्ठी आदि उसको लौटाये जाएं।

उसकी चिट्ठी की ये बातें नोट किये गये।

१२। पाद्री नथानियेल बाग की कैफियत।

~~चुरहान~~ वीते समय में ~~कुसुम~~ के पाद्री नथानियेल बागे पर एक नालिश आई थी कि उसने वहां किसी पंचैत में जमीन विषयक झगड़ा लेकर झूठ बोला और इसलिये उसको सजा मिलनी चाहिये और काम से उसे छुट्टी देना चाहिये इत्यादि। उससे कैफियत मांगी गई थी जो पढ़ी गई। नालिश का कारण और नालिश करनेहार का नाम दोनों मालूम हुआ — विचार हुआ यह कैफियत नत्थी किया जाए।

१३। पाद्री ऑन्ड्रियस तोपोनो की कैफियत।

सिंघानो के पाद्री ऑन्ड्रियस तोपोनो पर जो उसके अन्याय और बड़े व्यवहार के कारण दरखास्त आया और बताया गया कि इससे वहां की मंडली बिगड़ जाएगी सो वह बदल दिया जाए। यह बेनामी दरखास्त था।

कैफियत मांगी गई थी सो पढ़ी गई। कैफियत उतरण हुआ और स्थिर हुआ कि यह नत्थी कर दिया जाए।

१४। मार्टीन और फुलमरिया।

फुलमरिया की सादी मौजा बेतमा पुरना थाना कुरडेग के मार्टीन के साथ में हुई थी परन्तु वह मार्टीन के संग रहने नहीं चाही और भूदान भाग गई और वहां दूसरे पुरुष के संग में रही। वह लिखती है कि वह फिर मार्टीन के यहां नहीं जाएगी। उसके इस दूसरे पुरुष का नाम है ढोढ. वह जो ~~लिखा~~ लिखा है कि फुलमरिया को नहीं छोड़ेगा। यह कागज कौंसिल को पढ़ कर सुनाया गया। विचार हुआ — संकल्प: कि इस लिखपत्र से कौंसिल कोई फैसला नहीं दे सकता है परन्तु यदि मार्टीन दूसरी ~~सादी~~ चाहता है तो वह त्यागपत्र के लिये अदालत जावे॥

१५। रोमी चढ़ाई हजारीबाग में।

सिंघानो के पाद्री ने एक रिपोर्ट भेजी कि हजारीबाग जिले में रोमी पाद्री लोग जुल्म से दूसरे दिशान के खीष्टीयानों को अपनी ओर खींचने और फुसलाने का परिश्रम कर रहे हैं और अंजपूरा के कितने मूधरानों को अपनी ओर ले रहे हैं उनके लड़कों को अपने स्कूल में रखे हैं। यदि ~~कई~~ महीने के भीतर उनके पास कौंसिल किसी को न भेजे तो वे लोग रोमी हो जायेंगे।

संकल्प: कि पाद्री ऑन्ड्रियस तोपोनो को अर्जी अनुसार पाद्री योएल लकड़ा और साथ में प्रेसिडेन्ट भी वहां करंजपुर जाके मूधरान भाइयों को स्थिर रखने का परिश्रम करें। उनको लिखवा जाए कि वे बहुत ही जल्दी वहां जाएं और अपनी रिपोर्ट देवें॥

१६। आसाम के लिये और एक पाड्रे।

आसाम की छोटी सभा से एक दरखास्त आई जिसमें लिखा गया कि पाड्रे लूकस हेंड्रे: के मर जाने से एक पाड्रे की बड़ी कटी हुई है। आसाम में २, ३, विश्वस्त और आदरयोग्य प्रचारक हैं जिनमें से एक सिंगिपत्थर का पौलुस प्रचारक है। सो वह रांची बुलाया जाए और २, ३ महीना सेमिनेरी में शिक्षा पाके पदाभिषेक किया जाए। सेमिनेरी के कोर्स पर और प्रचारकों के पद पाने के सम्बन्ध में बातचीत हुई और यही स्थिर हुआ—

संकल्प: कि यह दरखास्त प्रेसिडेन्ट को दिया जाए जो आसाम के लिये पाड्रे बनाने के सम्बन्ध की बात को मिनिस्टिरियम में पेश करे॥

१७। पाड्रे पुनोरिया को तलब वृद्धि।

पुरुलिया के पाड्रे प० च० पुनोरिया ने एक चिट्ठी या दरखास्त भेजी कि उसको अब तलब=वृद्धि मिले और कौंसल इसके लिये हुकुम इलाके को देवे॥

संकल्प: कि इस वर्त्तमान अवस्था में जब पुरुलिया इलाका महासभा के हुकम अनुसार कौंसल को अपना देन जैसे २७) कौड़ा आदि नहीं दे सकती है तो अफसोस है कि यह इलाके को तलब वृद्धि के लिये नहीं सिफारिश कर सकती है।

१८ पेनशन के कितने दरखास्त।

पाड्रे सुलेमान संगा और पाड्रे खिस्तानन्द मेंज दोनों ने दरखास्त भेजा है कि उनको पेनशन देने का प्रबन्ध किया जाए और काम से अवसर दिया जाए॥

संकल्प: कि दोनों पाड्रियों को समाचार दिया जाए कि इस वर्त्तमान में उनका दरखास्त नहीं ग्रहण किया जा सकता है।

१९। बाबू बनबिहारी हेमरोम॥

गोविन्दपुर मेशिन के बाबू बरनाबास हेमरोम का रुपैया पैसा विषयक गोलमाल पर तदारुक करने के लिये एक कमीशन भेजी गई थी। उक्त कमीशन का रिपोर्ट पढ़ा गया जो ग्रहण हुआ—

स्थिर हुआ कि यह विषय अर्थात उसको फिर से पाड्री काम में लगाने का विषय आगामी पूरी कौंसिल में लिया जाए॥

सम्पत्ति = विभाग।

२०। मर्ची पतरस तोपनो का दरखास्त

मर्ची के बाबू पतरस तोपनो के साथ वहां की कुछ जमीन का बन्दोबस्त [illegible] में हुआ उसने दरखास्त दिया कि २, ३ कारणों से ठीकसमय में खेती न हुआ और बैदा नहीं काम हुआ सो वह ~~[illegible]~~ ३२॥) भेज रहा है २॥) उसका माफ किया जाए।

संकल्प: फैसला हुआ कि पतरस तोपनो का साढ़ा २॥) माफ कर दिया जाता है सो सिर्फ इसी साल के लिये।

२१। बाबू साहू रांची हाता।

बाबू साहू ने रांची हाता के चर्च रोड में दूकान करने का दरखास्त दिया था सो पढ़ा गया।

संकल्प: कि बाबू साहू को चर्च रोड पर छोटा जगह नाप कर दिया जाए और महीना ४) किराया लिया जाए। वह अपना झोपड़ी आप ही बनाने और उसको संग उचित एग्रीमेन्ट किया जाए॥

२२। सिंघानो के मरम्मत आदि।

सिंघानो के मरम्मत इत्यादि के लिये स्थानीय पाद्री का दरखास्त आया कि मरम्मत के लिये कौंसिल मदद देवे। यहां के विषय के उपर्युक्त पर बातचीत हुई और यही स्थिर हुआ —

संकल्प: कि ~~सिंघा~~ हजारीबाग में की सम्पत्ति के विषय में नि० डी०एम० पत्र के साथ में विशेष प्रबन्ध है इसलिये वहां के मरम्मत आदि के लिये भी नि० पत्र ही जवाबदिह है सो मरम्मत विषयक काम का ब्योरा उनको जनाया और लिया जाय॥

२३। सरनाटोली और कुटाम गिर्जा का मरम्मत।

पादरी सुलेमान संगा से तथा इलाका चेयरमैन पादरी मनोसङ्ग दुर्ती से दरखास्त आया कि सरनाटोली और कुटाम के गिर्जा का मरम्मत होनी चाहिये जिसके लिये ३०) दिया जाय॥

विचार हुआ कि जब तक एस्टीमेट नहीं भेजा जाय तब तक के लिये यह विचार कि इतना वा उतना रुपैया देना होगा सो मुलतवी रखा जाय॥

२४। चैवस्सा ~~स्कूल~~ मरम्मत।

चैवस्सा के पादरी ने ट्रस्टी सेक्रेटरी के मारफत दरखास्त भेजा कि स्कूल घर मरम्मत करने के लिये अमी ५०) दिया जाय।

विचार हुआ कि चैवस्सा इलाके को हिसाब मांगा गया है उसका रिमैन्डर भेजा जाय और ~~अब~~ अभी २००) दिया जाय कि माली चैवस्सा जाके वहां गिर्जा का मरम्मत शुरु कर देवे और तब हिसाब आने पर गिर्जा और स्कूल के मरम्मत के लिये उचित विचार होवे। फिर कि माली को कुछ समय फुरसत दिया जाय कि वहां के मरम्मत के लिये सभों के पास से चन्दा उठावे।

२५। झाड़सुगदा बड़ा बंगला।

नि० आशीर्वाद की चिट्ठी का नकल जो बड़े बंगले के विषय में डा० नालाथम्बी को लिखी थी सो पढ़ी गई।

संकल्प: कि नि० आशीर्वाद को लिखा जाय कि अब जब ने०नि०औं० को बंगला दरकार नहीं है और वह प्रैवेट व्यवहार में है तो उसका भाड़ा ट्रस्टियों को दिया जाय।

२६। कारीमाटी का मरम्मत।

कारीमाटी के पादरी को १००) मरम्मत के लिये दिया जा चुका है परन्तु उसने फिर भी दरखास्त भेजा कि उसको २००) दिया जाय कि मंडली के लोग भी और सहाय करने के लिये उत्साहित होवें।

संकल्प: कि १००) दिया जा चुका है और कौंसिल अफसोस करती है कि अभी आर्थिक अवस्था के कारण अधिक नहीं दे सकेगी॥

२७। रामधनी हजाम को जगह।

रांची का रामधनी हजाम ने दरखास्त दिया कि उसको चर्च रोड पर हजाम दूकान खोलने के लिये छोटी जगह भाड़े पर दिई जाय।

संकल्प: कि रामधनी हजाम को ४) भाड़े पर जमीन नाप कर दूकान के लिये दिया जाय। उसके एग्रीमेन्ट विभाग के प्रधान द्वारा किया जाय॥

J. Toppno.
17-7-34

17.7.34

कार्य्यकारक सभा की बैठकी।

२६ जून १९३४॥

आज के दिन स्कूल विषयक बातों पर विचार करने को कार्य्यकारक सभा बुलाई गई और निम्न लिखे सभासद्गण उपस्थित आये:—

१। पाड्री योहन तोयोनो ... ... प्रेसिडेन्ट।
२। " एम० ग्रेहन ... ... खजांची।
३। मि० पिटर हुक्क ... ... सेक्रेटरी।

[मि० निर्मल सोम अपने विभाग के काम को लेकर हाजिर थे।]

१। मिड्ल और प्रैमरी स्कूल।

आज के दिन में विशेषकर उस चिट्ठी के सम्बन्ध में जो डिपाटमेन्ट से मि० सोम के पास मिड्ल स्कूलों के मास्टरों के वेतन आदि के विषय आयी थी सो पढ़ी गई और उस पर बातचीत हुई। फिर इन्सपेक्टर की चिट्ठी के जवाब में ~~[illegible]~~ हेड-मुंशी वैजर ने जो चिट्ठी बनाई थी और जो कौंसिल की चिट्ठी के आधार पर बनाई गई थी सो पढ़ी गई। उसके संग के रवर्कर्ड के स्टेटमेन्ट पर भी ध्यान दिया गया और यह बताया गया कि यही चिट्ठी भेजने के लिये मंजूर किई जाए।

done

संकल्प: कि वह चिट्ठी जो पेश हुई है जो कौंसिल की अगली चिट्ठी के आधार पर है (जो इन्सपेक्टर को भेजी जा चुकी है) सो मंजूर किई जाती है कि वह डिस्ट्रिक्ट इन्सपेक्टर को भेज दिया जाए॥

कार्य्यकारक सभा की बैठकी।

ता: २६ जून [शुक्रवार] १९३४॥

आज के दिन के लिये कार्य्यकारक सभा बुलाई गई थी और नीचे लिखे सभासद्गण हाजिर आये:—

१। पाड्री योहन तोयोनो ... ... प्रेसिडेन्ट।
२। " एम० ग्रेहन ... ... खजांची।
३ मि० पिटर हुक्क ... ... सेक्रेटरी।

१। गुरुकुल के लिये विद्यार्थी।

गुरुकुल सेमिनरी के विषय बताया गया कि अभी वह मंडाज से सुन्दर लाया आई है और उसके लिये ~~[illegible]~~ गोस्सनर मंडली से कोई विद्यार्थी भेजना है जिसको ओड़ाइयो मिशन के मिशनरी लोगों का २०) सहाय व्यवहार किया जाए। सेक्रेटरी ने मि० यूनस वर्मा का दरखास्त सिफारिशों के साथ में पेश किया। इन कागजातों को पढ़कर और देख कर यही स्थिर हुआ कि मि० यूनस वर्मा कौंसिल के अंगों से मुलाकात कर बातचीत करने को बुलाया जाए जिसे देखा जाए कि वह कैसा impression भाव अंगों के ऊपर प्रकाश करता है।

done

२। सामूएल हेमरोम को ३०)

मि० सामूएल हेमरोम जिसके लिये सिरामपुर कालेज में थेओलोजी पढ़ने का प्रबन्ध कौंसिल से किया गया है ~~वह~~ उसने पाड्री कोरशिस के पास में दरखास्त भेजा कि उसको वार्षिक ३०) करके मदद दिया जाए जिसे वह पीछे भर देगा।

संकल्प: कि सामूएल हेमरोम को जनाया जाए कि कौंसिल उसको वार्षिक ३०) मदद देगी जिसे वह पीछे फिरा देवे॥

३। बघिमा और गुमला।

बघिमा थाना पालकोट के रोमन्थीयान भाई लोग विशेषतः वे जो खड़िया हैं दर्खास्त भेजा कि महासभा के समय में यह विचार हुआ कि यह मौजा गोविन्द पुर इलाके के कोटवो पेरिश में लाया जाए परन्तु अधिकांश खड़िया भाई लोग जो हैं उनका कहना है कि गुमला से हमों का पूरा सम्बन्ध है, कचहरी भी वहीं है और गुमला नजदीक है सो वहीं से उनका देखभाल होवे।

संकल्प: कि भविष्यत में समूचा बघिमा गांव गुमला इलाके के सम्बन्ध में रहे और वहीं का पाद्री उसे देखभाल करे।

४। पादुी मनमसीह लुगुन को बिधवा।

कोरेंजो के पाद्री ओवेद तिर्कि ने मृत पादुी मनमसीह लुगुन की शोचनीय दशा को विषय में लिख भेजा और बताया कि उसके लिये खानी भूमि कुछ को छोड़ और दूसरा उपाय जीविका कमाने के लिये नहीं है। उसकी इस करुणा दशा पर बातचीत और विचार हुआ।

संकल्प: कि आगामी ट्रस्टीबोर्ड की मीटिंग में बातचीत होवे कि इस प्रकार के incurables वा सदारोगी लोगों के लिये अर्थात विधवाओं के लिये इस फंडों से कुछ किया जा सकेगा अथवा नहीं।

(ख) कि जब तक इस विषय पर विचार और फैसला न होवे तब तक की सहायता के लिये अभी उसको कुछ मदद भेज दिया जाए जो कि इलाका चेयरमैन पाद्री ओवेद तिर्कि के मारफत भेजा जाए।

५। काहूपानी पेरिश में पादुी पौ० मुन्डू।

पादुी पौलुस मुन्डू के कोरेंजो इलाके के काहूपानी पेरिश में जाने के सम्बन्ध में बर्च कौंसिल के द्वारा इलाका और पेरिश से अग्रीमेंट जांच हुई जिस पर जो रिपोर्ट या राई आई सो पढ़ कर सुनाई गई अर्थात कि अगली बातें भुलाई जाएं और पादुी अपने पेरिश में नियमानुसार सेन्टलेज करे। बातचीत हुई।

संकल्प: कि पादुी पौलुस मुन्डू इस शर्त पर जाए कि सेन्ट्रलेज न केवल पेरिश में परन्तु इलाके में किया जाए और सब पेरिशों को इलाका चेयरमैन को देखभाल में रखें।

६। पादुी सामुएल तिर्कि किंकेल।

पादुी सामुएल तिर्कि पद पाकर किंकेल गया और पादुी इम्मानुएल कुजुर के बदली न जाने के कारण उसके काम पर जो रुकावट और झगड़ा हुआ उसका लम्बा चौड़ा वर्णन उसने लिख भेजा। इसका सारांश सेक्रेटरी ने कौंसिल को बताया।

संकल्प: कि जो रिपोर्ट पादुी सामुएल तिर्कि ने भेजा है उसको बात अभी बन्द कर दी गई है सो यह (फैल) नत्थी कर दिया जाए॥

७। नये सेमिनरी विद्यार्थी।

~~मे~~ सेमिनरी में नये विद्यार्थियों को लेने के सम्बन्ध पर जो फेकल्टी की सिफारिश थी सो पढ़ी गई और उनके दरखास्तों पर भी बातचीत हुई और पुरुलिया के बाबू कोलय को दरखास्त के बारे में बातचीत हुई। तर्क वितर्क होने पर यही स्थिर हुआ—

संकल्प: कि बाबू मनसिंह तोपनो, पौलुस तिर्कि और कुलियुस मुरिम ये तीन जन जिनकी फेकल्टी से सिफारिश है सो सेमिनरी में लिये जाएं॥

८। मांडो एम० शीवे पर दोषारोपण।

सिंहभूम इलाके से वहां के स्थानीय पंच की रिपोर्ट जिसमें कुंवारि के व्यभिचार की बात की तदारुक लिखी गई थी तथा एक प्रचारक की चिट्ठी और एक दूसरी चिट्ठी जो पेश हुई और पढ़ी गई और बात होने पर यह स्थिर हुआ ~~कि~~

संकल्प: कि जब यह दोष की बात यहां तक बढ़ गई है तो ये सब कागजात प्रेसिडेन्ट को दिये जांय कि वह मांडो एम्मानुएल मुखुर से और अन्य लोगों से भली भांति जांच करे और निर्णयावली अनुसार कार्य्य करे॥

९। ट्राक्ट सोसैटी रविवार।

सेक्रेटरी ने ट्राक्ट सोसैटी के सेक्रेटरी की चिट्ठी पढ़ सुनाई जिसमें लिखा था कि कुमारि मरांडी को उक्त सोसैटी की सहायता के लिये चिता करें और हो सके तो १२ अगस्त अर्थात उस महीने का २रा रविवार ट्राक्ट सन्डे कर कुमारि क्षेत्र में माना जाए।

संकल्प: कि १२ अगस्त कुमारि क्षेत्र में ट्राक्ट सन्डे कर करके माना जाए जिसमें ट्राक्ट सोसैटी सम्बन्धी उपदेश दिया जाए और रांची में कुछ कार्यकर्ता लोगों से प्रेवेट चन्दा लिया जाए।

(२) कि हातों से और रांची से ~~अगस्त ट्राक्ट~~ भी यदि कोई कोई मंडलियां ट्राक्ट सोसैटी के लिये कुछ दान देना चाहें ~~वो~~ सो अपना चन्दा अथवा दान कौंसिल के खजांची को भेजें।

(३) ट्राक्ट सोसैटी सेक्रेटरी से लिखापढ़ी किई जाए कि वे अपनी सोसैटी की रिपोर्ट हमें भेजा करें और पूछताछ किया जावे कि वे कमीशन में अपनी किताबें हमें बेचने के लिये भेज सकेंगे अथवा नहीं।

१०। करंजपुरा रिपोर्ट।

पादरी मोएल लकड़ा ने करंजपुरा जाके एक अच्छी रिपोर्ट वहां के लूथरानों को रोमी मंडली में न जाके कुमारि ही मंडली में रह जाने का भेजा था सो पढ़ा गया और उसके विचित्र सिफारिशों पर उचित ध्यान दिया गया और यह फैसला हुआ—

संकल्प: (१) कि रिपोर्ट ग्रहण होवे।

(२) कि रिपोर्ट की सिफारिश अनुसार एक मास्टर-प्रचारक महीना ८) में नियुक्त होवे जो अभी जुमिया गांव ही में रहे और वहीं पर रहकर काम करे। मत्तियस सिंह की अभी इस काम में लगाया जाए।

(३) कि वहां पर एक गिर्जा घर बनाया जाए वहां के स्थानीय भाई बहिन इस गिर्जा बनाने के लिये चिंता करें और कौंसिल इस काम को आरम्भ करने और उत्साह देने के लिये १०) देवे। यही घर स्कूल के काम में भी लाया जाए।

११। मानभूम पर रिपोर्ट।

पादरी मोएल लकड़ा वहां पुरुलिया गये थे और वहां रहकर मंडली की गति पर जो देखा उसका एक रिपोर्ट कौंसिल में भेजा जो पढ़ा गया। रिपोर्ट में कौंसिल को बताया गया कि रोमी लोगों की चढ़ाई अभी मानभूम पर भी हुई है और इस गांवों, जिलों में लोग उधर चले गये हैं और कुड़दा आदि स्थानों में जो डर है इसके प्रतिकार

की आवश्यकता बताई गई कि मानभूम पर विशेष लक्ष्य कर विशेष चिन्ता करनी चाहिये। वादानुवाद के बाद यह स्थिर हुआ —

संकल्प: कि यह बहुत आवश्यक है कि मानभूम की सफाई की सेवा के लिये उचित संख्या में पादरी रहें जिसके लिये पुरुलिया में इलाका की सभा बुलाई जाय और वहां २१ जुलाई सभा की तारीख ठहराई जावे जिसमें बन पड़े तो कासलसभा भी होने जिसके लिये इलाका पंच सब लोगों को सब प्रकार के पत्रों से बुलावे विशेषतः इन जागों और कुड़दा वालों को भी। प्रेसिडेन्ट और ट्रस्टी बोर्ड के अंग जो चर्च कौंसिल से हैं वे भी वहां जांय।

(ख) कि इसी समय में २० जुलाई को ट्रस्टियों की मीटिंग होवे जिसके लिये ट्रस्टी सेक्रेटरी को भी हाल दिया जाय।

[सुबल विन्दु कोनार और बाबू सुलेमान सेरन को सेमिनेरी में लाने और पढ़ाने पादरी करने का प्रबन्ध किया जा सकेगा कि नहीं इस पर भी इलाके से राय लिई जाय।]

(ग) जब तक सेमिनेरी से मानभूम खास के योग्य जन तैयार न होवें तब तक कोई दूसरा पादरी भी वर्तमान में भेजा जाय इस पर भी इलाके से बातचीत कर राय लिई जाय॥

१२। गोपालपुर (गोविन्दपुर) का दरखास्त।

गोविन्दपुर के गोपालपुर के लोगों का एक दरखास्त जो सीधे पहिले कौंसिल के पास भेजा गया था सो मोके इलाके की राय के लिये गया था सो यहां पेश हुई। इलाके की राय सुनी गई। बातचीत हुई कि इस प्रश्न पर पादरी ने भी बैठकी किई और छोकड़ा के विषय विचार किया। अन्तो अन्त में इलाके ने उनको मंडली सजा दिया है। बहुत बातचीतों के बाद यह कौंसला हुआ —

संकल्प: कि जैसा दरखास्त में है एक कमीशन जावे जिसमें प्रेसिडेन्ट, पादरी एम० ग्रेहन, दि० सोय और दि० पुर्ती जावें और अपनी रिपोर्ट देवें। प्रेसिडेन्ट ही इसके कानवीनर रहेंगे॥

१३। धर्मत्तरी क्रिश्चियन एकेडेमी।

सेक्रेटरी ने पादरी लाथ साहिब की क्रिश्चियन एकेडेमी का प्लान पढ़कर सुनाया। प्लान बहुत अच्छा है परन्तु खर्च बर्च के विषय विशेष समाचार नहीं है फिर कोई कोनशेसन खास्टियान विद्यार्थियों को होगा कि नहीं सो भी नहीं लिखा है।

विचार हुआ कि इस विषय पर आगे और समाचार आने पर यह विषय पेश किया जाय॥

१४। लोहरदगा में और मास्टर।

हेड-सुपरवेजर ने बताया कि लोहरदगा स्कूल ने लिखा है कि धर्म विषय और अन्य विषयों को सिखाने के लिये और भी एक मास्टर की जरूरी है सो कौंसिल आज्ञा देवे खर्च मंजूर करे।

संकल्प: कि विचार कर यह देखा गया कि स्कूल की संख्या अनुसार अभी भी पूरन मास्टरों से स्कूल का काम चलाया जा सकता है सो स्याफ अभी बढ़ाने की कोई आवश्यकता नहीं है॥

१४। स्टैपेन्डायरी स्कूल जिला रांची ॥

हेड सुपरवेजर की चिट्ठी जिसमें डि० बोर्ड रांची ने दुमाट प्रेमरी स्कूलों को स्टैपेन्डायरी ग्रैन्ट ६१३०) तथा १७००) मन्जूर हुआ था, ने जनाया। फिर ६५) महीना स्टेशन स्कूलों के लिये मंजूर हुआ है सो भी बताया गया कि यह सैंक्शन हो गया है।

संकल्प: कि उपरोक्त समाचार धन्यवाद के साथ नोट किया जाए॥

१५। मास्टर यूसफ तोपनो को अपील।

कोरेजो का मास्टर यूसफ तोपनो ने जिसको जगह न होने से छुट्टी मिली अपील कौंसिल में भेजा कि उसपर अन्याय कर छुट्टी दिई गई क्योंकि इन्सपेक्टर के रिमार्क में उसके नहीं पर दूसरे मास्टरों के विपरीत लिखा था।

संकल्प: इन्सपेक्टर की रिमार्क देखी गई। उसमें किसी का विशेष नाम नहीं दिया गया है। इसलिये हेड सुपरवेजर की कर्रवाई बुढ़ाई जाती है कि वह यथार्थ है।

१६। डि० मर्शल तोपनो।

डि० मर्शल तोपनो ने दरखास्त दिया है कि यदि कहीं भी स्कूल विभाग में स्थान होवे तो वह बुलाया जाए वह काम तलब पर भी काम करने को तैयार है जिसमें ट्रेनिंग जाने को योग्य होवे।

संकल्प: अमी डि० मर्शल तोपनो को सुनाया जाए कि वर्तमान में कहीं जगह नहीं है जिसके लिये अफसोस है। यदि जगह मिले तो समाचार दिया जायगा।

१७। को-ओ परेटिव से मदद।

सेन्ट्रल को० बैं० सो० से स्कूलों के लिये मदद पाने के सम्बन्ध में लिखा पढ़ी हुई जिसका जवाब बैंक के ए० सेक्रेटरी का पढ़ा गया। बातचीत हुई। यह स्थिर हुआ—

कि डि० योसफ लकड़ा को जो बैंक-चेयरमैन हैं एक डी० ओ० लिखा जाए कि बैंक का कान्सटीट्युशन देखा जाए॥

~~रा~~ ३० जून १९३४।

कल की बैठकी को लगातार आज हुई है और जितने लोग कल इकट्ठे थे सो सब हाजिर आये।

१८। गुमला में ओडिटर।

गुमला के चेयरमैन की चिट्ठी जो इलियास तोपनो के ओडिट करने के बारे लिखी थी पढ़ी गई जिसमें कितने उजुर की बातें थीं। उन पर बात विचार होकर फैसला हुआ—

संकल्प: (क) कि ओडिटर को personal ground पर उजुर न करना अनुचित है जो सहन नहीं हो सकता है।

(ख) कि ओडिट के जाने के सम्बन्ध में सब इलाकों को सुसमय पर हाल दिया जाए कि वे अपनी बही खाताओं के संग तैयार होवें।

(ग) कि इलाकों को जनाया जाए कि वे इलियास तोपनो को ओडिट करने देने में किसी प्रकार का रोकटोक न करें क्योंकि यह कौंसिल के हुक्म के अनुसार है।

१९। मिशन डैरेक्टरी।

स्थिर हुआ कि मिशन डैरेक्टरी की एक लीथि कौंसिल आफिस के लिये मंगाया और रखा जाए॥

२०। पाड़ी दाऊद सैरंग का बिल्ल।

पाड़ी दाऊद सैरंग जो कोचेडेगा से गोविन्दपुर आये सो उसकी बदली का बिल्ल पेश हुआ और देखा गया। थोड़ा बहुत काटकूट किया जाकर मंजूर पास हुआ—

संकल्पः कि उसको मोट संख्या में ४०) बदली खर्च दिया जाए।

२१। सिंघानी पाल्टर का हिसाब।

पाड़ी अन्ड्रियस तोयोनो का आपेरल का हिसाब आमद खर्च का देखा गया। पाया गया कि आमदनी खर्च दोनों ओर का जोड़ने से १११।७ दे पाई खर्च की ओर अधिक पाया जाता है। अर्थात् पाया गया कि कहीं कहीं जैसा कुल्टी आदि से प्राय नहीं के बराबर आमदनी है। इसलिये

संकल्पः (क) कि पाड़े अन्ड्रियस तोयोनो को हेदायत दिया जाए कि वह कोडेमा गिरीडीह आदि स्थानों में जो जावे और वहां के लोगों से पूरा आने जाने का खर्च अदाय करने का परिश्रम करे।

(ख) कि अविलम्ब में पटना ही हजारीबाग मंडली के पार्श्व में रहे और उसकी सेवा होवे।

२२। गोस्सनर मंडली के नाम पर झंडा की अपील।

सेक्रेटरी ने बताया कि कई कारणों से उसने अपील बनाने के काम को नहीं कर सका। प्रेसिडेन्ट की सम्मति पर यह स्थिर हुआ—

संकल्पः कि पाड़ी मोहन तकड़ा और प्रेसिडेन्ट दोनों मिलकर अंग्रेजी में गोस्सनर मंडली की सहायता के लिये एक स्ट्रोंग अपील लिख कर तैयार करें जो कौंसिल के सामने में रखी जाए। यह अपील डा० मोरहेड और दूसरे संस्थाओं के पास भेजी जायगी॥

२३। चर्च कौंसिल के पदधारी और हेडसुपरवैजर का दरखास्त।

कौंसिल के दो पदधारे अर्थात् प्रेसिडेन्ट और सेक्रेटरी और हेडसुपरवैजर ने दरखास्त दिया कि कौंसिल उनके लिये जो जो उनका आरम्भिक वेतन है उसे देने की चिन्ता करे, क्योंकि इतने दिनों तक उनको अपनी वर्त्तमान तलब पर आप करना कठिन है। कि बीते हुये वर्षों के लिये उनको कामपेनसेशन के तौर दिया जाए इत्यादि=

संकल्पः कि यह विषय जो तलब के सम्बन्ध में है फुल कौंसिल में आवे और वहीं कौंसला होवे। वर्त्तमान में ट्रस्टियों से गंगा तराई झंड से पैंचा लेने का प्रबन्ध किया जाए जो पीछे भर दिया जाए॥

(ख) कि चर्च कौंसिल की एक Extraordinary meeting बुलाई जावे जो इसी अगस्त में होवे कि पाड़ी स्तोत्रा सहित के आने को आगे कितनी बड़ी बातों का विचार किया जा सके

२४। अमेरिका का ५०० डालर।

अमेरिका से डा० मोरहेड के द्वारा ५०० डालर गुन्टूर मिशन को स्वर्गवासी पादरी डा० आई नाथाडे के स्मारक कौंसिल में आया। यह दान हाई स्कूल की स्थापना के लिये कौंसिल के हाथ आई। कुछ बात-चीत होकर स्थिर हुआ—

संकल्प : कि जो ५०० डालर का एक्सचेंज में रुपैया मिलता है सो हाई स्कूल को दिया जाए॥

२५। स्कालरशिप फंड।

सेक्रेटरी ने भाव दिखाया कि यदि स्कालरशिप फंड में रुपैया भिजाने वालों को सरल रिमैन्डर दिया जाए तो बहुत मदद हो सकेगा जैसा गुन्टूर में ~~मदद~~ जानेवाले विद्यार्थी को तथा अन्य कामों में की हुई मदद होगा।

स्थिर हुआ कि स्वर्गवासी चिन्ता करें कि जिन जिन महाशयों से स्कालरशिप फंड का भावना है उनको रिमैन्डर भेजें॥

इतना होने पर सभा भंग हुआ और प्रार्थना करके सब अपने अपने स्थान को गये॥

J. Jojus.
17-7-34.

17/7/34 Secy.

कार्य्यकारक सभा की बैठकी ।

ता: १७ जुलाई [मंगलवार] १६३४ ॥

आज इस महीने के काम काज करने के लिये कार्य्यकारक सभा बुलाई गई और निम्न लिखे सभासद्गण उपस्थित आये :—

१। पाड्री योहन तोपोनो ... ... प्रेसिडेन्ट ।
२। " एम० ग्रेहन ... ... खजांची ।
३। " योएल लकड़ा
४। मि० पिटर हरुल ... ... सेक्रेटरी ।

मि० सामूएल पुर्ती घर में की बिमारी के कारण अनुपस्थित हुए।
मि० निर्मल सोय अपने विभाग के काम के कारण उपस्थित आये । आरम्भ में प्रेसिडेन्ट ही ने प्रार्थना किई और निम्न लिखे काम समादन हुए :—

१। मन्तव्यों का दृढ़ाया जाना ।

आरम्भ में यह बातचीत हुई कि साधारण प्रथा के अनुसार मन्तव्यों को पिछले मीटिंगों में दृढ़ाने से बहुत बातों में उचित करवाई करने में देर होती है जिसके लिये बहुत से कामों का हर्जा होता है । इस विषय तर्क वितर्क करने पर यह निर्णय हुआ-

संकल्प: कि भविष्यत में हरेक बैठकी के मन्तव्य उसी मीटिंग के पीछे दूसरे दिन में पढ़े और दृढ़ाये जावें और यों उन पर उचित रूप से काम काज हो सके ॥

[नोट = आज बीते पूर्णा कौंसिल से पीछे के कार्यकारक सभा मन्तव्य पढ़े और दृढ़ाये गये, केवल उक्त पूर्णा कौंसिल के पिछले दो दिनों के मन्तव्य आगामी पूर्णा कौंसिल में दृढ़ाये जाने के लिये छोड़े गये ।]

२। मिड्ल स्कूलों के तलब पर इन्सपेक्टर की चिट्ठी ।

सेक्रेटरी ने स्कूल इन्सपेक्टर की उस चिट्ठी को ~~नम्बर~~ जो उसने हमारे मिड्ल स्कूलों के शिक्षकों के तलब के विषय डिस्ट्रिक्ट इन्सपेक्टर, रांची, को लिखी थी और जिसका नकल कौंसिल के सेक्रेटरी को भेजा गया — सो पढ़ी गई। मालूम हुआ कि कौंसिल की राय अनुसार इन्सपेक्टर ने मास्टरों को स्टैनडार्ड स्केल पर जो कोड के अनुसार है तलब देने की मंजूरी दिई है तथा जो शिक्षक ६५) से अपर पाते हैं उनको तलब से १०) रोकड़ा कम करने के विचार पर अल्प काल के लिये मंजूरी दिई है। अब इस मंजूरी अनुसार कब से काम जारी होवे इस पर विचार किया गया । सब विषयों पर तर्क वितर्क होकर ये निर्णय हुए :—

संकल्प: (क) कि यह नया तलब देने का प्रबन्ध जुलाई १६३४ से जारी होवे ॥

(ख) कि स्टेशन के प्रैमरी स्कूलों में जो हेड मास्टर हैं और जो अंगेजी भी पढ़ाते हैं अर्थात टोकाद, चैनपुर और कोन्ड़रा के हेड मास्टरों को महीना ५) के दर से तलब दिया जाए और गुमला का हेड मास्टर अन्डर मैट्रीक होने के कारण उसको २०) महीना दिया जाए ।

(ग) कि उच्च वेतनभोगी मास्टरों को जो प्रैमरी स्कूलों में हैं मिड्ल स्कूलों में जब और जहां खाली स्थान हो तो लीन का विशेष ध्यान हेड-सुपरवैजर से रखा जाए ।

(घ) कि मास्टरों का प्रोविडेन्ट फंड उनके वर्तमान स्टानडार्ड तलब पर लिया जाए और मैनेजमेन्ट भी उसी के अनुसार देवे अर्थात काटे हुए तलब पर प्रोविडेन्ट फंड हिसाब न किया जाए ।

(ङ) कि स्कूलों के तलब का वर्तमान प्रबन्ध तब तक जारी रहे जब तक मंडली की आर्थिक स्थिति की उन्नति न हो ।

३। डॉक्टर स्तोश की चिट्ठी।

बर्लिन से डॉक्टर स्तोश साहिब की चिट्ठी जो २२ जून को लिखी गई थी सो कार्य्यकारक सभा को पढ़ कर सुनाई गई। इसमें महासभा के नाम से भेजी हुई चिट्ठी पाने का, तथा मिस्स हैंसे के विलायत लौट जाने का, फिर आनेवाले साल में ३ मिशनरियों के आने का, इस साल के अन्तिम क्वार्टर में आप के आने से पादियों के ३ सप्ताह के कोनवेनशन आदि करने की बात लिखी थी।

संकल्प: कि चिट्ठी में दिये हुए समाचार धन्यवादी हृदय से सहर्ष ग्रहण किये जाते हैं।

४। पादी स्वीशक की रिपोर्ट।

पादी स्वीशक ने आसाम से जो चिट्ठी सेक्रेटरी को लिखी थी सो पढ़ी गई। इसमें आप प्रचारक पौलुस पुर्ती के अल्पकालिक ट्रेनिंग सेमनरी में पाकर पद पाने के सम्बन्ध में पूछ पाछ थी। फिर मंडली में का सुन्दर हालचाल था। तथा कौंसिल के अंगों को हार्दिक नमस्कार था।

संकल्प: कि पादी स्वीशक की चिट्ठी के विषय आनन्द साथ ग्रहण होवे॥

५। प्रेसिडेन्ट की रिपोर्ट।

प्रेसिडेन्ट ने महासभा के पीछे गोविन्दपुर बुड़ुक, चैवस्सा, एकमा आदि स्थानों में जाने की जो रिपोर्ट दिई सो पढ़ी गई। थोड़ी बातचीत भी आर्थिक विषयों और मण्डली कामों पर हुई। केवल यही बताया गया कि मंडली जैसा जो देती है सो नियमानुसार मंडली का विशेष दान है और विशेष काम के लिये है सो इस चन्दा या सिनों को कोई इलाका स्कूल चन्दा कह कर अथवा स्कूल के काम के लिये कह कर नहीं ले सकता है॥

६। पादी सोरेंग की बदली बिल्ल।

गोविन्दपुर के असिसटेन्ट पादी दाऊद सोरेंग ने अपनी बिल्ल के सम्बन्ध में खजांची को जो चिट्ठी लिख भेजी थी सो पढ़ी गई। उसके नाना प्रकार के भिन्नताओं पर बातचीत हुई और यही निदान ठहराया गया——

संकल्प (क) कि पादी दाऊद सोरेंग को उसका बदली खर्च उसके बिल्ल अनुसार ४६) दिया जाए। परन्तु उसको बताया जाए कि उचित था कि वह अपने बिल्लों के साथ में वौचर (vouchers) देवे।

भविष्यत में बदली जानेवालों को जनाया जाए कि जब वे अपना पुराना स्थान छोड़ देते हैं तो धान, चावल आदि रकम बेच देवें और उसी पैसे से अपने नये स्थान में आकर मोल लेवें क्योंकि उनको लाने का खर्च बहुत अधिक हो जाता है। बेचके फिर मोल लेने में जो फर्क पड़े अथवा भाव के कारण नुकसानी होवे तो उस कौंसिल को जनावे और कौंसिल उस पर उचित ध्यान देगी।

७। पादी सोरेंग का तलब।

पादी दाऊद सोरेंग ने लिख कर जनाया कि बीते महीने में उसे ६॥) तलब के नाम से और १॥) सहायता के नाम से उसको मिला। परदेशी होकर उसको अपनी जीविका चलाना बहुत कठिन है जिस पर कौंसिल कृपया ध्यान और विचार करे।

संकल्प: कि पादी दाऊद सोरेंग के तलब के विषय में इलाका से बातविचार करने को यह काम उसी कमीशन को सौंपी जाए जो कि गोपालपुर के मंडली सभावालों का विचार करने को जानेवाली है॥

८। रिछस्रोचित कुञ्जर खूटीटोली।

खूटीटोली से बाबू रिछस्रोचित कुञ्जर ने खजांची के नाम पर एक दर्खास्त भेजी कि जो कि इलाके के सिफारिश के साथ थी कि वह अभी ~~वह~~ नवयुवक छात्रों को ~~धर्म~~ विषय पढ़ा रहा है और कौंसिल उसके लिये १०) मदद देवे इत्यादि। कौंसिल को सुनाया गया कि महासभा के पहिले भी इस विषय पर बातचीत हुई थी और निकटस्थ इलाकाओं की राय मांगी गई थी पर अब तक कुछ जवाब नहीं मिला ~~इससे~~ विषय मुल्तवी रखा गया —

4c ✓ संकल्प:(क) कि कौंसिल जानना चाहती है कि इलाका बाबू रिछस्रोचित कुञ्जर के लिये कितना देती है और क्या हरेक विद्यार्थी अपने इस गुरु के लिये महीना ~~१~~ प्रतिजन नहीं दे सकेंगे।

(ख) कि किंकेल, कोरिंजो, ~~अथवा~~ दूसरे इलाकों से जहां के लड़के सामटोली में पढ़ते हैं पूछ पाछ किया जाय कि वे बाबू रिछस्रोचित कुञ्जर के लिये कुछ थोड़ा सा सहाय दे सकते हैं अथवा नहीं।

जनाना विभाग।

९। मिस्स हैंस्से के उत्तराधिकारी।

मिस्स हैंस्से ने लिख भेजा कि अब वह एकदम हिन्दुस्तान छोड़ कर विलायत लौट जायगी सो उसके स्थान पर काम चलाने के लिये उत्तराधिकारी नियुक्त होवे। थोड़ी सी बातचीत कर यह ठहराया गया —

3c ✓ संकल्प: कि जनाना स्कूल विभाग का काम देखभाल करने के लिये हेड-सुपरवेजर मि० निर्मल सोथ नियुक्त किये जांय और वे मिस्स हैंस्से से जुलाई के अन्त में चार्ज लेवें और ~~इसी~~ अगस्त से विभाग का काम आरम्भ करें।

3c ✓ (ख) कि बेबल वीमेन विभाग का काम सिस्टर फ्रिस्से के जिम्मे में रहे और वह इस काम का चार्ज अगस्त से लेवे॥

सम्पत्ति-विभाग।

१०। लोहरदगा हाते का मोकद्दमा।

ट्रस्टी बोर्ड के सेक्रेटरी मि० पत्ता ने कौंसिल को जनाया कि अब लोहरदगा हाता की मालगुजारी के लिये महाराजा ने रेट्स्शुट किया है सो महाराजासे बातचीत कर तय करना ~~नहीं~~ नहीं तो मोकद्दमा लड़ना अवश्य होगा।—

2c ✓ संकल्प: कि ट्रस्टी बोर्ड का यह समाचार कि लोहरदगा हाते के लिये रेट्स्शुट किया गया है नोट किया गया। ~~कौंसिल से कि ट्रस्टी बोर्ड इस विषय पर अब बुद्धिमानी से मंडली की भलाई के लिये कार्य करेंगे और उसमें सफलता पावेंगे॥~~

११। कारोमदो के घर मरम्मत।

कारोमदो से पादरी मनसुख मानकी ने लिखा था कि शुरु में उसने ४००) रुपैयों का एस्टीमेट दिया था जिस पर कौंसिल ने सिर्फ १००) सहायता दिई। सो अन्त में अभी सब काम को अन्त करने के लिये ५०) और सहाय स्वरूप भेजा जाय। बातचीत करने पर यह

3e ✓ संकल्प: कि पादरी मनसुख मानकी से पूछ पाछ किया जाय कि वे निर्दिष्ट रूप से कौंसिल को बतावें कि क्या काम बाकी है और किस खास काम के लिये वे मदद में ५०) मांगते हैं। यह स्पष्ट रूप से बताने पर विचार किया जायगा॥

१२। कोलेंगहातू की बिक्री।

रांची निवासी बाबू जितेन्द्र लाल चौधरी ने एक दरखास्त दिया है कि वह अपना आधा हिस्सा कोलेंगहातू का जो दामो की टोली है बेचना चाहता है। इस हिस्से में सलाना १८२।८ मालगुजारी आता है और वहां १५ एकड़ मझोहस और ५० एकड़ गैरमजरुआ जमीन है जहां पराल गाछ भी है। गांव या जमीन्दारी खरीदने के लाभ और उसके कठिनाइयों पर बातचीत हुई। निदान यही स्थिर हुआ—

संकल्प: कि इस दरखास्त को बोर्ड आव ट्रस्टीज में भेजने के पहिले कौंसिल के सम्पत्ति विभाग को सौंपा जाय कि इस विषय पर सोच विचार कर अपनी राय कौंसिल को जनावे॥

१३। रांची हाता के घरों का टैक्स अदाय करना।

रांची हाता के कौंसिल को उन घरों के लिये जहां निशान कर्मचारी छोड़ दूसरे लोग रहते हैं म्युनिसिपल टैक्स वगैरह देना पड़ता है जिसका एक स्टेटमेन्ट तैयार किया गया है। अब यह काम पीछे साल पादरी एम० प्रेहन को और सेक्रेटरी को सौंपा गया था कि प्रत्येक घरों पर टैक्स और रेन्ट बैठा कर अदाय करने की चिन्ता करें। सेक्रेटरी ने प्रस्ताव किया कि अब यह काम प्रेहन साहिब जो रांची के चेयरमैन भी हैं सो मि० सामूएल पुर्ती सम्पत्ति विभाग के प्रधान के साथ में कर गुजारें।

संकल्प: कि अब रांची हाते में के घरों का किराया और म्युनिसिपल टैक्स घर घर बैठाने का काम मि० सामूएल पुर्ती और पादरी एम० प्रेहन् करें॥

१४। जोड़ावांध का मरम्मत।

सेक्रेटरी ने जोड़ावांध के पादरी लूथर बगैला को चिठी जिसे उसने वहां के घर के मरम्मत के लिये तथा स्टेट के जंगल से लकड़ी निकालने चिराई इत्यादि करने के लिखी थी सो सभा को पढ़ कर सुनाई गई। कहा गया कि अब तो देर हो गई है अभी बरसात का समय है इसलिये मरम्मत काम निश्चय नहीं हो सकेगा इत्यादि। बातचीत करने के अन्त में यह स्थिर हुआ कि पादरी से पूछा जाय कि बरसात के समय अथवा उसके तुरन्त पीछे क्या क्या काम किया जा सकेगा अर्थात बहुत ही आवश्यक होने पर क्या क्या काम है सो एस्टीमेट साथ कौंसिल को जनाया जाय॥

१५। चट्टी घरों की मरम्मती।

चट्टी पेरिश में घरों की मरम्मती बहुत दरकार है क्योंकि गिर्जा घर के लगत्व का डेरा भाग गिर गया है और गिर्जा को सम्भालके रखना जरुरत है। सो बरसात में खपरा इत्यादि लगाने के लिये तथा साधारण खर्च के लिये भेजना जरुरत समझा गया—

संकल्प: कि चट्टी पेरिश के गिर्जा और दूसरे घरों को ठीक से मरम्मत कर बरसात में बिगड़ने से बचाने के लिये मदद के लिये अभी (२५) पादरी नथानियेल खलखों को भेज दिया जाय

इतना कार्यकाज होने पर सभा अन्त करने के लिये पादरी योएल लकड़ा ने प्रार्थना किई और सभा उठ गई॥

J. Toppo.
13-7-34
1-8-34 Rule cc.

18.7.34.

पूर्ण चर्च कौंसिल की बैठकी।

ताः १ अगस्त [सोमवार से] ६ अगस्त १९३४ तक।

आज महासभा १९३६ के पीछे दूसरी बार चर्च कौंसिल बैठी और आज के दिन में निम्न लिखे पदधारी और सभासदगण उपस्थित आये अर्थात :—

१। पादरी योहन लोयोला ... ... प्रेसिडेन्ट।
२। " एम० ब्रेहन ... ... रंजोची।
३। " एम० कोरास।
४। " निलो तीग्गा।
५। " सुलेमान कुला।
६। " योसल लकड़ा।
७। मि० सामूएल मुर्मू [केवल पहिली बेला]
८। " निर्मल सोय।
९। " फौलुस बाबा।
१०। " पिटर हुरु ... ... सेक्रेटरी।

अन्य अंगों में पादरी अ० जोन ने चिट्ठी लिख भेजा कि बिमारी के कारण से आप कौंसिल की इस बैठकी में नहीं आने सकेंगे। यह चिट्ठी गहरा हुई।

आरम्भ में प्रेसिडेन्ट ने आप ही प्रार्थना किई और सभा का काम खोला गया और निम्न लिखे काम सम्पादन हुए :—

१। कार्य्यकारक मिनिटों का दुहाया जाना।

कामपत्र में दिये हुए अनुसार पीती कौंसिल की बैठकी के पीछे जितनी बार कार्य्यकारक सभा बैठी थी उन बैठकियों के मन्तव्य पढ़े, तथा एक दो स्थानों पर सुधारे और दृढ़ाये गये।

२। डा० मोरहेड के पास अपील।

महासभा की आज्ञानुसार डा० मोरहेड के पास एक स्ट्रोंग अपील भेजने की ड्राफ्ट जो बनायी जाकार कार्य्यकारक सभा में पढ़ी गई थी सो आज फिर से अन्तिम बाक्यांशों के संग दुहराकर पढ़ी गई और एक दो बदलाहट के संग ग्रहण हुई

संकल्प : कि जो अपील डा० मोरहेड के पास भेजने को बनाई गई है उसके बजेट की ठीक संख्या तथा स्कूलों की संख्या और अन्य हिसाब देखे जाकर और अपील में उचितरूप से भरे जाकर टैप किये जावें और जहां जहां और भेजने की आवश्यकता समझी जाय वहां भेजे जांय। ~~आवश्यकता अनु~~ उसमें सही करें।

३। कंडि० मरकस संगा=पादि पद।

कंडि० मरकस संगा जो अभी उम्बुलवहा बदला गया है उसके पदाभिषेक कुछ कारणों से गत महासभा के समय रोका गया था और उन कारणों पर तदारुक करने को प्रेसिडेन्ट को सौंपा गया था। प्रेसिडेन्ट ने अपने तदारुक पर कोचिंछा जो कुड़ुख चेयरमैन से थी उसे पढ़ सुनाई। मरकस संगा के पिता के विषय में पाया गया कि वह ~~क्रिश्चान~~ अपने घर में पूजा पाठ किया। उसके कुटुम्ब के घर में ऐसा मान हुआ। दोष इतना कि उसने उस पूजा-पाठ को रोकने में पूरा परिश्रम नहीं किया। मरकस संगा कंडिवात इस विषय में जेवावदिह अथवा दोषी नहीं है इसलिये

संकल्प : कि कंडि० मरकस संगा को कुड़ुख गिर्जे में [illegible] रविवार के दिन में पादरी पद दिया जाय और प्रेसिडेन्ट इसके लिये उचित प्रबन्ध करें॥

*(२३ सेप्टेम्बर को पदाभिषेक कार्य होवे।)

४। मानभूम की चरवाही।

मानभूम की मराडलें में उचित चरवाहे हो सके इस पर ~~हैं~~ इलाके से सलाह परामर्श करने और उसकी राय लेने के लिये कौंसिल को एक डिपुटेशन पुरुलिया भेजी गई थी। उस पर प्रेसिडेन्ट की रिपोर्ट पढ़ी गई। मालूम हुआ कि इलाके से कोई विशेष राय नहीं मिली पर इलाके को कहा गया कि वह अपनी राय अर्थात किसी को पादुी बनाने के लिये वह चुन लेके कौंसिल में अपना सिफारिश भेजे। अनेक विषयों पर अर्थात रांची जिले की ओर से किसी को मानभूम भेजने का, तथा इस प्रस्ताव पर की कठिनाइयों पर, घर आदि बनाने की कठिनाई तथा पादुियों की कम संख्या पर विचार सोच करने से यह स्थिर हुआ:

संकल्प: (क) यह स्पष्ट प्रगट है कि समूचा मानभूम जिला के ~~लि~~ के लिये एक पादुी द्वारा चरवाही करने का प्रबन्ध यथेष्ठ नहीं है इसलिये

(ख) कौंसिल पुरुलिया इलाके पंच को यह आदेश देती है कि पादुी को छोड़ [जो प्रति क्वार्टर में एक बेर जायगा] कोई अन्य सुयोग्य भाई मानभूम के विहातों में सेवा के लिये भेजा जाए जो महीने में कम से कम १५ दिनों तक विहात में रहे और जहां २ जाए तहां तहां वह गिर्जा और विन्ती प्रार्थना करे विशेषतः हर संध्या को गावों में भाइयों के संग आराधना करे तथा घर घर जाके भाईबहिनों का सुखदुःख पूछपाछ कर देखे सुने

(ग) कि जो भाई उपरोक्त काम के लिये विहात सफर जायगा उसको कौंसिल की ओर से प्रतिदिन ।) चार आना खोराकी मिलेगी और सफर में जो उसका यथार्थ खर्च, रेल, ~~मोटर~~ लोरी आदि का होगा सो दिया जायगा इस शर्त पर कि वह भाई अपनी डायरी इत्यादि इलाका-चेयरमैन के मार्फत कौंसिल में भेजे। क्योंकि कौंसिल उसको यह सब खर्च देगी। यह प्रबन्ध तब तक जारी रहे जब तक कोई स्थायी पादुी बुड़वा पेरिश के लिये न ~~ठहराया~~ जा सके।

(घ) उपरोक्त बन्दोबस्त के होने से कौंसिल अभी इस वर्तमान किसी और पादुी को भेजने की आवश्यकता नहीं देखती है परन्तु इसी बीच में कौंसिल इलाके को यही परामर्श देती है कि शीघ्र ही पादुी होने को ~~जो~~ किसी को चुन करके भेजे अर्थात यदि कोई विवाहित जन अकेला रांची में ट्रेनिंग के लिये सेमिनेरी आना चाहे तो उसे २ बरस का ट्रेनिंग दिया जायगा परन्तु कौंसिल चाहती है कि ~~वह~~ यदि कोई अविवाहित जन भेजा जाए जिससे उसको सेमिनरी का पूरी कोर्स पढ़ाया जा सके।

पूराबर्लिन की चरवाही पत्री का प्रत्युत्तर।

बर्लिन की गोस्सनर बोर्ड से गत महासभा के लिये चरवाही पत्री आई थी। इस पत्री के प्रत्युत्तर में एक चिट्ठी लिख भेजने की आज्ञा महासभा से कौंसिल को हुई थी। प्रेसिडेन्ट ने इसका ड्राफ्ट किया था सो मंजूर होकर भेजी गई। आज पूरी कौंसिल को वह चिट्ठी जो भेजी जा चुकी है पढ़ कर सुनाई गई। चिट्ठी अंग्रेज के आगे भाग में भेजी गई।

६। सेमिनेरी प्रोसपेक्टस।

सेक्रेटरी ने प्रस्ताव किया और यह समर्थन हुआ कि फेकल्टी को यह कहा जाए कि सेमिनेरी का एक प्रोसपेक्टस तैयार करे क्योंकि कितनी बातों के लिये हम कहते हैं कि यह नियम है और यह नियम है इत्यादि पर उनका एक जगह एकत्र रहने से बहुत सुविधा है।

संकल्प: कि सेमिनेरी फेकल्टी को लिखा जाए कि जहां तक बन पड़े शीघ्र ही सेमिनेरी के लिये एक प्रोसपेक्टस तैयार करे जिसमें वर्ष कौंसिल के मन्तव्यों में सेमिनेरी के लिये जो नियम बनाये ~~गये~~ जा चुके हैं वे भी ध्यान में लाये जावें।

७। जस्पर लौ० तिर्की की सम्पत्ति

कुसुम कुमारी तिर्की ने एक दरखास्त पेश किई कि उसके भाई का नवालिग लड़का जस्पर लौरेन्तियुस तिर्की के लिये मंडली गार्जियन होवे और उसके नाम पर जो सम्पत्ति है उसको मंडली जिम्मा लेकर जबतक लड़का स्याना न होवे। इस विषय पर बातचीत हुई और पाया गया कि इसमें कानूनी सलाह परामर्श लेना जरूरी है। इसलिये

संकल्प: कि कुसुम कुमारी तिर्की के दरखास्त ~~के विषय~~ पर कि मंडली उसके भतीजा जस्पर लौ० तिर्की का गार्जियन हो और उसकी सम्पत्ति को जिम्मा लेवे इस विषय में वकील सुस्ति से कानूनी परामर्श लिया जाए और तब आगे विचार होवे।

यहां तक काम आज होने से और समय हो जाने से आशा में मि० निर्मल सोय ने प्रार्थना किई और आज के लिये सभा बन्द हुई॥

Johan Toppno
2-8-34

Soy
2. 8. 34.

पूर्वी कौंसिल के दूसरे दिन की बैठकी

ता: २ अगस्त [बृहस्पति] १९३४।

आज के दिन में निम्न लिखे पदधारी और सभासदगण उपस्थित हुए अर्थात:—

१। पाद्री योहन तोपनो ... ... प्रेसिडेन्ट। [पहिली बेला]
२। " एम० ब्रेहन ... ... खजांची।
३। " एम० केरशिस
४। " जिलो तीग्गा
५। " योसुल लकड़ा [एक बेला दूसरी बेला]
६। " सुलेमान कुला
७। मि० थेओदोर सुसि
८। " निर्मल सोय
९। " पौलुस बाबा [पहिली बेला]
१०। " पिटर हुरड ... ... सेक्रेटरी।

मि० सामुएल मुर्मू ने लिख भेजा कि मुझे कचहरी जाने होजाते हैं सो नहीं आ सकेंगे। प्रार्थना के पीछे काम आरम्भ हुआ और आगे लिखे काम आज समाधान हुए:—

८। मोरहेड-अपील के भेजने पर।

जो अपील रुपये की सहायता के लिये डा० मोरहेड के पास अमेरिका भेजने का स्थिर हुआ है उसके और २ अन्य स्थानों में कहां कहां भेजा जाए इस बात का विचार करना ठहराया गया। निम्न लिखे जनों और संस्थाओं में उसे भेजने का निर्णय किया गया अर्थात :—

(1) Federation of India (2) Berlin Goosner Board. (3) Dr. Aberly. (4) Presb. U. L. C. Mission. (5) Ohio Mission. (6) Dr. Knubel. (7) Dr. Cannaday. (8) Presb. N. L. C. of America. (9). Bishop Sandegren. (10) Bishop Lapp. (11) Rev. J. Z. Hodge (12) Rev. Weller Brough Esq. (13) Rev. J. Gausdal. (14) Editor "The Lutheran". (15) Editor Gospel Witness. (16) Rev. Björk, Chhindwara (17) Arch-Bishop, Upsala (18) Rev. Dahlberg, Norway. (19) Denmark (20) Finland. (21) Editor "Lutheran Woman's Work". (22) Editor "Lutheran Tonngdalk" (23) Lutheran Boys & Girls-Editor

९। गत महासभा का हाई स्कूल विषयक मन्तव्य।

सेक्रेटरी ने सभा को सुनाया कि गत कौंसिल सभा के पीछले दो दिनों के मन्तव्य जिसमें हाई स्कूल विषयक बातें लिखी थीं सो नहीं दुहराई गई हैं। सो उक्त मन्तव्य फिर पढ़े गये और कुछ शब्दों और वाक्यांशों पर वादानुवाद होकर सुधार हुए और दुहराये गये। जो सुधार हुए सो वहीं उन्हीं मन्तव्यों में लिखे हैं।

जब हाई स्कूल के मन्तव्यों पर बातचीत हो रही थी उसी समय में प्रेसिडेन्ट के लिये चैवरसा से तार आया कि उसकी पत्नी बहुत बिमार है इसलिये वे कौंसिल से अनुमति लेकर चैवरसा जाने को कौंसिल से चले गये।

प्रेसिडेन्ट के चले जाने पर बहुमत से पादरी एम० केरीआस आज के इस बेले के बाकी समय के लिये सभापति चुने गये।

१०। आसाम के लिये पादरी-मांग।

आसाम क्षेत्र के लिये वहां की छोटी सभा ने लिखा था कि स्वर्गीय पादरी बरुज़ के मर जाने से और एक पादरी की बहुत आवश्यकता है सो सिरिंगबत्थर का प्रचारक पौलुस मुर्तो कुछ महिनों का ट्रेनिंग पाकर पादरी पद पर अभिषेक किया जाए। कौंसिल ने इस प्रस्ताव पर ध्यान दिया कि यदि इस प्रकार से आसाम में पादरी बनाके प्रचारक लोग भेजे जांय तो ऐसे पादरियों को सुरक्षा नहीं होगी और वे कुछ की दृष्टि से और के सामने पाये जायेंगे। पहिले जैसा छोटानागपुर से पादरी पद देकर भेजे जाते थे वैसा ही अब भी किया जाए जिस्से लूथरान पादरियों के इज्जत की रक्षा होवे।

बातचीत में कुछ ऐसे लोग की बात निकाली गई जो मिशनरी काल के अन्तिम दिनों तक सेमिनरी में थे इत्यादि। इस सम्बन्ध में कईएकों के नाम लिये गये विशेषतः इम्मानूएल रबलो का नाम। बातचीत होकर यह निर्णय हुआ—

संकल्प :—कि आसाम छोटी सभा को सुनाया जाए कि यह कौंसिल साधारणतः यह नहीं चाहती है कि प्रचारक लोगों में से कोई पादरी बनाये जावें

क्योंकि ऐसा होने से आसाम में के हमारे लथरान पादियों का मान-आदर तथा योग्यता घटाई जाती है।

(२) कि आसाम छोटी सभा को सभापति पादी रदरिक को जनाया जाए कि कौंसिल कोडिवात बोअस मुन्ड को अभिषिक्त कर भेज देने चाहती है क्योंकि कोडिवातों के रहते हुए नौ दूसरों को पादी बनाना अच्छा नहीं दिखाई देता है। सो रदरिक साहब इसको कैसा समझते हैं

(३) यदि आसाम वाले परिश्रम कर अपने देश से मैट्रीक पासवालों को यहां सेमिनेरी में ट्रेनिंग के लिये भेजें तो बहुत उत्तम बात होगी।

(४) कि कौंसिल से बाबू इम्मानूएल रुलरवो को लिखवा जाए कि यदि वह चाहे तो सेमिनेरी में पढ़ने का उसको सर्टीफिकेट ~~नहीं देवे और~~ K.S. कौंसिल में आपही लाके दिखावे जिसें भविष्यत में वह ~~यहां~~ काम में लगाया जाए अथवा नहीं इस पर तथा उसको और भी ट्रेनिंग देने का विचार निर्णय किया जायगा॥

१९। बाबू बरनाबास हमरोम।

पहिले, बाबू बरनाबास हमरोम के सम्बन्ध में जो कमीशन गोविन्दपुर भेजी गई थी कि किसी के रुपैया के कारबार के बारे तदारुक करे—उसकी रिपोर्ट पढ़ी गई। कमीशन ने ~~सौ पड़ा ७~~ ७०) के बेसबूत गोलमाल को सफाई करने में दोनों पदा को ३०) करके सहने कहा। यों उनके बीच में मेल स्थापन किया। सो अब वह फिर से पादी काम में लगाये जाने के योग्य ठहराया गया और यह विचार स्थिर हुआ—

1pc

संकल्प: कि बाबू बरनाबास हमरोम फिर से काम में लगाया जाए और पादी काम के लिये वह कारिमट्टी इलाके के लोआराम पेरिश के चार्ज में भेजा जाए और प्रेसिडेन्ट आपही जाके उसको instal करे। ~~वह वहां बरसों तक सेवकाई के काम से अलग किया गया था।~~ बाबू बरनाबास हमरोम ~~१ली जनवरी से १९३९ से~~ अपना काम आरम्भ करे॥

~~दूसरा~~ [दूसरा बेला २ अगस्त १९३४]

इस बेले में प्रेसिडेन्ट, अमोदोर सुरिन, पौलुस बाबा, सामूएल पुर्ती गैरहाजिर थे और पादी योसेफ लकड़ा ने लिख भेजा कि बहुत काम होने से वह नहीं आ सकेगा और कोई ऐसा विषय जिससे उसके सम्बन्ध हों न लिये जाएं।

इस दूसरी बेले में निम्न लिखे जन उपस्थित थे:—

१। पादी रेव० प्रेहन ... ... रुजांवे।
२। ॥ रेव० केरशिस।
३। ॥ जिलो तीगा।
४। ॥ सुलेमान कुला।
५। मि० निर्मल सोय ... ... सभापति।
छो ॥ पिटर हुरु ... ... सेक्रेटरी।

उपस्थित अंगों के द्वारा से मि० निर्मल सोय सभापति चुने गये और इस दूसरी बेले का काम आरम्भ हुआ:—

१२। पादी दाऊद कुजुर को छुट्टी।

गुमला के पादी दाऊद कुजुर ने बखास्त भेजी कि उसको और एक बरस के लिये छुट्टी दिई जाए। पादी लोगों को काम में लगाना जरूरत समझा गया क्योंकि इस वर्तमान में पादियों की बड़ी घटी है सो दाऊद पादी को फिर से काम में

2c

लगाने की बातचीत हुई परन्तु उसके लिये उपयुक्त स्थान न पाये जाने के कारण अभी यही विचार स्थिर हुआ —

संकल्प : कि पादरी दाजद कुजुर को सूचना जाए कि इस १९३४ के अन्त तक के लिये उसको छुट्टी दी जाती है और तब आगामी नोवेम्बर में फिर विचार होगा कि उसको कहां स्थान देना भला होगा कि वह आगे काम कर सके।

N.S.

१३। बोम्बोलकेरा रूम समाजवालों का एस० पी० जी० जाना।

रूटीटोली से एक चिट्ठी आई जिसके साथ में हाथीबारी के ~~पादरी~~ एस० पी० जी० पादरी की चिट्ठी का नकल जिसे उसने कुजुर पादरी रिछलानन्द मेंज को लिखी थी और उसके जवाब का नकल भी भेजे गये थे सो सब पढ़े गये। मालूम हुआ कि ~~बोम्बोलकेरा~~ बोम्बोलकेरा के सरनी समाज के कुछ लोग जो इसी दोष के कारण मेंडली सजा में रखे गये हैं वे एस० पी० जी० जाना चाहते हैं। इस विषय पर बहुत देर तों बातचीत हुई और निदान यह फैसला हुआ —

N.S.

संकल्प : कि रूटीटोली इलाके को लिखा जावे कि बोम्बोलकेरा गांव के जो लोग मंडली सजा में रखे गये हैं वे छोड़े न जांय परन्तु पादरी और अन्य कार्यकारी लोग उनके पास बराबर भेजे जांय कि वे उचित रीति से समझाये जांय ऐसा कि वे लोग पश्चात्ताप करें। इस काम में ढीलाई न किई जाए न हो कि कुछ निश्चिन्तता से वे दूसरी मण्डली में चले जावें। इस विषय पर की रिपोर्ट कि उनको समझाने के लिये क्या किया जा रहा है सो ~~महीना महीना~~ कौंसिल में पहुंचे।

३८

(२) कि ~~विशप~~ एस० पी० जी० मिशन के अधिकारियों से इसके सम्बन्ध में उचित लिखा पढ़ी किई जा रही है।

N.S.

(३) कि सरनी समाजवालों को दण्डव्यवस्था के अनुसार सजा देना कहां तक यथार्थ है यह बात आगामी मिनिस्टिरियम सभा में विचारी जाए॥

३८/१

१४। कुंजोर का आबरहाम तिर्की और हव्वा लकड़ा।

जड़ाकुवार इलाके के दोनों पादरियों की सही पर कुंजोर के आबरहाम तिर्की और हव्वा लकड़ा के सम्बन्ध में जो चिट्ठी आई थी और १८-२-२० साल के पंचनामा का कागज जो भेजे गये थे सो भी पढ़े गये। इस पर बहुत हीवात चीत हुई। पाया गया कौलक त्रुटियां हैं।

संकल्प : कि डिसपेनसेशन नियम जो छापा गया है उसके अनुसार अवश्य है कि जड़ाकुवार इलाका पंच अभी फिर बैठके इस विषय के तदारुक पर अपनी राय देवे और केवल पादरियों की राय अकेले नहीं रहे। फिर वैसे ही जहां स्त्री रहती है वह इलाका भी इस प्रश्न पर पूरा तदारुक कर अपनी सिफारिश सहित अपनी रिपोर्ट चर्च कौंसिल को भेजे जिसे कौंसिल उस पर विचार कर सके॥

३८/१

१५। रूटीटोली यूसफ लकड़ा और जेला बड़ा।

रूटीटोली इलाके के घोंचोटोली के यूसफ लकड़ा और जेला बड़ा की सादी होने पीछे अलग होने की रिपोर्ट पढ़ी गई। यह जो बताया गया है कि जेला किसी संसारी पुरुष के संग में रहती है और उसके बालबच्चे हैं

२८

फिर यूसफ मसीह 7, 8 वर्षों से मथर्ड नामक विधवा को रखा ~~[illegible]~~ था पर पीछे मंडली सजा पाने से उसको छोड़ दिया था परन्तु अभी फिर से हाल में उसको ले आया है और उसको नहीं छोड़ने चाहता है क्योंकि इससे भी उसको बालक है। बातचीत करने पर यही पूछ पाछ करने का विचार हुआ।

संकल्पः कि नूरीटोली इलाके से पूछ पाछ और तदारुक किया जाए कि जेना जो सांसारिक जन से रहती है सो आप ही सांसारिक हो गई है कि कैसा इसका निश्चित समाचार कौंसिल को दिया जाए। इस समाचार को पाने पर कौंसिल आगे सलाह देने कि बात बोल सकेगी॥

१६। पाड़ी दाऊद सोरेंग की जवाबदिही।

पाड़ी दाऊद सोरेंग ने एक चिट्ठी कौंसिल में भेजी जिसमें लिखा था कि अभी जो वर्तमान वयोवृद्धता से अर्थात उसके सहायक पद से उसके काम में असुविधा है और अपने को परिश के चार्ज में जानके परिश पास्टर के जवाबदारित्व में रहना चाहता है अर्थात अपने को गोविन्दपुर परिश का चेयरमैन समझता है और यों वर्तमान चेयरमैन के सहायक में रहना उसको असन्तोषजनक हो। स्टेशन के परिश चेयरमिनिशिप तथा इलाका का चेयरमैन कौन हो सकेगा इस पर तथा जहां २ दो तीन पाड़ी हैं वहां कैसे चलता है और क्या प्रबन्ध है इन बातों पर ध्यान दिया गया और निदान यह निश्चिति किया गया—

3c संकल्पः कि इस वरस के अन्त तक के लिये जब तक वर्तमान चेयरमैन का स्कूल और मंडली दोनों काम के चार्ज में रहने का प्रस्ताव न किया जाए तब तक के लिये गोविन्दपुर परिश दो भागों में बांटा जाए अर्थात पूर्व ओर के प्रचारकपन, खास गोविन्दपुर, कोटला और इठे पाड़ी जिलो तीगा के सीधे चार्ज में रहे और अन्य सब प्रचारकपन सीधे पाड़ी दाऊद सोरेंग के जीम्मा में रहे पर पाड़ी जिलो तीगा समूचे परिश का और समूचे इलाके का चेयरमैन रहेगा॥

१७। पाड़ी मनसिद्ध हेमरोम को पेनशन।

गोविन्दपुर इलाके ने अपनी कार्यकारिणी सभा की ओर से संकल्प भेजा कि पाड़ी मनसिद्ध हेमरोम को उसके बुढ़ापे की कमजोरी के कारण से पेनशन दिया जाए और दूसरे पाड़ी को उसके स्थान में भेज देवे।

3c संकल्पः कि इस वरस के मध्य में जब तक पेनशन खजाने में यथेष्ट रुपैये न हो किसी को पेनशन नहीं दिया जा सकेगा।

[टिप्पणी:— उसको गोविन्दपुर इलाके ही में याने खास गोविन्दपुर ही में ~~[illegible]~~ किसी प्रकार का काम दिया जाए कि कैसा यह फिर दूसरे दिन बातचीत हो सकती है।]

अन्त में समय के हो जाने पर प्रार्थना हुई और आज के लिये सभा उठ गई॥

N. Sing
Chairman
3.8.34

Hurral
3.8.34.

चर्च कौंसिल की बैठकी ।

३ अगस्त [शुक्रवार] १९३४ ॥

आज के दिन को जो इस बैठकी का ३रा दिन है निम्न लिखे पदधारी और अंग उपस्थित हुए अर्थात:—

१। पाड्री एम० ब्रेहन ... ... स्वर्गवासी
२। " एम० केरशित ।
३। " सुलेमान कुला ।
४। " जलो तीगा ।
५। " थोमस लकड़ा । [पहिली बेला में]
६। मि० सामुएल पूर्ती । [पहिली बेले में]
७। " थेओदोर तुरिन [पहिली बेले में]
८। " पौलुस बाखा [पहिली बेले में]
९। " निर्मल सोरेन
१०। " पिटर हुरह ... ..सेक्रेटरी ।

प्रेसिडेन्ट के न रहने के कारण आज का काम चलाने के लिये बहुमत से मि० निर्मल सोरेन सभापति चुने गये और निम्न लिखे काम सम्पादन हुए ॥

१८। मरकस सेंगा के पदाभिषिक्त तारिख ।

उम्बुलवाहा में जैसे उस कंडिदात मरकस सेंगा को पदाभिषेक करने की तारिख ठहराना भला समझा गया जिसें प्रेसिडेन्ट के लिये कोलमडी जाके बसनावास को instal करने का काम सुसमय में किया जा सके और कंडिदात को भी तैयार होने की फुरसत मिले । बातचीत होने पर ऐसा विचार हुआ

संकल्प: (क) कि उम्बुलवाहा के कंडिदात मरकस सेंगा को पदाभिषेक करने का जो विचार हो चुका है सो वह सेप्टेम्बर की २३ वीं तारिख को बुड्ढू गिर्जे में सम्पन्न होवे । उसको यह समाचार टोआद के पाड्री के द्वारा से जनाया जावे जिसें वह सुसमय में तैयार होके बुड्ढू पहुंचे ।

(ख) कि कंडिदात मरकस सेंगा को उम्बुलवाहा मण्डली का जिम्मा देने के लिये यदि प्रेसिडेन्ट न जा सके तो ~~इसटोलेशन~~ काम इलाका चेयरमैन पाड्री मोहन नेगरा के द्वारा सम्पन्न होवे । वह कौंसिल का हुक्म चार्ज लेने का मण्डली के साम्हने में नये पाड्री को पढ़ सुनावे जिसें मण्डली जाने कि अब उनका चरवाहा कौन है ।

(ग) कि बुड्ढू के पदाभिषेक कार्य्य के पीछे प्रेसिडेन्ट कोलमडी सीधे जावें जिसें वहां ३० सेप्टेम्बर को बसनावास हेमरोम को जो लोवारम नेजा जा रहा है लोवारम पेरिश के लिये instal कर देवे ॥

१९। ओटोनोमी पर नया समाज ।

सेक्रेटरी ने कौंसिल को बताया कि कुछ समय से रांची में एक नया समाज निकला है जिसके विषय में हाल में एक कागज छापा गया है परन्तु सब से पहिले अच्छा होगा कि मि० लकड़ा ही विस्तार से बतावें कि ऐसी सभा के बनाने या संगठन करने की क्या जरूरत हुई । १९१९ में ओटोनोमी घोषणा करने का विशेष कारण था पर अभी ओटोनोमी रखा करने की घोषणा का क्या कारण है । सेक्रेटरी ने तब जो कागज 'गोस्सनर ओटोनोमी रक्षक सभा' से छपवाया गया है सो पढ़ कर

सुना दिया ~~[illegible]~~ और तब मि० लकड़ा से पूछा गया। मि० लकड़ा ने बताया कि जो इस कागज में छापा गया है सो तो कारण है ही है परन्तु उसको छोड़, और दो कारण है अर्थात कि ओटोनोमी की रक्षा के लिये कितनी ही भी जोखिमात होवें इस सभा के अंग लोग खड़े हो जायेंगे। और जब कभी ओटोनोमी को स्थिर करने में मंडली या महासभा या चर्च कौंसिल ~~[illegible]~~ भूल करेगी उसी समय इसके अंग ओटोनोमी की रक्षा करेंगे।

किसी सभासद ने कहा कि यह सभा चुपचाप से ठहराई गई है यदि वह अपना काम इलाका चेयरमैन की अनुमति के बिना चुपके से करती है तो यह काम अनियमित है। फिर इसकी सभाएं कोटा और अन्य स्थानों में बिना इलाके की अनुमति से किई गई हैं। उचित था कि कम से कम इलाके को जनाना इत्यादि। ~~[illegible]~~ अन्य सभासदों ने इस रक्षक सभा को rival और revolutionary अर्थात द्रोही और प्रतिद्वन्द्विता करनेहारी बताया क्योंकि जब एक राज्य स्थापित है तो उसके भीतर दूसरा उसके के समान स्थापना करना मानो विद्रोह करना है।

सेक्रेटरी ने "रक्षक सभा" के छापे हुए पत्र के कुछ शब्दों और वाक्यांशों पर अर्थ लगाकर अपना विचार प्रगट किया और कहा जब सारी मंडली और कौंसिल का उद्देश्य उसकी नियमावली में दिया हुआ है कि वह उसके ओटोनोमी की रक्षा करें और उसे बढ़ावे तो फिर दूसरी सभा को उद्देश्य में क्यों कर वैसे ही रहेंगे? फिर महासभा का काम कि सभाओं और कौंसिलों की रक्षा करें।

कौंसिल में अधिकारी जनों ने यही कहा कि यदि इस प्रकार की अनियमित सभा राँची में रहने दिई जायेंगी तो दिहातों में लोग मंडली के विरुद्ध सभा समाज बनाने लगेंगे और यहां की सभा को भी तुच्छ करेंगे और कोई चर्च कौंसिल को नहीं मानेंगे॥

मि० लकड़ा ने सभा के उद्देश्य का समर्थन करते हुए कहा कि वह अकेले से इस सभा का पूरा अभिप्राय नहीं बता सकता है परन्तु यदि उसके सेक्रेटरी और अन्य अंगों से पूछपाछ किया जाए तो वे और भी बतलाने सकेंगे। उसने आगे यह भी कहा कि यह स्वतंत्र सभा है और यह विचार हुआ है कि वह अपनी स्वीकृति कौंसिल से नहीं मांगेगी परन्तु कौंसिल के अलग अलग अंगों को इसका मेम्बर बनाने का परिश्रम करेगी।

समूचे विषय पर बहुत देर लों हां घंटों तक वादविवाद होता रहा और अधिकांश अंगों की यही राय हुई जो बोली गई कि यह अनियमित सभा है। ऐसी सभा का रहना भला नहीं है जब तक कौंसिल से यह स्वीकृत न होवे। क्योंकि मंडली की नियमावली इसके स्थापन से तोड़ी जाती है और तब तो ~~[illegible]~~ ओटोनोमी (यहां ही) तोड़ी जाती है।

मि० लकड़ा ने बताया कि इस सभा के स्थापन करने का मूल उद्देश्य यह नहीं है कि महासभा और चर्च कौंसिल ~~[illegible]~~ जैसा चर्च कौंसिल करती है क्योंकि चर्च कौंसिल भूल करनेवाली है तो ऐसे समय में यह सभा sincerely खड़ा होके ओटोनोमी की रक्षा करेगी।

इसके प्रत्युत्तर में कहा गया कि तब तो महासभा और चर्च कौंसिल बड़ी भूल करनेवाली है और insincere हैं इत्यादि

उपरोक्त वादविवाद को छोड़ और भी बहुत बातें हो गईं और अन्त में दो प्रस्ताव पेश हुए। पहिला प्रस्ताव पादरी ~~[illegible]~~ प्रेस्टन ने दिया जो यों लिखा है ~~[illegible]~~

"ओटोनोमी रक्षा सभा अपने सब प्रबन्ध नियमावली, मतलब इत्यादि सफाई से चर्च कौंसिल के सामने जांच के वास्ते रखे और approval खोजे। जब तक यह न किया जाए unrecognised सभा गिना जावे।"

वोट लेने से इस प्रस्ताव पर ६ और विपक्ष में २ वोट हुए॥

दूसरा प्रस्ताव पादरी एम० जेरिशस ने किया जो यों है अर्थात :—

इस कारण कि यह "गोस्सनर ब्रेटोनमी एकता सभा" नियमित रीति से स्थापित किई गयी और कि इसके वचन (छापे हुए कागज के टेक्स्ट) से चर्च कौंसिल को वेदखुती किई गई है वह सभा उठाई जाए, निकाला हुआ कागज जब्त किया जाए और रेवरेन्ड जे० लकड़ा जवाब देने को कौंसिल के सामने बुलाया जावे।"

इस प्रस्ताव पर केवल दो वोट (जेरिशस + दुरव) पक्ष में और छै वोट विपक्ष में मिले।

उपरोक्त वोट से निर्णय हुआ कि पहिला प्रस्ताव रद्द जावे अर्थात प्रस्ताव फैसला सा रहे।

दूसरी वेला।

आज की दूसरी वेले में निम्न लिखे पदधारी और अंग उपस्थित थे :—

१। पादरी एम० प्रेत्न ... ... रवजांची।
२। " एम० जेरिशस।
३। " जिलो तीगा
४। " सुलेमान कुजा
५। मि० निर्मल सोध ... ... चेयरमैन।
६। " पिटर दुरव ... ... सेक्रेटरी।

इस मीटिंग के लिये सभा से निम्न लिखे सभासद अनुपस्थित हुए

१। पादरी ओसल लकड़ा
२। मि० पौलुस बाखा
३। " थेओदोर सुरिन
४। " सामूएल पुर्ती

प्रेसिडैन्ट तो चैवस्सा जाने के द्वारा अनुपस्थित थे। मि० निर्मल सोध इसीलिये आज इस दूसरी वेले में भी सभापति का काम चलाते रहे।

२०। सेक्रेटरी की महासभा रिपोर्ट।

सेक्रेटरी ने अपनी रिपोर्ट से जिसे उसने महासभा में दिया था कैलक परिच्छेद के कोएक स्थानों पर उपस्थित सभासदों को पढ़ पढ़ कर सुनाया। आपने बताया कि कलीसिया में नियमों, सभाओं और कार्यकारियों की मरम्मती है अर्थात यथेष्ट परिमाण में कल कांटा ~~चल~~ है। परन्तु यह सब कुछ ठीक से नहीं चल रहा है इसका पहिला कारण है लोग आत्मिक बातों में अर्थात विश्वास और प्रेम में ठंढे हो गये हैं और इसीलिये नाहि जोखिम और संकट का समय आ गया है। कि नियम इतने टूट हैं कि लोग उनको समझा भी नहीं कर सकते हैं और सभा की इतनी है कि वे काम करने से थक और कमजा जाते हैं और कितनी ऐसे पंच हैं जो अपनी जवाबदिही को पूरा नहीं सकते हैं। इसलिये प्रस्ताव है कि समय आ गया है कि दूसरे इतने वरसों के अनुभव अनुसार हम नियमावली को फिर से दुहरावें और इस दुहराहट में इलाका, कौंसिल और महासभा को रखें और ~~इन~~ सभाओं में नए कैसी संख्या में और कैसी योग्यता रखनेवाले लोग अंग होवें इस पर भी विचार करके नियम बनाना चाहिये।

प्रचालकपनों के द्वारा रेकटोज और लाभ अथवा उनके न रहने और रहने की आवश्यकता पर तर्क वितर्क हुए और अन्त में यह प्रस्ताव ग्रहण हुआ—

संकल्प : कि कौंसिल को कार्यकारक सभा यह प्रबन्ध करे कि महासभा वर्क कौंसिल, पेरिश और प्रचारकपन में किस प्रकार काम चलता है और उनकी कैसी उपयोगिता है अथवा कौन कौन पंच के बिना भी काम चलाया जा सकता है और उन पंचों के लिये कितने स्थान अथवा कैसी योग्यता रखने हारे आंग लिये जावें — इस समूचे विषय पर जांच और तदारुक करने के लिये शीघ्र उचित उपाय करे। ~~अथवा एक कमिटी ठहराके इस काम को~~ ~~को करे~~ ~~सौंपे~~

२१। मोकदमा पकड़ने के नियम।

पादरी एम० ग्रेहम ने यह बात पेश किई कि रांची के मंडली पंच ने बाबू इलियास तोपनो की बात को लिया यह कहके कि उसने महासभा के सामने कैएक जनों की बेइज्जती किई। मंडली पंच को इलियास तोपनो पर यह बात लेने का कहां तक अधिकार है इस विषय पर तर्क वितर्क हुआ। जब इलियास ने किसी की बेइज्जती महासभा में महासभा के सामने किई और महासभा ने उक्त इलियास बाबू को बताया कि उसका दरखास्त अनुचित है और ग्रहण होने के योग्य नहीं है और वह उस दरखास्त को उठा लेवे और वह दरखास्त उठा लिया अथवा लौटा लिया गया तो वहां की बेइज्जती की बात का भी वहीं अन्त हो गया। इस विषय पर भी बहुत बातचीत हुई। इलियास का भी एक दरखास्त पढ़ा गया। जैसे यहां मंडली पंच का कोई विशेष जवाब नहीं लिया गया तैसे ही इस विषय पर की दशा को जानकर कौंसिल ने ऐसे विषयों के लिये यह नियम ठहराई —

संकल्प : कि जब कोई ऊपरवाली सभा किसी विषय को कारणवश नहीं लेता अथवा छोड़ देता है अथवा उसके सम्बन्ध की बात को उठा लेने की आज्ञा देता और में उस विषय का अन्त कर देता है तो उचित नहीं है कि कोई नीचला पंच फिर उसी विषय को पकड़े और उसका विचार करे क्योंकि ऐसा करने से मंडली में भारी गड़बड़ होगी॥

25 ए ॥

इतना हो जाने पर समय हो गया और प्रार्थना करके सभा का अन्त आज के लिये किया गया

N. Ekka
Chairman,
4-8-34.

A. Lucas
4.8.34

~~चर्च कौंसल की बैठकी~~ ।

ता: ४ अगस्त १९३४ ॥

सनिश्चर

आज की बैठकी में अर्थात पहिली बेले में निम्न लिखे पदधारी और सभासदगण उपस्थित थे :— [इसी बैठकी ८—१२ बजे और दूसरी बैठकी ५—८ बजे रात]

१। पाड़ी एम० ग्रेहन ... ... रजांची ।
२। " एम० केरशिस ।
३। " सुलेमान कुला ।
४। " जिलो तीगा ।
५। " थोरल लकड़ा [केवल पहिली बेला]
६। मि० सामूएल पुर्ती ।
७। " निर्मल सोय ।
८। " थेओदोर सुरिन ।
९। " पौलुस बाक ।
१०। " पिटर हुरह ... ... सेक्रेटरी ॥

प्रेसिडेन्ट चैवस्सा गये हुए थे और अब तक नहीं लौटे सो फिर मि० निर्मल सोय ही आज के इस बेले की बैठकी के लिये सभापति रहे। प्रार्थना के पीछे फिर काम आरम्भ हुआ ।

२२। ~~अगले दिन के~~ मन्तव्य दुहराना ।

आज सब से पहिले अगले दिन का मन्तव्य पढ़ा जाने लगा और जब ओटोनोमी [स्वशासन] का विषय पढ़ा जाने लगा तब मि० लकड़ा ने क्या कहा था अर्थात "जैसा चर्च कौंसिल करती है" कि नहीं इसी वाक्य पर वाद विवाद होने लगा । वहुत विवाद हो जाने पर वोट लिया गया । सो यह निर्णय वोट के द्वारा हुआ अर्थात यह वाक्य कहा गया था और मन्तव्य में रहे इसके लिये ४ वोट, विपक्ष में २ वोट और निर्पेक्ष ३ सभासद रह गये । Absolute majority वोट में न होने पर कौंसिल ने Chairman को Ruling Order देने का परामर्श किया जिससे यह स्थिर हुआ कि "जैसा चर्च कौंसिल करती है" यह वाक्य जो लिखा गया है सो ~~है~~ मन्तव्य में रह जावे ।

no need

उपरोक्त निर्णय पर पाड्डी जे० लकड़ा और पाड़ी जिलो तीगा दोनों ने लिखकर अपना अपना Note of Dissent दिये जो यों है :—

(१) "जैसे भी चर्च कौंसिल करती है" मैं ने इस वाक्य को नहीं कहा पर चर्च कौंसिल इसको याद नहीं करने पर भी और मेजोरिटी वोट नहीं होने पर भी रख लेती है इसमें मेरा घोर उजुर है ।

Seen Sdf= N. Soy
Chairman
4. 8. 34.

Sdf= J. Lakra
4. 8. 34.

Note of Dissent

(२) चर्च कौंसिल में चेयरमैन के सिवाय और ६ जन के उपस्थिति में ४ पक्ष, २ विपक्ष ३ निर्पक्ष रहने पर ruling power से प्रेसिडेन्ट ने फैसला किया कि "जैसा ~~चर्च~~ कौंसिल करती है" यह वाक्य रहे सो मैं उस पर ~~मेरा~~ note of dissent देता हूं ।

Sdf= N. Soy
Chairman
4. 8. 34.

Sdf= J. T. Tiga.
4. 8. 34.

२३। बर्लिन बोर्ड की चिट्ठी।

डैरेक्टर स्तोश साहिब ने जो चिट्ठी बर्लिन से ता: २३ जून को लिखी थी सो सेक्रेटरी ने कौंसिल को पढ़ सुनाया। चिट्ठी को सुनकर सभासदों ने अपनी प्रसन्नता दिखाई। चिट्ठी में यह भी लिखा था कि अभी २५०० मार्क और अधिक भेजने का संकल्प किया गया है जिससे स्कूलों को विशेष कर स्कूल के शिक्षकों को नियमित रीति से सुसमय पर देने का प्रबन्ध किया जा सकेगा। सो यह प्रस्ताव हुआ—

संकल्प: कि बर्लिन बोर्ड को इस विशेष बात के लिये अर्थात २५०० रैइशमार्क भेजने की कृपा के लिये कौंसिल की ओर से हार्दिक धन्यवाद भेजा जाए। यह एक ऐसा आवश्यक सहाय-दान है जिसके बिना कौंसिल को अपने अधीनस्थ स्कूलों को सम्भालना बहुत कठिन हो जाता और स्कूलों को बन्द कर देने की दशा हो जाती। ईश्वर करे कि बर्लिन बोर्ड को अधिक आत्मिक बल मिले कि उस देश के मिशन क्षेत्र के मित्रों को दृढ़ाई और प्रेम दिखाने के लिये काम करने में आशीर्वादित होवे॥

२४। ओटोनोमी रक्षक सभा।

जब बर्लिन बोर्ड की चिट्ठी पर बातचीत होने वाली थी उसके कुछ आगे मि० थे ओदोर सुरिन ने यह मुंहजबानी प्रस्ताव किया कि ~~मि~~ पाड्रे प्रेक के प्रस्ताव में आप कुछ आगे सुधार देना चाहते हैं कि किसी प्रकार की भूल समझने में न होवे परन्तु और अधिक स्पष्ट से इस "रक्षक सभा" के बारे में बात अथवा उचित कार्रवाई हो जाए। आप को अपना प्रस्ताव लिखने को कहा गया—यह प्रस्ताव-सुधार यों है— "और जब तक इसके बारे पूरी तौर से ~~चर्चा~~ कौंसिल से फैसला न हो तब तक नोटिस वगैरह जो सरक्युलेशन के वास्ते छपाई गई है बांटा न जावे और सब काम बन्द रहे।" इस प्रस्ताव पर कुछ समय बातचीत होके ~~और तब~~ इसको ग्रहण करने अथवा न ग्रहण की बात वोट के द्वारा सफाई करना स्थिर हुआ। वोट लेने पर वोट का फल यों निकला— ६ पक्ष में, १ विपक्ष में और मि० लकड़ ~~ने कहा मैं इस विषय पर कुछ नहीं कहूंगा।~~ सो समूचा संकल्प इस विषय पर यों होता है अर्थात:—

संकल्प: "सभापति ओटोनोमी रक्षक सभा अपना सब प्रबन्ध, नियमावली, मतलब इत्यादि सफाई से ~~चर्चा~~ कौंसिल के साहते जाँच के वास्ते रखे और approval खोजे। जब तक यह न किया जाए un-recognised सभा गिना जावे और जब तक इसके बारे पूरी तौर से ~~चर्चा~~ कौंसिल से फैसला न हो तब तक नोटिस वगैरह जो सरक्युलेशन ~~के~~ वास्ते छपाई गई है बांटा न जावे और सब काम बन्द रहे"॥

२५। पा० अन्द्रियस तोपोनो की कई अर्जियां।

सिंघानो के पादु अन्द्रियस तोपोनो ने जो दर्खास्त चर्च कौंसिल के लिये भेजी थी और जो चिट्ठी उसने प्रेसिडेन्ट को लिखवाया जिसको प्रेसिडेन्ट ने कौंसिल में पेश करने कहा—ये दोनों कागज पढ़े गये। उनमें की अर्जी का सारांश यह था कि (१) उसको अब से लेकर ३३ महीना तलब दिया जाए (२) मुमिया के कैथल गरीब भाइयों को अर्थात छे जनों तक को ५) करके पांचा सहायता के रूपमें दिया जाए जिसके इस समय ध्यान बिहन खरीद सकें और (३) कि सिंघानो का स्कूल यू० पी० स्कूल के दर्जे तक उठाया जाए। इन सब अर्जियों पर विचार कर यह फैसला हुआ=

संकल्प : (क) कि पाद्री मान्ड्रियस तोपोनो को जैसा सुसमय पर हर महीना नियमितरूप से जितना तलब दिया जा रहा है यह सुविधा अन्य मान्ड्रियों को नहीं है और फिर इस वर्त्तमानमें जो कुछ उसको दिया जा रहा है उससे अधिक देने में कौंसिल अफसोस करती है कि वह और अधिक नहीं दे सकती है ॥

(ख) जिस सहायता के लिये पाद्री मान्ड्रियस तोपोनो ने लिखा है कि भाइयों को दिया जाय अर्थात् ५) प्रति जन पैंचा के तौर सो भी उनको देने में कौंसिल असमर्थ है ।

(ग) कि जब सिंघानो का एल० पी० स्कूल जिला बोर्ड से स्वीकृत होगा तब कौंसिल उसको यू० पी० के दर्जे में उठाने के लिये ध्यान देगी । इस वर्त्तमान में यह कठिन है ॥

२६। पा० इमान्एल कुजुर की नालिश ।

प्रेसिडेन्ट ने कार्य्यकारक सत्ता के परामर्श अनुसार पाद्री इमान्एल कुजुर से कईएक बातों को तदारुक और पूछ पाछ लिख कर किया था क्योंकि पाद्री सम० शीवे पर वहां कैकेल में उसको चाल पर भारी दोष लगाया गया है । इमान्एल कुजुर पाद्री इस विषय पर उत्तर न देकर सीधे पाद्री शीवे पर उसके ऊपर अन्याय करने का जोरदार नालिश करता है और एक अंग्रेजी दरखास्त का नकल उसने कौंसिल में भेजा जिसे उसने वाईसरोय के पास भेजने के लिये तैयार किया है । यह दरखास्त भी कौंसिल में पढ़ी गई और पढ़ने पर बातचीत होकर यह निपटारा हुआ—

संकल्प : (क) कि पाद्री इमान्एल कुजुर का दरखास्त जो उसने वाईसरोय के पास भेजने के लिये बनाया है सो न केवल मिशनरी शीवे के विरुद्ध है परन्तु एक प्रकार से जर्मन मिशनरियों पर कलंक लगानेहारि दरखास्त है फिर इसमें वर्त्त कौंसिल की कारवाईयों पर भी दोष लगाना है और यशपुर में हम लोग जो काम शान्ति स्थापन करके महाजनों के लिये करना चाहते हैं उसके नाश करने के लिये है इसलिये पाद्री इमान्एल कुजुर को चिताया जाय कि वह ऐसे दरखास्त के भेजने में निबुद्धि का काम न करे और उसे न भेजे क्योंकि यह खेल नहीं है जिसको सम्भालना उसको लिये जोखिममय है ॥

(ख) कि शीवे साहिब सम्बन्धी सब कागजात प्रेसिडेन्ट के जिम्मे में आनो कर दिये जावें जिसें वह निर्णयावली अनुसार इस विषय पर करवाई करे ॥

दूसरे बेला संध्या की बैठकी ।

संध्या ५ – ८ बजे तक ।

इस संध्या की बैठकी में पाद्री योएल लकड़ा को छोड़ सब लोग जो विद्यान को आगे सो उपस्थित थे ।

शिक्षा-विभाग ।

२७। प्रैमरी स्कूलों का मोलाहजा ।

सेक्रेटरी ने यह बात पेश किई कि हमारे अधिकांश प्रैमरी स्कूल स्टैपेनडियरी स्कूल हैं और उनका मैनेजमेन्ट जब हमारे हाथों में है तो डिपार्टमेन्ट को सन्तुष्ट करने के लिये अवश्य है कि इन स्कूलों का तथा अन्य स्टेशन स्कूलों का भी मोलाहिजा हेड सुपरवैजर के द्वारा होवे । इस प्रश्न पर हेड-सुपरवैजर ने अपनी कठिनाई दिखाई और तब यह बातचीत हुई कि कम से कम समय समय पर जहां तक जितनी जल्द पड़े उतना स्कूलों का मोलाहजा होना चाहिये । पास्टर सुपरवैजरों को inspection के सम्बन्ध में भी बात बोली गई कि यह काम अधिकांश पास्टरों से नहीं किया जा रहा है जो उचित है । सो बातचीत करने पर यह तय हुआ ——

संकल्प : (क) कि सब पादियों को हदायत दिया जाए कि वे अपने अपने इलाके के स्कूलों को पास्टर सुपरवेज़र स्कीम के अनुसार नियमित रूप से अथवा कम से कम बरस में ३, ४ बार मोलाहजा करें और अपनी रिपोर्ट हेड सुपरवेजर को भेजें ।

(ख) कि हेड सुपरवेजर भी सब स्टेशन स्कूलों को और स्टेपेनडायरी प्रैमरी स्कूलों को जहां तक देख सकेंगे उतना देखें और यह देखना inspection की रीति पर होवे और इन सब inspections का एक condensed report चर्च कौंसिल को दिया करें ।

२८। स्टेपेनडायरी स्कूलों की संख्या बढ़ाना ।

सेक्रेटरी ने इस विषय को पेश करते हुए कहा कि जैसा रांची जिले में हमारे १०० स्टेपेनडायरी स्कूल हैं वैसे ही अन्य जिलों में भी अधिक संख्या में हमारे ओर से स्कूलों को भाइयों द्वारा खोलवाके उनको स्टेपनडायरी करने का परिश्रम किया जाए । उदाहरण बताया गया कि सिंहभूम में उड़िया और बंगाली लोग अपने लोगों के मध्य में स्कूलों को खोलखोलके उन्हें स्टेपेंडायरी बनाने का भारी परिश्रम करते हैं वैसे ही हमें को करना चाहिये इसलिये —

संकल्प : कि हेड सुपरवेजर जब जब विहारों में जांए तो वहां भाइयों को गांवों में समझावें कि जहां जहां बन पड़े सेन्ट्रल जगहों में प्रैमरी स्कूलों को खोलें और तब चर्च के द्वारा से उनको स्टेपेनडायरी बनाने का और नहीं तो जिला-बोर्ड स्कूल बनाने का उचित परिश्रम करें ।

२९। बुड़जू एम० ई० लड़की होस्टेल ।

बुड़जू में एम० ई० सेक्शन में दो लड़कियां हैं जो लड़कियों के सर्व्वसाधारण होस्टेल में नहीं रहती हैं परन्तु वे पादी के घर को निकट अन्य घर में पादी की निगरानी में रहने को रखी गई हैं । मिस्स हैंसे लिखी हैं कि यह प्रबन्ध बहुत ही असन्तोषजनक है और उन दो लड़कियों को अन्य लड़कियों के संग होस्टेल में रहने को फिर लाई जावें। इस विषय पर मि० पौलस बाबा का विचार सुना गया जो मिस्स हैंसे के समान उज्र करता है पर मि० निर्मल सोय जो स्वयं बुड़जू गया था और इस पर बहुत कुछ तबादला किया था सो पादी के इस प्रबन्ध को बहुत अच्छा समझते हैं और लड़कियों को स्टडी में बहुत सम्भोता है इसकी प्रशंसा करते हैं । इन सब को सुनकर और भी कुछ बहुत तर्क वितर्क कर यह फैसला किया गया —

संकल्प — कि मिस्स हैंसे को चिट्ठी तारीख २० जुलाई को जो पढ़ी गई से। मि० निर्मल सोय को जो उसके उत्तराधिकारी हैं जिम्मा दिई जाए कि वे फिर से और एक बेर बुड़जू जावें और सब कुछ देखभाल करके इलाके के संग इस विषय पर विचार करें और जो अच्छा प्रबन्ध हो उसको ग्रहण कर अपनी रिपोर्ट देवें ॥

३०। खूंटीटोली हेड मास्टर की कैफियत ।

खूंटीटोली हेड मास्टर ने लिखा था कि उनको (स्टाफ) को गत दिसम्बर का वेतन नहीं मिला और इसका एक दरखास्त कौंसिल में भेजा जिसके प्रत्युत्तर में मिस्स हैंसे भी अपना जवाब लिख भेजी कि हेड मास्टर अपना हिसाब किताब ठीक नहीं रखता है इत्यादि । इसके जवाब में हेडमास्टर ने लिखा है कि मिस्स हैंसे का कारबार स्कूल सेक्रेटरी है और उसी ने Acquittance Roll खो दिया है जिसके लिये हेड-मास्टर आप जवाबदेह नहीं है इत्यादि ——

संकल्प: कि मिस्र हैं से को चिढ़ी और हेडमास्टर का वर्तमान कौंसिलत इन दोनों के नकल मि० सोय हेडसुपरवैजर को दिये जांय कि वह इस विषय पर पूरी रीति से जांच कर देखें कि इसमें कौन दोषी है।

३१। पाढ़ी जिलो का तलब दखास्त।

गोविन्दपुर के हेड-मास्टर जिलो लेगा ने एक दरखास्त सीधे कौंसिल में भेजी अर्थात इस दरखास्त को प्रेसिडेन्ट द्वारा सेक्रेटरी को मिली जिसमें वह सा० सी० के ३ जुलाई १९३१ के मन्तव्य पर लिखा था कि उसको अनुसार उसके तलब का विषय ~~आगामी महासभा के~~ ~~समय लिया जायगा। आगे उसने~~ अब तो नहीं लिया गया और अभी उसका तलब ५०) से १०% कट लेके ४५) हुआ है। अन्त में उसको अर्जी है कि उसके secular और न्व theological qualification पर ध्यान देकर तलब का स्केल ठीक कर दिया जाय। इस तलब विषय पर तथा अन्य ग्रेजुएटों के तलब के विषयों पर ध्यान देकर विचार गया—

संकल्प: कि भविष्यत में कार्यकारक सभा उच्च श्रेणी के विद्या प्राप्त कर्मचारियों के लिये एक तलब स्केल बनावे और वह कौंसिल में लाया जाकर अगले महासभा की मंजूरी के लिये रखा जाय॥

३२। मा० मनसिद्ध तोपोनो की रुखी अपील।

गोविन्दपुर स्कूल में छात्रों की कम संख्या होने के कारण २ मास्टरों को छुट्टी मिली जिनमें मनसिद्ध तोपोनो मास्टर ने कौंसिल में अपील भेजी थी कि उसको काम से छुट्टी देना अन्याय हुआ है। पर कौंसिल ने उस समय उस अपील को कारण वश नहीं मंजूर कर सकी। इसको पीछे अभी यह दूसरी अपील है। इस अपील का समर्थन प्रचलक-मन पंच, पेरिश पंच और इकोले-पंच से किया गया है। हेड सुपरवैजर का नोट भी इस अपील के संग आया है जो कि पढ़ा गया। नोट से मालूम हुआ कि मनसिद्ध तोपोनो ने ~~२/१~~ को पास हेड सुपरवैजर तथा कौंसिल की कारवाई के विरुद्ध लिखा और उसमें भूल बातें लिखी हैं। उसके व्यवहार और चाल जिसके रिकार्ड हेड-सुपरवैजर के पास है मालूम हुआ कि उसका स्वभाव ठीक नहीं है। बातचीत और बहस वितर्क होकर फैसला हुआ—

संकल्प: कि चर्च कौंसिल और हेड-सुपरवैजर के विरुद्ध जो बातें मास्टर मनसिद्ध ने डिपार्टमेन्ट के अफसरों के पास लिखी है इस पर अफसोस करते हुए यदि वह क्षमा मांगे तो भविष्यत में उसको काम में फिर से ले लेने का ~~रास्ता~~, यदि कहीं काम खाली रहे, तो रास्ता खुला रहेगा॥

३३। माध्यमिक शिक्षा देने का स्टेटमेन्ट मिडल और प्रैमरी स्कूलों में॥

हेड सुपरवैजर ने एक स्टेटमेन्ट तैयार किया जिसमें जनवरी—से जून १९३४ तक में मिडल और प्रैमरी स्कूलों में कैसी आमदनी हुई और कैसा खर्च हुआ इसका ब्योरा लिखा था फिर इन स्कूलों में किस परसेन्टेज से तलब दिया जाता सो भी दरखाया गया था — यह स्टेटमेन्ट पढ़ कर सुनाया गया इस स्टेटमेन्ट के विषय नोट कर लिये गये और रुखसत हुए॥

J. Toppo
6-8-34.

Thomas
Secy
6.8.34.

~~चर्च कौंसिल की बैठकी ।~~

[ताः ६ अगस्त सोमवार १९३४ ॥]

आज पूरी कौंसिल जो बैठ रही है उसके अन्तिम दिन की बैठकी है और आज के दिन में नीचे लिखे सभासद और पदधारी उपस्थित थे :—

१। प्रेसिडेन्ट योहन तोपोनो ... ... प्रेसिडेन्ट ।
२। पादरी एम० ग्रेहन ... ... एजांची ।
३। " एम० केरारास ।
४। " सुलेमान कुना ।
५। मि० निर्मल सोथ ।
६। " सामूएल पूर्ती ।
७। " थेओदोर सुरेन ।
८। " पिटर तुरुब ... ... सेक्रेटरी ।

पादरी योएल लकड़ा बिन कुछ जनाये अनुपस्थित थे, पादरी जिलों तोगा प्रेसिडेन्ट को बोलकर चले गये, बाबु पौलुस बाबा नहीं आये, मि० डी० एम० पन्ना ~~[illegible]~~ की तो apology प्रेसिडेन्ट के पास थी सो आज पेश हुई । पादरी ओ० जोन बिमार होने के कारण नहीं आ सकते थे । सो आज उपरोक्त ८ जनों के संग में पूरी कौंसिल की कोरम हो जाने से नीचे लिखे हुए काम सम्पादन हुए :—

२४। ओटोनोमी रक्षक सभा ।

अभी कौंसिल की बैठकी के आरम्भ में कैएक उपस्थित सभासदों से सुना गया कि सनिश्चर को ~~[illegible]~~ कौंसिल ने पादरी योएल लकड़ा के सामने में कैसला किया कि गो० ओ० रक्षा सभा को जब तक स्वीकृति न होवे तब तक उनकी नोटिस वगैरह जो सर्कुलेशन के वास्ते छपाई गई हैं सो न बांटे जावे और सब काम बन्द रहे परन्तु क्या देखा गया कि इसके उल्टा उसी दिन दूसरी बेला से ~~[illegible]~~ सब कागज बांटे जाने लगे और सभा का काम अधिक जोर से जारी होने लगा । एतवार को पत्थलखुदवा गिर्जे में जहां पादरी शेरनाथ खुद गये थे गिर्जा आराधना के पीछे वरकू मोहन किसपोटा ने उनको छापी हुई नोटिश को पढ़ दिया और फोर्म पर सही दस्तखत करने को कहा । शेरनाथ साहिब ने इस पर उजुर किया कि ~~[illegible]~~ इस सभा को मनजूरी चर्च कौंसिल से नहीं हुई है और इस सभा का काम अनियमित है । इस पर उसको कहा गया कि वर्तमान चर्च कौंसिल का काम ठीक नहीं है और वे दूसरा चर्च कौंसिल चुन लेंगे । फिर चर्च कौंसिल के विरुद्ध में नाना प्रकार की बातें वहां बोली गई । पीछे शेरनाथ साहिब के उजुर पेश करने पर मराडलो के भाई बहिन लोग गिर्जे से निकले परन्तु वहां के मंडली धंच के अंग लोग बैठे रह गये और पादरी शेरनाथ साहब चले आये ।

यह भी जाना गया कि सनिश्चर ४ अगस्त दूसरी बेला में तथा एतवार ~~[illegible]~~ अगस्त संध्या को हाईस्कूल कम्पौन्ड में कैएक लोगों के संग में उक्त गो० ओ० रक्षा सभा की बैठकियां हुई थीं ।

सो अब यह जानकर कि "गोस्सनर ओटोनोमी रक्षक सभा" अपने सभापति पादरी योएल लकड़ा से चर्च कौंसिल का विचार और कैसला उक्त सभा के विषय सुनकर भी बरबस अपनी छापी हुई नोटिश और फोर्म बांट

बांट रही है और यह अनुचित ~~[illegible]~~ और मंडली के लिये हानि-कारक काम है इसलिये —

संकल्प (क) कि चर्च कौंसिल की ओर से सब इलाकाओं को और सब स्कूलों को यह हुक्म भेजा जाए कि इलाके भर के सब बड़े और छोटे गिर्जों में यह समाचार सुनाया जाए कि "गोस्सनर ओटोनोमी रक्षक सभा" की ओर से जो नोटिस और फार्म छाप कर सही करने के लिये भेजी जा रही हैं सो ग्रहण न किये जांए क्योंकि उस सभा के अभिप्राय और काम कलीशा के अभिप्राय के विरुद्ध हैं और वह एक उलटगुलाती सभा है जिसका काम एक दम बन्द कर देना आवश्यक है।

(ख) कि सब पादी और प्रचारक और पंच भाई लोग तथा स्कूल के शिक्षकगण जिनके पास ये नोटिस आदि कागजात पहुंचेंगे वे इनको जब्त करके चर्च कौंसिल को भेज देवें और मंडली में उन्हें न फैलावें।

(ग) कि गोस्सनर ओटोनोमी रक्षक सभा के प्रेसिडेन्ट और सेक्रेटरी को लिखा जाए कि छापी हुई नोटिस और फार्म और उक्त सभा के सब कागजात कल मंगलवार ता: ७ अगस्त १९३९ को ८ बजे बिहान तक चर्च कौंसिल के सेक्रेटरी के कार्य्यालय में सौंपे जांए।

(घ) कि यदि उक्त गोस्सनर ओटोनोमी रक्षक सभा अपना कागजपत्र कौंसिल को न सौंपे और अपनी सभा को तोड़नदेवे और उक्त सभा सम्बन्धी सब काम बन्द करने के लिये लिखित स्वीकारपत्र न देवें तो फिर तुरन्त पूरी चर्च कौंसिल बुलाई जाए जो इस विषय पर उचित कर्रवाई करे॥

(ङ) कि प्रेस मैनेजर को ट्रस्टी बोर्ड के सेक्रेटरी मि० डी० एम० पन्ना के द्वारा से जनाया जाए कि उक्त "गोस्सनर ओटोनोमी रक्षक सभा" के लिये और कोई कागजात हमारे प्रेस में न छापेजावें॥

[नोट=कि संकल्प (ङ) की एक लिपि प्रेस मैनेजर के पास में एडवान्स कापी करके भेज दिया जाए।]

३५। कर्मचारियों की सहायता खजाना।

सेक्रेटरी ने गत महासभा के मन्तव्य के १३वें पृष्ठ के १० वीं संख्या को सभा को पढ़ सुनाया। फिर ~~सेक्रेटरी~~ प्रेसिडेन्ट, सेक्रेटरी और हेडसुपरवेजर की दरखास्त जो तलब के सम्बन्ध में थी उसे भी पढ़ सुनाया। फिर प्रेसिडेन्ट ने पादियों के पास से उनके तलब के बारे कि कितना २ उनको मिलता है उसका जो फिहरिस्त तैयार किया गया है उसका कुछ वर्णन बताये। फिर इन सब कर्मचारियों को यदि कोमपेनसेशन दिया जाए तो कहां तक खर्च होगा और यदि कर्जा लिया जाए तो कोमपेनसेशन देने में तथा सहायता के लिये नया फंड खोलने में कहां तक खर्च होगा और कर्जा कहां से और कैसे भरा जायगा इन सब बातों पर ध्यान देके तथा खजांची की भी नाना प्रकार की राय सुनके यह स्थिर हुआ—

~~अर्थात~~ अर्थात — हमारे मिशन कर्मचारियों को यथेष्ट तलब सुसमय में न मिलने से विशेषकर चर्च कौंसिल के २ पदधारियों को और हेड= सुपरवेजर को और कितने पादरी और प्रचारकों को विशेष दुःखदाई और बैंक की कार्रवाई से बहुत ही दुःख पाते हैं। और सुनने में यह भी आया है कि जो आदमी अपने ऋण के सूद का आधा दिसम्बर १९३४ के पहिले दे देवे तो बाकी सूद बैंक से माफ हो जायगा।

उन सभों का दुःख दूर करने के वास्ते कौंसिल बहुत सोच विचार किया और अन्त में यह संकल्प किया

संकल्प (क) कि एक इमर्जेन्सी मोनिटेरी हेल्प फंड कौंसिल से खोला जावे जिससे वे अपने ऋण से छुटकारा पाने में मदद पावें।

(ख) कि कहां तक कौंसिल देने में समर्थ है इसको निर्णय करने के लिये Executive को और स्थानीय अंगों को यह बात सौंपी जाय।

(ग) कि चर्च कौंसिल इस काम के वास्ते बोर्ड आव ट्रस्टीज से ऋण लेवे और शेकड़े ४% के दर तक सूद देने का अधिकार कौंसिल को दिया जाय।

गंगातराई से आनेवाले रुपयों को।

२६। चैवस्सा गिर्जामरम्मत।

संकल्प : कि बोर्ड आव ट्रस्टीज से अर्जी किई जाय कि जैसा चुड़ज़ू के लिये वैसा चैवस्सा गिर्जा मरम्मत के लिये (जिसका एस्टीमेट ७०) है और कौंसिल ३५०) दे चुकी है) ४००) मनजूरी का देने का प्रबन्ध कृपया शीघ्र करें।

३५। कौंसिल के शेष (एजेन्डा) काम।

कौंसिल में यह निश्चित ठहराया गया कि कौंसिल अब अपनी बैठकी आज से बन्द करे और जो जो काम कार्यपत्र के अनुसार रह गये हैं सो कार्यकारक सभा को कार्रवाई के लिये सौंपे जांय॥

J. Jopson.
6-8-34

Secy.
6. 8. 34.
afternoon session.

कार्य्यकारक सभा तथा स्थानीय अंगों की बैठकी ।

ता: १३ अगस्त सोमवार १९३४ ॥

आज के दिन में निम्न लिखे पदधारी तथा कौंसिल के स्थानीय अंग हाजिर थे :-

१। पाड्री योहन तोयोनो ... ... प्रेसिडेन्ट ।
२। " एम० प्रेहन ... ... खजांची ।
३। " एम० केरशिस ।
४। मि० निर्मल सोय ।
५। " थेओदोर सुरिन ।
६। " पिटर हुरव ... ... सेक्रेटरी ।

आरम्भ में स्वयं प्रेसिडेन्ट ने प्रार्थना कर सभा का काम खोला और तब "गोस्सनर ओटोनोमी रक्षा सभा" विषयक बात पर विचार हुआ-

"गोस्सनर ओटोनोमी रक्षक सभा ।"

इस विषयक बातचीत करने के पहिले ही प्रेसिडेन्ट ने पाड्री योसुल लकड़ा को एक चिट्ठी पेश किई। यह चिट्ठी प्रेसिडेन्ट ही को लिखी गई थी। इसमें लिखा था कि वह वर्ष कौंसिल की बैठकों से जो पूर्व वर्ष कौंसिल के पिछले दिन में हुई थी अलग किया गया क्योंकि उसको इस बैठकों का नोटिश नहीं दिया गया था और इसलिये उस बैठकों के सब कार्रवाई बेकानूनी और रद्द के योग्य है सो प्रेसिडेन्ट उनको रद्द कर देवे। इस चिट्ठी पर बातचीत हुई और सब मेम्बरों ने इस पर अपनी राय प्रगट किई और यह स्थिर हुआ :-

संकल्प: (क) कि पूर्ण कौंसिल की बैठकों एही अगस्त से लागातार होती आई और वह बैठकों (adjourn) मुलतवी नहीं किई गई ; कि किसी अंग को कभी फिर से नोटिश नहीं दिई गई है जबतक मीटिंग मुलतवी नहीं हुई है इसलिये पाड्री योसुल लकड़ा को सोमवार के दिन के लिये नोटिश ~~[illegible]~~ की आवश्यकता नहीं थी; पाड्री योसुल लकड़ा को आपही पूछपाछ करना उचित था कि सभा की बैठकों का अन्त हुआ है कि नहीं और हाजिर होना चाहिये था इसलिये यदि वह नहीं आया तो यह उसकी निज गलती है और वर्ष कौंसिल ने उसे उस दिन के लिये deliberately अलग नहीं किया।

(ख) कि प्रेसिडेन्ट आपही उपरोक्त आधार पर पाड्री योसुल लकड़ा को उसकी चिट्ठी का जवाब दे देवें।

(ग) कि प्रेसिडेन्ट अपने जवाब में यह भी पाड्री योसुल लकड़ा को जनावे कि ४ ता: सनिश्चर को दूसरे बेले के लिये (जब उसकी वहिन के विषय वेथेसदा स्कूल में उत्सव था) उसको छुट्टी दिई गई थी। पर अन्य समय की बैठकियों से उसको छुट्टी नहीं दिई गई थी।

"रक्षक सभा पर कार्रवाई ।

इसके पीछे सेक्रेटरी ने "रक्षक" सभा से आई हुई वो "स्टेटमेन्ट" जो कौंसिल सेक्रेटरी को ६ अगस्त और १२ अगस्त को मिली थीं सो पढ़ सुनाई और उनके विषयों पर ध्यान दिया गया। देखा और पाया गया कि उक्त सभा अपना काम बन्द करना नहीं चाहती है और बराबर अपना काम चलाया चाहती है

कौंसिल सेक्रेटरी ने जो उन दोनों स्टेटमेंटों पर एक जवाब बनाया जो कि उपस्थित अंगों को पढ़ कर सुना दिया गया। इस पर जो बातचीत हुई और तब आज यही ठहराया गया —

संकल्प: (क) कि कौंसिल के अंगों को जो आज उपस्थित हैं उचितरूप से विचार करने के लिये "गोस्सनर मोटो नोमी रचक सभा" से जो लिखा पढ़ी हुई है तथा कौंसिल के जो कार्रवाई हो गये हैं और सेक्रेटरी ने जो ड्राफ्ट जवाब के लिये तैयार किया है तथा रचक सभा के मिनिट-किताब से जो मूल मन्तव्य है ~~का~~ उन सबों का नकल दिया जाए।

(ग) कि ~~[illegible]~~ इन कागजों को भली भांति देख और जांच कर अपनी राय देने को कौंसिल १५ ता: बुधवार को फिर से बैठे।

इतना हो जाने पर प्रार्थना हुई और सभा का अन्त आज के लिये हुआ ॥

J. Sopaw.
15-8-34

15: 8. 34.

ता: १५ अगस्त १९३४ ॥
कार्य्यकारक सभा तथा स्थानीय
~~अंगों की बैठकी~~ ॥

आज ~~की बैठकी~~ के लिये आगेल बैठकी में कहे अनुसार कार्य्यकारक सभा के तथा कौंसिल के स्थानीय अंगों में से निम्न लिखे सभासद उपस्थित थे:—

१। पादरी थोतन तोयोनो ... ... प्रेसिडेन्ट।
२। " एम० ब्रेहन ... ... सभांगी।
३। " एम० केरिगस ।
४। " निर्मल सोय ।
५। " सामुएल पुर्ती ।
६। " थेओदोर सुरिन ।
७ " पिटर हुरुब ... ... सेक्रेटरी।

आरम्भ में पादरी एम० केरिगस ने प्रार्थना किई और प्रेसिडेन्ट ने सभा को खोला।

"~~गोस्सनर मोटोनोमी~~ रचक सभा ॥"

जब बैठकी हुई तो गो० मो० र० सभा के स्टेटमेंटों पर जवाब का जो ड्राफ्ट था वही समूची पढ़ी गई फिर प्रीच्छेव परिच्छेव कर पढ़ा गया और उसके कैएक स्थानों के शब्दों और वाक्यांशों पर ध्यान दिया गया और यहां वहां सुधार करने और उसमें जोड़ जाड़ करने पर वह ड्राफ्ट मंजूर हुआ।

फिर यह भी विचार हुआ कि प्रेसिडेन्ट और सभा के कई अंग आज कमीशन होके गोविन्दपुर २ घंटों के पीछे जानेवाले हैं सो कौंसिल के सेक्रेटरी के नोट-बुक पर जो रिजोल्यूशन लिखे जायेंगे सो प्रेसिडेन्ट से सही कर दिया जाए और जो रिजोल्यूशन भेजा जायगा उसपर भी गोविन्दपुर जाने के पहिले प्रेसिडेन्ट और सेक्रेटरी को सही हो जाए ॥

સંકલ્પ: (ક) કે ગો. ઓ. ર. સભા કે સ્થેનેટો પર કૌંસલ કે સેક્રેટરી
કા ક્રોકુમેંટો સુધાર આદિ હુએ હૈં ઉનકે સંગ ગ્રહણ ઔર મંજૂર કિયા
જાતા હૈ ઔર વહ સર્વ કૌંસલ કા communique કરકે ઉક્ત
રક્ષક સભા કો ભેજ દિયા જાય ।

(ખ) કિ ઉક્ત communique કે સાથ મેં સર્વ કૌંસલ કા
હુકમનામા યા કર્રવાઈ રક્ષક સભા કે સેક્રેટરી કો ભેજ દિઈ જાય:—

कौंसिल का हुक्मनामा ।

Resolved: (a) That the Council order that the Gossner Autonomy Rakshak Sabha be forthwith dissolved; no meetings of the Association be held except for the dissolution of the Association in the buildings and premises of the Gossner Autonomous Lutheran Church, as the breach of this Order will subject the workers to forfeiture of their services and removal from Mission residential houses.

(b) It is further ordered that the Minute Book and the printed manifesto sent to the Church Council remain confiscated and not returned to the Association. Also that the Account Book for funds collected by the Association be confiscated and the Secretary of the Association be asked to make it over to the Secretary of the Council at once and the funds so collected be either refunded to the subscribers or be donated to the Church for charitable purposes.

(c) It is also ordered that the Church Council's communique be considered final and no further correspondence be entered into with the Association on the subject.

(d) Also ordered that a report of the dissolution and the making over of the Account Book and the funds of the Association be sent to the Council within 3 days from the day of the receipt of this Order.

J. Troop
15-8-34

Secretary
15. 8. 34.

बुधवार ता: २८ अगस्त १९३९ ॥
कार्य्यकारक सभा तथा स्थानीय अंगों की बैठकी ॥

आज के दिन में प्रेसिडेन्ट के न रहने पर जो सभा बुलाई गई। प्रेसिडेन्ट १५ ता: को गोविन्दपुर होते हुए घर चले गये और ५ दिनों में लौट आवेंगे कहे परन्तु यह देखके कि १४ दिन बीत गये और "ओटोनोमी रक्षक-सभा" के विषयों पर उचितरूप से कारवाई करना जरूर है आज की मीटिंग बुलाई गई। निम्न लिखे सभा सद्गण उपस्थित थे :—

१। पादरी एम० ग्रेहन ... ... खजांची।
२। " एम० केरिशस।
३। मि० निर्मल सोय
४। " सामूएल पुती
५। " पिटर हुल ... ... सेक्रेटरी।

मि० थेओदोर सुरिन लोहरदगा के मोकद्दमा के कारण जिसकी आज तारीख थी हाजिर नहीं आ सके। स्थानीय अंगों में मि० सुरिन को छोड़ सब हाजिर थे।

प्रेसिडेन्ट की गैरहाजिर रहने के कारण मि० सामूएल पुती आज की बैठकी के लिये सभापति चुने गये।

सभापति के आसन पर बैठने के पीछे आज का काम नोटिश दिये अनुसार कारम्भ किया गया —

ओटोनोमी रक्षक सभा पर कारवाई ॥

सेक्रेटरी ने बताया कि बीते दिन की कारवाई सम्बन्धी संकल्प पर प्रेसिडेन्ट आपही सही कर चले गये थे सो मिनिट में उनही को सही होनी चाहिये।

इसके पीछे सेक्रेटरी ने भिन्नस्थानों से जो जो समाचार, चिट्ठी पत्री आई हैं अथवा क्या क्या कारवाई आफिस से किये गयी हैं अथवा क्या २ हाल खबर लोगों के द्वारा विश्वस्त सूत्र से मालूम हुई हैं उनको बताया। फिर सेक्रेटरी ने और पादरी एम० ग्रेहन ने भी डैरेक्टर स्तोश साहिब की चिट्ठी का अनुवाद सभासदों को बताया। चिट्ठी हवा-डाक से आई थी। उसमें यही लिखा था कि पादरी बेन्यामीन मिंज "गोस्सनर ओटोनोमी प्रोजरवेशन-सोसैटी" का सेक्रेटरी होकर तार दिया था कि पादरी एम० ग्रेहन, जोन और केरिशस साहबान बुला लिये जांय क्योंकि इन लोग मंडली को जोख़म में डाल रहे हैं।"

फिर इस विषय के सम्बन्ध को ठीक से याद करने के लिये कौंसिल की जो कारवाई अगली बैठकी में हुई थी सो पढ़ सुनाया। अब विषय पर बातचीत हुई। यह भेजा जाना गया कि कौंसिल के हुक्म अनुसार उक्त "रक्षक" सभा ने अब तक अपना काम बन्द नहीं किया और इस पर कोई जवाब नहीं भेजा।

फिर यह भी कहा गया कि जो तार डैरेक्टर स्तोश के पास भेजा गया है उससे यह साफ प्रगट है कि पादरी योएल लकड़ा कौंसिल का मेम्बर होके और पादरी बेन्यामीन मिंज भी मंडली का पादरी और कार्यकारी होके, तथा बाबू महेन्द्र खेस्स और बाबू नैमन टोप्पो ये तीनों भी मंडली का कार्यकारी होके सर्व कौंसिल तथा महासभा के विरुद्ध कार्य कर रहे हैं। प्रगट रहे कि जितने

ता: ३१ अगस्त [शुक्रवार] १९३४ ॥

—*—

कार्य्यकारक सभा तथा चर्च कौंसिल के स्थानीय अंगों की बैठकों ॥

—oo—

आज की बैठकों संध्या पूर्वजे शुरु हुई। आज प्रेसिडेन्ट अपने घर से नौट आके हाजिर थे और मि० थेओदोर सुरिन भी हाजिर आये। सो आज की हाजिरी यों हुई:-

१। पादी योहन तोयोनो ... ... प्रेसिडेन्ट।
२। " एम० प्रेहन ... ... खजांची।
३। " एम० केरिएस।
४। मि० सामूएल पुर्ती।
५। " निर्मल सोय।
६। " थेओदोर सुरिन।
७। " पिटर हुल...र ... सेक्रेटरी।

पहिले सेक्रेटरी ने प्रार्थना में सभा को अगुवाई किई और तब विषय पर आज का काम समाधान यों हुआ—

I गोस्सनर फ्रोटोनोमी रक्षक सभा। पादी थोएल लकड़ा और पादी बेन्यामीन मिंज।

विषय को पेश करते हुए सेक्रेटरी ने अगले दिन का लिखा हुआ मन्तव्य पढ़ सुनाया और फिर से उस पर वातचीत हुई क्योंकि अगले दिन प्रेसिडेन्ट आप ही और मि० थेओदोर सुरिन भी गैर हाजिर थे। अगले दिन के संकल्प (क) पर वात= चीत हुई कि क्यों उसको ऐसी आवश्यकता है कि इस विषय पर शीघ्र करवाई होवे। आवश्यकता पर वात करते हुए सेक्रेटरी ने रद्द ता: को चट्ठी में जो सभा हुई थी उसके वीर पादी धर्मप्रकाश मिंज की लिखी रिपोर्ट पढ़ सुनाई तथा उसकी मुंहजवानी और भी वातें जो सेक्रेटरी ने सुनी थीं और जिन्हें उसने लिख लिया और उस पर पादी धर्मप्रकाश मिंज को सही लिई थी उसे भी पढ़ सुनाया। इसके पीछे सुसमय पर गोलमाल को रोकने और उसको जड़ मूल से वन्द कर देने के लिये— "रक्षक सभा" के मुख्य अगुवों पर उचित करवाई करने के विषय वातचीत हुई।

१। सर्व्व सम्मति से यह ठहराया गया कि अगले दिन की करवाई के अनुसार पादी थोएल लकड़ा चर्च कौंसिल के अंग होने से suspend अथवा अलग किया जाए ॥
२। पादी थोएल लकड़ा और पादी बेन्यामीन मिंज दोनों जन पादी काम से suspend अथवा अलग किये जांए ॥
३। कि अगले दिन के मन्तव्य के (ख) और (ग) पर वैसेही करवाई होए जैसा विचार हो चुका है ॥

II रक्षक सभा के अंगों पर करवाई।

आगे यह भी वातचीत हुई कि न केवल उक्त सभा के पदधारियों पर अन्य अंगों पर भी उचित करवाई होनी चाहिये जिसें कौंसिल सभों पर एक ही दृष्टि रखके न्याय के संग करवाई करे। यह उचित जाना गया उक्त सभा के अंग मंडली के कार्य्यचाली होने से और मंडली में आवश्यक कामों को करने से भी रोके जावें क्योंकि यह भला नहीं है कि जो द्रोही होकर मंडली के शासन-प्रवन्ध का विरोध

करते हैं वे मंडली के कामों के सम्भागी होवें। इसलिये नीचे लिखे संकल्प ग्रहण किये जाते हैं:—

4c

संकल्प: [क] कि मि० नैमन टोप्पो, मि० महेन्द्र वेस्स, मि० हानमेल होरो और दूसरे जो मंडली का कर्मचारी होके "गो० ओ० र० सभा" के अंग हुए हैं वे आगे मंडली के पंचों में अथवा मंडली के आदरवन्त कामों में भाग नहीं ले सकते हैं और जो जो काम वे अभी पंचों के सम्बन्ध में करते हैं उससे वे अलग किये जाते हैं।

2c

[ख] कि मंडली-कार्मचारियों को छोड़ अन्य लोग जो उक्त "रक्षक" सभा के अंग हुए हैं वे भी मंडली पंचों में रहके मंडली के आदरवन्त कामों में भागी नहीं हो सकते हैं और इसलिये वे मंडली पंचों में आगे न रहें॥

[ग] कि जो लोग उक्त रक्षक सभा के अंग हैं और मंडली के घरों में रहते हैं उनको नोटिश दिया जाय कि वे नोटिश पाने के दिन से १ महीना के भीतर में मंडली घरों को छोड़ देवें।

III पादी इसहाक एक्का कौंसिल का अंग।

2c

संकल्प: कि पादी योसेफ लकड़ा के चर्च कौंसिल के अंग होने से सस्पेन्ड होने के कारण से आगामी महासभा तक उसके बदले में पादी इसहाक एक्का कौंसिल का और उसको कार्य्यकारिणी सभा का अंग होने को ठहराया जाता है॥

IV प्रेसिडेन्ट की चरवाही चितापन पत्री।

2c

संकल्प: कि "गो० ओ० र० सभा" के कारण से मंडली के शासन प्रबन्ध पर जो रोकटोक आई है और ऐसे गोलमाल से मंडली को कैसी हानि होती है और ऐसा उलझुलान करना अनुचित है इस विषय पर प्रेसिडेन्ट एक सुन्दर ज्ञानदायक चरवाही चिट्ठी पैत्रिक भाव पर सब मण्डलियों के लिये लिखें जो छापा जाकर भेजी जाए॥

J. J.

V प्रेसिडेन्ट को सस्पेनशन चिट्ठी।

2c

संकल्प: कि पादी योसेफ लकड़ा और पादी बेन्यामीन मिंज दोनों को पादी काम से suspend अथवा अलग करने के लिये चर्च कौंसिल का जो संकल्प हुआ है होगा उसके साथ साथ प्रेसिडेन्ट उक्त हुक्म के लिये अपनी सही पर forwarding letter लिख कर भेजें। दोनों के लिये अलग अलग चिट्ठी लिखी जाए॥

VI चितावन यात्रा प्रबन्ध।

6c

संकल्प: कि उन मंडली क्षेत्रों में जहां जहां "रक्षक सभा" अपना प्रचार काम खूब जोर चला रही है लोगों को और कर्मचारियों को समझाने बुझाने और उन क्षेत्रों की दशा जानने को, प्रेसिडेन्ट, सेक्रेटरी, मि० सोय, पादी इसहाक एक्का और यदि सके तो मि० थेओदोर सुरिन भी विहतों में जावें। प्रेसिडेन्ट और मि० निर्मल सोय सभर का प्रोगाम तैयार करें जिसमें १२ सेप्टेम्बर के पहिले ये अंग अपनी रिपोर्ट कौंसिल को देने सकें॥

इतना काम होने पर अन्त में मि० सोय ने प्रार्थना किई और सभा बर्खास्त हुआ॥

J. Topno
1-9-34

1.9.34.

कार्य्यकारक सभा तथा स्थानीय अंगों की एकत्रित बैठकी।

—x—

ता: ८ सेप्टेम्बर [शनिश्चर] १९३४ ई० ॥

इस संध्या को बैठकी जैसा ठहराई गई थी हुई। प्रेसिडेन्ट भी जो केवल्सा मनोहरपुर गये हुए थे सो लौट आये थे सो अभी की हाजिरी यों हुई :—

१। पाद्री थोहन तोयोनो ... ... प्रेसिडेन्ट।
२। " एम० ब्रेहन ... ... रजांची।
३। " एम० कोरिग्रासे।
४। मि० एन० सोथ।
५। " थेओदोर सुरिन।
६। " पिटर कुरुल ... ... सेक्रेटरी ॥

प्रथम सेक्रेटरी ने प्रार्थना किई और यों सभा का काम खोला गया अर्थात "रक्षक सभा के विषय में बातचीत शुरू हुई।

गो० ओ० रक्षक सभा।

गो० ओ० रक्षक सभा के विषय को पेश करने पर मि० थेओदोर सुरिन ने सब उपस्थित अंगों को बताया कि उसने पाद्री थोएल लकड़ा को समझाने बुझाने का भार लिया था सो उसने जो कुछ किया अथवा कर सका सो यह है अर्थात सारांश कि मि० लकड़ा ने कहा कि उनके विचार में उसने ठीक ही किया है तौभी रक्षक सभा ने ठीक किया है कि नहीं यह बात महासभा में विचारी जाए और महासभा के न बैठने तक वह सभा अपना काम बिलकौल बन्द करने चाहती है। मि० सुरिन ने बताया कि "रक्षक सभा" dissolve अथवा भंग नहीं होती है परन्तु उसका activity अथवा करवाई बन्द किई जायगी। उसने यह भी कहा कि जब वह सभा अपना आन्दोलन बन्द करती है तो कौंसिल भी अपनी करवाई आगामी महासभा तक बन्द करे। मि० सोथ ने जो मि० सुरिन के साथ गये थे अपनी सम्मति उस बात पर प्रगट किया।

फिर प्रेसिडेन्ट ने भी कहा कि जिससें भविष्यत में गोलमाल न होवे पर शांति और कुशल रहे इसलिये भला है कि महासभा तक यह विषय दोनों ओर से मुलतवी रखा जाए क्योंकि (आपने कहा) सभा के लोगोंने कुछ तो देखा है जिससे वे अपना काम कर करते हैं और फिर गोलमाल N.C.C और अमेरिका और जर्मनी तक बढ़ जायगा इत्यादि। फिर किसी को पद से उतार देना सबसे भारी बात है

उपरोक्त ~~कही~~ कही हुई बातों पर अन्य अंगों से कुछ ~~कहा गया~~ प्रत्युत्तर के रूप में कहा गया और तर्क वितर्क होने पर यह भला समझा गया कि अब और तीन चार दिन कौंसिल की अतिरिक्त बैठकी के लिये है सो उस समय तक यह जाना चाहिये और उसी समय पूरी कैसला हो जाए सो —

संकल्प :(क) कि कार्य्यकारक सभा और स्थानीय अंगों को जो ~~कार्य्य~~ कैसला अभी तक "रक्षक सभा" के विषय हुए हैं उन पर करवाई करना रुका रहे जब तक यह सम्पूर्ण विषय अतिरिक्त पूरी कौंसिल में वादानुवाद होके पूरी रीति से तय न होवे।

(ख) कि प्रेसिडेन्ट आप ही पाद्री थोएल लकड़ा को १२ सेप्टेम्बर बुधवार के लिये उपस्थित होने के लिखें जिससें उसके सामने में इस विषय पर जो उचित समझा जाए सो पूछपाछ और बातचीत हो सके ॥

Arthur
12. 9. 34.

अतिरिक्त पूर्ण चर्च कौंसिल ।

ता: १२ सैप्टेम्बर १९३४

[बृहस्पतिवार]

आज के दिन ८ बजे विहान को अतिरिक्त पूर्ण चर्च कौंसिल की बैठकी हुई क्योंकि नोटिश में दिन के अनुसार तारीख के न मेल खाने से बुधवार को बैठकी नहीं हुई। आज की सभा के लिये निम्नलिखे सभासद उपस्थित थे:—

१। पाड्री योहन तोयोनो ... ... प्रेसिडेन्ट ।
२। " एम० ग्रेहन ... ... खजांची ।
३। " एम० कोरिशेस ।
४। " अ० जोन ।
५। " सुलेमान कुला ।
६। " योएल लकड़ा ।
७। " जिलो तीगा ।
८। मि० थेओदोर सुरिन ।
९। " पिटर हुरुद ... ... सेक्रेटरी ।

मि० निर्मल सोय अपने बेटे की बिमारी के कारण अनुमति लेकर पुरुलिया गये । अन्य अंगों से जो गैरहाजिर थे मि० मुर्मू के पास से उपस्थित न हो सकने की चिठी आई ।

गो० ओ० रुक्क सभा विषयक कारवाई ।

प्रेसिडेन्ट ने पहिले कहा कि अगले दिन में विषय को बताने में उसने कदाचित कुछ गलती किई थी कि क्यों यह सभा बुलाई गई है । इस पर पाड्री अ० जोन ने कहा कि विषय तो नोटिश ही में दिया गया है । तौभी यह उचित समझा गया कि सभा बुलाने का कारण स्पष्ट से बताया जाए । तिस पर सेक्रेटरी ने बताया कि बीते पूर्ण कौंसिल के अन्तिम दिन अर्थात ६वें अगस्त में गो० ओ० रु० सभा के विषय में बिचार करते हुए यह संकल्प हुआ था [संकल्प (ख) पढ़ा गया] कि यदि उक्त सभा अपना कागज-पत्र कौंसिल को न सौंपे और अपनी सभा को तोड़ न देवे इत्यादि तो फिर तुरन्त चर्च कौंसिल बुलाई जाए । इसके पीछे सेक्रेटरी ने यह भी बताया कि इस बीच में कार्य्यकारक सभा और कौंसिल के स्थानीय अंगों की बैठकी (पाड्री योएल लकड़ा को छोड़ कर) हुई थी जिसमें उक्त सभा के सभापति पाड्री योएल लकड़ा और सेक्रेटरी पाड्री बेन्यामीन मिंज पर तथा मंडली के कार्मचारियों पर जो उक्त सभा के अंग हैं क्या कारवाई होनी चाहिये । कार्य्यकारक सभा तथा स्थानीय अंगों के उक्त बिचारों को पूर्ण रीति से हटाने और उनके अनुसार कारवाई करने के लिये यह भी संकल्प हुआ कि पूर्ण कौंसिल की अतिरिक्त सभा १२ सेप्टेम्बर दिन बुधवार को बुलाई जाए और इसीलिये यह सभा बुलाई गई है और आज बैठती है । इसपर २रे अगस्त का समूचा संकल्प (क)—(ख) तक पढ़कर सुना दिया गया ।

इसी समय में पाड्री योएल लकड़ा ने कहा कि वह चर्च कौंसिल और कार्य्यकारक सभा का भी अंग है और उसके बिना बैठकी किया गया इसलिये वे सब बैठकियां अनियमित हैं । उसने पूछा कि कहां पर नियमावली में लिखा है कि चर्च कौंसिल का कोई अंग बिना नोटिश छोड़ दिया जा सकेगा सो दिखाया जाए । इस पर सेक्रेटरी ने जवाब में कहा कि इसके लिये कोई नियम का दरकार नहीं है क्योंकि यह स्वाभाविक न्याय (natural justice) की बात है कि कोई

कोई एक जन जो किसी सभा के विरुद्ध दोष करे तो वह आप ही अपना विचार करने को विचारक होके दूसरे सभासदों के संग सभा में बैठे। इस पर पाद्री जिलो तीगा ने उठकर नियमावली के 7वें निर्णय के पूर्वे प्रकरण को पढ़ा जहां पदधारियों के पद त्यागने अथवा अयोग्य पाये जाने के बारे में लिखना है। सेक्रेटरी ने कहा कि इसमें यहां सिर्फ पदधारियों के विषय लिखा है चर्च कौंसिल के अंगों के बारे नहीं। तिस पर फिर पाद्री जिलो तीगा ने कहा कि १९२९ की महासभा में कौंसिल के अंगों के बारे नियमावली में सुधार हुआ है। सेक्रेटरी ने कहा मैं भी इसको जानता हूं और १० वें निर्णय के सम्बन्ध में जो १९२९ की महासभा से नियमावली में जोड़ा हुआ है उसे पढ़ दिया। पाद्री ओस्ल लकड़ा ने कहा कि सेक्रेटरी इनको नहीं बताता है इसी प्रकार से वह कौंसिल को और सारे मंडलों को dupe कर देता है। सेक्रेटरी ने कहा—कभी नहीं dupe करने की बात नहीं आती है क्योंकि दोनों निर्णय के विषय अलग अलग है। यहां मि० लकड़ा ने कहा मैं नियमावली को मानता हूं और उस पर खड़ा रहूंगा। पाद्री एम० प्रेहन और सेक्रेटरी ~~पाद्री~~ दोनों हमारे विरुद्ध में इन सब बातों को कौंसिल में करते हैं। पाद्री एम० प्रेहन ने कहा कि dupe करने की बात सत्य नहीं है क्योंकि कौंसिल के अंग लोग स्वाधीन विचार रखते हैं और यदि dupe किये जाते हैं तो अ अंगों का, चर्च कौंसिल का, self-respect नहीं रहता है। तब मि० लकड़ा ने कहा कि कौंसिल के अंगों में जब हमारे विरुद्ध personal grudge है तो कैसे हमारा विचार कर सकते हैं। पाद्री कोरिस ने कहा तो क्या समूची कौंसिल को तोड़ देना चाहिये? पाद्री जिलो तीगा ने कहा कि हां तोड़ देना और उठा देना चाहिये।

पाद्री एम० प्रेहन ने फिर से कहा कि यहां कौंसिल के कार्यकारक और स्थानीय अंगों को सभा में खूब से बातचीत हुई कि जैसा मि० सुरिन ने कहा और दूसरे अंग लोग भी सहमत हुए कि मि० लकड़ा के सम्बन्ध में जब विचार होगा तब वह न बुलाया जाए परन्तु उसको जवाब या कैफियत देने का हक और फुरसत दिया जाए जिसमें कोई बाहर का neutral आदमी भी आवे तो न्याय है कि नहीं इसको देख सके। मि० लकड़ा यहां तुरन्त बोल उठे कि तब तो हम लोग neutral आदमी विचार करने को लावें। सेक्रेटरी ने कहा कि किसी neutral आदमी को लाने की बात नहीं आती है पर पाद्री प्रेहन ने जो कहा सो यह है कि यदि कोई neutral रीति से देखे तो न्याय को देख सके।

पाद्री अ० जोन ने कहा कि अभी तो Executive ने जो कुछ किया है उसको हम लोग दुहरावेंगे कि नहीं इस पर विचार करना चाहिये। यहां पर मि० थेओदोर सुरिन ने कहा कि जब मि० लकड़ा बराबर कहते हैं कि कौंसिल के अंगों का उस पर personal grudge है और कितने मिशनरियों के विषय कि-अका मन उसके विरुद्ध में विष से भरा है तो अच्छा है कि इस विषय को पहिले साफ कर देना चाहिये। सेक्रेटरी ने यहां कहा कि जिस काम के लिये यह Extraordinary meeting बुलाई गई है उसको करना चाहिये। इसके जवाब में बोला गया कि यह natural होके या स्वभाव से उस प्रश्न से सम्बन्ध रखता है तो इसको मिटा देना चाहिये। यह अच्छा नहीं सुनाता है कि पाद्री लोग जो वचन सुनाते और प्रभुभोज देते हैं उनके मन में ऐसी बातें रहें क्योंकि तब तो प्रभुभोज लेना मेंचोठने हो जाता है। यहां पर बोला गया कि यदि personal grudge और malice की बात इतना जोर है तो मि० लकड़ा अपना charge

लिख कर देवे।

पादरी जिलो तीगा ने कहा कि छैवीं अगस्त से १२वीं सेप्टेम्बर तक के मीटिंग बिना मि० जे० लकड़ा के किये गये और मि० लकड़ा का निकाला जाना नियमावली के विपरीत है तथा उसको निकालने के लिये चर्च कौंसिल का कोई संकल्प भी नहीं है इसलिये उन दिनों के सब मीटिंग अनियमित हैं।

पादरी एम० केरोआस ने कहा कि malice और dupe होने की बात कहां तक ठीक है इसको हम लोग पीछे कौंसिल को बैठक से देख सकते हैं जब कि Mr. Pulin ने एक प्रकार का प्रस्ताव दिया और मि० केरोआस ने आप ही दूसरे प्रकार का प्रस्ताव दिया। यहां dupe होने का कुछ भी रूप नहीं है।

मि० लकड़ा ने कहा कि आप का यह प्रस्ताव या संकल्प कहां रह गया वह अब तक नहीं निकला है। उसको उत्तर दिया गया कि वह संकल्प कहां है और क्यों वह नहीं निकाला गया सो यहां नहीं बोला जाता है पर dupe होने की बात यहां कुछ नहीं लगती है।

यहां पर मि० लकड़ा ने फिर कहा कि दूसरा Recording Secretary चुना जाए क्योंकि Secretary पर उसका कुछ भरोसा नहीं है फिर कि चोर के समान चलाकी से मीटिंग बुलाता है। सेक्रेटरी ने जवाब में कहा कि कोई दूसरा भी लिख सकता है परन्तु वह आप भी लिखेगा क्योंकि नियमावली के अनुसार लिखना उसका हक्क है और कौंसिल उससे यह हक्क नहीं ले सकता है जब तो समूची कौंसिल non-confidence दिखाके उसको अयोग्य न पावें।

यह भी बोला गया कि आज तक का मिनिट सेक्रेटरी ने लिखे पीछे दूसरा लिखेगा या नहीं सो देखा जायगा।

अन्त में यह स्थिर हुआ ——

संकल्प (क) कि मि० लकड़ा कौंसिल के अंगों के ऊपर अपना चार्ज लावे जिनका उस पर personal grudge और malice है। निश्चय हुआ वह लिख करके देवे।

(ख) कि कौंसिल न केवल उन personal grudges को देखे पर उन grudges से कौंसिल के काम पर क्या असर हुआ है उस पर भी ध्यान करे।

J.J.

पादरी जिलो तीगा ने कहा कि इस संकल्प अनुसार विचार होना चाहिये परन्तु संकल्प (ख) का J.J. इसका प्रमाण देना बहुत कठिन है।

मि० लकड़ा को कहा गया कि आज सांझ ४ बजे तक अपने चार्जों को लिख कर कौंसिल के सब अंगों के लिये टैप करके देवे।

इतना हो जाने पर विधान की सभा उठ गई और दूसरी बेला ४ बजे फिर एकट्ठी आई और दूसरे दिन के लिये मि० लकड़ा को उनका Explanation लिख कर देने को कहा गया॥

J. Toppo
24-9-34.

Secy.

चर्च कौंसिल की विशेष बैठकी ।

ता: २२ सेप्टेम्बर (सनिश्चर) १९३८ ॥

आज से चर्च कौंसिल की विशेष बैठकी होगी। इसके लिये अल्प-कालिक नोटिश सब अंगों को दिई गई और मि० पन्न को २० ता: को तार भेजी गई। सो आज की बैठकी में निम्न लिखे सभासद उपस्थित थे :-

१। पादी मोहन तोपोनो ... ... प्रेसिडेन्ट ।
२। " एम० केरिश
३। " एम० प्रेहन ... ... खजांची ।
४। " अ० जोन
५। " योएल लकड़ा ।
६। " जिलो तोगा ।
७। " सुलेमान कुजा ।
८। मि० निर्मल सोय ।
९। " डी० एम० पन्ना
१०। " सामूएल मुर्मू [केवल आध घंटा थे]
११। " थेओदोर मुरन ।
१२। " पिटर हुरु ... ... सेक्रेटरी ।

आरम्भ में प्रार्थना प्रेसिडेन्ट ने आप ही किई और तब सभा के काम को शुरू हुई और निम्न लिखे विषय पर विचार हुआ =

चर्च कौंसिल की आर्थिक संकट ।

खजांची पादी एम० प्रेहन ने विस्तार से वर्णन किया कि क्योंकर जर्मन सरकार ने मिशनों के लिये रुपैया भेजना बन्द कर दिया है। आपने बताया कि export and import के लिये कठिन restrictions लगाये गये हैं ऐसा कि सरकार उतनी ही रुपैया देश में आने देती है जितना का वह आयात अपने देश के लिये चाती है। आप ने यह भी कहा कि July के लिये उनके पास कुछ नहीं आया परन्तु अगस्त में जुलाई का पावना £340/ था सो और £300 extra जो स्कूलों के लिये मिलना था, जमा £640 के बदले में £140 मिला। फिर Miss Heintze से मिला इसलिये स्कूलों को भी दिया जा सका अभी अगस्त बीत गया और सेप्टेम्बर अन्त होने पर है इस महीने में अक्टोबर का पहुंच जाना चाहिये था। अभी हवा-डाक के समाचार से मालूम है कि salary proper आवेगा परन्तु इसमें Seminary और Bible women के लिये भी आवेगा। कि नहीं सो ठीक नहीं मालूम है। आपने Rev: Meyer को भी जो समाचार मिला है सो बताया कि "German Government does not allow any money for Indian work." नया समाचार है कि exchange के लिये नया attack किया जायगा। सब बातों का बतला कर खजांची ने कहा कि इस वर्त्तमान कठिनाइयों को दूर करने के लिये दूसरा बन्दोबस्त करना ही चाहिये जिसें जब इस महीने का अन्त होवे तो सभों को निर्धका कौंसिल के सेन्ट्रल खजाने से दिया जाता है उनको मिल सके। हिसाब में दिखाया गया कि मंडली के कामों के लिये ५००) लड़कों के स्कूलों के लिये जो हेड-सुपरवेजर के जिम्मा में है २५०) रुपैया और लड़कियों के स्कूलों के लिये ५०) रुपैया महीना देना है अर्थात गोल संख्या में ८००) रुपैया महीना मिलना चाहिये।

सज्जनों ने आगे चल कर कितने उपायों को दिखाया जिससे अमरकर्जा का काम किया जा सकता है इत्यादि अर्थात :—

(क) कि बोर्ड आव ट्रस्टीज से कर्जा लेवें।

(ख) प्रेसिडेन्ट को रांची इलाके का इलाका-चेयरमैन बनावें जिन्हें जब उनको इलाके से जो कुछ मिलेगा उस पर जो घाटा खेवे उसे कौंसिल देवे।

नोट — सेक्रेटरी और सब-सुपरवेजर के विषय में आपने कहा कि इन दोनों के विषय में कहना मुश्किल है कि क्या दूसरा काम करें।

(ग) ड्राईवर को अभी तलब पर न ठहरावें परन्तु जब जब काम होता है तब तब रोजीना के हिसाब से देवें।

(घ) इलाकों से २०% पाने के लिये जोर से लिखा पढ़ी करने का यत्न करें।

(ङ) जहां जहां की सम्पत्ति बेचने योग्य है उनको बेच देवें।

इसके पीछे मि० डी० एम० पन्ना ने बताया कि आप बोर्ड आव ट्रस्टीज की ओर से कौंसिल को कर्जा दे सकते हैं अर्थात Savings Bank में जो है उसको निकालेंगे अर्थात Trustees Fund को। रुपया को निकालने में एक महीना का नोटिस देना होगा पर महीना २ एक एक हजार रुपैया निकालने से नोटिश देने की कोई जरूरत नहीं होगी। कुछ बहुत बातचीत होने पर यह ठहराया गया —

संकल्प : कि चर्च कौंसिल बोर्ड आव ट्रस्टीज से अर्जी करती है कि ४०००) चार हजार रुपैया कर्जा देवें जिसके लिये कौंसिल बोर्ड को ३½% रुपैया करके ता-अवाय सूद देगी।

Compensation Loan.

जब कोमपेनसेशन देने के लिये बोर्ड से कर्जा लेने की बात हुई तो मि० पन्ना ने कहा जब ४०००) दिये जायेंगे तो बोर्ड के पास और कुछ नहीं बचेगा कि इस काम के लिये और कर्जा दे सकें क्योंकि २०००) लोअरबाजार के मोकदमा के लिये अलग कर दिया गया है और फिर इलाकों की जमीनों के सेटलमेन्ट खर्च के लिये भी देना है। सो निदान यह विचार रखा गया कि जहां जहां का हाता जमीन बेचना बनता है वह बेचा जाय। सब को देखभाल कर पाया गया —

संकल्प : कि पुरुलिया की डांगा जमीन जो दरिन और विक्टोरिया स्कूल से है; बुड़दा की दो जमीन, मुनिया की ऐमती जमीन, जोन्हा का हाता जमीन — ये सब जमीन बेची जांय। फिर बैरस्ता बड़ा बजार की जमीन भी बेची जाय। जिससे इससे कोमपेनसेशन सहाय का कर्जा अदा किया जा सके॥

मालूम हुआ कि चक्रधरपुर की जमीन और वैसे ही सिंघानी हाता की अधिक भाग जमीन नहीं बेची जा सकती है।

कितनी जगह के घरों, बंगलों और जमीनों को बन्दोबस्त करने की भी बातचीत हुई

संकल्प : (क) कि रांची हाता के कबरस्थान के उत्तर और पूर्व की जमीन तथा चर्च रोड पर की जमीन भी बन्दोबस्त किया जाय कि उससे मंडली की आमदनी बढ़े। मि० डी० एम० पन्ना बोर्ड सेक्रेटरी उपरोक्त बन्दोबस्त करने को अधिकृत होवें॥

(ख) कि मि० पन्ना को अधिकार दिया जाय कि वह Emergency Compensation Loan के लिये अभी ३०००) तीन हजार रुपैया पाने के लिये ८% सैकड़ा सूद पर उचित बन्दोबस्त करें और तब २०००) दो हजार रुपैया को कम सूद में रोजगे का यत्न करें।

यह रुपैया मिलने पर कैसे बांटा जायगा अर्थात पाड़ो और प्रचारकों के बीच कैसे दिया जायगा इस पर बातचीत हुई और तब —

संकल्प : कि सब कर्मचारियों में जिन लोग बैंक के अथवा महाजनों के ऋणी हैं उनको पहिले कोऑपरेशन - सहायक देने की चिन्ता किई जाए ॥ और कार्य्यकारिणी सभा बांटने का प्रबन्ध बनावे और उसे मेंजूरी के लिये कौंसिल के अंगों के पास circulate करे ।

आगे जो ३०००) तीन हजार रुपैया ~~कर्ज~~ कर्जा लिया जायगा उसको भरने और उसका सूद ठीक ठीक समय पर देने की चिन्ता होनी चाहिये कि किसी सूरत से किस्त-खिलाफ़ न होवे। इसके लिये जो नाना प्रकार के उपाय किये जांय जिसमें एक यह भी है कि भिन्न देशों में लिखापढ़ी किई जाए अर्थात :—

प्रेसिडेन्ट और सोय मिलके — लूथरान फेडरेशन को लिखें ।
खजांची एम० ग्रेहन — अमेरिका के डेशलर ओहाइयो के P. Peters साहिब को ।
पादरी योएल लकड़ा — अमेरिका के मित्रों के पास । Auxiliary Board
पादरी एम० कोरियास — मीमेल के ~~मिशन बोर्ड~~ और मित्रों पास ।
सेक्रेटरी — नेशनल क्रिश्चियन कौंसिल को ।

यह भी कहा गया कि Goreua Mission Board से पूछा जाए कि इस समय में हम किन किन देशों को सोसैटियों से लिखापढ़ी कर इत्यादि ॥ जिस्तें सब रुपैया सीधा कौंसिल को मिले अर्थात खजांची के पास न जाए ॥ J. Jopuns.

Sec.

गो० ओ० रक्षक सभा पर ।

इस विषय के आरम्भ में प्रेसिडेन्ट ने अगस्त दि ३ के मन्तव्य से एक दो बातों को बताया परन्तु इस विषय पर पूरी रीति से जानकार होने को उसने सेक्रेटरी से पूरे मन्तव्यों को जो ३ अगस्त, ४ अगस्त और ६ अगस्त में लिखे हैं पढ़ने को कहा ।

जब ४ अगस्त के मन्तव्य पढ़े गये तब मि० लकड़ा ने पूछा कि इस दिन के मन्तव्य क्यों जारी नहीं हुए। फिर बताया गया कि सनिश्चर का दिन था

See next sheet.

~~चर्च कौंसिल मिनिट~~

ता: २२ सेप्टेम्बर से

२६ सेप्टेम्बर १९३४ पहिली

बेला तक का सब

पादरी एम० प्रेहन

के पास हैं ॥

फिर २७ सेप्टेम्बर बिहान का भी

उसी के पास है ॥

Prehn

27. 9. 34

पूरी चर्च कौंसिल की बैठकी
का
मन्तव्य ।

—*—

ता: २६ सेप्टेम्बर [बुधवार] १९३४ ॥
दूसरी बेला ॥

आज दूसरी बेले की बैठकी में निम्न लिखे सभासदगण हाजिर थे :—

१। पादरी योहन लोपोनो ... ...प्रेसिडेन्ट ।
२। ॥ रेव० प्रेहन ... ... खजांची ।
३। ॥ एम० केरिस ।
४। ॥ अ० जोन ।
५। ॥ सुलेमान कुला ।
६। ॥ योसुल लकड़ा ।
७। ॥ जिलो तीगा ।
८। मि० पिटर हुरु * सेक्रेटरी ।

आरम्भ में प्रार्थना हुई और "रद्दाक" सभा विषयक मिनिट पढ़े गये और नई Circular Order के लेख पर प्रेसिडेन्ट की सही हुई और तब नीचे लिखे काम सम्पादन हुए :—

१। पादरी बरनाबास डुमरेम ।

कारोमट्टी इलाके की उजुर दरखास्त पर विचार हुआ—

संकल्प: कि चर्च कौंसिल अपनी कैसला को अभी नहीं बदल कर सकती है सो चर्च कौंसिल आप लोगों को यह कहती है कि आप लोग उसको ग्रहण कीजिये क्योंकि आप लोगों की दरखास्त कुछ देर में आई ॥

२। आड़ सुगदा के लिये मुंडा पाद्री ।

एस० एम० एस० के सेक्रेटरी आशीर्वादम की चिट्ठी पढ़ी गई—विचार हुआ—कि यह विषय अभी मुलतवी रखा जावे ।

३। मि० सामुएल पुर्ती की गैरहाजिरी ।

संकल्प: प्रेसिडेन्ट आप ही मि० पूर्ती से बातचीत करें और इसके विषय कौंसिल को बतावें ।

इतना हो जाने पर सभा को बन्द करने का विचार हुआ और प्रार्थना के पीछे सभा विसर्जन हुई ।

J. Lopono. Pres.
27-9-34

Hurcal
26.9.34.

~~चर्च कौंसिल की बैठकी।~~

ता: २७ सेप्टेम्बर १९३४।

———··———

आज के दिन निम्नलिखे सभासदगण उपस्थित थे :—

१। पाड्रीयोहन तोपोनो ... ... प्रेसिडेन्ट।
२। " एम० प्रेहन ... ... रजांजी।
३। " योसुत लकड़ा।
४। " अ० जोन।
५। " सुलेमान कुला।
६। " एम० केरशास।
७। मि० एन० सोय।
८। " थेओदोर सुरिन।
९। पाड्री जिलो तीग्गा।
१०। मि० पिटर हरद ... ... सेक्रेटरी।

१। गो० मो० एकाक सभा पर उजुर।

गो० मो० एकाक सभा के कार्रवाई पर सेक्रेटरी ने अपनी रिपोर्ट दिं और अपना उजुर अर्थात Note of Dissent पेश किया।
यह उजुर गृहण होकर फैल में रखने का स्थिर हुआ।

२। हाई स्कूल प्रिनसिपेलशिप।

सेक्रेटरी ने बताया कि April के regular meeting में यह विचार किया गया कि High School Principalship के लिये October meeting में होवे। बातचीत पर यह फैसला हुआ-
संकल्प: कि Extraodinary और Special मीटिंगों के बुलाये जाने के कारण कि फुरत regular meeting नवेम्बर में बुलाना कठिन है इसलिये Director, Storch के आने का समाचार पत्रे Executive उस meeting का प्रबन्ध करेगी।

३। मि० हरद पर मि० लकड़ा के चार्जों पर।

संकल्प: कि चार्जेस के बाकी विषय पर बाद करने को Executive बन्दोबस्त करे।

४। Agenda के बाकी विषय।

संकल्प: कि २२ सेप्टेम्बर १९३४ ता: को एजेन्डा के बाकी विषय Executive करे।

Thuram
Secy
27. 9. 34

मिशनरी यहां छोटानागपुर आते हैं वे महासभा के और बर्लिन बोर्ड के बीच के एग्रीमेन्ट के अनुसार आते हैं तथा उनका सम्बन्ध जो एग्रीमेन्ट में है सो भी नियमावली के द्वारा कानूनी बनाया गया और दृढ़ाया गया है। सो जो कार्मचारी अनियमित सभा बनाके महासभा के संकल्पों और नियमावली के विरुद्ध चर्च कौंसिल के बिना परामर्श स्वतंत्ररूप से बर्लिन बोर्ड को लिखते हैं कि अमुकर मिशनरियों को बुला लीजिये वे महासभा का और उसके कार्य्य निर्वाहक अधिकारी अर्थात चर्च कौंसिल का विरोध करनेहार और उलझुलान करनेहार ठहरते हैं। इसलिये "गो० ओ० ए० सभा" के अंग जो मंडली के कार्मचारी हैं सो कलीशा के किसी काम और पद में नहीं रह सकते हैं। इसलिये —

संकल्प : (क) कि पादुो योएल लकड़ा और पादुो वेन्यामीन मिंज दोनों जन निर्णयावली के १० वें निर्णय के २रे और ६ठें प्रकरण के अनुसार मण्डली के शासन-प्रबन्ध में सम्भागी होने के बदले स्थापित शासन-प्रबन्ध के विपरीत कार्य्य करते हैं और प्रगटरूप से अपने छापे हुए पत्र में पावल प्रेरित का उदाहरण अनुचितरूप में दिखाके मण्डली को स्वतंत्रता के बिगड़ने का दृष्टान्त देते हैं जो झूठी शिक्षा है और यों मिशनरियों के आने के बार महासभा की इच्छा और संकल्पों के विरुद्ध रोकटोक डालते हैं। ये दोनों पादुो कौंसिल की अधिकारिक आज्ञा भी नहीं मानते हैं। इसलिये नियमावली से अधिकृत होकर चर्च कौंसिल पादुो योएल लकड़ा को चर्च कौंसिल का अंग होने से और पादुो काम से अलग वा सस्पेन्ड करती है और पादुो वेन्यामीन मिंज को भी वैसे ही उसको पादुो काम से अलग वा सस्पेन्ड करती है।

(ख) कि पादुो योएल लकड़ा, पादुो वेन्यामीन मिंज, मि० नैएमन टोप्पो, मि० महेन्द्र खेस्स, मि० हानियेल होरो जो मण्डली के कार्मचारी हैं उनको नोटिश दिया जाए कि चर्च कौंसिल का हुक्म पाकर १ महीने में उनका काम अन्त होता है और उनमें से जो लोग मण्डली के घरों में रहते हैं वे मण्डली का घर काम के अन्त होने पर छोड़ देवें।

(ग) कि पादुो योएल लकड़ा, पादुो वेन्यामीन मिंज, मि० नैएमन टोप्पो, मि० महेन्द्र खेस्स, मि० हानियेल होरो — इन पांचों कार्मचारियों के सम्बन्ध में स्कूल डिपार्टमेन्ट को तथा स्कूलों के मैनेजिंग कमिटियों को उचित सूचना दिई जाए और बताया जाए कि मंडली के नियमानुसार न चलने और रहने के कारण वे मंडली के कार्मचारी नहीं रह सकते हैं।

(घ) कि कार्य्यकारक सभा तथा स्थानीय चर्च कौंसिल के अंगों की उपरोक्त कार्रवाई को दृढ़ाने के लिये पूरी कौंसिल की अतिरिक्त सभा १२ सेप्टेम्बर १९३४ दिन बुधवार को बुलाई जाए।

~~[illegible] कि संकल्प (क) पादुो योएल लकड़ा और पादुो वेन्यामीन मिंज को नोटिश देना जाए और संकल्प (ख) और (ग) जारी करने अतिरिक्त पूरी कौंसिल इसे दृढ़ाये जाने पर उन कार्मचारियों को तथा उन [illegible] संस्थाओं को जहां वे काम करते हैं सूचना और बताया जाए।~~

J. Toppo.
31-8-34.

Lentaigne
31. 8. 34.